ISBN 978-81-958883-6-8

ज्ञानाञ्जलि

सत्र 2022-23

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

NAAC IInd Cycle : Grade B++

Certified : ISO 9001 - 2015

सम्बद्ध : चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

महाविद्यालय परिवार

प्रथम पंक्ति बांये से दांये : श्री दीपक कुमार, डॉ. संजीव कुमार, प्रो. (डॉ.) सुरेन्द्र कुमार, प्रो. (डॉ.) जीत सिंह, डॉ. रतन सिंह, प्रो. (डॉ.) ममता उपाध्याय, प्रो. (डॉ.) निधि रायज़ादा, प्रो. (डॉ.) आशा रानी, प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी, प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ (प्राचार्य), प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द शर्मा, प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा, श्रीमती नेहा त्रिपाठी, डॉ. जूही बिरला, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. सत्यन्त कुमार, श्री बसंत कुमार, श्री गजेन्द्र कुमार

द्वितीय पंक्ति बांये से दांये : श्री अरविन्द सिंह, डॉ. सतीश चन्द, डॉ. कनक कुमार, डॉ. अरविन्द कुमार यादव, डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार, डॉ. नितिन त्यागी, डॉ. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. बबली अरुण, श्रीमती शालिनी तिवारी, डॉ. कनकलता, श्री धीरजकुमार, श्रीमती नीलम यादव, श्रीमती दीपांक्षी, डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. अनुपम स्वामी, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. मिन्तु, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. निशा यादव, डॉ. सीमादेवी, डॉ. रमा कान्ति, श्रीमती भावना यादव, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. अनीता, डॉ. रंजना उपाध्याय, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अपेक्षा तिवारी

शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग

बांये से दांये : श्री चन्द्रप्रकाश, श्री गौतम कुमार, श्री महेश सिंह भाटी (कार्यालयाध्यक्ष), डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्य), श्री माधव श्याम केसरवानी, श्री मुकेश शर्मा

ज्ञानाञ्जलि

आजादी का अमृत महोत्सव

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

नैक द्वारा 'बी++' ग्रेड प्रमाणित

अंक - षोडश

वर्ष - 2022-23

प्राचार्या
प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ

प्रधान सम्पादक
डॉ. नीरज कुमार

सह-सम्पादक
प्रो. (डॉ.) निधि रायजादा

सम्पादक मण्डल

डॉ. जूही बिरला
डॉ. मिन्तु
श्रीमती नीतू सिंह
डॉ. कनकलता

छात्रा सम्पादक मण्डल

कला संकाय
कु. प्रीति शर्मा, (एम. ए. संस्कृत)
कु. कंचन, (एम. ए. हिन्दी)

वाणिज्य संकाय
कु. कनिका, (बी. कॉम तृतीय वर्ष)
कु. वन्दना सिंह, (बी. कॉम द्वितीय वर्ष)

विज्ञान संकाय
कु. सृष्टि सिंह, (एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष)
कु. आकांक्षा, (बी.एस.सी. तृतीय वर्ष)

शिक्षा संकाय
कु. प्रीति रानी, (बी. एड. द्वितीय वर्ष)
कु. हर्षिता सिंह, (बी. एड. प्रथम वर्ष)

सम्बद्धः-चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

कुल गीत

शस्य श्यामला बादलपुर हरी भरी उर्वर धरती पर
जन-गण मंगल करने के हित, विद्या दीप जलाया है।

गंगा यमुना की धारायें इसके तट पावन करती
मुक्त प्रदूषण शीतल छाया, तन मन को पुलकित करती
शान्ति समन्वय नैतिकता हित ज्ञान का दीप जलाया है।
शस्य श्यामला.....

खेत-खेत क्यारी-क्यारी में, नित्य नया जीवन भरती
श्रम सीकर सिंचित यह माटी चन्दन सा जग महकाती
बाल पुष्प का सौरभ माटी चन्दन अगरु जलाया है
शस्य श्यामला.....

इसका है इतिहास निराला गाथा गायन अलबेला
मिहिर भोज की कीर्ति कथा से इसका मस्तक गर्वीला
आगत भी है परम्परागत विद्या दुर्ग सजाया है।
शस्य श्यामला.....

आजादी के प्रथम युद्ध की साक्षी है पावन धरती
बुद्ध तथागत की करुणा भी ममता का संचय करती
समरस की सुन्दर संध्या में रंजन द्वीप जलाया है।
शस्य श्यामला.....

भव्य भारती के पदतल में करें अर्चना करें नमन
रमा विजय श्री मिले सभी को, जितेन्द्रिय सब बने युवा जन
ज्ञान सूर्य से मिटे तिमिर सब, ज्योतिर्पुंज जलाया है।
शस्य श्यामला.....

ऊर्जा बौद्धिकता मानवता शुचिता पावनता और सृजन
विद्या मन्दिर बादलपुर का आओ कर लें अभिनन्दन
विद्या हर घर-घर तक पहुँचे ज्ञान का शंख बजाया है।
शस्य श्यामला.....

अनुक्रमणिका

गद्याञ्जलि		**7**
स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान देने वाली....	हर्षिता, बी.ए., प्रथम वर्ष	8
विश्वास-कहानी दो दोस्तों की!	शालू नागर, बी.ए., द्वितीय वर्ष	9
विश्वास	रिंकी, एम.ए., प्रथम वर्ष	11
गुरु-दक्षिणा	शीतल शर्मा, एम.ए. द्वितीय वर्ष	12
कहानी-एक पेड़ की	काजल नागर, एम.ए., प्रथम वर्ष	13
शिष्य का घमंड	साक्षी, बी.ए., द्वितीय वर्ष	14
एक सोने का फल	रूपल नागर, बी.वॉक., (ए.टी.एच.एम.), प्रथम वर्ष	15
प्रयास करो, तमाशा मत देखो	रिंकी, एम.ए., द्वितीय वर्ष	16
जीवन का फ़लसफ़ा	पुष्पा गुप्ता, बी.वॉक., द्वितीय वर्ष	16
सपना या हक़ीक़त	साक्षी गोयल, बी.एससी., तृतीय वर्ष	17
शिष्यों की परीक्षा	कोमल, एम.ए., द्वितीय वर्ष	18
गीर्वाणीम् नमामि	डॉ. दीप्ति वाजपेयी, प्रोफेसर संस्कृत विभाग	19
गुरुशिष्यमहत्वं तस्य ह्रासश्च	डॉ. कनक लता, असि.प्रो. संस्कृत विभाग	20
अभिज्ञानशाकुन्तलस्य समीक्षा	कुमारी पायल, एम.ए., तृतीय सेमेस्टर	21
स्त्री शिक्षायाः आवश्यकताः	कुमकुम, एम.ए., चतुर्थ सेमेस्टर	22
वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य प्रभावः	प्रिया दुबे, बी.ए., प्रथम सेमेस्टर	22
जातक कथा	रूचिका शर्मा, एम.ए., द्वितीय वर्ष	22
कर्मवीरः	नेहा, एम.ए., द्वितीय वर्ष	23
चतुरः वानरः (लघु कथा)	कल्पना, बी.ए., प्रथम वर्ष	24
TECHNOLOGY IMPROVES EFFICIENCY:	Vandana Rawal, M.A. English	24
YOUR INSPIRATIONS	Karuna Bansal, M.A. English	25
MY FIRST DAY OF COLLEGE	Alisha, M.A. 4th Semester	26
SOCIAL PROBLEM	Kalash Bansal, M.A. English	27
EDUCATION	Ritika Rawat, M.A. English 2nd Sem.	27
IMPORTANCE OF TECHNOLOGY	Shada Rameem, M.A. English	28
SOME LIFE LESSONS I HAVE LEARNT	Muskan, M.A. (English)	30
COVID TIME	Nikky Verma, M.A. 4th Sem.	31
EXOTIC WHEAT DNA: CLIMATE PROOF CROPS FOR A CHANGING WORLD	Shakshi Nagar, M.Sc. 3rd Sem	32
INTERNET OF THINGS (IOT)	Srishti Singh, M.Sc. 1st year	33
PROTECT YOUR IDEA PROTECT YOUR FUTURE	Divya Shakya, B.Sc. 1st year	34
काव्याञ्जलि		**35**
जिंदगी	प्राची त्यागी, बी.कॉम., द्वितीय वर्ष	36
बढ़ते चल	काजल नागर, एम.ए. प्रथम वर्ष	36

आकांक्षा	साक्षी, बी.एस.सी., द्वितीय वर्ष	36
बेटी	प्राची शर्मा, बी.कॉम., द्वितीय वर्ष	37
मेरी अभिलाषा	शीतल शर्मा, एम.ए., द्वितीय वर्ष	37
पथ पर बढ़ते चल	अदिति सिंह, बी.एड. द्वितीय वर्ष	37
अस्तित्व की तलाश	रूपल नागर, बी.वॉक., चतुर्थ सत्र	37
जिन्दगी की चाह	रश्मि यादव, एम.ए. तृतीय सत्र	38
मेरा दहेज	साक्षी तंवर, बी.एस.सी., तृतीय वर्ष	38
नारी की चाह	कंचन रौसा, एम.ए. द्वितीय वर्ष	38
विज्ञान का चमत्कार	निशा तोमर, बी.वॉक., (एम.एम.डी.टी.) षष्ठ सत्र	38
सुभाषितानि	इशरत, बी.ए., प्रथम वर्ष	39
सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्	नन्दिनी सिंह, बी.ए. द्वितीय वर्ष	39
अये मानवः! नैव जानासि ?	तनु, एम.ए., प्रथम वर्ष	39
कृष्णम् स्तोत्रम्	नीतू पाल, बी.ए., तृतीय वर्ष	39
जिज्ञासा	गौरी, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	40
एहि सुधीर	आरती, बी.ए., तृतीय वर्ष	40
प्रकृतिः	तनु, एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	40
ऋतुवर्णनम्	प्रीति शर्मा, एम.ए., द्वितीय वर्ष	40
लतिके लतिके!	पिंकी, बी.ए., तृतीय सेमेस्टर	41
TRY, TRY AND TRY	Neha Garg, B.Voc. (MMDT), 1st Year	41
LIFE	Kajal, B.A., III	41
NEVER GIVE UP	Neha Garg, B.Voc. (MMDT), 1st Year	41
YOU GET DIGNITY	Sakshi, B.A., III	41
SOME LIFE LESSONS I HAVE LEARNT	Divya, M.A., 4th Sem	42
ON IT RESTED	Sarika, M.A., II Year	42
SOME MOTIVATIONAL QUOTES	Anjali Tomar, B.Voc. (MMDT), 1st Year	42
विविधाञ्जलि		**43**
वार्षिक आख्या	श्वेता सिंह, समारोहिका	44
समारोह समिति	डॉ. श्वेता सिंह, प्रभारी	46
हिन्दी परिषद्	डॉ. मिन्तु, सहप्रभारी	47
संस्कृत परिषद्	प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, प्रभारी	48
English Association	Dr. Apeksha Tiwari, In Charge	50
राजनीति विज्ञान परिषद्	प्रो. (डॉ.) ममता उपाध्याय, प्रभारी	52
इतिहास परिषद्	श्री अरविन्द सिंह एवं श्री बसंत कुमार, सदस्य	54
शिक्षाशास्त्र परिषद्	डॉ. सोनम शर्मा, प्रभारी	55
समाजशास्त्र परिषद्	डॉ. विनीता सिंह, प्रभारी	55
गृहविज्ञान-परिषद्	प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा, प्रभारी	56
संगीत-परिषद्	डॉ. बबली अरुण, प्रभारी	58

चित्रकला-परिषद्	श्रीमती शालिनी तिवारी, प्रभारी	59
अर्थशास्त्र परिषद्	श्रीमती भावना यादव, प्रभारी	59
शारीरिक शिक्षा परिषद्	श्री धीरज कुमार, प्रभारी	60
अध्यापक - शिक्षा विभागीय परिषद्	डॉ. रतन सिंह, प्रभारी	61
वाणिज्य परिषद्	डॉ. अरविन्द कुमार यादव, प्रभारी-वाणिज्य संकाय	62
जंतु विज्ञान परिषद्	प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा, प्रभारी	63
रसायन विज्ञान परिषद्	डॉ. नेहा त्रिपाठी, प्रभारी	64
गणित परिषद्	डॉ. अनुपम स्वामी, प्रभारी	65
भौतिक विज्ञान परिषद्	डॉ. ऋचा, प्रभारी	65
वनस्पति विज्ञान परिषद्	डॉ. प्रतिभा तोमर, प्रभारी	66
बी. वॉक. परिषद्	प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा, नोडल ऑफिसर	66
	डॉ. आजाद आलम सिद्दीकी, प्रभारी	66
राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)	डॉ. विनीता सिंह, कार्यक्रम अधिकारी	67
राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)	डॉ. नीलम शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी	74
फर्स्ट ऐड/वीमेन हेल्थ क्लब	श्रीमती नीतू सिंह, प्रभारी	82
इनोवेशन काउंसिल	प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष	83
युवा-महोत्सव "आरोही"	डॉ. जूही बिरला, प्रभारी	84
रेंजर	श्रीमती भावना यादव, सह प्रभारी	85
साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद्	प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, प्रभारी	86
महिला प्रकोष्ठ	डॉ. सीमा देवी, प्रभारी	88
प्रसार व्याख्यान	डॉ. अनीता सिंह, प्रभारी	90
स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र	प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, निदेशक	91
राष्ट्रीय सेमिनार	प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा,	
	प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, सेमिनार संयोजक	92
भारतीय भाषा विकास प्रकोष्ठ	प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी, प्रभारी	94
LANGUAGE LAB COMMITTEE	Dr. Vijeta Gautam, In-Charge	95
डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र	डॉ. सीमा देवी, समन्वयक	96
मतदान जागरुकता (स्वीप)	डॉ. सीमा देवी, नोडल अधिकारी	97
EDUCATIONAL TRIP REPORT	Prof. (Dr.) Dinesh Chand Sharma, Nodal Officer, B.Voc. Course	
	Dr. Azad Alam Siddiqui, B.Voc	98
एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति	लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, प्रभारी	98
NATIONAL CADET CORPS (NCC)	Lt. (Dr.) Meenakshi Lohani, Ass. NCC Officer	101
जल शक्ति समिति	लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, प्रभारी	103
कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ	श्रीमती शिल्पी-प्रभारी, डॉ. विनीता सिंह-सहप्रभारी	105
आजादी का अमृत महोत्सव समिति	डॉ. संजीव कुमार, प्रभारी	107
आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ	प्रोफेसर (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, प्रभारी	109
MOU Collaboration Committe	प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा, प्रभारी	119
महाविद्यालय परिवार	प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ	120

Vision

To provide low cost quality higher education to the girls students of socio-economically weaker sections of the area, in order to bridge the rural-urban divide and thus bring about holistic national development.

परिकल्पना

इस क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओं को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विभेदों को दूर करते हुए समग्र राष्ट्र का विकास करना।

Mission

As a unit of Uttar Pradesh Government Higher Education, "Kumari Mayawati Govt. Girls Post Graduate College, Badalpur" is engaged in pursuit of academic excellence, in order to achieve the empowerment of women in the adjoining rural area by :

– the development of leadership skills, inner strength and self-reliance,
– inculcate moral values and tolerance and
– making new technological innovations available to the target group, in order

संकल्प

उ. प्र. राज्य उच्च शिक्षा की इकाई के रूप में ''कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर'' ग्रामीण अंचल की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर निम्न बिन्दुओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को यथार्थ स्वरूप प्रदान करने हेतु कृत संकल्प है-

* छात्राओं में मनोबल, आत्मनिर्भरता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
* उनमें नैतिक मूल्यों का विकास कर सहिष्णुता की भावना विकसित करना।
* नवीन तकनीकी एवं नवाचारों के माध्यम से छात्राओं में राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना।

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226027

सन्देश

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर द्वारा वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' का प्रकाशन किया जा रहा है।

देश, समाज और परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिये बालिकाओं को शिक्षित करना बहुत ही आवश्यक है। आज महिलाओं का प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से आगे आना समाज के लिए शुभ संकेत है। मुझे आशा है कि प्रकाश्य पत्रिका में विद्यार्थियों के उपयोगार्थ ज्ञानवर्द्धक पाठ्य सामग्री का समावेश भी किया जायेगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोतर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन
लखनऊ-226001

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' का प्रकाशन किया जा रहा है।

समाज और राष्ट्र की प्रगति में शिक्षा का योगदान सर्वविदित है। व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को संस्कारों से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षण संस्थाओं की पत्रिकाएँ विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सार्थक मंच उपलब्ध कराती हैं। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका छात्राओं में सृजनशीलता विकसित करने में उपयोगी सिद्ध होगी।

वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

योगी आदित्यनाथ

डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोतर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी,
इलैक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कक्ष सं. 63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ
फोन : 2238051 (का.)

सन्देश

यह हर्ष का विषय है कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गौतमबुद्धनगर द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरी कामना है कि उच्च स्तर का शिक्षण, शोध एवं सकारात्मक गतिविधियों में यह महाविद्यालय अपनी गौरवशाली परम्परा की मजबूत नींव के साथ नित नई ऊंचाईयाँ प्राप्त करें। मैं महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये आशा करता हूँ कि वे अपने श्रेष्ठ जीवन-मूल्यों के साथ सामाजिक जीवन में उच्चतम शिखर पर पहुँचकर महाविद्यालय सहित प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' के प्रकाशन से छात्राओं की वैचारिक क्षमता एवं रचनाशीलता को दिशा एवं दृष्टि प्राप्त होगी और उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को उभारने एवं सर्वांगीण विकास में यह पत्रिका उपयोगी सिद्ध होगी।

महाविद्यालय के वार्षिक पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

योगेन्द्र उपाध्याय

डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोतर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

प्रो. ब्रह्मदेव
निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र.

उच्च शिक्षा निदेशालय उ.प्र.
सरोजनी नायडूमार्ग, प्रयागराज - 211001
0532-2623874 (का.)

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, (गौतमबुद्ध नगर) अपनी वार्षिक पत्रिका **"ज्ञानाञ्जलि"** का प्रकाशन करने जा रहा है। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन से छात्र-छात्राओं के नैतिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के विकास एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का अवसर प्राप्त होगा।

मैं आशा करता हूँ कि वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए अभिव्यक्ति का एक अच्छा मंच साबित होगी तथा इसमें महाविद्यालय से सम्बन्धित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों का समावेश किया जायेगा।

वार्षिक पत्रिका "ज्ञानाञ्जलि" के सफल प्रकाशन हेतु मैं सम्पादक मण्डल, छात्र-छात्राओं एवं समस्त महाविद्यालय परिवार को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोतर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

प्रो. ब्रह्मदेव

प्रो. संगीता शुक्ला
डी.एस.सी., कुलपति

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ - 250004 (उ.प्र.)

पत्रांक : एस.वी.सी./21/324

सन्देश

जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि कु. मायावती राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **"ज्ञानाञ्जलि"** का प्रकाशन किया जा रहा है।

किसी महाविद्यालय की पत्रिका महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर में छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विहंगम वर्णन के माध्यम से विद्यार्थियों में नयी उमंग एवं उत्साह का संचार करती है तथा उनकी सकारात्मक सक्रियता के संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विश्वास है कि यह पत्रिका छात्र/छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा के निखार का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ ज्ञानोपयोगी लेखों का प्रचार-प्रसार करेगी। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।

महाविद्यालय परिवार को पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनायें।

प्रो. संगीता शुक्ला

डॉ. दिव्या नाथ
प्राचार्य,
कु. मायावती राजकीय महिला
स्नातकोतर महाविद्यालय,
बादलपुर, गौतमबुद्धनगर

कर्तव्यनिष्ठ, सृजनशील, कर्मठ,
कुशल प्रशासक एवं दूरदर्शी प्राचार्या

प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ

प्राचार्य की कलम से

'सफल और असफल लोग अपनी क्षमताओं में बहुत भिन्न नहीं होते,
किंतु लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी इच्छाओं एवं प्रयासों में भिन्न होते
-जॉन मैक्सवेल

नेतृत्व और सफलता विषय पर अपने प्रेरणादाई विचारों के लिए सुप्रसिद्ध जॉन मैक्सवेल का यह कथन दृढ़ इच्छाशक्ति की ओर इंगित करता है और इस बात पर बल देता है कि सफलता उनके कदमों में होती है, जो अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूर्ण करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। किसी भी व्यक्ति की सफलता और असफलता का मापदंड उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति तथा सतत प्रयास पर निर्भर करता है। आज की युवा पीढ़ी उपभोक्तावाद की चकाचौंध से बहुत जल्द प्रभावित हो रही है और अधिक से अधिक पाने की इच्छा उन्हें सही मार्ग की जगह शॉर्टकट लेने के लिए प्रेरित करती है। इन सब के बावजूद भी जब उन्हें असफलता हाथ लगती है, तो वह उतनी ही जल्दी निराश और हताश होकर गलत रास्तों पर निकल पड़ते हैं। आज के युग में युवा पीढ़ी के बढ़ते हुए अवसाद एवं आत्महत्या का भी यही प्रमुख कारण है। इसके अतिरिक्त अभिभावाकों की बढ़ती आकांक्षाएं व भावनात्मक दबाव भी युवाओं पर बुरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है, जिसके विषय में सचेत होने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त परिस्थितियों में शिक्षा पद्धति को तीव्र गति से बदलते सामाजिक-वैश्विक परिदृश्य का सामना कर, स्वयं को समयानुरूप ढालकर नवीन आकार में सुस्थापित करना होगा, जिसमें शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को Chat GPT जैसे AI tools से आगे निकलकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करनी होगी, तभी उनका भविष्य सुरक्षित है, वरना कक्षाओं में तीव्रता से गिरती छात्र-छात्रा उपस्थिति भविष्य में शिक्षकों की आवश्यकता पर सबसे बड़ा प्रश्न चिन्ह होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा पद्धति में बहुत सारे सकारात्मक एवं अपेक्षित परिवर्तन लाने के प्रयास किए गए हैं, जैसे मातृभाषा में शिक्षण, अंतर-अनुशासनात्मकता, कौशल विकास के माध्यम से शिक्षा को रोजगार परक बनाना इत्यादि। किंतु आवश्यकता इसे सही ढंग से क्रियान्वित करने की है, तभी बेरोजगारी की समस्या का सामाधान कर भारत आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनेगा तथा भारत के विश्व गुरु बनने का स्वप्न साकार हो सकेगा। आज की युवा पीढ़ी की दिशा व दशा दोनों ही सही राह पर लाने के लिए इसकी नितांत आवश्यकता है।

हमारा महाविद्यालय उत्तर प्रदेश शासन एवं विश्वविद्यालय के द्वारा दिए गए निर्देशों के पालनार्थ निरंतर प्रयासरत है। इस क्रम में वर्तमान सत्र में विभिन्न संस्थाओं से MoU पर हस्ताक्षर कर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं के कौशल विकास में संलग्न है। वेबसाइट का उच्चीकरण, MIS/LMS का प्रयोग, Library automation इत्यादि के द्वारा नई तकनीक से आज की युवा छात्राओं को परिचित कराकर उन्हें 'Local to Global' की ओर अग्रसर करने का एक छोटा किंतु महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके साथ ही महाविद्यालय में दो UGC अनुदानित Vocational Courses तथा वर्तमान सत्र के नवाचार के रूप में सात Value Added Courses एवं KMGGPG News Channel "प्रवाह" के माध्यम से छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार कर नवीन अवसर उपलब्ध कराने हेतु भी महाविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

मैं महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्ञानाञ्जलि के प्रकाशन हेतु प्रधान संपादक समेत संपूर्ण संपादक मंडल को बधाई देती हूँ एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ

संपादक की कलम से.....

शक्ति के विद्युतकण जो, व्यस्त
विकल बिखरे हैं, हो निरूपाय।
समन्वय उनका करें, समस्त
विजयिनी मानवता हो जाए।।

महान छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद की उपरोक्त पंक्तियों में मानवता के विजय की आकांक्षा और उसके निमित्त जिस पथ की अभिव्यिक्त की गई है, आज भारत उपरोक्त पथ का अनुगमन करते हुए निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। हमारी प्राचीन 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के अनुरूप संपूर्ण मानवता का हित हमारी राष्ट्रीयता का मुखर एवं सशक्त पक्ष है।

समाज और राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पारंपरिक मूल्यों से युक्त आधुनिक और वैज्ञानिक शिक्षा ने भारत की वैश्विक उन्नति में महती भूमिका निभाई है। फलस्वरुप आज विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुख भारतीय हैं। ज्ञान-विज्ञान और वैश्वीकरण के वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षा और शिक्षण संस्थानों का महत्त्व निरंतर बढ़ता जा रहा है।

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर सन 1997 ई. में अपनी स्थापना से ही निरंतर उद्देश्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से छात्राओं की सर्जनात्मक क्षमताओं को विकसित कर कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाने में अपनी भूमिका का सार्थक निर्वाह कर रहा है। ज्ञान-विज्ञान एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महाविद्यालय की छात्राओं ने अभूतपूर्व उन्नति के माध्यम से महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में श्रीवृद्धि की है। उच्च शिक्षित, प्रतिभाशाली, योग्य, कर्मठ एवं जिम्मेदार शिक्षकों ने अपने कौशल एवं परिश्रम से महाविद्यालय को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ राजकीय शिक्षण संस्थान बनाया है। नैक के द्वितीय चरण के मूल्यांकन में अर्जित 2.91 सी.जी.पी.ए. उक्त तथ्य का प्रमाण है। महाविद्यालय की पत्रिका 'ज्ञानाञ्जलि' उक्त हेतु किए गए समवेत एवं गंभीर प्रयासों की मुखर अभिव्यक्ति है। इस पत्रिका के माध्यम से आपको महाविद्यालय द्वारा की गई अविस्मरणीय प्रगति यात्रा से साक्षात्कार करने का अवसर प्राप्त होगा। वर्ष पर्यंत चलने वाली महाविद्यालय की शैक्षिक, वैचारिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, रचनात्मक गतिविधियों से 'ज्ञानाञ्जलि' आपको रू-ब-रू कराएगी। महाविद्यालय की छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा का अवलोकन भी इस पत्रिका के माध्यम से सहज ही हो जाएगा।

प्रशासनिक एवं अकादमिक क्षमताओं से विभूषित महाविद्यालय की कर्मठ एवं दूरदर्शी प्राचार्या प्रो.(डॉ.) दिव्या नाथ जी का मैं हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने 'ज्ञानाञ्जलि' का दायित्त्व सौंपकर मेरी क्षमताओं पर विश्वास जताया है।

अपने शुभकामना संदेशों द्वारा महाविद्यालय के गौरव को रेखांकित करने तथा हमारा उत्साहवर्धन करने वाले समस्त माननीयों का मैं हृदय से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। निसंदेह इन संदेशों ने 'ज्ञानाञ्जलि' की गरिमा एवं महिमा में अभिवृद्धि की है।

इस अवसर पर मैं संपादक मंडल के अपने समस्त साथियों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने कठिन परिश्रम से 'ज्ञानाञ्जलि' को अपेक्षित सौष्ठव एवं भव्यता प्रदान की है। सामग्री संकलन/चयन, टंकण, प्रूफ, छपाई, साज-सज्जा एवं उदात्तता इत्यादि संपादक मंडल के सदस्यों के अथक परिश्रम का परिणाम है। समस्त महाविद्यालय परिवार इस अवसर पर बधाई एवं प्रशंसा का अधिकारी है जिनके सहयोग के बिना 'ज्ञानाञ्जलि' का प्रकाशन अकल्पनीय था।

महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राएँ सर्वाधिक प्रशंसा एवं स्नेह की अधिकारी हैं, जिनकी रचनात्मकता ने 'ज्ञानाञ्जलि' को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया है। सर्वे भवंतु सुखिन।

–डॉ. नीरज कुमार
प्रधान संपादक

गद्याञ्जलि

स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान देने वाली गुमनाम महिलाएँ

हर्षिता,
बी.ए., प्रथम वर्ष

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन असंख्य बलिदानों की परिणति है। इस आन्दोलन में कुछ के नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अमिट हो गए तो कुछ अतीत की धूल से आच्छादित हो गए। भारतीय स्वतन्त्रता को यदि भारत के पुनर्जन्म की आख्या दे दी जाए तो अतिशयोक्ति न होगी। स्त्री ने केवल जगत की ही सृष्टि नहीं की है अपितु भारतीय स्वतन्त्रता भी तत्प्रसूत है। स्वतन्त्रता समर में स्त्रियों की भागीदारी भी उल्लिखित है परन्तु समय के साथ कुछ को छोड़कर अधिकांश स्त्रियों के योगदान को भुला दिया गया है।

आज स्त्रियों के सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि उन्हें उन गुमनाम स्वतन्त्रता सेनानियों का स्मरण कराया जाए जिन्होंने स्वतन्त्रता समर की वेदी में स्वयं की आहूति देकर यह स्पष्ट कर दिया कि स्त्रियाँ पुरुषों से किसी रूप में कमजोर नहीं। आइए चर्चा करते हैं कुछ ऐसी ही स्वतन्त्रता सेनानियों के विषय में:-

रानी वेलु नचियार:-

रानी वेलु नेचियार अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध छेड़ने वाली प्रथम भारतीय महिला थीं। इन्हें तमिलों द्वारा वीर मंगई नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ होता है बहादुर महिला।

जब अंग्रेजों ने शिवगंगा की सम्पत्ति पर कब्जा कर उनके पति को मार डाला तो ईस्ट इंडिया कम्पनी के गोला बारुद की दुकान में इनके द्वारा आत्मघाती हमला कर दुकान उड़ा दी गई और इस प्रकार सम्पत्ति का हस्तांतरण पुन: इनके हाथों में हो गया।

उदा देवी:-

उदा देवी एवं अन्य महिला जो समाज के दलित वर्ग से सम्बन्धित थीं, को दलित वीरांगना के नाम से जाना जाता है। इन्होंने 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई।

भीकाजी कामा

ये भारतीय मूल की पारसी नागरिक थीं जिन्होंने लन्दन, जर्मनी और अमेरिका का भ्रमण कर भारत की स्वतन्त्रता के पक्ष में माहौल बनाया। उन्हें जर्मनी के स्टटगर्ट नगर में 22 अगस्त 1907 में अन्तर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट काँग्रेस में भारत का प्रथम तिरंगा राष्ट्रध्वज फहराने के लिए ख्याति प्राप्त है। उन्होंने परतन्त्रता से मुक्ति दिलाने के लिए सहयोग की अपील कर भारतवासियों का आह्वान करते हुए कहा-

"आगे बढ़ो, हम हिन्दुस्तानी हैं और हिन्दुस्तान हिन्दुस्तानियों के लिए है।"

उन्होंने स्वाधीनता प्राप्ति के लिए कठिन संघर्षों का सामना किया। भारत की स्वाधीनता के लिए लड़ते हुए उन्होंने एक लम्बी अवधि तक निर्वासित जीवन बिताया।

सरला देवी चौधुरानी:-

इन्होंने भारत स्त्री महामण्डल की स्थापना की और महिलाओं के उत्थान हेतु बालिका शिक्षा का पुरजोर प्रोत्साहन किया। बंगाल के उग्रवादी राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने में ये अग्रगण्य रहीं। इन्होंने भारत माता सभा नामक गुप्त संस्था का निर्माण व स्थापना की। ये स्वतन्त्रता सेनानी लाला लाजपतराय की निकट सहयोगियों में से एक थीं।

मातंगी हाजरा:-

मातंगी हाजरा को **ओल्ड लेडी गाँधी** के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1925 में बहिष्कार एवं निष्क्रिय प्रतिरोध की रणनीति के दौर में गाँधीवादी कार्य पद्धति में पूर्ण आस्था दिखलाने वालीं मातंगी हाजरा ने नमक सत्याग्रह में अपनी सक्रिय सहभागिता का परिचय दिया। इन्होंने 17 जनवरी 1933 के **करबन्दी आन्दोलन** में भागीदारी की और निर्भीकतापूर्वक काला झण्डा हाथ में लेकर ब्रिटिश सरकार विरोधी नारे लगाए जिसके प्रतिक्रियास्वरूप इन्हें छ: माह के लिए मुर्शिदाबाद जेल में कारावास की सजा दी गई। 29 सितम्बर 1942 में हुए ब्रिटिश विरोधी जुलूस में अधिकांशत: महिलाओं ने भाग लिया। और इस जुलूस में महिलाओं का नेतृत्व 71 वर्षीय मातंगी हाजरा ने किया। ब्रिटिश विरोध को रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार ने भारतीय दण्ड संहिता की धारा 144 के तहत रुकने का आदेश दिया परन्तु हाजरा नहीं

रुकी और **वन्देमातरम्** के नारे लगाते हुए झण्डा थामे आगे बढ़ती गईं और गोलियों से छलनी हो गईं।

अत: ओल्ड लेडी गाँधी के नाम से सुप्रसिद्ध मातंगी हाजरा राष्ट्र जागरण करते हुए वीरगति को प्राप्त हुईं।

रानी गाइदिनलियु

मात्र 13 (तेरह) वर्ष की उम्र से ही ब्रिटिश शासन व परतन्त्रता का विरोध करने वाली गाइदिनलियु को रानी की आख्या सर्वप्रथम भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू ने दी। इनकी ख्याति भारत के उत्तर पश्चिमी भाग में प्रखर राष्ट्रवादी भावनाओं की ज्वाला प्रज्वलित करने के लिए है। ये अंग्रेजों के विरुद्ध कार्य कर रही **गुरिल्ला फोर्स** की नेता थीं। अपने चचेरे भाई हैपो जादोनांग की हत्या के पश्चात् **हेराका आन्दोलन** का नेतृत्व किया। 1932 में इन्हें 14 वर्ष के दीर्घकालीन कारावास का दण्ड दिया गया। 1993 में इन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

सुशीला दीदी

आश्चर्य है कि शहीद-ए-आजाद भगत सिंह की कुर्बानियों व बलिदानियों का स्मरण प्रत्येक भारतीय को है परन्तु प्रत्येक विकट परिस्थिति में उनका सहयोग करने वाली सुशीला दीदी व दुर्गा भाभी को भारतीय जनमानस प्राय: विस्मृत करने लगा है। अत्यन्त कम उम्र में अपने अध्ययन के दिनों में ही सुशीला दीदी क्रान्तिकारी गतिविधियों में संलग्न हो गई थीं। वे स्वतन्त्रता के प्रति जागरुकता फैलाने, जुलूस निकालने, गुप्त सूचनाएँ क्रान्तिकारियों तक पहुँचाने के कार्य किया करती थीं। इन्हीं सब गतिविधियों के दौरान उनकी मुलाकात पहली बार भगत सिंह से हुई और भगत सिंह के जरिए उनकी मुलाकात भगवतीचरण वोहरा व उनकी पत्नी दुर्गा देवी से हुई। जब **काकोरी कांड** के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा क्रान्तिकारियों पर मुकदमा चलाया गया तो सुशीला दीदी ने क्रान्तिकारियों की रक्षा के लिए व उनकी पैरवी हेतु अपने 10 तोले सोने का प्रयोग किया परन्तु फिर भी चार (4) क्रान्तिकारियों को फाँसी दे दी गई। क्रान्ति की डगर उनके लिए कतई सरल न रही इन्हें पारिवारिक दबाव का भी सामना करना पड़ा।

जब सांडर्स हत्या के उपरांत भगत सिंह व दुर्गा भाभी छद्म वेश में कोलकाता पहुँचे तो सुशीला दीदी ने उन्हें आश्रय दिया। असेम्बली में बम विस्फोट के जुर्म में लाहौर षड्यन्त्र केस चलाया गया तो सुशीला दीदी ने **भगतसिंह डिफेन्स फन्ड** चलाकर दान की अपील की। भारत छोड़ो आन्दोलन में भी इन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई।

दुर्गाबाई देशमुख:-

दुर्गाबाई देशमुख के हृदय में देशभक्ति की अलख जगाने का श्रेय महात्मा गाँधी को जाता है। इन्होंने गाँधी जी के स्वदेशी आन्दोलन के प्रभाव में आकर विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। असहयोग आन्दोलन जब अपने चरमोत्कर्ष पर था तो इससे प्रभावित होकर अंग्रेजी भाषा के थोपे जाने के कारण स्कूल छोड़ दिया। टी. प्रकाशम के गिरफ्तार होने के उपरान्त मद्रास में नमक सत्याग्रह के संचालन का कार्यभार संभाला। इन्हें 3 वर्ष जेल में रहने की सजा सुनाई गई। वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन जब पूरे जोर पर था तब उन्होंने विधवा, अनाथ महिलाओं हेतु साक्षरता कार्यक्रम प्रारम्भ किया। इसी प्रकार **आन्ध्र महिला सभा** भी स्थापित की। 1946 संविधान निर्माण समिति में कार्य किया।

स्वातन्त्र्य समर में केवल इन्हीं महिलाओं की भूमिका मात्र नहीं है अपितु इनके अतिरिक्त और भी महिला स्वतन्त्रता सेनानियों की भी भागीदारी थी जिनमें गुलाब कौर, चकाली इल्लमा, रानी अबक्का, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई एवं दुर्गा भाभी आदि का नाम उल्लेखनीय है। आवश्यक है कि इन गुमनाम स्वतन्त्रता सेनानियों का नाम बार-बार दुहराया जाता रहना ताकि भारतीय जनमानस के हृदय में इनका बलिदान अमर रहे। यही इन स्वतन्त्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धाञ्जलि है।

विश्वास-कहानी दो दोस्तों की!

शालू नागर,
बी.ए., द्वितीय वर्ष

आज पूरे दो महीने के बाद उसकी आँखों में चमक और जीने की इच्छा देख उसकी दादी और मम्मी-पापा की आँखों से उम्मीद के आँसू छलक रहे थे। आज से ठीक दो महीने पहले टीना अपनी सहेली के जन्मदिन से वापिस आ रही थी तो उसका एक्सीडेंट हो गया था जिसकी वजह से उसको काफी चोट आयी थी। उसका नीचे का हिस्सा सही

से काम नहीं कर पा रहा था जिस कारण वह अपने आप को बेबस महसूस कर रही थी। जबड़े पर लगी चोट से अपनी तकलीफ बोल कर बता पाना ज्यादा तकलीफदेह था।

डॉक्टर का कहना था कि वो धीरे-धीरे ठीक हो जाएगी। टीना ने हार मान ली थी, वो तो "बस मैं कभी ठीक नहीं हो पाऊँगी यही कहती और रोती रहती।" बेटी की हालत देखकर मम्मी पापा परेशान हो गए। पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा था। टीना की दादी हर वक्त उसके पास रहती, उसके साथ बातें करती और हौसला आफजाई के लिए प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाती। काफी समझाने के बाद वो लिखकर अपनी बातें कहने लगी थी। अक्सर लिखती, मैं आप सबको परेशान कर रही हूँ ना?

कमरे में आकर नर्स ने एक सहायिका को बुलाकर उसकी हेल्प से टीना को बेड पर लिटा दिया। "टीना आप बहुत लकी हो आपका पूरा परिवार आप से बहुत प्यार करता है, आप हिम्मत रखो जल्दी ठीक हो जाओगी", नर्स ने सिर पर हाथ फेरते हुए कहा तो टीना ने भी थोड़ा मुस्करा दिया। कुछ लोग आज भी इस दुनिया में मिल ही जाते हैं जिनसे एक लगाव हो जाता है, ऐसा ही नर्स डॉली का टीना से रिश्ता बनता जा रहा था। टीना को पढ़ने का काफी शौक था इसलिए वह उसे अखबार और मैगजीन से जोक्स सुनाकर हँसाने की कोशिश करती। हमेशा चहकने वाली पोती को तकलीफ में देख दादी का हौसला और उम्मीद टूटने लगे तो भगवान से मिन्नतें शुरु की। नर्स के जाने के बाद टीना डायरी में कुछ लिखने लगी। अभी थोड़ी ही देर हुई होगी कि साथ वाले कमरे से किसी आदमी की रोने और कराहने की जोर से आवाज आ रही थी।

रात भर साथ वाले कमरे से कराहने की आवाजे आती रहीं। सुबह नर्स, टीना का चेकअप करने आयी तो टीना ने साथ वाले कमरे के पेशेंट के बारे में अपनी डायरी में लिखकर पूछा। नर्स उसे बताकर सुबह की दवाई खिलाकर चली गई। नर्स के जाने के 5 मिनट के बाद टीना के मम्मी और पापा आ गए। उमेश ने कहा कि माँ आप घर चलो यहाँ मीनल रुक जाएगी। अगर आप इतना टाइम यहाँ रहेंगी तो परेशान हो जाएँगी। दादी ने टीना से पूछा तो उसने सिर 'हाँ' में हिला दिया। इस परिवार की रोज की यही दिनचर्या है। टीना की बहुत-सी आदतें अपने दादा से मिलती थी जिसकी वजह से उमा जी का उससे विशेष लगाव था।

जब से टीना का एक्सीडेंट हुआ वह (दादी) उसके पास ही रहती हैं। परिवार के सभी लोग कह-कह कर थक गए थे कि आप घर जाओ हम सब हैं यहाँ टीना के पास लेकिन वह उसे छोड़कर जाने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थी और माँ का कहना सबको मानना पड़ा था। एक्सीडेंट ने टीना को मानसिक और शारीरिक दोनों तरीके से बेकार कर दिया था। 10:30 बजे डॉ. साहब अपनी जूनियर टीम के साथ आ गए। डॉक्टर मीना को देखकर बाहर चले तो उनके पीछे मीनल और उमेश भी बाहर बात करने के लिए चले गए।

डॉक्टर से बात करके उमेश और मीनल कमरे में आ गए। दादी के पूछने पर उन्होंने बताया कि टीना जल्द ही ठीक हो जाएगी। इस बात को सुनकर सभी के चेहरे पर खुशी थी। टीना भी खुश थी। इन्हीं ख्यालों में खोते हुए अचानक दरवाजे के नॉक करने की आवाज आई। नर्स सोचकर मीनल ने दरवाजा खोला तो एक अंजान औरत गेट पर खड़ी थी। अपनी माँ की उम्र की पाकर उसने जी माँ जी कहकर पूछा तो उसने जवाब दिया कि कल माँ जी से बात हुई थी। उनकी आवाज सुनकर उन्होंने (उमा जी) उन्हें अन्दर बुला लिया। वह कहने लगी कि उन्हें फोन चार्ज करना है तो मीनल ने उनका फोन चार्जिंग पर लगा दिया। दादी उनसे बात करने लगी और पूछा कि भाई साहब कैसे हैं? उन्होंने कहा कि उन्हें अभी होश नहीं आया है। ऐसे ही बातें करते हुए उन्हें काफी टाइम हो गया और फिर डॉक्टर के आने का वक्त हो गया तो वह चली गई।

टीना के चाचा-चाची खाना लेकर आ गए थे। 20 मिनट होते ही दादी ने उनको जाने को कहा। तभी थोड़ी देर में उन्होंने अपने कमरे की साइड वाली औरत जिनका नाम सुमन था उन्हें खाने के लिए बुलाया। वह कुछ ही देर में आ गयी। उमा जी खाना निकालने लगी और सुमन जी ने प्लेट्स रख दी। उमा जी ने उनके पति के लिए पूछा कि अब उनकी तबीयत कैसी है? उन्होंने कहा कि डॉक्टर आज उन्हें आपके वाले कमरे में ही शिफ्ट करने के लिए कह रहे थे। सुमन जी ने खाना खाते हुए ही कहा कि इस अनजान शहर में आप जैसे लोगों का मिलना बहुत ही अच्छा लगा। आप लोगों ने इतना विश्वास और प्यार दिया कोई अपना भी नहीं दे सकता उनकी इस बात पर सहमति दिखाते हुए उमा जी ने भी अपना सिर हिलाकर हाँ में जवाब दिया। दोनों ही लोगों ने मित्रता और विश्वास एवं अपनेपन की काफी बात बन चुकी थी। उमा जी ने कहा कि तुम तो मेरे लिए छोटी बहन की तरह हो तुम मुझे दीदी कह सकती हो।

ऐसे ही काफी समय बीतता गया और टीना भी जल्द ही ठीक होती गई तथा साथ ही सुमन जी के पति भी पहले से काफी ठीक हो चुके थे।

विश्वास

रिंकी
एम. ए., प्रथम वर्ष

एक व्यक्ति था। उसके गुरु एक सन्यासी थे। वह व्यक्ति दुनियादारी से ऊब सा गया था। वह अपने गुरु की तरह ही दुनियादारी छोड़कर सन्यासी बनना चाहता था।

उसने अपने परिवार को यह बात बताई तो सभी ने मना कर दिया यह कहते हुए कि हम सब आपसे बहुत प्यार करते हैं।

फिर उसने अपने गुरु को यह बात बताई परंतु साथ ही कहा कि उनका घर-परिवार बच्चे और पत्नी उसे सन्यास लेने नहीं दे रहे हैं क्योंकि वह मुझसे बेहद प्यार करते हैं।

गुरु ने कहा "यह किसी सूरत में प्यार नहीं है।" गुरु ने उसे बहुत समझाया पर वह व्यक्ति नहीं मान रहा था फिर गुरु ने कहा "अच्छा ठीक है।" गुरु जी उस व्यक्ति को मठ में ले गए।

इसके बाद गुरु ने उसे योग विद्या सिखाई जिससे वह अपनी साँसें रोक कर मुरदे जैसी अवस्था में घंटों तक रह सकता था। यह सब सिखाने के बाद गुरु ने उसे एक योजना बताई और उसे घर भेज दिया।

दूसरे दिन वह व्यक्ति अपने घर पर मुर्दा पाया गया। परिवार के सारे लोग इकट्ठे हो गए। सभी रो रहे थे। विलाप कर रहे थे। वहीं उसकी पत्नी सबसे ज्यादा दुखी हो रही थी।

पूरे घर में कोहराम मच गया था। सभी की आँखें नम थी। वह व्यक्ति मृत अवस्था में था, मगर योग अभ्यास से आसपास के माहौल को महसूस कर सकता था और सुन सकता था।

उसे बड़ा सुकून मिला कि उसका परिवार उसे कितना प्यार करते हैं, अंततः उसने संन्यास का इरादा त्यागने का फैसला कर लिया।

कुछ ही देर बाद उस व्यक्ति के गुरु वहाँ पहुँचे। गुरु ने सभी को शांत किया और अपने शिष्य के पड़े शव को देखा।

कुछ देर शव को देखने के बाद सन्यासी ने उसके परिवार वालों को कहा इस शव में जान फूँकी जा सकती है। इस व्यक्ति को मैं अपनी विद्या से जिंदा कर सकता हूँ। यह बात सुनकर घर के सभी लोग बहुत खुश हो गए। सभी को एक उम्मीद की किरण नजर आ रही थी। फिर सभी ने उस संन्यासी से कहा "तो आप यह काम जल्द से जल्द करिए।" इस पर उस संन्यासी ने कहा "एक समस्या है", इस कार्य के लिए परिवार के किसी अन्य सदस्य को अपने प्राण त्यागने होंगे।

यह सुनकर सभी लोगों की साँसे रुकी की रुकी रह गई। सभी ने एक-दूसरे को देखा। संन्यासी ने परिवार के सभी सदस्यों से एक-एक कर पूछा पर किसी ने भी हाँ नहीं कहा।

सभी ने अपनी जान की जरूरत बताई और अपनी जिम्मेदारी भी।

संन्यासी ने फिर उस व्यक्ति की पत्नी से कहा, अगर यह नहीं रहे तो तुम कैसे जिन्दा रहोगी। उसकी पत्नी ने तुरंत जवाब दिया मैं इनके बगैर भी जी लूंगी। गुरु ने उस व्यक्ति के बच्चों से भी यही सवाल किया। उनका भी जवाब ना ही थी। फिर यही सवाल उस व्यक्ति के माता-पिता से किया। उनका भी जवाब वही था।

इसके बाद गुरु उस व्यक्ति के शव के पास आए और बोले 'हे व्यक्ति तुम उठ खड़े हो जाओ।' वह व्यक्ति उठकर बैठ गया।

फिर उसके गुरु वहाँ से जाने लगे। उसने अपने गुरु को रोका और गुरु से कहा, "मैं भी आपके साथ चलता हूँ।"

अब उस व्यक्ति को समझ में आ गया था कि उसकी जरूरत उसके घर में कितनी है। अब वह एक पल भी अपने घर में रहना नहीं चाहता था।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि आप के होने न होने से किसी पर ज्यादा कुछ असर नहीं पड़ता है।

गुरु-दक्षिणा

शीतल शर्मा
एम. ए., द्वितीय वर्ष

एक दिन एक शिष्य ने अपने गुरु से पूछा कि गुरुजी कुछ लोग ऐसा बोलते हैं कि जीवन एक संघर्ष है, कुछ लोग ऐसा बोलते हैं कि जीवन एक खेल है, और कुछ लोग तो जीवन को उत्सव मानते हैं अब आप ही बताएं कि सही क्या है?

गुरुजी ने अपने शिष्य से कहा कि जिसे गुरु मिल गया उनके लिए जीवन एक खेल है, जिसे गुरु नहीं मिला उसके लिए जीवन एक संघर्ष है, और जो गुरु के बताए हुए मार्ग पर चलते हैं उसके लिए जीवन एक उत्सव बन जाता है।

गुरुजी का ये उत्तर सुनने के बाद भी शिष्य पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हुआ। गुरुजी को यह बात पता चल गयी कि मेरा शिष्य मेरे उत्तर से संतुष्ट नहीं है। गुरुजी ने अपने शिष्य से कहा कि मैं तुम्हें एक कहानी सुनाना चाहूंगा इसके बारे में। तुम इस कहानी को ध्यान से सुनोगे तो तुम्हें खुद ही अपने प्रश्न का उत्तर मिल जायेगा।

एक दिन किसी गुरुकुल में दो शिष्यों का अध्ययन समाप्त होने पर वो अपने गुरुजी से पूछने के लिए जाते हैं कि गुरुजी आप हमें बताइये कि आपको हमसे गुरु-दक्षिणा में क्या चाहिए?

गुरुजी अपने शिष्यों से मुस्कुराते हुए कहते हैं कि मुझे गुरु-दक्षिणा में तुमसे एक थैला भर के सूखी पत्तियाँ चाहिए, क्या तुम ला सकोगे?

वो दोनों गुरु-दक्षिणा सुनकर बहुत खुश हो जाते हैं और उनसे कहते हैं कि क्यों नहीं गुरुजी, हम आपकी ये इच्छा बड़ी आसानी से पूरी कर देंगे। गुरुजी कहते हैं अच्छा तो करके दिखाओ। वो दोनों बोले जी गुरुजी हम ये आसानी से कर लेंगे।

दोनों शिष्य उत्साहपूर्वक चलते-चलते एक जंगल की तरफ जाते हैं। उन दोनों को लगता है कि जंगल में बहुत सारी सूखी पत्तियाँ पड़ी होंगी हम उनमें से एक थैला भर के गुरुजी को आसानी से गुरु-दक्षिणा देंगे।

कुछ समय बाद दोनों जंगल में पहुँच जाते हैं। जंगल में जाकर वो दोनों देखते हैं कि यहाँ पर तो सिर्फ एक मुट्ठी भर ही सूखी पत्तियाँ पड़ी हैं। ये देखकर वह दोनों बड़े निराश हो जाते हैं। वो दोनों सोचने लगते हैं कि आखिर इतनी सारी सूखी पत्तियाँ कौन उठाकर ले गया?

और ले भी गया तो उनके किस काम आएगी ये सूखी पत्तियाँ?

वो दोनों अब परेशान हो जाते हैं कि अब हम गुरुजी को कैसे गुरु-दक्षिणा देंगे। तभी उन दोनों को दूर से कोई व्यक्ति आता दिखाई देता है। वो दोनों उस व्यक्ति के पास जाते हैं और उनसे कहते हैं कि हमें एक थैला सूखी पत्तियाँ चाहिए क्या आप हमें दे सकते हो?

वह व्यक्ति कहता है कि मुझे माफ कर दो मैं आपकी मदद नहीं कर पाऊँगा क्योंकि मैंने सारी सूखी पत्तियों को ईंधन के रूप में पहले ही उपयोग में ले लिया है। ये सुनकर वो दोनों फिर से निराश हो जाते हैं।

वो दोनों अब पास में एक छोटा सा गांव था वहां पर जाते हैं। उन दोनों को लगता है कि यहाँ पर हमारी कोई मदद करेगा। वो दोनों गाँव में एक व्यापारी को देखते हैं और उनसे विनती करते हैं कि आप हमें एक थैला भर कर सूखी पत्तियाँ दे दीजिए। वो व्यापारी उनसे कहता है कि मैंने तो पहले ही उन पत्तियों को अलग-अलग करके कई प्रकार की औषधियाँ बनाकर बेच दी हैं। अब और कोई जगह नहीं थी जहाँ से इन दोनों शिष्यों को सूखी पत्तियाँ मिल पाए।

वो दोनों निराश होकर गुरु के पास जाते हैं और उनसे कहते हैं कि गुरुजी आप हमें माफ कर दीजिए हम आपकी इच्छा पूरी नहीं कर पाये। हमें लगा कि सूखी पत्तियाँ तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती हैं लेकिन बड़े ही आश्चर्य की बात है कि लोग उनका भी कितनी तरह से उपयोग करते हैं।

गुरुजी मुस्कुराते हुए बोले कि निराश क्यों होते हो। सूखी पत्तियाँ भी व्यर्थ नहीं हुआ करती बल्कि उनके भी उपयोग हुआ करते हैं। यही ज्ञान मुझे गुरु-दक्षिणा में दे दो। दोनों शिष्य गुरुजी को प्रणाम करके खुशी-खुशी अपने घर की ओर चले जाते हैं।

ये कहानी एक शिष्य बड़े ध्यान से सुन रहा था वो बोला गुरुजी अब मुझे अच्छी तरह से पता चल गया है कि आप क्या कहना चाहते हो, जिस प्रकार सूखी पत्तियाँ बेकार नहीं होती तो फिर हम कैसे किसी व्यक्ति को छोटा मानकर उसका तिरस्कार कर सकते हैं? सभी का अपना-अपना अलग महत्व होता है।

गुरुजी ने कहा बेटा मैं तुम्हें यही समझाना चाहता था कि हम जब भी किसी से मिलें तो हमें उसे मान देने का प्रयास करना चाहिए।

तभी हमारा जीवन एक संघर्ष के बजाय एक उत्सव बन जाता है।

कहानी-एक पेड़ की

काजल नागर,
एम. ए., प्रथम वर्ष

एक बार पेड़ के मन में एक बात आई। वो सोचने लगा कि इंसान कितना स्वार्थी है। अपने फायदे के लिए हमेशा मुझ पर निर्भर रहता है। मुझसे फल लेता, छाया लेता, ईंधन के लिए लकड़ी लेता और बाद में अपने स्वार्थ के लिए काट लेता। आज फिर एक नन्हा पौधा मेरे पास युवावस्था में आने के लिए तैयार है।

वह बड़ा पौधा उस छोटे पौधे से बोला, 'तू क्यों बड़ा हो रहा है। ये दुनिया इंसानों की दुनिया है, यहाँ मेरे और तेरे जैसों के लिए जगह नहीं है। देख मुझे ही देख मैंने संपूर्ण जीवन इन इंसानों का ध्यान रखा। इन्हें इनके उपयोग की हर वो वस्तु देता रहा जो भी मैं दे सकता था, पर अब जब मैं बूढ़ा हो रहा हूँ तो इंसानी दुनिया मुझे काटना चाहती है। ये दुनिया इंसानों की है, हम जैसों की नहीं इसलिए यहाँ तू पौधे से पेड़ ना बन, किसी तेज हवा में गिर जाना इनको कुछ ना देना।'

वह नन्हा पौधा बोला 'भाई बात तो तुम ठीक कह रहे हो। इंसान है तो स्वार्थी पर मुझे लगाने वाले इन इंसानों के बच्चे मुझे पानी देने आते हैं। मेरे पास बैठकर रोज मेरे बड़े होने की बात करते हैं अब भला मैं कैसे इनकी इच्छा तोड़ दूं। वह मुझे पानी इस आशा से ही देते हैं कि मैं कुछ फल और छाया देकर उनकी मदद करूँ। अब भला मैं इनके बचपन की यादों को सुनहरे पल ना देकर मुझे पापी नहीं बनना। मेरा कर्म है इनको फल, छाया देने का और इनका कर्म है मेरा ध्यान रखने का'। बड़ा पेड़ मुस्कुरा कर बोला 'अरे! तुझे नहीं पता अभी, मैं भी कभी तेरी तरह बड़ी-बड़ी बातें करता था पर देख आज मुझे मैंने कुछ समय के लिए मीठे फल देने बन्द क्या करे इन लोगों ने मुझे पानी देना ही बन्द कर दिया और अब मुझे किसी दिन काट भी देंगे। ये इंसानों की दुनिया है, हमारी नहीं। चल मेरा काम था तुझे बताने का अब इच्छा तो तेरी है मान या मत मान।'

छोटा पौधा-'सुनकर सोचने लगा।' क्या ये बूढ़ा पौधा सही बोल रहा है इंसान स्वार्थी है। ये दुनिया सिर्फ इंसानों की है। उसने सोचा मैं भी आज अपने नीचे अपनी बहुत-सारी पत्तियों को तोड़कर कमजोर-सा होकर देखता हूँ कि ये बच्चे मेरा ध्यान रखेंगे या मुझे छोड़ देंगे। शाम के समय बच्चे उस पौधे को पानी देने के लिए आए। उन्होंने देखा कि पौधा कमजोर हो रहा है इसको पानी के साथ खाद की भी जरूरत है। बच्चे अपने घरवालों के पास पैसे लेने के लिए गए लेकिन उनके घर वालों ने ये कहकर मना कर दिया कि पेड़ों से कुछ नहीं होता पैसे खराब मत करो। मगर बच्चे अपने माता-पिता को समझाने का प्रयास करने लगे वो कहने लगे हमारे अध्यापक रोज हमको पौधे लगाने के लिए बोलते हैं और साथ ही उनका ध्यान रखने के लिए कहते हैं। अगर पौधे नहीं हुए तो हम भी नहीं रहेंगे। पर इंसानी दिमाग ना समझा। वो बच्चे अपनी खाद की परेशानी के लिए अपने पड़ोस के दादा जी के पास गए। वह भी पौधों के शौकीन थे। उनके घर में हर तरह के पेड़ थे। बच्चों को पूरी उम्मीद थी कि वो उनकी सहायता करेंगे। बच्चों ने उस बूढ़े दादा जी को अपनी पूरी कहानी सुना दी।

दादा जी बोले-'अरे! बच्चों तुम्हें पौधों का शौक कब से हो गया अभी कुछ दिन ध्यान रख के फल खाकर उस पौधे को फिर पानी भी नहीं पूछोगे। छोड़ भी दो। घर जाकर अपने फोन में खेल खेलो।'

बच्चे बोले-नहीं दादा जी हम आपके पास खाद लेने आए हैं हम पेड़ों का पूरा ध्यान रखेंगे आप चिंता ना करें।

दादा जी ने मुस्कुरा कर खाद दे दिया। बच्चे उस खाद को लेकर पौधे के पास गए और उसमें पानी के साथ खाद भी डाला। पौधा भी अब हरा-भरा हो गया। तभी एक बच्चे की नजर उस बड़े पेड़ पर गई जिसको पानी नहीं दे रहा था।

बच्चों ने मिलकर उसको ठीक करने का फैसला किया और उसके साथ मेहनत करने लग गए। वह बूढ़े दादा जी भी ये देखकर बहुत खुश हुए कि बच्चों को पौधे की कितनी चिंता है पर साथ ही इनको इस बात का डर था कि बड़े होकर बच्चे पौधों को ना भूल जाए। दादा जी ने हर पौधे पर इन बच्चों के नाम लिखवा दिए और उनसे वादा लिया कि वो हमेशा इनका ध्यान रखेंगे।

वह बड़ा पेड़ भी अब खुश हो गया और छोटे पौधे से बोला-'छोटे तुम सही थे ये दुनिया इंसानों की नहीं हमारी भी है और ये नन्हें बच्चे हमारा ख्याल भी रखते हैं, बस कुछ मतलबी लोग हमें काटना चाहते हैं पर कुछ अच्छे लोग हमें लगाना भी जानते हैं।' अब सब खुशी-खुशी इन पेड़ों के नीचे खेलते और थक कर इनकी छाया में बैठ जाते और इनके मीठे-मीठे फल खाते।

"वायूनां शोधकाः वृक्षाः रोगाणामपहारकः।
तस्माद् रोपणमेतेषां रक्षणं च हितावहम्॥"

शिष्य का घमंड

साक्षी
बी. ए., द्वितीय वर्ष

रवि और अमन दो बच्चे थे। एक साथ एक ही स्कूल में पढ़ाई करते थे, फर्क सिर्फ इतना था कि रवि अमीर घर का लड़का था और अमन गरीब घर का लड़का था। दोनों अच्छे दोस्त भी थे। रवि कक्षा में प्रथम आता था और अमन द्वितीय आता था। रवि का व्यवहार अमन से अलग था। रवि अपने ज्ञान पर घमंड करता था और अपने आप को अमन से ज्यादा बुद्धिमान मानता था। दोनों पूरे स्कूल में टॉप करना चाहते थे। रवि और अमन ने सोचा कि अपने स्कूल के गुरु जी से ज्यादा शिक्षा ग्रहण कर लेते हैं। गुरु जी रोजाना उनके घर जाते थे शिक्षा देने के लिए। दोनों बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करते थे और अपनी कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करते। दिन बीतने लगे और दोनों बच्चे बहुत होशियार हो गये और समय के साथ रवि का व्यवहार बदलने लगा। वो कक्षा में अपने से ऊपर किसी को नहीं मानता था और अपने विषय के गुरु जी का भी सम्मान ना करता था। वह सोचता था कि मैं उनसे ज्यादा होशियार हूँ। जब गुरु जी पढ़ाते थे कक्षा में तो रवि अपने आपको ज्यादा होशियार समझ कर गुरु जी को पढ़ाते हुए परेशान करता। वो जो भी समझाते कक्षा में, रवि उनसे पहले बोलता था। वह ये दिखाना चाहता था कि उसको गुरुजी से ज्यादा आता है लेकिन गुरु जी गुस्सा नहीं करते थे। उनको अच्छा लगता था कि उनका शिष्य होशियार हो गया है लेकिन रवि अपने गुरु जी को नीचा दिखाना चाहता था। रवि के अंदर बहुत घमंड आ गया था। जो गुरु जी उनके घर पर पढ़ाने के लिए आते थे रवि ने उनका भी अपमान करना शुरु कर दिया और रवि के इस व्यवहार और घमंड से उसके कक्षा में अमन से कम अंक आने लगे लेकिन फिर भी उसको ज्यादा फर्क नहीं पड़ता क्योंकि घमंड की चादर उसकी बुद्धि पर पड़ी हुई थी। उसके पास ज्ञान तो था लेकिन बड़ों का सम्मान और संस्कार कुछ नहीं था। एक दिन रवि ने सोचा क्यूं ना पूरे स्कूल के सामने वो अपने गुरु जी से पढ़ाई का मुकाबला करे और स्कूल का सबसे ज्ञानी बच्चा बन जाए तो उसने ऐसा ही किया। पूरे स्कूल में सबको बता दिया कि सोमवार को उसका पढ़ाई का मुकाबला है उसके गुरु जी से और उस दिन सबको पता चल जाएगा कि सबसे ज्यादा ज्ञानी कौन है। सोमवार का दिन आ गया और सब मुकाबला देखने के लिए इकट्ठे हो गए। रवि और उसके गुरु जी मंच पर प्रश्न का उत्तर देने के लिए खड़े हो गए तो उनसे प्रश्न पूछा गया रवि ने उसका सबसे पहले सही उत्तर दे दिया। उसके गुरु जी को भी जवाब पता था लेकिन उन्होंने पहला मौका अपने शिष्य को दिया और उनको मन ही मन बहुत खुशी हो रही थी कि उनका शिष्य सही जवाब दे पा रहा है। ऐसे ही तीन-चार प्रश्न पूछे गए सबसे सही जवाब रवि ने दे दिए। आखिरी प्रश्न पूछा गया कि गुरु और भगवान में सबसे महान कौन है। रवि इस प्रश्न को सुनकर बिल्कुल शांत हो गया और उसको कोई जवाब ना आया क्योंकि उसको सम्मान करना नहीं आता था। फिर उसके गुरु जी ने सही जवाब दिया और रवि का घमंड टूट गया क्योंकि उसकी बुद्धि पर तो घमंड की चादर

पड़ी हुई थी। ना तो उसने अपने गुरु जी का सम्मान करना सीखा और न ही संस्कार। बाद में रवि को अहसास हो गया कि गुरु जी की जगह कोई नहीं ले सकता और ना ही कोई उनसे अधिक बुद्धिमान हो सकता। और उसको अपने ऊपर बहुत ज्यादा शर्म आयी कि वो अपने गुरु जी को नीचा दिखाना चाहता था।

हमें इस कहानी से ये सीख मिलती है कि अपने गुरु का या अपने से बड़ों का कभी भी अपमान नहीं करना चाहिए। अपने आप को यह नहीं समझना चाहिए कि वह सब कुछ सीख चुका है। क्योंकि इंसान कितना भी बड़ा हो जाए कितना भी सीख ले लेकिन वह कभी भी अपने गुरु से बड़ा नहीं हो सकता। हमें हमेशा अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए सम्मान देना चाहिए। गुरु, भगवान और माता-पिता से बड़े होते हैं।

"गुरु जी का सम्मान ही पहली शिक्षा है बच्चों की"

एक सोने का फल

रूपल नागर,
बी.वॉक. (ए.टी.एच.एम.), प्रथम वर्ष

यह कहानी है एक बाप बेटे की जो स्कूटर पर कहीं पर जा रहे थे। तभी पिता की नजर पड़ती है कुछ लड़कों के ऊपर जो कि कीचड़ में कूद रहे होते हैं। वे अपना स्कूटर वहाँ पर रोकते हैं और जाकर उनसे पूछते हैं कि क्या कर रहे हो यहाँ पर। उनमें से एक बोलता है कि आपको दिख नहीं रहा, सामने सोने का फल है हम उसको पाने की कोशिश कर रहे हैं। उसकी ये बात सुनते ही पिता का ध्यान जाता है उस सोने के फल की तरफ जो चमक रहा होता है फिर उनके दिमाग में ख्याल आने लगता है कि काश ये जो फल है ये मेरे बेटे के पास में आ जाए तो ना सिर्फ उसकी बल्कि मेरी जिन्दगी भी बदल जाएगी। तो बिना सोचे समझे अपने बेटे को धक्का मार देते हैं उस कीचड़ में और बोलते हैं कि तुझे किसी भी कीमत पर वो फल लेकर आना है लेकिन बेटे को वो फल नहीं चाहिए होता है। उसके अपने कुछ और ही सपने होते हैं। वो बहुत कोशिश करता है अपने पिता को ये समझाने की कि मेरी खुशी इस फल में नहीं है मेरी खुशी कहीं और है मेरे सपने कुछ और हैं लेकिन उसके पिता उसकी एक नहीं सुनते वो उसको धक्का मारते हैं कीचड़ में और बोलते हैं कि मैं तुझसे पूछ नहीं रहा हूँ मैं तुझे बता रहा हूँ कि तुझे वो फल लेकर आना है। बेटा भी अपने बाप के सपने को पूरा करने के लिए अपनी पूरी जान लगा देता है और पूरी कोशिश करता है कि किसी तरीके से वो फल उसके हाथ में आए लेकिन जैसे-जैसे वो हाथ-पैर मारता है उस फल को पकड़ने के लिए वो और नीचे धंसने लग जाता है फिर जाकर उसको समझ आता है कि ये कीचड़ नहीं ये तो दलदल है वो चीखता है चिल्लाता है अपने पिता को आवाज लगाता है लेकिन उसके पिता उसकी एक नहीं सुनते और बोलते हैं कि बहाने मत बना और भी लोग हैं जो वही कर रहे हैं जब वो कर सकते हैं तो तू क्यों नहीं कर सकता। तो वो एक बार फिर से कोशिश करता है अपनी पूरी जान लगा देता है उसके बाद भी उसके हाथ में कुछ नहीं आता है। वो धीरे-धीरे नीचे धँसता चला जाता है और मर जाता है। तब जाकर के उसको अहसास होता है कि उससे कितनी बड़ी गलती हो गई। वो वहीं बैठकर रो रहा होता है चीख रहा होता है चिल्ला रहा होता है। तभी वहाँ पर एक साधु आता है और वो साधु उस आदमी से पूछता है कि तुम क्यों रो रहे हो। फिर वो आदमी उस सोने के फल की तरफ इशारा करते हुए उस साधु को अपनी बात बताता है और बोलता है कि मेरी क्या गलती है मैंने तो जो कुछ भी किया अपने बेटे की खुशी के लिए किया। तो वो साधु उस फल को ध्यान से देखता है और उस आदमी को कहता है जिस सोने के फल की वजह से तुमने अपने बेटे को गवाँ दिया कम से कम एक बार उसकी तरफ ध्यान से देखा तो होता। वहाँ पर कोई फल है भी या नहीं। ये सुनकर के उस आदमी को गुस्सा आया और उसने कहा कि सामने तो दिख रहा है फल आपको नहीं दिख रहा क्या? तब वो साधु उस के ऊपर एक पेड़ होता है जिस की तरफ इशारा करते हुए बोलते हैं कि जिसे तुम देख रहे हो वो उस फल की परछाई है। असली फल वहाँ उस पेड़ के ऊपर है फिर वो साधु उस आदमी को बोला कि अपने बेटे को कीचड़ में धक्का देने की बजाए और उसको बताने की बजाए कि तेरी खुशी किसमें है अगर तुमने उससे पूछा होता कि बेटा तू बता तू क्या करना चाहता है और तेरी खुशी किस में है तो ना सिर्फ तुम्हारा बेटा जिंदा होता बल्कि हो सकता है कि उसके हाथ में वो असली सोने का फल भी होता।

प्रयास करो, तमाशा मत देखो

रिंकी,
एम.ए., द्वितीय वर्ष

एक गाँव में आग लग गई। आग बढ़ती जा रही थी और गाँव वाले अपनी जान बचाने हेतु इधर-उधर भाग रहे थे। एक चिड़िया ने यह दृश्य देखा और अपनी चोंच में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास करने लगी। वो बार-बार अपनी चोंच में पानी लाती और आग पर डालती। जब गाँव वालों ने चिड़िया को आग पर पानी डालते देखा तो उनमें भी जोश आ गया और बोले कि अगर ये नन्ही चिड़िया प्रयास कर रही है तो हम क्यों नहीं कर सकते।

सबने प्रयास किया और आग बुझ गई। ये सब एक कौआ देख रहा था। उसने चिड़िया से कहा कि तेरे पानी डालने से कुछ होना तो था नहीं फिर तू ये क्यों कर रही थी? चिड़िया बोली, मेरे पानी डालने से कुछ हुआ या नहीं हुआ लेकिन मुझे गर्व है कि जब भी इस आग की बात होगी तो मेरी गिनती आग बुझाने वालों में होगी तेरी तरह तमाशा देखने वालों में नहीं।

कहानी से सीखः-डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है, जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती।

"कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।"

जीवन का फ़लसफ़ा

पुष्पा गुप्ता,
बी.वॉक., द्वितीय वर्ष

जो मुस्कराता है, उसे दर्द ने पाला होगा। जो चल रहा है, उसके पांव में छाला होगा। बिना संघर्ष के इन्सान चमक नहीं सकता जो जलेगा उसी दिये में उजाला होगा। क्यों बचे संघर्ष से। संघर्ष ही तो जीवन की आत्मा है, जितना कठिन संघर्ष होगा उतनी ही शानदार जीत होगी। एक बार किसान भगवान से बहुत नाराज हो गया। किसान बहुत मेहनती था बहुत मेहनत से वो खेतों में अनाज उगाता उसकी देखभाल करता पर अक्सर उसकी फसल खराब हो जाती है, कभी सूखा पड़ जाता कभी बाढ़ आ जाती कभी ओले कभी तेज धूप कभी आँधी कोई ना कोई कारण बन ही जाता कि उसकी फसल खराब हो जाती। एक दिन उस किसान ने गुस्से में आसमान की तरफ देखकर भगवान से कहा-हे ईश्वर! आपको लोग सर्वज्ञाता मानते हैं, कि आप सब जानते हैं। कहते हैं, कि आपके बिना पत्ता भी नहीं हिलता पर मुझे तो लगता है कि आप छोटी से छोटी बात भी नहीं जानते। आपको तो ये भी नहीं पता कि खेती बाड़ी कैसे करते हैं, अगर आप जानते होते तो जो बाढ़ आयी तूफान आते हैं, वो कभी नहीं आते। आप नहीं जानते कि कितना नुकसान उठाना पड़ता है। अगर हम किसानों को ये शक्ति दे दें कि मैं जैसा चाहूँ वैसा मौसम कर दूँ फिर आप देखना कि अन्न के भण्डार लगा दूँगा भगवान इस किसान के तीखे व्याख्यान सुनकर मुस्करा रहे थे और वो किसान के सामने प्रकट होकर बोले मैं आज से तुम्हें ये शक्ति देता हूँ कि अपने खेतों पर तुम जैसी तुम्हारी इच्छा हो वैसा मौसम कर दूँगा मैं बिल्कुल भी दखल नहीं दूँगा तुम्हारी इच्छा से सब कुछ होगा। किसान बहुत खुश हो गया। उसने गेहूं की फसल अपने खेतों में बोई जब उसे लगा खेतों को धूप चाहिए तो खेतों को धूप मिली जब पानी बरसना चाहिए तभी पानी बरसा आँधी तूफान कुछ भी उसे अपने खेतों पर आने नहीं दिया। किसान को खेत में उस वर्ष ऐसी फसल हुई जैसी कभी नहीं हुई थी। ऊंची हरी भरी लहराती फसल मन ही मन वह बहुत खुश हो गया और सोचने लगा अब सबूत के साथ दिखाऊँगा भगवान को कि इसे कहते हैं शक्ति का सही उपयोग। मेरी सफलता देखकर उन्हें अपने नियम जरूर बदलने पड़ेंगे। कुछ दिन गुजरे फसल कटने को तैयार हो गयी। किसान बड़ी उत्सुकता से फसल काटने लगा पर जैसे ही उसका ध्यान गहूँ की बालियों पर गया तो उसने अपना सिर पीट लिया रोने चिल्लाने लगा गेहूँ की एक भी बाली के अन्दर गेहूँ का दाना नहीं था। सारी बालियाँ अन्दर से खाली थीं। किसान बहुत दुखी हो गया उसने भगवान को रोते हुए फिर पुकारा-हे प्रभु!

तुमने मेरे साथ ये क्या किया। क्या तुमने मुझे सजा दी भगवान बोले पुत्र ये तो होना ही था। तुमने उन्हें पौधों को संघर्ष का मौका ही कहाँ दिया। ना तो तुमने उन्हें आँधी से जूझने दिया न तेज बारिश को सहने दिया ना धूप में तपने दिया। एक भी चुनौती का सामना तुमने उन्हें नहीं करने दिया इसलिए सारे पौधे अन्दर से खोखले रह गये। जब आँधी, तूफान, तेज बारिश, धूप पड़ती है तभी ये पौधे अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करते हैं और इसी संघर्ष से एक बल पैदा होता है जिसमें शक्ति होती है, ऊर्जा होती है, और यही ऊर्जा तेरी बालियों में गेहूँ के दाने की तरह नहीं फूटी। तूने उन्हें कठिन परिस्थितियों से गुजरने ही नहीं दिया। जहाँ उनके अभिनव का जन्म होता सारी बालियाँ इसलिए खाली हैं। एक भी गेहूँ का दाना इसलिए नहीं है, कि तूने अपने पौधों को संघर्ष कराया ही नहीं। याद रखिए स्वर्ण में स्वर्णिम आभा तभी आती है, जब वो आग में तपने, गलने और हथौड़े से पीटने जैसे संघर्ष से गुजरता है। इसी तरह यदि हमारी जिन्दगी कोई संघर्ष ही न हो, कोई चुनौती ही न हो तो हम भी गेहूँ की बालियों की तरह खोखले ही रह जाऐंगे। अस्तित्व नहीं होगा हमारा यदि जीवन में मुश्किल परिस्थितियाँ आएँ, चुनौतियाँ आएँ तो घबराना मत बल्कि सामना करना विश्वास करना की आप और अधिक निखर जाएंगे और मजबूत बन जाऐंगे। किसी ने कितना सही कहा है, जिन्दगी जीना आसान नहीं होता, बिना संघर्ष के कोई महान नहीं होता, जब तक न पड़े हथौड़े की चोट तब तक पत्थर भी भगवान नहीं होता।

सपना या हक़ीक़त

साक्षी गोयल,
बी.एससी., तृतीय वर्ष

कहते हैं कि सपनों और हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर होता है। जो सपने होते हैं, वे कभी सच नहीं हो सकते सपने वो होते हैं, जो हम दिन-भर काम करते हैं, वो कभी हम अपनी नींद में देखते हैं। मैंने एक सपना देखा जो हकीकत भी हो सकता है।

कहानी की शुरुआत होती है, एक प्यारे से गोले से जो ब्रह्माण्ड में कहीं पर है। जो हरियाली, फूलों से लदा हुआ है, जहाँ सभी पशु-पक्षी, मनुष्य मिल जुलकर रहते हैं। जहाँ पर हर तरफ सिर्फ खुशी और शांति का निवास है, पर ये भी ज्यादा दिन तक न चला करते हैं, मनुष्य इस कायनात की सबसे अनूठी कला है। प्रकृति का अनोखा चमत्कार है। मनुष्य हर काम को कर सकता है लेकिन इन सब के साथ ही उसे कहीं न कहीं आराम की जरूरत भी है, और इसी आराम के लिए उसने शुरु किया निर्माण। नए-नए तकनीकी उपकरणों का जो मनुष्यों का काम क्षण भर में करते थे, और उनका जीवन सरल बनाते हैं, लेकिन कहते हैं ना कोई भी चीज एक सीमा तक ही अच्छी लगती है, पर ये सरल जीवन मनुष्य को पसंद आने लगा। ये उपकरणों का सिल-सिला यूं ही चलता रहा वो गोला जहाँ पर मनुष्य काम करके अपना जीवन जीते थे। वहाँ अब मशीनी तकनीक काम करने लगी।

लेकिन अभी तो सबसे बुरा वक्त आने वाला था, मनुष्य की लालसा ने निर्माण किया रोबोट, जो मनुष्यों के द्वारा नियंत्रित किया जाता था। रोबोट का निर्माण तकनीक की दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव था और शायद मनुष्य का अंत नजदीक। लेकिन इस बात से सब बेखबर थे।

अब रोबोट हर जगह थे वे ही डॉक्टर, पुलिस, अध्यापक, वकील, वर्कर सब काम वे ही करते थे, और इंसान सिर्फ अब आराम करता था।

फिर एक दिन ऐसा आया एक वैज्ञानिक को अपना काम भी बोर लगने लगा और उन्होंने निर्माण किया डॉ. जेन का, जिसका काम था खोज करना और नए निर्माण करना। अब कोई भी मनुष्य कुछ नहीं करता था, जिसकी वजह से उनकी क्षमता कम होने लगी। पर वक्त इन सब को बताना चाहता था, कि एक दिन यही सब विनाश का कारण बन सकता है, दुनिया को खत्म कर सकता है। वो थे, डॉक्टर हैरी वो आने वाले खतरे को शायद पहचान गये थे, और सबको बचाना चाहते थे। पर उनकी बात का किसी ने विश्वास नहीं किया।

अब डॉ. जेन इंसानों पर राज करना चाहता था, उसने पहले इंसानों के लिए एक विशेष यंत्रण का निर्माण किया जिसमें सिर्फ इंसान को बैठना था और वो सारे काम सिर्फ बटनों से होते थे।

धीरे-धीरे करके सभी उसमें बैठने लगे, अब उनके लिए बैठना, चलना, दौड़ना यहाँ तक कि उस यंत्रण से बाहर खड़ा होना भी मुश्किल हो चुका था।

डॉ. जेन ने सभी इंसानों को कैद कर लिया था, और शुरु हो गया था तकनीकी युग। पर अभी डॉ. जेन को तलाश थी, तो सिर्फ डॉ. हैरी की क्योंकि डॉ. जेन जानता था, कि डॉ. हैरी उसके लिए एक बहुत बड़ा खतरा है।

डॉ. हैरी ने डॉ. जेन और सिर्फ रोबोट को नष्ट करने के लिए एक एन्टीवायरस का निर्माण कर लिया था, उसे लगाते ही सभी रोबोट ढेर हो जाते। पर डॉ. हैरी उसे डॉ. जेन तक कैसे ले जाए ये सबसे मुश्किल काम था क्योंकि अब हर जगह सिर्फ रोबोट का राज था, ऐसे में वो कैसे उसे डॉ. जेन में लगाए।

डॉ. हैरी ने एक तरकीब लगाई उन्होंने रोबोट का पोशाक पहना और किले तक जा पहुँचे। अभी उनके रास्ते में बहुत सी मुश्किले थीं, वहाँ पर रोबोटिक कुत्ते थे, जो हर रोबोट की जाँच कर रहे थे। वे वहाँ से छुप कर निकले आगे जाकर दाएँ मुड़ कर डॉ. जेन के कमरे में गये। डॉ. हैरी, डॉ. जेन से बात करते हैं (रोबोट की तरह) जैसे ही डॉ. जेन अपना मुँह खोलता है, वैसे ही वह वो चिप उसमें डाल देते हैं और कुछ ही देर में वह नष्ट हो जाता है। और उसके साथ सभी रोबोट भी नष्ट हो जाते हैं। डॉ. हैरी कैद इंसानों को छुड़ा देते हैं। पर इन सब में पूरी तकनीक का नाश हो जाता है और फिर से नई शुरुआत होती है।

यह कहानी काल्पनिक है, पर आजकल की बढ़ती तकनीकी उपकरण से यह क्षण भी दूर नहीं है।

डर यही है, कहीं यह डरावना सपना सच न हो जाए।

शिष्यों की परीक्षा

कोमल
एम.ए., द्वितीय वर्ष

प्राचीन समय की बात है। एक गुरुकुल में एक आचार्य रहते थे। वह बहुत महान आचार्य थे। एक दिन उनके पास तीन शिष्य आते हैं। वह आचार्य जी से शिक्षा ग्रहण करना चाहते थे। वह आचार्य जी से कहते हैं कि हम आपके शिष्य बनना चाहते हैं। तब आचार्य कहते हैं कि मैं आप तीनों को एक साथ शिक्षा प्रदान नहीं कर सकता। मैं तुम में से किसी एक को अपना शिष्य बना सकता हूँ। मेरा शिष्य बनने के लिए तुम्हें मेरी एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

आचार्य जी कहते हैं कि जो मेरी इस परीक्षा में सफल होगा वही मेरी शिक्षा के योग्य होगा और वही मेरा शिष्य बनेगा।

आचार्य तीनों शिष्यों को बीज देते हुए कहते हैं कि घर जाकर इन बीजों को उगाओ और इनकी देखभाल करो।

तीनों शिष्य अपने-अपने घर चले जाते हैं। घर जाकर सभी एक-एक गमले में अपने-अपने बीज डाल देते हैं। वह सभी उनकी देखभाल करते हैं। उन्हें रोज खाद-पानी देते थे। कुछ समय व्यतीत होने के पश्चात दो शिष्यों के गमलों में पौधे उग जाते हैं, लेकिन तीसरे शिष्य के गमले में कोई पौधा नहीं उगता। यह देखकर वह बहुत परेशान हो जाता है, इसके उपरान्त भी वह उस गमले की देखभाल करता रहता है और खाद-पानी डालता है।

छः महीने की समय सीमा पूर्ण होने के बाद वह तीनों शिष्य अपने-अपने गमले लेकर गुरु के पास जाते हैं। उनमें से दो बहुत खुश थे क्योंकि उनके गमले लहलहा रहे थे। तीसरे के गमले में कुछ नहीं था। वह दोनों उसका मजाक बनाते हैं। वह हँसते हुए कहते हैं कि हम दोनों में से ही कोई एक आचार्य का शिष्य बनेगा।

इसी बीच आचार्य आकर गमले देखते हुए कहते हैं कि तुम दोनों उसका उपहास ही क्यों कर रहे हो। अरे मूर्खो! मैंने तुम्हें कोई बीज नहीं दिये थे। तुम दोनों ने अपने स्वार्थ के लिए नए बीज लाकर उगाए लेकिन उसने बिना किसी स्वार्थ, लालच के ईमानदारी से उसकी देखभाल की।

तुम दोनों मेरे शिष्य बनने योग्य ही नहीं हो। इस प्रकार तीसरे शिष्य को उसकी ईमानदारी के कारण आचार्य का शिष्य बनने का अवसर प्राप्त होता है और वह आचार्य से शिक्षा प्राप्त करता है।

गीर्वाणीम् नमामि

डॉ. दीप्ति वाजपेयी
प्रोफेसर संस्कृत विभाग

सरस सुबोधा विश्वमनोज्ञा, ललिता हृद्या रमणीया।
अमृतवाणी संस्कृत भाषा, नैव क्लिष्टान च कठिना।।

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म। कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन्, किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव सन्ति। संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति। संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते, तदेव अद्यतः सहस्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्। संस्कृतभाषायाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति। अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति। आचार्य-दण्डिना सम्यगेवोक्तम्-

"भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।"

अधुनाऽपि सङ्गणकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति। संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति। राष्ट्रस्य एक्यं च साधयति। भारतीयगौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारः सर्वैरेव कर्त्तव्यः। अतएव उच्चते-'संस्कृतिः संस्कृताश्रिता।

संस्कृत शब्दानां रचनायाः अपूर्वं सामर्थ्यम् अस्ति। धातुप्रत्ययसंयोगेन, उपसर्गसंयोगे वहवः नवीनाः शब्दाः रचयितुं शक्यन्ते। संस्कृतभाषा सम्पूर्णभारते समानरूपेण अङ्गीकृता आदृता च अस्ति। अतः राष्ट्रियैयसंस्थापनाय अद्भुतं सामर्थ्यम् आवहति। एतादृश्याः समृद्धायाः मातृभूतायाः संस्कृतभाषायाः संवर्द्धनाय अस्माभिः सर्वविधः प्रयासः कर्तव्यः।

संस्कृतम् भारतस्य विश्वस्य च पुरातनतमा भाषा। अन्यास भाषाणां तथा पुरातनं साहित्यमद्य नोपलभ्यते यथा पुरातनं संस्कृतसाहित्यम्। विश्वस्य पुरातनतमो ग्रन्थः ऋग्वेदः संस्कृतभाषयैव निबद्धः। इयमतीव वैज्ञानिकी भाषा, अस्या पाणिनिमुतिप्रणीतं व्याकरणमतीव वैज्ञानिकं यस्य साहाय्येन अद्यापि वयं तान् पुरातनग्रन्थान् अवबोधुं शक्नुमः।

संस्कृतमेव हि भारतम्। यदि वयं प्राचीन भारतमर्वाचीनं वापि भारतं ज्ञातुमिच्छामः तह नास्ति संस्कृतसमोऽन्य उपायः। भारतीयजनस्य अद्यापि यत् चिन्तनं तस्य मूलं प्राचीनसंस्कृतवाङ्गये दृश्यते। यदि च तत् चिन्तनं वयं नूतनविज्ञानाभिमुख कर्तुमिच्छामस्तह तस्य मूलं पृष्ठभूमि च अविज्ञाय विच्छिन्नरूपेण कतु न शक्नुमः। यदि वयमिच्छामो यत् भारतीयजनः परिवर्तनम् आत्मसात् कुर्यात् तदा तेन परिवर्तनेन आत्मरूपेण संस्कृतिमयेन संस्कृतमयेन च भाव्यम्।।

संस्कृतस्य शब्दाः सर्वासु भारतीयभाषासु कासुचित् वैदेशिकभाषासु च प्रयुज्यन्ते। अतः यदि वयं भारतीयजना-नामेकीभावं, तेषां भाषागतम् अभेदं सौमनस्यं च इच्छामः तदा संस्कृतज्ञानेनैव तत सम्भाव्यते। संस्कृतं सर्वाः-भारतीयभाषाः सर्वं जनमानसं च एकसूत्रेण संयोजयति। प्राचीनभारतीयेतिहासस्य भूगोलस्य च समीचीनं चित्रं संस्कृताध्ययनं विना असम्भवम्।

संस्कृतसाहित्यम् अति समृद्धं विविधज्ञानमयं च वर्तते। अत्र वैदिकं ज्ञानमुपलभ्यते, यस्य क्वचिदपि साम्यं नास्ति। महाभारतं तु विश्वकोशरूपमस्ति। रामायणशिक्षाः दिशि दिशि प्रचरिताः। उपनिषद्भिर्वैदेशिकैरपि विद्वद्भिः शान्तिः प्राप्ता। कालिदासादीनां काव्यानाम् उत्कर्षस्य तु कथैव का।

चरकसुश्रतयोरायुर्वेदः, भारद्वाजस्य विमानशास्त्रम्, कणादस्य परमाणुविज्ञानम्, गौतमस्य तर्कविद्या, शुल्बसूत्राणां ज्यामितिविज्ञानम्, आर्यभटस्य खगोलशास्त्रम् इत्येवमादीनि अनेकानि विज्ञानानि शास्त्राणि च संस्कृतभाषोपनिबद्धान्येव। अद्यापि राजनीतिविषये शासनतन्त्रविषये च कौटिल्यस्य अर्थशास्त्रं मनुस्मृतिश्च मार्गप्रदर्शके स्तः।

वयं भारतीयाः। अस्माभिः स्वकीयं गौरवमयं वाङ्गयमधीत्यैव तदाधारे भविष्यनिर्माणं कर्तव्यं, तदैवात्मोकत्कर्षः सम्भाव्यते। स च उत्कर्षः आत्माधिष्ठितो हृदयग्राही वास्तविकोन्नतिकारी भविष्यति। यानि राष्ट्राणि स्वगौरवं न विस्मरन्ति तान्येव सफलतायाश्चरमोत्कर्ष प्राप्नुवन्ति। परिष्कृत, व्याकरणादिदोष रहितं यत् भाषा तत् संस्कृतम् अस्ति। इयं भाषा एवं देववाणी, सुरभारती, गीर्वाणवाणी इत्यादिकैः नामभिः व्यवहियते। संस्कृत भाषा संसारस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा, परिष्कृततमा च विद्यते।। अस्याः भाषायाः साहित्यम् अपि सुविशालं, परमोन्नत, विविध-ज्ञान- समन्वित च अस्ति।

एतेषाम् अध्ययनेन भारतवर्षस्य, प्राचीन धर्मस्य, आयुर्वेदस्य, तथा अतीत सभ्यतायाः पूर्णः परिचयः प्राप्यते। एवं संस्कृत वाग्मय व भारतस्य संस्कृतेः आध्यात्मिकस्य च ज्ञानस्य विशुद्ध रूपज्ञानाय एकं साधनम्। एवं इयं भाषाः प्राचीनतमा इति निर्विवादम्। संस्कृतमेव सा भाषा यस्यां यत् लिख्यते तदेव पठ्यते। संस्कृत भाषाः न केवलं उच्चारणे सर्वोत्कृष्ट अपितु मधुरा दिव्या च। इयं भाषा आचारशास्त्र शिक्षिका, जीवनोन्नतिकारिणी च अस्ति।

ये कथयन्ति यत् कर-भाषा कठिना वर्तते, ते न जानन्ति यत् स्वल्य प्रयासेनैव संस्कृतं पठितं शक्य। संस्कृत भाषाः अस्माकं देशस्य सांस्कृतिकः निधिः अस्ति। सम्पूर्णमपि सांस्कृतिक वाङ्गमयं संस्कृतमाश्रित्य एव अवतिष्ठते। संस्कृत्याः वाङ्येन रहितरस्य राष्ट्रस्य जातेश्च अधः पतनम् अनिवार्यम्। संस्कृतस्य एतादृशं महत्त्वं दृष्टैव कश्चित् कविना सत्यम् एवं उक्तम्ः-

"भारतस्यप्रतिष्ठेहेसंस्कृतंचैवसंस्कृतिः"

अद्यत्वे केचित् संस्कृतं मृतभाषां कथयन्ति ते न जानन्ति यत् ये संस्कृतस्य रसेन ज्ञानेन, संस्कृति बलेन अद्यापि कृतकृत्याः भवन्ति कि तेभ्यः संस्कृत भाषा मृता, पुनरपि यदि केचित् कुपुत्राः स्वजननी सदृशीम् इमां भाषां मृतां कथयन्ति येन च भारतवर्षे संस्कृत भाषा उपेक्ष्येत, तर्हि गीर्वाण वाणी एवं क्षमयतु तेषाम् अपराधः।

संस्कृतस्य महत्त्वं वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये अधिकम् अस्ति। अमेरिकायाः सर्वोकृष्ट अनुसंधान संस्था "नासा" अस्ति। तस्याः अभिमतम् अस्ति यद् आंतरिक्षे संवादं प्रेषयितुं संस्कृतमेव उपयुक्तम् अस्ति। यतो हि, यदा "नासा" इति संस्थायाः वैज्ञानिकाः अन्यभाषायां संवादं प्रेषयन्ति तदा संवादान् नैव सम्यकतया आन्तरिक्षमुपगच्छन्ति। किन्तु संस्कृतभाषायाः इदमेव वैशिष्ट्यम् अस्ति, यत् संवादानाम् विपरीत अवस्थायामपि न कोऽपि भेदो भवति एतदर्थं वैज्ञानिकाः संस्कृतभाषायामेव संवादान् प्रेषयितुं समर्थाः संजाताः। इदानीं केचन जनाः स्वीकुर्वन्ति यत् संस्कृतभाषा केवलं पौरोहित्य, कर्मकाण्डादि, नित्यनैमित्तिक, कर्मणान् कृते एव अस्ति। किन्तु अयं सिद्धान्तः तर्कहीनः वर्तते। संस्कृते ज्ञानस्य सर्वाः विधाः समुपलब्धाः सन्ति। इति वैदेशिकाः विद्वांसः अपि स्वीकुर्वन्ति। संस्कृतभाषा अस्माकं सांस्कृतिकी भाषा अस्ति, यतः अस्माकं सर्वे धार्मिक-संस्काराः अस्यां भाषायामेव विद्यन्ते। संस्कृतभाषायाम् अनेकानि सुवचनानि सुभाषितानि च सन्ति यानि बालकेभ्यो, युवकेभ्यः च प्रेरणां यच्छन्ति। अस्या भाषाया मानवीय गुणानां विवेचनं प्राप्यते। अध्यात्मिक शान्तये इयं भाषा सर्वेः पठनीयाः खलु। अस्यां भाषायाम् एव सर्वेषां कल्याणेच्छा दृश्यते 'यथा' सर्वे भवन्तु सुखिनः सन्तः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखमाप्नुयात्। एवं संस्कृतभाषायाः महत्त्वं विज्ञाय सर्वेः एषा भाषा पठनीया, सर्वत्र च प्रसार; करणीयाः। भारतीयसंस्कृतेः रक्षणायः भारतस्य प्रतिष्ठां स्थापनाय च संस्कृतभाषायाः अध्ययनम् अध्यापनम् च नितराम् अस्माभिः कर्तव्यम्।

गुरुशिष्यमहत्वं तस्य ह्रासश्च

डॉ. कनक लता
असि.प्रो. संस्कृत विभाग

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

'गुरु' शब्दस्य अर्थः 'श्रेष्ठः' भवति। 'शिष्य' शब्दस्य तात्पर्यं 'पात्रता' अस्ति। यः अस्माकं कलुषम् अपहृत्य अकल्मषतां प्रति योज्यते सः गुरुः। गुरुं बिना ज्ञानं सम्भवं नास्ति इति मत्वा पूर्वकालात् एव वयं गुरोः महत्ताम् स्वीकुर्म। गुरुशिष्यविषये अनेकानि उदाहरणानि अस्माकं समक्षम आदर्शाः प्रेरणाश्च प्रस्तुतवन्ति यथा-एकलव्यस्य द्रोणाचार्यं प्रति गुरुदक्षिणारूपेण दक्षिणहस्तस्य अंगुष्ठदानम्, रघुः कौत्सदक्षिणार्थं चतुर्दशसहस्त्रं स्वर्णमुद्रा दानम। गुरोः आज्ञयैव पाण्डवाः राजाद्रुपदं बन्दीकृत्वा तस्य सम्मुखं प्रस्तुतवन्तः गुराः निद्राभंगं न भवेत् एतदर्थं कर्णः कीटने विच्छिन्नायमाया स्वजंघायाः वेदनां रक्तस्रावञ्च प्रति ध्यानम् न अददात्। गुरोः आज्ञयैव दशरथः प्राणेभ्यः अपि प्रियान् स्वपुत्रान तस्य यज्ञरक्षणार्थं तम्ः अयच्छत्।

प्राचीनभारतीयहिन्दूपरम्परायां गुरुः प्राक्कालादेव परम्श्रद्धेयः पूजनीयश्च भवति। शिष्यता कोऽपि प्राप्तुं शक्नोति किन्तु गुरुकृपायाः प्राप्तिः तु गुरुकारणादेव भवति। सैव अस्माकं जीवनस्याधारशिला भवति, यायामुपरि वयम् स्व जीवनस्य मानदण्डं

सुनिश्चितं कुर्मः। गुरुः अस्माकं पथप्रदर्शकः भवति। सः एव अस्मान् समुचितं मार्गं दर्शयति, सुकर्मं प्रति योजयति च।

दुःखस्यैव विषयः अस्ति यत् वर्तमानकाले अयं भावः तिरोहितः जातः। गुरुशिष्यसम्बन्धः पठनपाठने एव संकुचितः अस्ति। न तु शिष्यहृदये गुरुं प्रति सः श्रद्धाभावः शेषः अस्ति, नैव गुरोः शिष्यस्य कृते काऽपि आत्मीयता अस्ति।

संक्षेपे आधुनिकतायाः प्रतिस्पर्धायां वयम् स्वमेव प्रवञ्चयामः। वयं स्वसंस्कारं, स्वदेशगौरवं स्वकर्तव्यपरायणतां भारतीयभाषागौरवञ्च विस्मृतवन्तः, भौतिकस्वार्थस्य पूरणाय वयम् स्वोच्चादर्शानां परिकल्पनामात्रमपि त्यक्तवन्तः। जनाः विचारे तुच्छतां स्वीकृत्य तमेव दूषितवन्तः।

वर्तमान समये प्राचीनगुरुशिष्यपरम्परा अनुकरणीया अस्ति।

अभिज्ञानशाकुन्तलस्य समीक्षा

कुमारी पायल
एम.ए., तृतीय सेमेस्टर

कविताकामिनीकान्तकालिदासकृतम अभिज्ञानशाकुन्तलं न केवलं संस्कृतवाङ्मयस्य अपितु विश्ववाङ्मयस्य सर्वोत्कृष्टं नाटकम् अस्ति। कालिदासस्य जन्मकालः विवादास्पदः अस्ति। किन्तु वर्तमानकाले तस्य कालः 'प्रथम शताब्दी ई.पू.' इति मन्यते। तस्य प्रधानतः सप्तकृतयः स्वीक्रियन्ते–

नाट्यग्रन्थाः– (1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2) विक्रमोर्वशीयम् (3) मालविकाग्निमित्रम्।

काव्यद्वयम्–(4) रघुवंशम् (5) कुमारसंभवम्।

गीतिकाव्यद्वयम्– (6) मेघदूतम् (7) ऋतुसंहारम्।

एतासु कृतिषु अभिज्ञानशाकुन्तलमेव कवेः प्रतिभां प्रदर्शयति। अभिज्ञानशाकुन्तले सप्तांकाः सन्ति। यस्मिन् दुष्यन्तशकुन्तलायाः प्रेमवियोगपुनर्मिलनस्य च वर्णनम् अस्ति। उक्तं च अस्मिन् विषये–

"काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला।
तत्रापि चतुर्थोऽङ्कः तत्र श्लोकचतुष्टयम्॥"

कालिदासस्य पात्रेषु विविधतायाः दर्शनं भवति। सः प्रकृतिमपि पात्ररूपे चित्रिताम् अकरोत्। यथा–

"उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तना मयूराः।
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः॥"

अभिज्ञानशाकुन्तले कालिदासस्य भावाभिव्यक्तिसामर्थ्यं प्रदर्शितं भवति। शकुन्तलायाः पतिगृहगमनकाले ऋषिकण्वः भावविह्वलः भूत्वा अवदत्–

"यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया।
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः।
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनया विश्लेषदुःखैर्नवैः॥"

अभिज्ञानशाकुन्तले संवादाः संक्षिप्ताः प्रभावपूर्णाः च सन्ति। बहुसंवादाः सूक्तिरूपे प्रसिद्धाः सन्ति, यथा–

'कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धु प्रभवति।'
'को नामोष्णोदकेन नवमालिकां सिञ्चति।'

अस्मिन् नाटके देशकालस्य सम्यक् पालनम् अभवत्। ऋतूनां कालस्थानानां च यथास्थानं चित्रणम् अस्ति। अस्मिन् ग्रन्थे कालिदासस्य भाषाशैली परिष्कृता, सुसंस्कृता, सरला, सरसा, मधुरा, मनोरमा, रसानुकूला, प्रसादगुणयुक्तास्ति। उक्तं च कविना–

'वैदर्भीरीतिसंदर्भे कालिदासो विशिष्यते।'

स्त्री शिक्षायाः आवश्यकताः

कुमकुम
एम.ए., चतुर्थ सेमेस्टर

अस्माकं समाजः न केवल पुरुषाणां, किन्तु नारीणामपि अस्ति। अतः सुसंस्कृते समाजे पुरुषाणां शिक्षा आवश्यकी अस्ति तथा स्त्रीणामपि। स्त्रीणाम् समाजे स्थान समानरूपेणास्ति। समाजस्थस्य द्वे चक्रे स्तः। यथा एकेन चक्रेण रथस्य गतिः असंभवा, तथा जीवनस्य गति नारिणा विना असंभवा। अशिक्षिता नारी संसाररथ कथं चालयति। अतः स्त्रीशिक्षा अतीवावश्यकी।

प्राचीनकालेऽपि स्त्रीशिक्षा अनिवार्या आसीत्। वैदिककाले नार्यः अधिकशिक्षिताः आसन्। गार्गी मैत्रेयी आद्याः विदुष्यः वेदशास्त्रार्थनिपुणाः आसन्। कालिदासस्य पत्नी विद्योत्तमा महती विदुषी आसीत्। आधुनिककाले स्त्रियः शिक्षणमनिवार्यम्। यदि माता सुशिक्षिता भवेत् तर्हि सा स्वपुत्राणां पालनं शिक्षणमं च सुचारुरूपेण कर्तुं शक्नोति। यदि सा अशिक्षिता, तर्हि तस्याः सन्तानमपि विद्याहीना, संस्कारहीना-च भविष्यति। शिक्षिता नारी अधिकयोग्यता गृहकार्यसंचालने समर्था भवति।

अद्य एकमपि क्षेत्रं नास्ति, यत्र नार्याः प्रभावं नास्ति। विद्यालयेषु, महाविद्यालयेषु, कार्यालयेषु, सर्वत्र नार्यः कार्यरताः सन्ति। किंबहुना अनेकाः नार्यः संसदसदस्याः सन्ति। नगरपालिकासु, विधानसभासु, लोकसभासु अपि सदस्याः सन्ति, ताः सुचारुरूपेण कार्यं कुर्वन्ति च। श्रीमती इन्दिरागाँधी महोदया अस्माकं देशस्य प्रधानमंत्रिपदम् अलंकृता। श्रीमती सोनिया गाँधी महोदया अपि राजनीत्यां कार्यरता अस्ति।

कुलस्य तथा समाजस्य उन्नत्यर्थं स्त्रीशिक्षा अनिवार्या खलु। यतः शिक्षिता नारी न केवलं स्वजीवनं सफलीकरोति, किन्तु सा परिवारस्य राष्ट्रस्यापि अभ्युदयं करोति। सुशिक्षिता नारी सर्वत्र पूज्यते। उचितमिदं कथितं यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः।

वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य प्रभावः

प्रिया दुबे
बी.ए., प्रथम सेमेस्टर

अद्य समाजे परितः वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य प्रचारः अस्ति। वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानानि कीटसदृशमिव समाज जनानाम् धनग्रहणं कुर्वन्ति। यद्यपि वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानानि जीविकोपार्जनस्य विषये छात्रान् प्रशिक्षितान् कुर्वन्ति किन्तु वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य सम्यक् प्रभावः नास्ति। वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य पुरासमये अत्यधिकविस्तारः नासीत्।

अध्यापकः स्वार्थिकव्यवस्थायाः कृते केनापि साधनेन धनार्जनं कर्तुम् इच्छति। अस्मात् कारणात् समाजस्य जनानां बहुधनं नष्टं भवति। अध्यापकः विद्यालयमध्ये छात्रान् सम्यक्रूपेण न पाठयति। यतः ते छात्राणाम् वैयक्तिक शिक्षणसंस्थानमध्ये आगमनाय मनः कुर्वन्ति। अध्यापकाः स्वदायित्वं ज्ञात्वा सम्यक् रुपेण न पाठयन्ति। यदि ते पाठयन्तु तर्हि स्वदेशः उन्नतिं कर्तुम् समर्थः भविष्यति।

छात्राः अपि वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानमध्ये शिक्षाग्रहणं कृत्वा स्वकृते बहुगौरवं मन्यन्ते। प्रतिविषये वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानस्य प्रसारः भवति। कदाचित् वैयक्तिकशिक्षणसंस्थानम् छात्रस्य कृते बहुआवश्यकं प्रतीयते। मम दृष्टया यदि अभिभावकः स्वबालकान् स्वयमेव पाठयति तर्हि बहुधनं व्ययं न भविष्यति। सवोर्जा किञ्चित महत्वपूर्णकार्ये प्रयोगं कर्तुं शक्नुवन्ति।

जातक कथा

रूचिका शर्मा
एम.ए., द्वितीय वर्ष

उलूकजातकम्ः- अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमाभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन। चतुष्पदा सन्निपत्य एकं सिहं राजानमकुर्वन्। तत् शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा

चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन।

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत्। ततः एकः काकः उत्थान 'तिष्ठ तावत्' अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवंरूपं मुखं, क्रुद्धस्य च क्रीदृशं भविष्यति। अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिता वयं तप्तकताहे प्रक्षिप्तास्तिला इव तत्र तत्रैव धङ्क्ष्यामः। ईदृशो राजा मध्यं न रोचते इत्याह–

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पय कथं क्रुद्धो भविष्यति॥

स एवमुक्त्वा 'मध्यं न रोचते' 'मध्यं न रोचते' इति विरूवन् अकाशे उदवतत्। उलूकोऽपि उत्थान एनमन्वधावत्। तत आरभ्य तौ अन्योन्यवैरिणौ जातौ। शकुनयः अपि सुवर्णहंसं राजानं कृत्वा अगमन्।

नृत्यजातकम्ः– अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् पत् सा आत्मनश्चित्तचितं स्वामिनं वृणुयात् इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसङ्घे संन्यपतत्। नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्। हंसराजः आत्मनः चित्तरूचितं स्वामिकम् आगत्य वृणयात् इति दुहितरमादिदेश। सा शकुनसङ्घे अवलोकयन्ती मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्रूभावत्। मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् नृत्यन् चा प्रतिच्छन्नोऽभूत। सुवर्णराजहंसः लज्जितः 'अस्य नैव ह्रीः अस्ति न बर्हाणां समुरथाने लज्जा। नास्मै गतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि' इत्यकथयत्।

हंसराजः तदैव परिषन्मध्ये आत्मनः भागिनेयाय हंसपोतकाय दुहितरमदात् मयूरो हंसपोतिकामप्राप्य लज्जितः तस्मात् स्थानात् पालायितः। हंसराजोऽपि दृष्टमानसः स्वगृहम् अगच्छत्।

कर्मवीरः

नेहा
एम.ए., द्वितीय वर्ष

(पाठेऽस्मिन् समाजे दलितस्य ग्रामवासिनः पुरुषस्य कथा वर्तते। कर्मवीरः असौ निजोत्साहने विद्यां प्राप्य महत्पदं लभते, समाजे च सर्वत्र सत्कृतो भवति। कथाया मूल्यं वर्तते यत् निराशो न स्यात्, उत्साहेन सर्वं कर्तुं प्रभवेत्।)

अस्ति बिहारराज्यस्य दुर्गमप्राये प्रान्तरे 'भीखनटोला नाम ग्रामः। निवसन्ति स्म तत्रातिनिर्धनाः शिक्षाविहीनाः क्लिष्टजीवनाः जनाः। तेष्वेवान्यतमस्य जनस्य परिवारो ग्रामाद् बहिः स्थितायां कुटयां न्यवसत्। कुटी तु जीर्ण प्रायत्वात् परिवारजनान् आतपमात्राद् रक्षति, न वृष्टेः।

परिवारे स्वयं गृहस्वामी, तस्य भार्या तयोरेकः कनीयसी दुहिता चेत्यासन्। तस्माद ग्रामात् क्रोशमात्रदुरं प्राथमिको विद्यालयः प्रशासनेन संस्थापितः। तत्रैको नवीनदृष्टिसम्पन्नः सामाजिकसामरस्यरसिकः शिक्षकः समागतः। भीखनटोलां द्रष्टुमागतः स कदाचित् खेलनरतं दलितबालकं विलोक्य तस्यापातरमणीयेन स्वभावेनाभिभूतः।

शिक्षकं बालकमेनं स्वविद्यालयमानीय स्वयं शिक्षितुमारभत। बालको ऽपि तस्य शिक्षण शैल्याकृष्टः शिक्षाकर्म जीवनस्य परमा गतिरिति गन्यमानो निरन्तरमध्यवसायेन विद्याभिगमाय निरतोऽभवत्। क्रमशः उच्चविद्यालयं गतस्तस्यैव शिक्षकस्याध्यापनेन स्वाध्यवसायेन च प्राथम्यं प्राप।

छात्राणामध्ययनं तपः इति भूयोभूयः

स्वविद्यागुरुणोपादिष्टोऽसौ बालकः

पित्रोरर्था भावेऽपि छात्रवृत्या कनीयश्छात्राणां शिक्षणलब्धेन धनेन च नगरगते महाविद्यालये प्रवेशमलभत। तत्रापि गुरुणां प्रियः सन् सततं पुस्तकालये स्ववर्गे च सदावहित चेतसा अकृतकाल क्षेपः स्वाध्यायनिरतो ऽभूत।

महाविद्यालयस्य पुस्तकागारे बहूनां विषयाणां पुस्तकानि आत्मसादसौ कृतवान्। तत्र स्नातकपरीक्षायां विश्वविद्यालये प्रथमस्थानमवाप्य स्वमहाविद्यालयस्य ख्यातिमवर्धयत्। सर्वत्र रामप्रवेशराम इति शब्दः श्रूयते स्म नगरे विश्वविद्यालय परिसरे च। नाजानतां पितरावस्य विधा जन्यां प्रतिष्ठाम्।

वर्षान्तरेऽसौ केन्द्रीयलोक सवोपरीक्षायामपि स्वाध्यवसायेन व्यापकविषयज्ञानेन च उन्नतं स्थानमवाप। साक्षात्कारे च समितिसदस्यास्तस्य व्यापकेन ज्ञानेन, तत्रापि तादृशे परिवार परिवेशे कृतेन ज्ञमेणाभ्यासेन च परं प्रीताः अभूवन।

अद्य रामप्रवेशरामस्य प्रतिष्ठा स्वप्रान्ते केन्द्रप्रशासने च प्रभूता वर्तते। तस्य प्रशासनक्षमतां संकटकाले च निर्णयस्य सामर्थ्यं सर्वेषामावर्जके वर्तेते। नूनमसौ कर्मवीरो व्यतीत्य बाधाः प्रशासनकेन्द्रे लोकप्रियः संजातः। सत्यमुक्तम्-उद्योगिनं पुरुषसिंह मुपैति लक्ष्मीः।

चतुरः वानरः (लघु कथा)

कल्पना
बी.ए., प्रथम वर्ष

एकस्मिन नदीतारे एकः जम्बूवृक्षः आसीत्। तस्मिन् एकः वानरः प्रतिवसति स्म्। सः नित्यं तस्य फलानि खादति स्म। कश्चित् मकरोऽपि तस्यां नद्यामवसत्। वानरः प्रतिदिनं तस्मै जम्बूफलानि अपच्छत्। तेन प्रीतः मकरः तस्य वानरस्य मित्रमभवत्।

एकदा मकरः कानिचित् जम्बूकवानि पत्न्यै अपि दातुं आनपत्। तानि खादित्वा तस्य जापा अचिन्तयत् ग्रहो! यः प्रतिदिनमीदृशानि फलानि खादति, नूनं तस्य हृदयमपि अति मधुरं भविष्यति। सा पतिमकदायत् भोस्दानिन्।

TECHNOLOGY IMPROVES EFFICIENCY:

Vandana Rawal
M.A. English

All the companies work with a common goal of reducing the inputs and enhancing the output . technology helps companies in activating this goal. One such popular technology is automation, which is helping companies a lot.

The output of machines is faster than that of human and they don't need to rest. The output of manual labour that used to take months can now be achieved in just a few hours or days with the help of machinery.

TECHNOLOGY ENHANCES COMMUNICATION: before the evolution of technology businesses relied on face to face meetings and physical mail to communications their ideas today, when technology has so evolved , people can easily communicatewith one another from thousands of miles apart. Emails , phone calls and videocalls have made communications easier and faster.

EASY INFORMATION ACCESS: it is one of the main importance of technology, technology has made accessing information extremely easy, before the evolution of smartphones and computers, people had only one resource for finding information: books so it was very difficult for people to find information.

However, today technology has changed the way of accessing information. we can easily find any information we can easily find any information about anything within few clicks on our smartphones or computers using the internet . we can get information in different forms such as audio, video , text , image etc..

TECHNOLOGY SAVES TIME: Machines are extremely faster than humans, the work for which

humans take several months can be completed with machines in a few hours or days also, people were often lost trying to find their wat to their destination finding directions to the destination finding directions to destination was difficult.

However, today finding directions to any location in the world is easy with accuracy navigation technology. Technology saves time for everyone who uses it well

TECHNOLOGY SAVES COST: no one can deny the importance of technology in saving costs. Using the right technology in business can save you a lot of money.

Organizations would rely heavily on paper to communicate, digitalization has reduced the cost of buying paper in bulk technology also reduced labor cost.

TECHNOLOGY GIVES COMPETITVE EDGE: companies are using more advanced technologies than other competitors to beat them.

For example : a company with high end – orienting equipment can easily beat he other companies with regular printing machines. advanced technology can create better products that can win the market.

TECHNOLOGY ALLOWS FOR INNOVATON: technology is now used to research and develop new ideas, which improve our ability to test and implement them, innovation upgrades the technology system from time to time.

For example : a 4G network upgrade into a 5G network and all other upgrades in technology.

YOUR INSPIRATIONS

Karuna Bansal
M.A. English

People who changed the world

- **Karl Marx (1818-83) German :**

Karl Marx' s ideas on economic history & Sociology changed the world. Marx was a social philosopher, who attacked the state and predicted a future in which everyone was equal.He explaned his theories in the communist manifesto (compiled with Friedrich Engels and published in 1848). His ideas eventually led to the Russian Revolution and communism By 1950 almost half of the world people lived under Communist regimes.

- **William Shakespeare (1564 - 1616)English :**

William Shakespeare is generally agreed to the greatest play writer in the English language. He began as an actor and wrote atleast 154 love poems and 37 plays , including Hamlet, King Lear, Romeo & Juliet and Macbeth. Shakespeare also probably introduced more than 1,700 new words to the English Language.

- **Mahatma Gandhi (1869- 1948) Indian :**

Gandhi began his career as a lawyer but became a great political and spiritual leader. He led the peace ful civil disobedience of Indians against British rule in India and negotiated with the British Government until 1947, when India was Got, attained, obtanied indipendence. Gandhi became the first icon of a people's struggle against oppression. His simple lifestyle and his belief in religious tolerance made him a symbol of decency and peace ever since.

- **Albert Einstein (1879-1955) German / American :**

Einstein was one of the greatest of all physics and his name become a symbol of genius. When his most famous work , the General Theory of Relativity was proven in 1919, Einstein became the most celebrated scientist in the world and he won the Nobel prize for physics in 1921. Einstein was a

Firm believer in pacifism but his scientific theories helped his adopted country the USA, to develop the atomic bomb. A week before he died he wrote to Bertrand Russell, a British Philosopher and loading anti nuclear campaigner, asking to put his name to a manfesto any urging all countries to give up their nuclear weapons.

- **Adolf Hitler (1889- 1945) Austrain :**

  Who those could he be an inspiration?

  Adolf Hitler was Germany's leader from 1933 - 1945, during time which he led the world into the most devastating war in history. Hitler's haters of Jewish people and his desire for a blue eyed, blond-haired master race led to the murder of six million people during World War ll; died in concentration camp in Eastern Europe.

MY FIRST DAY OF COLLEGE

Alisha
M.A. 4th Semester

College life has its own charm and beauty. Each and every moment spent there is always worth-living, worth-enjoying and also worth-remembering. Out of all the days, we can never forget the first day of college life.

- **"A New place and a New Life with a New lifestyle."**

  First day of college is really very special and memorable for every student. That is why we hardly ever forget our first love, our first success, our first friend. Likewise, we cannot forget our first day at college, the day that symbolizes the transition period from one life, so to say, into another. It comes to my mind again and again with those alien but lively feelings, those impressions, and sights and sounds.

- **"My impressions of the first day at college are still fresh in my memory. It seems impossible to erase those Sweet memories."**

  On first September, I got up early in the morning, took bath and offered my prayers. Meanwhile, my mother prepared breakfast for me. I Hardly took my breakfast and went to college by bus. As soon as I stepped into the college, I felt like I have entered into a new world. It was indeed a completely new world for me. The college had a wonderful building, lovely playgrounds and devoted Professors. The grand traditions, good mannerism, and liberal atmosphere made a great difference to my life. My first-day entry in college always fascinates me. When I reached the gate of the college, some senior students of the college were standing there. Some of them where in a jolly mood and wanted to be fool the new-comers. They had worked out their own plans to make the new-comers indulge in strange actions. However, we decided to act together to avoid their practical jokes. Some of the senior were approaching us with an air of superiority. They were large in number so they made us subdue immediately. They asked us to do strange things like singing ridiculous songs and doing monkey pranks. The sense of self- respect did not allow me to act according to their wishes. Still, they forced me to obey their orders. I felt a little humiliated but took it sportingly.

- **What a beautiful chapter of a student's life, College life is!**

  College life is a world of one's own choice. Each moment spent in a college is worth living, worth-enjoyable and worth remembering. The first day at college is really very special and memorable for every student. My first day at College was very unique. In fact, the joys and freedom that were

a dream in School became a reality in college. This pleasant chance had a pleasant effect on me. have never been able to forget my first day at college.

- My impressions of the first day at. college are still fresh in my memory. It seems impossible to erase those Sweet memories.

SOCIAL PROBLEM

Environmental Pollution

Kalash Bansal
M.A. English

- The biosphere and ecosystem are self -sustaining . Natives maintain a balance in land, water ,air and all the living organism in the world .Any imbalance in the biosphere is called environmental pollution.
- The grand industrial development, the green revolution, the transport expansion, the rapid growth of cites and resources have badly affected environmental balance. The large scale industrial water, and oil poured in the sea have started killing marine life.
- Undoubtedly the modern technology development has been the main cause of polluting our air, ocean and rivers . It is a matter of great importance that our rivers are becoming dark. Fishes are rotting on sea shores.Tree are withering and cities are filled with foul air .Lonic chemicals are finding their way life into our food. When the normal composition of air is changed, air become polluted.
- The main cause of air pollution are combustion, manufacturing process, agricultural activities, use of solvent and nuclear energy programmes . Combustion can be described as full burning . All these kinds of combustion release several types of gases which pollute, air .Chemical plants for water recovery come under the category of manufacturing process. The polluted things released from these process make the air unfit for human consumption.
- Agricultural activities are another source of air pollution, the use of chemical fertilizers and manures and burning of field water pollute the atmosphere air. Several types of solvent are used in spray painting, polishing of furniture , dyeing , printing and dry cleaning. The solvents produce hydrocarbon which pollute air. Various measure may be adopted to control pollution. To trap small particles, chamber should be made . Lofty smoke stakes should be built. . Gases should be discharged through exhaust pipes higher in the air . Chemical industries should not be allowed to be set up on the banks of rivers. Waste materials should be subjected to anti- pollution laws are not being obeyed everywhere.

EDUCATION

Ritika Rawat
M.A. English 2nd Sem.

Education entails acquiring knowledge to have a greater understanding of the various disciplines that will be used in our everyday lives. 'Education' refers to the information we gain and experience outside of books or classrooms, as well as the knowledge that we receive and experience in schools, our homes, and as members of society. Our ideas on life alter as a result of learning, education is crucial

for personal development and growth in society. In this blog, we will see why we need education for growth and will also look at some articles on the importance of education.

Importance of Education

The value of education is felt at a much younger age. Our first tryst with learning begins at home, and our first teachers are our parents, grandparents, and often siblings. The importance of education lies in its continuity, learning is a lifetime process that will stop with our death. It is the foundation for the development of a healthy individual and society. Our world cannot have a bright future if our culture lacks education.

Education is the key to change. It is an important tool that allows a person to understand his or her rights and responsibilities to his or her family, society, and nation. It improves a person's ability to view the world and to fight against misdoings such as injustice, corruption, and violence, among other things.

Mental Aspect of Education's Importance

Education is meant to hone talent, sharpen our mindsets and educate us on a myriad of things. In school, we cover a variety of topics such as history, arithmetic, geography, politics, and so on. These subjects sharpen children's minds and allow the kid to absorb knowledge from all subjects, his or her mental level is increased. Here are some cognitive benefits of learning and education that ensure growth and development in children:

Stability

Education's importance in our lives provides us with stability in our everyday lives. You must be told that Everything may be split, but not your education, you must be told. You can improve your chances of getting a better job with the aid of your degree and expertise.

Financial Security

Our financial stability is helped by education. Higher-qualified individuals receive higher-paying employment in this era, allowing them to guarantee their future.

Self-dependency

Education teaches us to be self-sufficient in our daily lives. A person's education is his alone, and with it, he may feel safe and self-sufficient.

Equality

Equality is a right that everyone deserves. If everyone had the opportunity to pursue higher education, there would be a greater likelihood that everyone would earn a large sum of money, and there would be less disparities across social classes. It aids in the pursuit of equality.

Confidence

Confidence is one of the finest aspects of success. Education boosts a person's self-assurance. You can go further into a topic that you are already familiar with. With the information you have obtained through your schooling, you can converse about that issue far better than others.

IMPORTANCE OF TECHNOLOGY

Shada Rameem
M.A. English

1. Technology Makes Our Lives Easier.

Technology takes care of the basics, leaving us with more time to do what we enjoy. With technology constantly evolving, life is becoming much simpler as new inventions make things all the more

convenient for society. For instance, taking up hobbies or spending time with relatives and friends.

2. Technology Encourages Sharing Of Ideas.

Technology enables people to never be out-of-the-loop when it comes to trends in their field of expertise. The Internet provides a wealth of information that people can be more aware of what's going on around them. As technology brings knowledge and education to the fingertips of everyone, society benefits from it.

3. Technology MakesLearning Fun.

With technology, students have access to a wider variety of tools that they can use to make lessons easier and more interesting for them while teachers can communicate with their students better (such as via online classrooms).

4. Technology Promotes Self-Expression.

People can express themselves in ways that were not possible before thanks to technologies like video games, social media sites, and blogging platforms. The Internet enables people to reach out to potential audiences who may be interested in what you're feeling.

5. Technology Keeps Us Safe.

Technology allows people to be more aware of what's going on in their surroundings and thus, can help reduce instances of crime.

6. Technology Promotes Global Awareness.

It was much harder for people to communicate across different parts of the world, but thanks to technology this is becoming easier than ever before. With social media sites such as Facebook and Twitter allow users from all over the world to come together and share their thoughts on specific topics or events or just for fun.

7. Technology Brings Financial Growth.

Technology has a far-reaching impact on different industries and this can be seen by looking at how video games have contributed to the rise of online gaming, which is now one of the biggest industries worldwide.

8. Technology Enables us To Learn Virtually Anything.

The Internet allows the world's population to gain access to information they would not have had otherwise, allowing them to develop new skills or even an understanding of things that were previously only known by a select few. Similarly education has also improved because technology provides students with access to better tools that will help them during lessons or at home.

9. Technology Enables us To Connect With Our Friends And Family.

Messenger apps, like Whatsapp, allow people from across the world to talk, share information, or potentially even meet one another. People can stay in touch with their loved ones who might be living in parts of the world where there is war so they don't get caught up in any conflicts.

10. Technology Helps Drive Innovation Across Many Industries.

Technology has led to greater improvements in various types of businesses by allowing entrepreneurs to do what they love & create something that can help solve specific problems, like inventing new gadgets.

11. Technology Shortens The World's Economic Gap.

Thanks to technology, those who live in more rural areas can now have access to information, education & entertainment. This means they can make a living on their own and not rely on others for

help, improving everyone's standard of living as a result.

People no longer need to live near their workplaces, allowing them to find work from home and spend more time with their families.

12. Technology Helps us to Manage Our Time More Effectively.

Smartphones allow us to keep track of all our appointments, meetings & events in one place so we don't have to constantly check our calendars when someone asks us what we're up to today. As a result, we can spend more time focusing on whatever task needs completing.

13. Technology Allows Faster Global Transportation.

Technology has improved the way we travel, thanks to developments like self-driving cars and Hyper loops.

14. Technology Improves Our Energy Efficiency.

As technology advances, so too do renewable sources of energy. In addition to saving us money by reducing the amount we spend on petrol & electricity, these newer technologies benefit us in other ways too!

15. Benefits Of Technology For Society.

Technology has made life easier in a lot of ways.

Technology makes life easier by providing solutions to common problems. Technology comes with its good and bad effects on society, but overall it has more positive effects than negative ones. Here are 15 reasons why technology is important to various aspects of our lives

SOME LIFE LESSONS I HAVE LEARNT

Muskan

M.A. (English)

"Never be a prisoner of your past. It was just a lesson not a life sentence"

Every year, we learn new things as we progress from one level to another. We always try something new in our life , sometimes we succeed and sometimes we fail, which is the lesson for our life. I have also learnt many lessons in my life .

The first of which is "STAND UP FOR YOURSELF" This is the first lesson of my life which help me to improve my happiness, feel more or confident.

Standing up for ourselves is important because it helps you to maintain boundaries and engage in healthy constructive, conversation with those around us. When I started to take stand for myself, I started to believe in myself it also help to present my thought well in front of everyone and it has also increased my confidence. Standing up for yourself doesn't make you argumentative.

Second lesson which I have learnt, is PATIENCE. When I took decisions in Hurry or in rush, always put me in more trouble. When the things were not going according to the plants then patience is the only trait which convinced me to believe that everything will be fine. Patience has made me and emotionally strong person. It helped me to not get the emotional breakdown too early. Having patience is one of the great quality Patience makes us believe in ourself, patience makes our personality more mature. Words spoken without thinking always ruin the conversation or situation but patience leads to make better and well decisions.

After it, the next lesson which I have learnt in my life is, BELIEVE IN YOURSELF. When I was Schoolgoer I heard the quote,"If you believe in yourself , anything will be possible". It made a deep impression on me and since then I started believing in myself.There are many factors of success – luck, opportunity, timing, background, connections, etc.– but one of the most underrated is self-belief. No matter what kind of success you desire, you must fully believe in it before you can achieve it. This is why it is important to believe in yourself.When I started to believe in myself, things have changed. I started to see a glimpse of hope, and I told myself, "Hey, maybe I can do this." And so I started to take action.

COVID TIME

Nikky Verma
M.A. 4th Sem.

COVID-19 (Coronavirus) has affected day-to-day life and is slowing down the global economy. This pandemic has affected thousand of people, who are either sick or being killed due to the spread of this disease.

The Most common symptoms of this viral infection are fever, cold, cough, bone pain and breathing problem and ultimately leading to pneumonia. This, being a new viral disease affecting humans for the first time, we have to take precautions such as extensive hygienic protocol (e.g., regularly Washing of hands, Avoidance off face to face interaction etc.) Social distancing, and wearing of masks and so on.

- This virus is spreading exponentially region wise. Countries are banning gatherings of people to the spread and break the exponential curve.
- Countries are locking their population and enforcing stirct quarantine to control the spread of this highly communicable disease.
- COVID-19 Has rapidly affected our day-to-day life, businesses disrupted the world trade and movements.

Impacts of COVID-19

This impact of COVID-19 are divided into various categories.

(A) <u>Healthcare</u>

- Challenges in the Diagnosis, quarantine and treatment of suspected or confirmed cases.
- High burden of the functioning of the existing medical system.
- Patients with other diseases and health problems are neglected.
- Overload on doctors and other health care professionals, who are at a very high risk.
- Overloading of medical shops.
- Requirement for high protection.
- Disruption of medical supply chain.

(B) <u>Economic</u>

- Slowing of manufacturing of essential goods.
- Disrupt the supply chain of products.

- Losses in national and international business.
- Significant slowing down in the revenue growth.

(C) <u>Social</u>

- Service sector is not being able to provide their proper service.
- Cancellation or postponement of large scale sports and tournaments.
- Avoiding the national and international travelling and cancellation of services.
- Disruption of celebration of cultural, religious and festive events.
- Undue stress among the population.
- Social distancing with our peers and family members.
- Closure of the hotels, restaurants and religious places.
- Closure of places for entertainment such as movie and play theaters, sports clubs, gymnasiums, swimming pools and so on.
- Postponement of examinations.

This COVID-19 has affected the sources of supply and defects the global economy. There are restrictions of travelling from one country to another country. Healthcare professionals face difficulties in maintaining the quality of healthcare in these days.

EXOTIC WHEAT DNA: CLIMATE PROOF CROPS FOR A CHANGING WORLD

Shakshi Nagar
M.Sc. 3rd Sem

Climate change can affect agriculture in a variety of ways. Beyond a certain range of temperatures, warming tends to reduce yields because crops speed through their development, producing less grain in the process. And higher temperatures also interfere with the ability of plants to get and use moisture. in 2021, as various trade reports showed, spring wheat production declined by 40 percent in US due to drought and heat.

"Wheat is responsible for around 20 percent of the calories consumed globally and is widely grown all over the world," **Says Professor Anthony Hall, Study author and Group Leader at the Earlham Institute.** "But we don't know whether the crops we're planting today will be able to cope with tomorrow's weather."

"To made matters worse, developing new varieties can take a decade or more so acting quickly is vital."

In collaboration with **International Maize and Wheat Improvement Centre (CIMMYT), Earlham Institute in Norwich** researchers set up a two-year field trial in Mexico's Sonora desert. They studied 149 wheat lines, ranging from widely-used elite lines to those selectively bred to include DNA from wild relatives and landraces from Mexico and India.

"Crossing elite lines with exotic material has its challenges," **said Matthew Reynolds, co-author of the study and leader of Wheat Physiology at CIMMYT.**

Exotic wheat DNA is created by studied the genetic code of different varieties of wheat from around the world. Scientists have identified specific genes that are associated with stress tolerance, such as those that control the plant's ability to conserve water and resist disease. By incorporating these genes into new strains of wheat, scientists have been able to create crops that are more resilient in the face of environmental challenges.

One of the key benefits of exotic wheat is that it is able to withstand harsh world that are already facing water scarcity due to a changing climate. With its ability to conserve water, exotic wheat can help reduce the impact of drought on crops and maintain productivity even in times of scarcity.
Additionally, exotic wheat is more resistant to pests and diseases, which can cause widespread damage to crops and reduce yields.
Another benefit of exotic wheat is that it is able to grow in a variety of climates and soil types. This means that farmers can grow this crop in regions where traditional crops may not be able to thrive. This versatility will be especially useful for farmers in regions where climate change is having a significant impact, as it will allow them to continue to grow crops and provide food for their communities.
While exotic wheat may be a promising solution for farmers and the food industry, there are also concerns about the use of genetic modification. Some people worry about the long-term effects of genetically modified crops on the environment and human health. However, the use of genetic modification in agriculture is heavily regulated, and scientists and researchers continue to study the effects of these crops on the environment and human health.
In conclusion, exotic wheat is a promising solution for farmers and the food industry in a world that is facing the realities of a changing climate. With its ability to withstand harsh conditions, conserve water, resist pests and diseases, and grow in a variety of climates, exotic wheat has the potential to revolutionise the way we produce food help mitigate the impact of climate change.

INTERNET OF THINGS (IOT)

Srishti Singh
M.Sc. 1st year

As we all know that internet has become a part of our life and the technology on which we all are directly or indirectly depend and also we use this technology in our day to day life. The burning topic of current era, IoT has now being increasingly felt in almost every sphere of life of resident of the country.
Internet of things or IoT is a system of connected devices, computer and digital machines with unique identifiers that transfer data over a network. A thing in the internet of things can be a person with heart monitor implant, a farm animal with a biochip transponder or an automobile which has inbuilt sensor so that it can indicate about the tier pressure when it becomes low the driver.
Smartphone, Laptop, Smartwatches, Sensor, all are the part of IoT as long as they are connected to the internet and sharing data.
In every field we use the IoT devices for different-different purposes.
Some examples like smart TV, Smartwatches, Smart Refrigerators, smart Door locks, smart Fire Alarm, smart Mobiles, Sensors, etc. As Airlines uses IoT sensors for real time data reporting on airplanes engine status and equipment conditions. Even Theme parks uses IoT to track their visitors movement for popular attraction and traffic flow. This can help park to better adapt the addressing needs and even waste management.
Although Businesses are increasingly adopting IoT to improve efficiency, customer services, and decision making. It supports smarter working with more control. Across Industries, IoT enable process automation, analysis and insight, labor production and performance monitoring.
It iss a matter of face that today a number of IoT products have surpassed a huge number of human on

this planet. Approximately there are about 7.62 billion human in our world and surprisingly there are may be about 20 billion smart IoT devices that are uses and running and although day by day there demands are also increasing.

Importance- The internet of things helps people live and work smarter, as well as gain complete control over their lives. In addition to offering smart devices to automate homes, IoT is essential to business. It enables companies to automate processes and reduce labor costs. It also cuts down on waste and improves service delivery, making it less expensive to manufacture and deliver goods, as well as offering transparency into customer transactions.

Challenges- As number of connected devices and shared infromation increased so do security and privacy concerns. Also any Bug in a single device can potentially affect an entire IoT system. In addition and this is true especially for an enterprise then connected devices produce a ton of data, which can be difficult to collect and manage. Still companies will have to address these challenges becase IoT market is blooming.

PROTECT YOUR IDEA PROTECT YOUR FUTURE

Divya Shakya
B.Sc. 1st year

Innovation is the backbone of development and new ideas are essential to drive the society forward in today's highly competetive era, everyone need to protect their ideas, guarding your intellectual property. Protecting is essentiol to ensuring the success of your ideas.

Protection of ideas can be of two types-First one is work on your ideas in that way that no one can compete you. But in this competetive world it seems hard to possible, it doesn't mean impossible boost your idea at that level, of that noone can even think about that.

And the second way is to guard your ideas legally so that none can steal it. Like there are some legal protection which are of three categaries i.e. copyright, trademarks and patents.

Firstly, protect thing your ideas ensure that you have exclusive rights to your intellectual property. Legal authority to prevent others from using, selling or disturbing your intellectual property without your consent. This means no one can profit from your hard work or ideas and you have complete control over how your ideas are used.

Secondly, protecting your ideas can increase your profit or earning potential you can give it on rent or sold it at your price. And the revenue generated from patent can provide a substantial source of income. This result in significan income stream far you and your business.

Thirdly, protecting your ideas also protect your reputation. If some one steals your ideas or intellectual property, it can damage your reputation and credibility. By protecting your ideas, you can ensure that your reputation remains intact, and you can continue to build trust with your customers, clients and partners.

Lastly, protecting your ideas encourage innovation and creativity. When people know that their ideas are protected, they are more likely to invest time and money into developing them further. There ideas to the creation of new products, services and technologies.

In conculsion, protecting your ideas is essentiol for safeguarding your future. It ensures that you have right to your intellectual property, encourages innovation, protects your reputation increases your earning potentioal. By talking a wise step you can build up your bright future with unique ideas.

विविध गतिविधियाँ

FREE CANCER
AWARENESS CAMP
CERVICAL, BREAST AND ORAL CANCER SCREENING

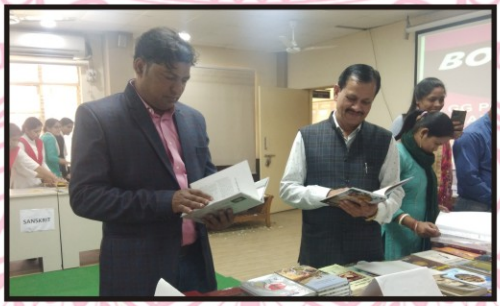

BOOK
KM GG PG COLLEGE
BADALPUR
20 फरवरी 2023
Timing:- 11:00 am To 3:00 pm
NCERT
General Science

हर घर
ध्यान

विविध गतिविधियाँ

LIONS CLUB INTERNATIONAL
LIONS CLUB DELHI ANTARANG
FREE Diabetic & Health Check up Camp
Organized by
LIONS CLUB DELHI ANTARANG
DISTRICT 321-A1

बादलपुर (गौतमबुद्धनगर)

ग्यारह
बारह
जोड़ (ADD)

आज़ादी का अमृत महोत्सव
ISO 9001:2015 Certified

राष्ट्रीय सेवा योजना
आज़ादी का अमृत महोत्सव

विविध गतिविधियाँ

सड़क सुरक्षा अभियान

Km. Mayawati Govt. Girls PG College

FREE Diabetes & Health Check up Camp
Organised by
LIONS CLUB DELHI ANTARANG
DISTRICT 321-A1
Click2Clinic

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद् - 'त्रिवेणी'

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय सेवा योजना - प्रथम इकाई

राष्ट्रीय सेवा योजना - द्वितीय इकाई

रेंजर्स और स्काउट गाइड

काव्याञ्जलि

जिंदगी

प्राची त्यागी
बी.काम., द्वितीय वर्ष

ये जिंदगी कितनी अजीब है ना
पल भर में हँसाती है
तो दूसरे पल में रूलाती है
चीजें सीखते-सीखते थक जाते हैं हम
पर यह है कि चलती जाती है।
रिश्ते काफी होते हैं पास हमारे
कभी उन रिश्तों की वजह से
यह बोझ बन जाती है
पर यह जिंदगी है कि चलती जाती है।
तकलीफ भी बहुत देती है
लेकिन दर्द सहना भी सिखाती है
दर्द जब हद से बढ़ जाए तो
यही जिन्दगी बेबस नजर आती है
पर ये है कि फिर भी चलती जाती है।
दूसरों की आसान नजर आती है
सारी कमियाँ खुद में दिखने लग जाती हैं
सही गलत का एहसास होने से पहले
यही जिन्दगी बोझ बन जाती है
पर ये है कि चलती जाती है।
रोते-रोते ये कहीं हमारी
हँसी छुपा जाती है।
हमें बेबस करके अपनी
कीमत बता जाती है
आखिर में यही जिन्दगी
अनमोल बन जाती है
और एक मुस्कान के साथ
हमें जीना सिखा जाती है।

बढ़ते चल

काजल नागर
एम.ए. प्रथम वर्ष

सफर में कुछ तो मुश्किल होगी,
पर तू रुकना मत राही, यूँ ही चलते जाना
यूँ ही चलते जाना, यूँ ही चलते जाना...
जिस रास्ते पर तू निकल चला
वहाँ फूलों से पहले काँटों का सफर होगा,
पर तू रुकना मत राही, यूँ ही चलते जाना
यूँ ही चलते जाना, यूँ ही चलते जाना...
जब-जब लगे तुझे डर तो सोचना
वो सुनहरा पल जब मंजिल तेरे पास होगी।
तेरे माँ और पापा की आँखों में खुशियाँ होंगी।
ये सोच के तू रुकना मत राही, यूँ ही चलते जाना
यूँ ही चलते जाना, यूँ ही चलते जाना...
जब-जब रोके तुझे कोई तो रुकना मत,
तुझे पीछे ले जाएंगे बहुत मगर तू रुकना मत,
अपनी मंजिल को पाता चल, हर मुश्किल
से लड़ता चल, हर मुश्किल से लड़ता चल,
तू रुकना मत राही, यूँ ही चलते जाना
यूँ ही चलते जाना, यूँ ही चलते जाना...
देखना एक दिन तेरी मंजिल तेरे पास होगी,
हर खुशी तेरे दामन में होगी, वो काँटों का सफर,
फूलों में बदल जाएंगे, पर याद रखना तू राही,
वो काँटे भी जिन्होंने तेरी रफ्तार बढ़ाई,
हर काँटे ने तुझे कुछ सीख सिखाई,
सफर कैसा भी हो आसान नहीं होता,
पर तू अपनी चोट को छिपाए चलते जाना,
तू रुकना मत राही, यूँ ही चलते जाना
यूँ ही चलते जाना, यूँ ही चलते जाना...

आकांक्षा

साक्षी
बी.एससी. द्वितीय वर्ष

है चाह मेरी मैं उड़ चलूँ, झाँसी के जैसे लड़ चलूँ।
जमीं से लेकर आसमाँ तक, हवा की तरह मैं बह सकूँ।
है चाह मेरे दिल में यही, हर महिला को जागरुक कर सकूँ।
उनके हक के लिए लड़वा सकूँ, उनको ये बतला सकूँ।
कि बढ़ा सकती है यदि वंश को तू, तो उसको मिटाने वाली शक्ति है तू।
है चाह मेरी बस यही, अंधेरों की गहराईयों में सूरज सी रोशनी बन सकूँ।
सितारों सी चमक सकूँ, फूलों सी खिल सकूँ, सबको मैं महका सकूँ।
है चाह मेरी मैं उड़ सकूँ, झांसी के जैसे लड़ सकूँ।
है प्रण दिल में बस यही, जिंदगी में कर ले कुछ भी सही।
जिंदगी में ऐसा मुकाम पाएंगे, खुद को इतना सफल बनाएंगे।
कि हर श्रृद्धा की रक्षा कर सकूँ, हर आफताब का अंत कर सकूँ।
है चाह मेरी मैं उड़ सकूँ, झाँसी के जैसे लड़ सकूँ।।

बेटी

प्राची शर्मा
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

इस सूरज की किरणें-ऽऽ चँदा की चाँदनी
अगर पृथ्वी की सीमाओं को पार ही ना करती तो क्या हम तक पहुँच पातीं-
इस सवाल के जवाब से वाकिफ होकर भी लोग कहते हैं की अपनी हद और सीमाओं से बाहर कदम रखने के इतने अच्छे नहीं होते नतीजे- हद है
बेटी-बेटी की जिंदगी कुछ इस तरह की है न तो वो ठीक से जी सकती है और न रह सकती है-
"ये मत कर, वो मत कर, बेटी है तू।
ऐसे मत बोल, कम बोल, बेटी है तू।।
यहाँ मत जा, वहाँ मत जा, बेटी है तू।
हँस मत, कम बोल, धीमे बोल, बेटी है तू।।
हमें इन सब से बाहर निकलना चाहिए-हमें अपने सपने पूरे करने हैं लोगों की सुननी नहीं है। "हमें जीना है, उड़ना है।"
"अपने खुद के उसूल बनाओ।
दुनिया वाले तो तुम पर उंगुली उठाएंगे ही, हर मोड़ पर सौ सवाल साथ लेकर आयेंगे ही।
पर तुम अपनी उम्मीद के फूल को डगमगाने मत देना।"

पथ पर बढ़ते चल

अदिति सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

हो पथ कठोर कितना भी,
ना मैं कभी डगमगाऊँ।
सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से,
मैं निज धर्म निभा पाऊँ।
कल-कल करती नदी जैसी
शीतलता का भाव खुद में भर पाऊँ।
जब देश की संप्रभुता हो खतरे में,
हिमालय सी अडिग हो जाऊँ।
जाति, धर्म का भेद,
कभी न मन में आने पाए,
जब जरूरत पड़े रणभूमि में
तो झाँसी की रानी बन जाऊँ।
धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति की
पृथकता को समाहित कर पाऊँ।
एक अखण्ड भारत के सृजन में
अपना योगदान दे पाऊँ।

मेरी अभिलाषा

शीतल शर्मा
एम.ए., द्वितीय वर्ष

मैं अपने आप में जीना चाहती हूँ,
जो आज तक न कर सकी, वो करना चाहती हूँ।
फिर से उठना जानती हूँ,
कुछ लोग पागल समझते हैं मुझे, क्या कहती हूँ,
क्या सुनती, लोगों की आँखों में चुभती हूँ।
क्योंकि जो आज तक न कर सकी, वो करना चाहती हूँ।
कहते थे बुद्ध भगवान धैर्य रखो, इन्तजार करो।
मैं कहती हूँ काम को टालने की आदत, बर्बाद कर देती है।
ज्यादा सोचने की आदत, बीमार बना देती है।
क्योंकि जो आज तक न कर सकी, वो करना चाहती हूँ।
बिना लक्ष्य बनाए, कोई भी मंजिल प्राप्त नहीं होती।
ना हो कोई इच्छा तो, कोई भी योजना परिणाम नहीं देती।
जीवन के संघर्ष में, आगे बढ़ना चाहती हूँ।
मैं जो आज तक न कर सकी, वो करना चाहती हूँ।

अस्तित्व की तलाश

रूपल नागर
बी.वॉक., चतुर्थ सत्र

पक्षी की तरह उड़ना चाहती हूँ,
पर पंख मेरे बँधे हुए हैं,
जीने की सोचूँ तो बन्दिशें रोक देती हैं,
सपनों को पूरा करने की चाह है
लेकिन बंद आँखों से महसूस किए जा रही हूँ।
रिश्तों में बँधकर खुद को भूलती जा रही हूँ,
दूसरों को खुश रखने की चाह में
खुद को भूलती जा रही हूँ,
गुजरते समय के साथ मेरी मंजिलें
धुंधली होती जा रही हैं।
उड़ने की चाह छोड़कर अपने
पंखों को निहारे जा रही हूँ,
पक्षी पिंजरे में नहीं उड़ा करते,
उड़ने के लिए उन्हें खुला आसमान चाहिए।
ख्वाहिशें सोचने से नहीं बन्दिशें तोड़कर पूरी की जाती हैं।

जिन्दगी की चाह

रश्मि यादव
एम.ए. तृतीय सत्र

मेरी यह अभिलाषा थी, जिन्दगी में कुछ कर दिखाऊँ।
एक मिसाल बनकर, बेटियों के लिए वरदान बन जाऊँ।।
मेरी यह अभिलाषा थी, जिन्दगी में कुछ कर दिखाऊँ।
छोटी सी जिन्दगी थी, खुश रहना सीख लिया,
जिन्दगी की इस जिम्मेदारी ने, बाहर निकलने को मजबूर किया।
खुश थी मैं जिन्दगी में, सबकुछ पाया,
अचानक मेरी जिन्दगी में एक ऐसा शख्स आया।
जिसने मुझे धोखा दिया।
मेरे ही शरीर को पैंतीस टुकड़ों में तोल दिया।
ऐ संसार की बेटियों, एक अर्ज आपसे करती हूँ,
कोई जनता, कोई सरकार नहीं, जिसने आपको अधिकार दिया।
कानून बनने के बाद भी, न जाने कितनी बेटियों ने
शरीर त्याग दिया।
मेरी यह अभिलाषा थी, जिन्दगी में कुछ कर दिखाऊँ।
एक मिसाल बनकर बेटियों के लिए, वरदान बन जाऊँ।
संसार की बेटियों बस एक कर्ज चुकाना है,
खत्म करके शर्म को अपना इतिहास बनाना है।
मार के उन सब दरिंदो को झाँसी की रानी बन जाना है।।

नारी की चाह

कंचन रौसा
एम.ए. द्वितीय वर्ष

मैं नारी हूँ, अव्यक्त सी, जिये जा रही हूँ।
आवश्यकताओं को ही मैंने, अभिलाषा बना रखा है।
कर्त्तव्यों के साँचों में, खुद को सजा रखा है।
जग, कुल, वंश का भान है मुझे,
मैं माँगी नहीं गयी हूँ, यह ज्ञान है मुझे।
पर किसी का गर्व बनकर,
मौन हृदयों का स्वर बनकर।
स्वच्छ सरिता की तरह,
गीत गाना चाह रही हूँ।
मैं नारी हूँ, अव्यक्त सी,
जीये जा रही हूँ,
मैं ढेरों आशाओं का, वजन ढोती हूँ।
मैं सुनती हूँ, कब कुछ कहाँ कहती हूँ।
मैं जड़ हूँ मगर, शाखाओं से बंधी रहती हूँ।
मेरे अपनों के सपनों का, भार मुझी पर है।
मैं धरती हूँ, ये संसार मुझी पर है।
मैं ढेरों आशाओं को संभाले हुए,
ना पीड़ा ना दर्द निकाले हुए।
स्वप्न गर्म स्वेटर से, बुने जा रही हूँ।
मैं नारी हूँ, अव्यक्त सी, जीये जा रही हूँ।

मेरा दहेज

साक्षी तंवर
बी.एससी., तृतीय वर्ष

हाँ मैं सब ले जाना चाहती हूँ अपने दहेज में...
मेरे सो जाने के बाद मम्मी जो ओढ़ाकर जाती है
वो चादर और जिन साड़ियों से मैंने गुड़िया बनाई, कभी
खुद पहनकर उनकी तरह सजी थी मैं वो पुरानी साड़ी
ले जाना चाहती हूँ...
पापा सवेरे जिन लाड़ भरे शब्दों से जगाते थे मुझे वो
शब्द ले जाना चाहती हूँ...
भाई के दिये वो अजीब-अजीब नाम,
होती थी जिस टी.वी. के रिमोट पर लड़ाई,
वो रिमोट ले जाना चाहती हूँ...
हाँ मैं ये सब ले जाना चाहती हूँ अपने दहेज में...
हाँ... मैं ये सब ले जाना चाहती हूँ।।

विज्ञान का चमत्कार

निशा तोमर
बी.वॉक (एम.एम.डी.टी.) षष्ठ सत्र

ऐ मानव तेरे मस्तिष्क में, जब तक कोई पाप न होगा।
विज्ञान वरदान रहेगा, तब तक अभिशाप न होगा।।
विज्ञान के दम पर ही हमने, चाँद पर जाकर दिखा दिया।
पाताल की मापी गहराई, भूत-भविष्य भी बता दिया।।
सारी सुख-सुविधाएँ, विज्ञान ने हमको दिया है।
विज्ञान ने मानव जीवन को, कितना सरल किया है।।
मिट गई दुनिया कम हुई मजबूरियाँ,
हम घर बैठे देख सकते हैं आज सारे संसार को।
इसका श्रेय जाता है, विज्ञान के चमत्कार को।।

सुभाषितानि

इशरत
बी.ए., प्रथम वर्ष

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
ना हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥
वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं॥
प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् तदैव वक्तव्यम् वचने का दरिद्रता॥
देवो रुष्टे गुरुस्त्राता गुरु रुष्टे न कश्चनः।
गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः॥
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारी तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलं॥
दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्यालंकृतो सन।
मणिना भूषितो सर्पः किमसौ न भयंकरः॥
हस्तस्य भूषणम दानम्, सत्यं कंठस्य भूषणम्।
श्रोतस्य भूषणम् शास्त्रम्, भूषनैः किं प्रयोजनम्॥

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

नन्दिनी सिंह
बी.ए., द्वितीय वर्ष

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शतं शतं प्रणामः॥

अये मानवः! नैव जानासि?

तनु
एम.ए., प्रथम वर्ष

पर्यावरणरक्षकोऽहं, तव जीवनदायकोऽहम्।
तव वृष्टिप्रदायकोऽहं, अये मानवः! नैव जानासि?

नैव श्रुतं त्वया कदापि, विषवृक्षोऽपि संवर्ध्य खलु।
स्वयमेव छेत्तुमसाम्प्रतं वै, अये मानवः! नैव जानासि?

वातावरणेऽस्मिन् शोभने, कथं त्यजसि प्रदूषणानि?
अनेन किं कल्याणं भवति?, अये मानवः! नैव जानासि?

यथा तव जीवनं तथैवास्माकं, एकस्याप्यंगुल्याच्छेदने खलु।
कीदृशी पीड़ामनुभवसि त्वं, अये मानवः! नैव जानासि?

तदा कथं निर्दयो भूत्वा, अस्माकं छेत्तुं प्रवृतोऽसि?
मा मा भवत्वल्पधीः खलु, अये मानवः! नैव जानासि?

कृष्णम् स्तोत्रम्

नीतू पाल
बी.ए., तृतीय वर्ष

भजे व्रजैकमण्डनं, समस्तपापखण्डनं
स्वभक्तचित्तरंजनं, सदैव नन्दनन्दम्।
सुपिच्छगुच्छमस्तकं, सुनादवेणुहस्तकं
अनंगरंगसागरं नमामि, कृष्णनागरम्॥

मनोजगर्व मोचनं, विशाललोललोचनं
विधूतगोपशोचनं, नमामि पद्मलोचनम्।
करारविन्दभूधरं, स्मितावलोकसुन्दरं
महेन्द्रमानदारणं नमामि, कृष्णावरणम्॥

कदम्बसूनकुण्डलं, सुचारुगण्डमण्डलं
व्रजांगनैकवल्लभं, नमामि कृष्णदुर्लभम्।
यशोदया समोदया, सगोपया सनन्दया
युतं सुखैकदायंक नमामि, गोपनायकम्॥

जिज्ञासा

गौरी
बी.ए., प्रथम सेमेस्टर

यदि त्वं जीवितुमिच्छसि किं कर्त्तव्यम्?
–तर्हि जीवनेन सह संघर्षं कुरु।
यदि त्वं त्यक्तुमिच्छसि किं कर्त्तव्यम्?
–तर्हि त्यज दुर्गुणम्।
यदि त्वं वक्तुमिच्छसि किं कर्त्तव्यम्?
–तर्हि सत्यं वद।
यदि त्वं किमपि ग्रहीतुमिच्छसि?
–तर्हि आशीर्वादं गृहणातु।
यदि त्वं किमपि दातुमिच्छसि?
–तर्हि ज्ञानदानं कुरु।
यदि त्वं किमपि कर्तुमिच्छसि?
–तर्हि उद्यमं कुरु।

एहि सुधीर

आरती
बी.ए., तृतीय वर्ष

एहि सुधीर! एहि सुविक्रम!, खेलनाङ्गणं गच्छाम।
धावन–कूर्दन–चलनैः खेलैः, वज्रकायतां विन्दाम।।
एहि सुशीले! एहि मृणालिनि!, पुष्पवाटिकां गच्छाम।
विविधैः कुसुमैर्विधाय मालां, विघ्नविनाशकमर्चाम।।
एहि दिनेश! प्रणव! गणेश!, ज्ञाननिधिं सञ्चिनुयाम।
एहि शारदे! गिरिजे! वरदे!, ज्ञानवारिधौ विहराम।।
तन्वा मनसा हितं चरन्तः, सदा गुरून् अनुगच्छाम।
भारतमातुः सेवासक्ताः, देशहितार्थं जीवाम।।

प्रकृतिः

तनु
एम.ए., प्रथम सेमेस्टर

प्रकृतिः माना सर्वेषाम्, बहुनाम् अपि फलानाम्
बहुनाम् अस्ति वृक्षाणाम्, पुष्पाणाम् चापि मातेयम्।
भ्रमराणां, पशूनां, पक्षिणां च मातास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा, ददाति प्रकृतिः माता।।
अस्ति सा तु मनोहरी, मात्रृणाम् अपि मातास्ति
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्, नमोऽस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै।।

ऋतुवर्णनम्

प्रीति शर्मा
एम.ए., द्वितीय वर्ष

वर्षाः–
स्वनैर्धनानां प्लवगाः प्रबुद्धा विहाय निद्रां चिरसन्निरुद्धाम।
अनेकरूपाकृतिवर्णनायाः नवाम्बुधाराभिहता नदन्ति।।
मत्ता गजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः।
रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रक्रीडितो वारिधरैः सुरेन्द्रः।।
वर्षप्रवेगाः विपुलाः पतन्ति प्रवान्ति वाताः समुदीर्णवेगाः।
प्रनष्टकूलाः प्रवहन्ति शीघ्रं नद्यो जलं विप्रतिपन्नमार्गाः।।
घनोपगूढं गगनं न तारा न भास्करो दर्शनमभ्युपैति।
नवैर्जलौधैर्धरणी वितृप्ता तमोविलिप्ता न दिशः प्रकाशाः।।
महान्ति कूटानि महीधराणां धाराविधौतान्याधिकं विभान्ति।
महाप्रमाणैर्विपुलैः प्रपातैर्मुक्ताकलापैरिव लम्बमानैः।।

हेमन्तः–
अत्यन्त–सुख–सञ्चारा मध्याह्ने स्पर्शतः सुखाः।
दिवसाः सुभगादित्याः छायासलिलदुर्भगाः।।
खर्जूरपुष्पाकृतिभिः शिरोभिः पूर्णतण्डुलैः।
शोभन्ते किञ्चिदालम्बाः शालयः कनकप्रभाः।।
एते हि समुपासीना विहगा जलचारिणः।
नावगाहन्ति सलिलमप्रगल्भा इवाहवम्।।
अवश्यायतर्मोनद्धा नीहारतमसावृताः।
प्रसुप्ता इव लक्ष्यन्ते विपुष्पा वनराजयः।।

वसन्तः–
सुखानिलोऽयं सौमित्रे कालः प्रचुरमन्मथः।
गन्धवान सुरभिर्मासो जातपुष्पफलद्रुमः।।
पश्य रूपाणि सौमित्रे वनानां पुष्पशालिनाम्।
सृजतां पुष्पवर्षाणि वर्षं तोयमुचामित।।
प्रस्तरेषु च रम्येषु विविधाः काननद्रुमाः।
वायुवेगप्रचलिताः पुष्पैश्वकिरन्ति गाम्।।
अमी पवनविक्षिप्ता विनदन्तीव पादपाः।
षट्पदैरनुकूजद्भि, वनेषु मदगन्धिषु।।
सुपुष्पितांस्तु पश्यैतान् कर्णिकारान् समन्ततः।
हातकप्रतिसंघात्रान् नरान् पीताम्बरानिव।।

(वाल्मीकिरामायण)

लतिके लतिके!

पिंकी
बी.ए., तृतीय सेमेस्टर

"लतिके लतिके म्लानासि त्वं
वद तावत् किं कष्टम्?"
"धरणिः शुष्का निर्गतसत्त्वा
छिन्नाधारा खिन्नाहम्।।"
"भूमे भूमे कुतो विदीर्णा
पोषकसारविहीना?"
"न हि जलसारो यतो न वृष्टिः
किं कुर्यां वद दीना।।"
"वृष्टे जगतो जननि किमर्थं
त्वं भूमिं न प्लावयसि?"
"मेघाः शुष्काः नीरसकायाः
किं कुर्यामसहाया।।"
"मेघा मेघा कुतो नु मोघा
जलहीनाः कथमेतत्?"
"घनं वनं न हि, दूषितवायुः
कारणभूता यूयम्।"

TRY, TRY AND TRY

Neha Garg
B.Voc. (MMDT) 1st Year

Once there was a boy
And everyone thought
He was a useless guy.
He always failed,
In every exam.
Be it first, second or third
Or the last, final term.
Once he saw an ant,
Who was trying to climb a wall
Fell down but tried again
And then it did not fail.
This lit up his inner soul,
He worked harder to achieve his goals.
And one day he went up so high,
That he finally touched the sky!
Its you too want achievements
Never, ever cry.
Just set your goals and aims,
And try, try and try.

LIFE

Kajal
B.A. III

Life of an Ant and a Spider behind the bush, upon the mound, ants are moving without a sound. Leaves are passed along the chain, where ants are lined as one.
Strands of silver make its net, a fly is caught in its web; Now it's too late, the spider comes to seal its fate.
They march on to feed the queen, deep below she lays unseen. Workers feed the silent drones, in their capsule breeding zones.
The spider shoots its webs to reach, across the ever-widening breach. Swinging on a single thread, beyond the gap, the web is spread.

NEVER GIVE UP

Neha Garg
B.Voc. (MMDT) 1st Year

Giving up on your favourite things
Is like cutting off a bird's wings.
Without which a bird cannot fly,
Quitting will only make you cry.
Instead of chopping off your dreams,
And tearing your life apart at the Seams.

Work hard and keep trying so like a bird,
You can continue flying.

YOU GET DIGNITY

Sakshi
B.A. III

When you stop thinking wrong
When you do what you learn right You can live dignified When you live a lifestyle that, matches your vision.
You can get dignity when you renounce the "ego of individuality". and rejoice ups and downs of life.
There is dignity, when you have good thoughts, in your heart and mind.

SOME LIFE LESSONS I HAVE LEARNT

Divya
M.A. 4th sem

Life is all about learning. We learn new things daily in our lives. Life is never ending learning process. Some of these lessons are learnt by experience. I also had good and bad experience in my life.

I Divya as an NCC cadet from UP directorate will taking a break from her march past I have been preparing for the republic day camp (RDC) since june. First. I attended the base camp in greater Noida then took part in intergroup competition. Then pre RDC camp and then after selection. I came here as a Rajpath cadet you should be mentally prepared to deal with anything that comes your way. That republic day 2022 is very important for me because we will be marching at Rajpath and it's a dream come true. It's a dream for any NCC cadet 2 March at Rajpath. There are only the few lucky ones who get to experience that for that. even if we need to lose out of our sleep 46 month, I think it is definitely worth it.

I learnt some keys of life lessons
Time management
Hard work always pays of
Communication is key of a success
Discipline and unity
Don't compare yourself.
Patience.

1). Getting up at 1:30 a.m. was hacked it but now we realize a time importance and the time management.

2) I got learn many things after getting into NCC. I have learnt many new things made me proud as a NCC. was the turning point in my life. It was me change me from common person to special person. It taught leadership time management teamwork and punctuality.

3) I was joined the NCC. I faced a lot of problems but did not give up and I have a life that one day I will make difference in my life.

ON IT RESTED

Sarika
M.A. II year

The nest of a swallow.
The swallow had babies,
In her little home,
Soon the mother flew away,
For food in a dome.
Just then a hunter came,
For the meat in the nest.
With ruthless thoughts,
He was a pest.
The mother came back,
And fought with the crook.
She got scratches everywhere,
But did not hide in a nook.
The she-bird flew away,
With her children, she snatched.
For a mother's love,
Can never be matched.
Seeing the will-power,
Of the little swallow,
The hunter was taken aback,
And left the tree hollow

SOME MOTIVATIONAL QUOTES

Anjali Tomar
B.Voc. (MMDT) 1st Year

- "Our Tomorrow may be dark, painful, difficult. We might stumble or fall down, but the stars shine brightest when the night is darkest. If the stars one hidden, the moon is dark let our faces be the light that helps us find our ways".
- "No matter who you are, where yor are from, your skin colour, your gender identity; Just Speak yourself. Find your name and find your voice by speaking yourself".
- "When things get tough, look at the people who love you! You'll get energy from them".
- "In order to be successful, You have to fail too".

विविधाञ्जलि

वार्षिक आख्या

डॉ. श्वेता सिंह, समारोहिका

"एक छोटा सा बीज, यहीं कहीं मिट्टी में बो दिया गया था कभी
आज बना वट वृक्ष है, असीमता से आवृत्त/स्वयं में अनंत संभावनाएँ समेटे हुए"

सन् 1997 में रोपित किया गया कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर रूपी पौधा 25 वर्ष पूर्ण करने के उपरान्त अपने यौवन काल में प्रवेश कर चुका है और एक वट वृक्ष की भाँति चारों दिशाओं में अपनी यश सुरभि फैला रहा है।

वर्तमान 2022-23 शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में रजत जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह के साथ हुआ, जिसमें भूतपूर्व उच्च शिक्षा निदेशक **डॉ. शिव शंकर सिंह,** वर्तमान उच्च शिक्षा निदेशक **डॉ. अमित भारद्वाज** सहित क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं प्रारम्भ से अब तक पदासीन रहे प्राचार्यों एवं प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया तथा महाविद्यालय की स्वर्णिम यात्रा का अनुभव साझा किया।

रजत जयंती के उपलक्ष्य में नैक, बैंगलुरु द्वारा प्रायोजित को एक दिवसीय **राष्ट्रीय सेमिनार** का आयोजन दिनांक 06/08/22 किया गया जिसका विषय था–"भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता संवर्धन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका।" इस सेमिनार में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर 2022 को भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शैक्षणिक गतिविधियों में नई पहल करते हुए महाविद्यालय आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में "Professional Development and Motivation of Young Staff" विषय पर दिनांक 27 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2022 तक One Week Faculty Development Program का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। महाविद्यालय की उपलब्धियों के इस क्रम में इस बार INDIA TODAY Ranking के लिए महाविद्यालय ने प्रतिभाग किया जिसके परिणाम हेतु महाविद्यालय प्रतीक्षारत है। NIRF, ISO एवं NAAC ACCREDITATION पूर्व में ही महाविद्यालय को प्राप्त है।

छात्रा हित में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय में गुणवत्ता संवर्धन की दृष्टि से सात वैल्यू एडेड कोर्स को प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में 26 स्किल कोर्स विगत सत्र में ही विनिर्मित किये जा चुके थे जिनका सफलतापूर्वक संचालन भी किया जा रहा है।

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने अपनी सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए Outreach Program का प्रारम्भ किया है जोकि समस्त स्नातकोत्तर विभागों द्वारा विभिन्न रूपों में संचालित किये जा रहे हैं। महाविद्यालय की वर्तमान साइंस लैब, पुस्तकालय और खेल सुविधाओं को अधिक सुगम और समृद्ध बनाने का कार्य किया गया है। साथ ही जन्तु विज्ञान विभाग में शोध कार्यों के उच्चीकरण के लिए DST में 1.5 करोड़ का शोध प्रस्ताव प्रेषित किया गया है जिसके प्राप्त होने से शोध एवं शैक्षणिक कार्यों को नई ऊर्जा मिलने की संभावना है।

छात्राओं के शैक्षणिक एवं कौशल विकास हेतु व्यापक अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से चार नये MOU हस्ताक्षर किये गये हैं। जिसमें शारदा यूनिवर्सिटी एक प्रसिद्ध नाम है। 23 MOU पहले से ही क्रियाशील हैं।

शिक्षक उपलब्धियों के क्रम में वर्तमान सत्र उल्लेखनीय रहा है। महाविद्यालय के 11 प्राध्यापकों को प्रोफेसर पदनाम की प्राप्ति होना हर्ष एवं गौरव का विषय है।

महाविद्यालय की प्राचार्या **प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ NAAC, PEER Team** के सदस्य के रूप में चयनित हुई हैं। आप मेरठ विश्वविद्यालय में EC की सदस्य व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों की प्रोन्नति समिति में डायरेक्टर नामिनी हैं।

महाविद्यालय के वरिष्ठतम प्राध्यापक **प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द शर्मा** माँ शाकुम्भरी देवी वि.वि. सहारनपुर में EC के सदस्य चयनित हुए हैं। स्टेट टॉस्क फोर्स NEP 2020 में सदस्य होने के साथ ही आप हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड में NEP क्रियान्वयन समिति के सदस्य के रूप में चयनित हैं। आपका एक Patent भी इस सत्र में फाइल किया गया है।

वाणिज्य संकाय के प्रभारी **डॉ. अरविन्द कुमार यादव** की दो पुस्तकें 'वित्तीय लेखांकन', 'Financial Accounting' इस वर्ष प्रकाशित हुई हैं। साथ ही राजनीति विज्ञान विभाग की **प्रोफेसर डॉ. ममता उपाध्याय** की दो पुस्तकों का

जश्न-ए-रेरब्ता में प्रदर्शन हेतु चयन हुआ है।

शोध क्षेत्र में भी वर्तमान सत्र में महाविद्यालय का प्रदर्शन अग्रणी है। बी.एड. संकाय के प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार एवं डॉ. रमाकान्ति को शोध निर्देशक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय के 10 विभागों के प्राध्यापक पूर्व में ही शोध कार्य हेतु निर्देशन कर रहे हैं। इस सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापकों **डॉ. नीरज कुमार, डॉ. जूही बिरला, डॉ. कनक कुमार, डॉ. अनीता, डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार, डॉ. निशा यादव, डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह, डॉ. नितिन त्यागी** एवं **डॉ. शिखा रानी** को **शोध उपाधि** प्राप्त हुई है। शोध कार्यों के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग में **डॉ. अरविन्द यादव** के निर्देशन में चार शोधार्थियों ने, इतिहास विभाग में **डॉ. आशा रानी** एवं **डॉ. निधि रायजादा** के निर्देशन में, राजनीति विज्ञान विभाग में **डॉ. सीमा देवी** के निर्देशन में दो शोध छात्रों एवं अंग्रेजी विभाग में **डॉ. श्वेता सिंह** के निर्देशन में एक शोधार्थी ने अपना शोध कार्य पूर्ण किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों/ शोधार्थियों के लगभग 120 शोध आलेखों का अनेक सम्मानित पत्रिकाओं में प्रकाशन हुआ।

पुरस्कारों एवं सम्मान की दृष्टि से भी यह सब महत्वपूर्ण रहा है। **हिन्दी भवन समिति** द्वारा **डॉ. रश्मि कुमारी** एवं **श्री नीरज कुमार** को अमूल्य सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। **कला भारती** संस्था द्वारा माननीय **प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ** एवं **डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. जीत सिंह, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. मिन्तु** को **संस्कृति साधक उपाधि** से सम्मानित किया गया। **डॉ. जीत सिंह, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. मिन्तु, डॉ. बबली अरुण** एवं **डॉ. प्रतिभा तोमर** को **गीना देवी राष्ट्र गौरव सम्मान** से सम्मानित किया गया। **डॉ. रतन सिंह** को Research Excellence Award से सम्मानित किया गया तथा **डॉ. नीतू सिंह एवं डॉ. जूही बिरला** को **निशंक का रचना संसार सम्मान** प्रदान किया गया। इतिहास विभाग के **प्रो. (डॉ.) किशोर कुमार को डॉ. अम्बेडकर नेशनल फैलोशिप अवार्ड** से सम्मानित किया गया।

छात्रा उपलब्धियों के अन्तर्गत विभिन्न विभागों की 10 छात्राओं द्वारा NET/JRF परीक्षा उत्तीर्ण की गयी। NCC Cadet **कु. कोमल मावी** ने गणतन्त्र दिवस की परेड में प्रतिभाग किया। **कु. प्राची चंदेला** का मेरठ वि.वि. की बास्केटबाल टीम में चयन हुआ। बी.वॉक की छात्रा **कु. आँचल नागर** एवं **कु. शिवानी राघव** ने क्रमशः MMDT एवं ATHM में टॉप किया। इतिहास विभाग के शोध छात्र **अनुराग यादव** का समीक्षा अधिकारी के पद पर चयन हुआ। गृह विज्ञान विभाग की छात्रा **कु. अंजु रौसा**, G.G.I.C मुरादाबाद में स्थाई प्रवक्ता के रूप में नियुक्ति हुई। बी.एड. विभाग की **कु. प्रिया चौधरी, कु. मेघा गुसांई, कु. खुशबू चौधरी** एवं **कु. अनुपमा** क्रमशः कॉन्स्टेबल दिल्ली पुलिस, आयकर अधिकारी SSC, गृह मंत्रालय में अनुवादक एवं उ.प्र. लोक सेवा आयोग में LDG के पद पर नियुक्त हुई है। B.Voc की 12 छात्राएँ विभिन्न अस्पतालों में एव 8 छात्राएँ बैंक/पर्यटन/होटल क्षेत्र में चयनित हुई हैं। वाणिज्य संकाय की **डॉ. सीमा चौधरी** एवं राजनीति विज्ञान विभाग की **अंजलि भाटी** तथा **काजल** का विभिन्न पदों पर चयन हुआ है।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किये गये। महाविद्यालय की समारोह समिति द्वारा 15 अगस्त 2022 को स्वतन्त्रता दिवस, 2 अक्टूबर 2022 को गाँधी जयंती, 26 जनवरी 2023 को गणतन्त्र दिवस, 1 मार्च 2023 को वार्षिकोत्सव एवं 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इसी क्रम में संस्कृत विभाग द्वारा **संस्कृत सप्ताह** एवं **संस्कृत सम्भाषण शिविर** का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 16 दिसम्बर एवं 17 दिसंबर 2022 को वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन किया गया। रेंजर्स द्वारा त्रिदिवसीय रेंजर शिविर का आयोजन 20-22 दिसम्बर के मध्य किया गया। इनके अतिरिक्त महाविद्यालय की विभिन्न समितियाँ-सड़क सुरक्षा, IQAC, साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद, विभागीय परिषद, N.C.C, N.S.S., प्रसार व्याख्यान, महिला प्रकोष्ठ एवं हैल्थ कैम्प के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं/ वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस प्रकार वर्तमान सत्र में महाविद्यालय उपलब्धियों की एक सुदीर्घ शृंखला है जिसका संक्षिप्त रूप इस आख्या में प्रस्तुत है। एक प्रसिद्ध कवि की बहुत सुन्दर पंक्तियाँ हैं-

"सतत बहती जाती, जीवन में गतिशीलता लाती।
उम्मीद से ही जीवन है, उम्मीद यानी एक आशा, एक विश्वास"

हमें भी पूर्ण आशा और उम्मीद है कि आगामी भविष्य में महाविद्यालय अपनी सामूहिक चेतना के साथ नित नई ऊँचाईयों का संस्पर्श करेगा।

समारोह समिति

डॉ. श्वेता सिंह
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्धनगर की समारोह समिति द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समिति द्वारा दिनांक 5 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के माध्यम से अपनी धरती की रक्षा करने का संदेश प्रदान किया गया।

महाविद्यालय के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि के अवसर पर दिनांक 28 जुलाई, 2022 को रजत जयंती समारोह का भव्य रूप से आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा, **डॉ. अमित भारद्वाज** के आगमन ने महाविद्यालय को गौरवान्वित होने का सुअवसर प्रदान किया। **प्राचार्या, प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ** की अध्यक्षता में रजत जयंती समारोह का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

दिनांक 15 अगस्त, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव, देश के वीर शहीदों को समर्पित, 76वाँ स्वतन्त्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से आयोजित किया गया। तिरंगे की रोशनी में अनुपम छटा बिखेरते एवं गुलाब से महकते महाविद्यालय प्रांगण में **प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ** द्वारा समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया गया। **प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद शर्मा** द्वारा शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा का संदेश वाचन किया गया। प्राचार्या महोदया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने कार्यों एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करे, यही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। **डॉ. बबली अरुण** के निर्देशन में छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का संचालन समारोह समिति की प्रभारी **डॉ. श्वेता सिंह** द्वारा किया गया।

दिनांक 02 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमन्त्री **श्री लाल बहादुर शास्त्री जी** के जन्मदिवस पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या **प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ** द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात् राष्ट्रपिता **महात्मा गाँधी** एवं **श्री लाल बहादुर शास्त्री जी** के चित्र के समक्ष माल्यार्पण कर उनको याद किया गया। समारोहक **डॉ. श्वेता सिंह** द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गयी। **डॉ. नीलम शर्मा, प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, डॉ. जूही बिरला, डॉ. आजाद आलम,** एवं **डॉ. मणि अरोड़ा** द्वारा क्रमशः रामचरितमानस, भगवत् गीता, बाइबिल, कुरान एवं गुरु ग्रन्थ साहिब का पाठ किया गया। **डॉ. बबली अरुण** के निर्देशन में सभी शिक्षकों एवं छात्राओं ने रामधुन गाकर वातावरण को संगीतमय कर दिया।

दिनांक 26 जनवरी 2023 को देश की अखण्डता एवं सम्प्रभुता के प्रतीक 74वें गणतन्त्र दिवस के पावन पर्व को पूर्ण हर्षोल्लास के साथ पारम्परिक रूप से आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. **(डॉ.) दिव्या नाथ** द्वारा समस्त शिक्षकों की उपस्थिति में ध्वज फहराया गया। प्राचार्या ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमें तकनीकी ज्ञान के विकास के साथ अपने विवेक को भी जाग्रत रखना है और तब भारतवर्ष को प्रगति के शिखर को छूने से कोई नहीं रोक पायेगा।

दिनांक 01 मार्च 2023 को महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव 'उमंग 2023' एवं पुरस्कार वितरण समारोह का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. **(डॉ.) के. मल्लिकार्जुन बाबू,** उपकुलपति गलगोटिया विश्वविद्यालय, गौतमबुद्धनगर, विशिष्ट अतिथि के रूप में **डॉ. अवधेश कुमार,** प्रति उपकुलपति तथा **डॉ. के.के. गौर,** कुलसचिव, गलगोटिया विश्वविद्यालय ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह को भव्यता प्रदान की। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनन्दन किया गया। प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की गयी। डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। गणमान्य अतिथियों एवं प्राचार्या द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं, छात्रा चैम्पियन एवं गणतंत्र दिवस परेड में सम्मिलित छात्रा को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। समारोह का संचालन **प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी, डॉ. नेहा त्रिपाठी** एवं **मणि अरोड़ा** द्वारा किया गया।

हिन्दी परिषद्

डॉ. मिन्तु
सहप्रभारी

छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विभागीय परिषदों का गठन किया जाता है। इसके अन्तर्गत विभिन्न सहपाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिनसे छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं जो छात्राओं को एक दिशा देने के साथ-साथ उनका मनोबल भी बढ़ाती हैं। इसी क्रम में हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वावधान में सत्र 2022-23 में विभागीय परिषद का गठन कर अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित कराई गईं। परिषद का गठन विगत वर्षों के अनुरूप निम्नवत् किया गया-

संरक्षिका	-	**प्राचार्या, प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ**
परिषद प्रभारी	-	**प्रो. डॉ. रश्मि कुमारी**
सह-प्रभारी	-	**प्रो. डॉ. जीत सिंह**
		डॉ. नीरज कुमार
		डॉ. मिन्तु
अध्यक्ष	-	**कोमल**
उपाध्यक्ष	-	**निशा**
सचिव	-	**चारूल**
कोषाध्यक्ष	-	**कंचन**
सदस्य	-	**कल्पना, नेहा, स्वाति**

छात्राओं के समन्वित और समग्र विकास हेतु हिन्दी परिषद के तत्वावधान में महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों, छात्रोपयोगी क्रियाकलापों पर छात्राओं को अभिविन्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरुक किया गया। हिन्दी परिषद के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस क्रम में श्रुतलेख प्रतियोगिता में **कंचन, कोमल** एवं **रश्मि** क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहीं। काव्यपाठ प्रतियोगिता के अन्तर्गत **श्रद्धा दिनकर** प्रथम, **हर्षिता, अदिति** द्वितीय एवं **कृतिका पांडेय** एवं **कंचन** तृतीय स्थान पर रहीं।

कहानी लेखन प्रतियोगिता में **कोमल, काजल** एवं **शीतल शर्मा** क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। इसी के साथ भाषण प्रतियोगिता, वस्तुनिष्ठ ज्ञान प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिताएँ भी सम्पन्न कराई गईं। दिनांक 14 सितम्बर 2022 को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी दिवस' के उपलक्ष्य में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने अपनी कविताओं से मंत्रमुग्ध कर दिया। हिन्दी विभाग की छात्रा **कविता नागर** को पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई। साथ ही **डॉ. रश्मि कुमारी** एवं **डॉ. मिन्तु** के निर्देशन में शोधरत **श्री संदीप सिंह** एवं **श्रीमती पूनम चौहान** ने पी.एच.डी. शोध उपाधि हेतु अपना शोध प्रबंध जमा किया। हिन्दी विभाग द्वारा शिक्षक-अभिभावक समागम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं के अभिभावकों को छात्राओं की प्रगति की रिपोर्ट दी गई।

प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त छात्राओं को विभागीय परिषद् पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। वार्षिकोत्सव में सत्र 2021-22 की हिन्दी विभाग की सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा **कु. सुलेखा चौधरी** को पुरस्कृत किया गया। हिन्दी परिषद् आगामी सत्रों में भी छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु उन्हें सकारात्मक परिवेश प्रदान करने हेतु कृत संकल्प है।

संस्कृत परिषद्

प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
प्रभारी

"सिद्धिर्भवति कर्मज" अर्थात सफलता का मूल मंत्र कठिन परिश्रम है। श्रीमद्भगवतगीता के इस मंत्र की आलोक में महाविद्यालय की संस्कृत परिषद अपने अनवरत परिश्रम से छात्राओं में अंतर्निहित विभिन्न संभावनाओं को विकसित करने हेतु निरंतर कर्मशील है। छात्राओं के भीतर विभिन्न संभावनाएं एवं शक्तियां बीज रूप में छिपी हुई हैं जिनको विवेक के जल से अभिसिंचित कर श्रेष्ठ विचारों की उर्वरक खाद देकर जागृत करने का कार्य महाविद्यालय के संस्कृत विभाग का रहा है। यही कारण है कि छात्राएं अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में पूर्णतः सफल हो रही हैं।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य के दृष्टिगत वर्तमान सत्र में संस्कृत परिषद का निम्नलिखित प्रकार से गठन किया गया–

अध्यक्ष	प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ
परिषद प्रभारी	प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
सह प्रभारी	डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. कनकलता
सदस्य	डॉ. शिखा रानी
उपाध्यक्ष	प्रीति शर्मा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
सचिव	काजल नागर एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
सह सचिव	पायल बी.ए. तृतीय
कक्षा प्रतिनिधि	अर्जना नागर बी.ए. सेमेस्टर, गौरी बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

अगस्त माह में महाविद्यालय में नवीन सत्र प्रारंभ होने पर संस्कृत विभाग में पूर्णतः भौतिक रूप से पठन-पाठन का कार्य प्रारंभ किया गया। प्रथम सप्ताह में पुस्तकों, ई कंटेंट तथा लिखित नोट्स इत्यादि के माध्यम से छात्राओं का पाठ्यक्रम के विषय में अभिमुखीकरण किया गया।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह के अंतर्गत दिनांक 17 सितंबर 2022 को जनपदस्तरीय संस्कृत गीत, भाषण एवं श्लोकांत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्राचार्या प्रो. रहीं डॉ. दिव्या नाथ एवं विशिष्ट अतिथि संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी रहीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में **डॉ. नीलम शर्मा** एवं **डॉ. कनक लता** ने निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वाह किया। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन गौतमबुद्धनगर जनपद की संयोजिका **डॉ. शिखा रानी** के द्वारा किया गया।

सितंबर माह में 20 सितंबर से 1 अक्टूबर तक वृहद स्तर पर संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें श्लोक गायन, निबंध, पोस्टर एवं भाषण जैसे विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, साथ ही संस्कृत संभाषण शिविर के माध्यम से छात्राओं ने **डॉ. शिखा रानी** के निर्देशन में धाराप्रवाह संस्कृत बोलना सीखा। कार्यक्रम का समापन **डॉ. एम.एल. यादव** सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, जहांगीराबाद के विशिष्ट व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण समारोह से हुआ। जिसमें छात्राओं ने संस्कृत गीत एवं नृत्य से युक्त रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन **डॉ. शिखा रानी,** स्वागत उद्बोधन **प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी** तथा धन्यवाद ज्ञापन **डॉ. नीलम शर्मा** द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में **डॉ. कनकलता** का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

21 अक्टूबर 2022 को स्नातक स्तर एवं 7 नवंबर 2022 को स्नातकोत्तर स्तर पर नवप्रवेशित छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को विभाग एवं महाविद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रम, समिति, विभागीय अकादमिक कैलेंडर, पाठ्य सहगामी क्रियाओं के विषय में विस्तार से बताया गया।

छात्राओं में आत्मविश्वास एवं भावाभिव्यक्ति के विकास की दिशा में 30 नवंबर 2022 को विभागीय सेमिनार का

आयोजन किया गया, जिसका विषय था-'प्रसिद्ध संस्कृत कवि'। सेमिनार में एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए तथा विभाग की प्राध्यापिकाओं ने उक्त विषय पर अपना विशद व्याख्यान दिया। जिससे छात्राएं अति लाभान्वित हुईं।

संस्कृत परिषद के तत्वावधान में 22 दिसंबर 2022 को नैतिक मूल्य संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने रैली निकालकर बादलपुर गांव में जाकर नैतिकता की व्यवहारिक बातें आस-पास के दुकानदारों एवं ग्रामवासियों के बीच साझा किया गया। इसी क्रम में 30 एवं 31 जनवरी को दो दिवसीय औषधीय पादप संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने महाविद्यालय के प्रांगण में औषधीय पादप लगाए, जहां उन्हें विभाग की प्राध्यापिकाओं द्वारा औषधीय पादम की विशेषताएं एवं उनके गुणों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

नई शिक्षा नीति 2022 के प्रारूप को दृष्टि में रखते हुए स्नातक स्तर की छात्राओं को आउटरीच असाइनमेंट दिए गए। जिसमें प्राच्य भाषा (संस्कृत) ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम के तहत छात्राओं के द्वारा अपने घरों के आसपास के लोगों को 15 दिनों तक संस्कृत भाषा के भारतीय संस्कृति संबंधित विषय पर पढ़ाने का कार्य किया गया। जिसका सर्वेक्षण कर छात्राओं ने रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं द्वारा आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले वस्तुओं को संस्कृत भाषा में बोलने और सिखाने का कार्य किया गया।

प्रत्येक सत्र की भांति इस सत्र में भी दिनांक 20 फरवरी 2023 को शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां विभाग की प्राध्यापिकाओं द्वारा अभिभावकों से संवाद कर छात्राओं की प्रगति एवं भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। अभिभावकों ने भी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर अपने विचार साझा किया।

छात्रा हित के कार्यों की लंबी श्रृंखला में दिनांक 25 फरवरी 2023 को प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में **डॉ. सुबीरा लाल,** सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

15 मार्च 2023 को संस्कृत परिषद के तत्वावधान में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संस्कृत विषय में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से बताया गया।

25 मार्च 2023 को वैश्विक संस्कृत मंच उत्तर प्रदेश प्रांत के अंतर्गत ए.के.पी.जी. कॉलेज, खुर्जा, बुलंदशहर एवं महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया मुख्य वक्ता के रूप में **प्रोफेसर विभा अग्रवाल,** पूर्व विभागाध्यक्ष, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा ने "भारतीय ज्ञान परंपरा में जिज्ञासा का महत्व" पर अत्यंत व्यावहारिक एवं उपयोगी व्याख्यान दिया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्कृत विभाग द्वारा 10 अप्रैल 2023 को दयानंद सरस्वती के विचारों की प्रासंगिकता पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विभाग प्रभारी प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी द्वारा स्वामी दयानंद के 'वेदों की ओर लौटो' उद्घोषणा की विशद व्याख्या की गई। विभाग के अन्य प्राध्यापिका **डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. कनकलता** एवं **डॉ. शिखा रानी** द्वारा स्वामी दयानंद के दर्शन एवं विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

03 मई 2023 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृत विभाग के तत्त्वावधान में 'परशुराम ओजस्विता के पर्याय' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 17 मई 2023 को पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। विगत सत्रों की पुरातन छात्राओं ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर अपने प्रगति से विभाग प्राध्यापिकाओं को अवगत कराया। साथ ही भावी रोजगार संबंधी संभावनाओं के कार्य योजना के विषय में भी बताया तथा कार्यक्रम में भविष्य में भी पुनः जुड़े रहने की प्रतिबद्धता दिखाई।

8 मई 2023 को संस्कृत विभाग द्वारा शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने दिल्ली के सुन्दर उद्यान एवं दिल्ली हॉट में भ्रमण कर विभिन्न जानकारी प्राप्त की।

संस्कृत विभागीय परिषद के तत्वावधान में दिनांक 23/01/2023 को संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता एवं दिनांक 20/12/2022 को नैतिक मूल्यों का सचित्र चित्रण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता

क्र.	**नाम**	**कक्षा**	**स्थान**
1.	गौरी सिंह	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
2.	काजल नागर	एम.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय
3.	प्रीति कुमारी	बी.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय

पोस्टर प्रतियोगिता

1.	काजल नागर	एम.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
2.	प्रीति शर्मा	एम.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3.	अर्जना नागर	बी.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

उपर्युक्त सभी विजयी छात्राओं को विभागीय परिषद् के तत्वावधान में आयोजित युवा महोत्सव 'आरोही' समारोह के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किए गए।

छात्रा उपलब्धियों के अंतर्गत महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा **कुमारी शीतल** ने सीटेट **(CTET)** की परीक्षा पास की। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित जनपदस्तरीय संस्कृत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर की छात्रा **कुमारी नेहा भाटी** ने प्रथम स्थान एवं **पिंकी गौतम** ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। **कु. शीतल** द्वारा **U.G.C. NET** की परीक्षा उत्तीर्ण की गई। इसी क्रम में **डॉ. कनकलता** के निर्देशन में नामांकित शोध छात्रा **श्रीमती मधु रानी** का दिल्ली **टी.जी.टी.** में चयन हुआ।

शिक्षक उपलब्धियों के क्रम में इस सत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि विभाग प्रभारी प्रो. **(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी** को प्रोफेसर पद नाम की प्राप्ति हुई तथा विभाग की **असिस्टेंट प्रोफेसर (डॉ.) शिखा रानी** ने शोध उपाधि प्राप्त की। अन्य विशिष्ट उपलब्धियों के अंतर्गत विभाग प्रभारी प्रो. **(डॉ.) दीप्ति वाजपेयी** को अति प्रतिष्ठित संस्थान कला भारती, हापुड़ द्वारा **संस्कृति गौरव सम्मान** से भी सम्मानित किया गया। साथ ही वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित कराने हेतु प्रदेश स्तरीय कार्य योजना समिति तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा संस्थानों हेतु संस्थागत विकास योजन विनिर्मितीकरण प्रदेश स्तरीय समिति में सदस्य के रूप में चयनित हुई।

विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. नीलम शर्मा तथा डॉ. कनकलता के अंतर्गत शोधार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। डॉ. दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में भी दो नवीन शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया। उपलब्धियों के इस क्रम में विभाग में संचालित आयुर्वेदिक उपचार एवं पंचकर्म चिकित्सा विषयक स्किल कोर्स में छात्राओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दृष्टि से विभाग का ईशान इंस्टीट्यूट, ग्रेटर नोएडा के साथ एमओयू (MOU) भी हस्ताक्षरित किया गया। इसी क्रम में योगमय फाउंडेशन, गाजियाबाद के साथ भी MOU सम्पन्न हुआ।

महाविद्यालय की संस्कृत परिषद छात्राओं के हित के लिए सदैव बहुआयामी कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु प्रतिबद्ध है। छात्राओं के व्यक्तित्व के चहुमुखी विकास के साथ-साथ उनके अंदर आत्मनिर्भरता और कौशल विकास उत्पन्न करना तथा एक उत्तम मानव के रूप में उनका विकास करना संस्कृत परिषद का उद्देश्य है और अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्कृत परिषद आगामी सत्रों में भी कटिबद्ध रहेगी।

English Association

Dr. Apeksha Tiwari
In Charge

Where the mind is without fear and the head is held high; where knowledge is free where the world has not been broken up into fragments by narrow domestic walls where the mind is led forward by thee into ever widening thought and action....

Rabindra Nath Tagore:-

These famou lines from Gitanjali represent vision of English association. English literature leads one to the journey of discovery of thoughts while broadening the perspective, building on the confidence, developing critical thinking and enabling persuasive to all. To shape the minds of students towards right direction and to awaken their conscience sense of responsibility for their own and that for the nation tooo, is the sole responsibility of the institution. As an integral part of an institution various associationa and communities are designed and brought to action which groom the students into responsible and dynamic and goal oriented personalities.

The English department association of Km Mayawati Government Girls PG College Badalpur is formed with an objective of developing the spirit of learning, motivating students towards innovation, driving to knowledge oriented approach and to polish their skills in a way to that they may stand out among their peers while completing the course. The excellence present within the students cannot be explored and cultivated without the efforts of faculties and therefore, the association is constantly persisting in its relentless efforts and fulfilling the thirst of knowledge of the students by conducting various programs under its banner.

In continuation of the existing precedent the departmental association for the session 2022-23 was constituted the in the following manner.

Chairperson	-	Principal
Convener	-	Dr. Apeksha Tiwari
Co-conveners	-	Dr. Juhi Birla
	-	Dr. Vijeta Gautam
	-	Dr. Shweta Singh

Student Representatives :-

Km. Nikki Verma	M.A. II
Km. Kalash Bansal	M.A. II
Km. Ritika Sharma	M.A. I
Km. Shivani Nagar	M.A. I
Km. Jyoti	B.A. I
Km. Antim	B.A. I
Km. Nisha Nagar	B.A. II
Km. Urvashi	B.A. II
Km. Kajal Bhati	B.A. III
Km. Sakshi	B.A. III

In the session 2022-23 under the banner of departmental association various programs were conducted at UG and PG level. On UG level speech competition and for PG level Article writing were conducted. The result of both he activities is as follows-

Speech competition (U.G. level)

Km. Ankita Mishra	B.A. I	-	First
Km. Ritika	B.A. I	-	Second
Km. Antim	B.A. I	-	Third

Article writing competition (P.G. level)

Km. Nikki Verma	M.A. II	-	First
Km. Karuna	M.A. II	-	Second
Km. Shivani Nagar	M.A. I	-	Third

For the comprehension and making their career in English, a career counselling was done on February 27, 2023 by department of English for the students to make them aware about possible careers opportunities in English language and literature which they can opt for a future like of a journalist, translator teacher, writern mentor, motivation speaker.

A parents 'teachers' meet was also organised on February 20, 2023 in which the queries of the parents were discussed and resolved. An Alumni meet was also conducted by the department in this session to recognçe the contribution of their ex-students in the professional world. Along with such knowledgeable activities, a departmental tour was led on 10 Decemeber 2022 to New Delhi for Indo-Canadian Library, British Council of India, National Museum and its Library and India Gate. This one day trip made students confident and gave them an opportunity to learn through real life experiences rather than routine way of learning. The students tried to comprehend the Indo-Canadian relations, India-Europe cultural link with a historic background and afterwards learnt our cultural heritage through the texts of various eminent writers.

The glorious journey of the department 2022-23 has only begun as it add more feathers in its cap, every year. As the research scholar Shri Sunil Bhati cleared UGC NET. Again Sunil Bhati made a proud moment for the department as he was awarded his PHD degree on the topic "Diverse themes in the 20th century essays from 1950 to 1990" in an open viva-voce under the skilled supervision of Dr Shweta Singh. This series of proud moment is carried forward by another research scholar Shri Govind Prasad Goyal who was also awarded PHD degree on the topic "Objectification of women in the select metaphysical poets John Donne, Andrew Marvel, Thomas Carew under the adroit supervision of Dr Vijeta Gautam.

So this session happened to be a fruitful and wonderful session in the sense as it provide a lot of worthy scholars made possible by the academic craftsmanship of the esteemed faculties of the institution.

राजनीति विज्ञान परिषद्

प्रो. (डॉ.) ममता उपाध्याय
प्रभारी

सज्जनों की रक्षा एवं दुर्जनों को दंड, अलब्ध की प्राप्ति, प्राप्त का परिरक्षण एवं रक्षित की वृद्धि (रक्षित विवरधिनी) प्राचीन भारतीय धर्म ग्रंथों के अनुसार राज्य व्यवस्था का घोषित लक्ष्य रहा है। प्राचीन का नवीन के साथ समन्वय करती वर्तमान राज्य व्यवस्था नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से समकालीन बहुसंस्कृतिवाद विचारधारा के अनुरूप आत्मनिर्भर सांस्कृतिक राष्ट्र राज्य की संकल्पना को साकार करने हेतु उद्यत दिखाई देती है। राज्य व्यवस्था द्वारा अद्भुत व्यापक शिक्षा व्यवस्था का एक अभिन्न अंग कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर तथा उसमें संचालित राजनीति विज्ञान विभाग राज्य व्यवस्था के प्रयासों में अपनी संपूर्ण ऊर्जा के साथ सहभागी हैं। आजादी के अमृत महोत्सव की अमृतबेला में राजनीति विज्ञान विभाग विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग की छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन हेतु कृत संकल्प है।

विभाग में नवीन सत्र का शुभारंभ 12 जुलाई से बी.ए. तृतीय वर्ष की कक्षाओं के संचालन के साथ हुआ। दिनांक 15 नवंबर 2022 को नव प्रवेशित छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के सभी प्राध्यापकों–डॉ. ममता उपाध्याय, डॉ. सीमा देवी एवं डॉ. रंजना उपाध्याय ने छात्राओं को वर्ष पर्यंत चलने वाली शैक्षणिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों तथा आंतरिक एवं विश्वविद्यालय परीक्षाओं के प्रतिमान की जानकारी दी। इससे पूर्व आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 24 अप्रैल 2022 को 'पंचायती राज दिवस' के अवसर पर डॉ. रंजना उपाध्याय ने छात्राओं के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया। 8 अगस्त 2022 को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर ही डॉ. ममता उपाध्याय एवं डॉ. रंजना उपाध्याय के सौजन्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया एवं वृत्तचित्र के माध्यम से छात्राओं को अगस्त क्रांति की ऐतिहासिकता एवं वैधानिकता से परिचित कराया गया। इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. बसंत कुमार एवं बी.एड. संकाय की प्राध्यापिका डॉ. रमाकांति ने रोचक तरीके से अगस्त क्रांति की घटनाओं का सजीव चित्र अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रस्तुत किया।

24 नवंबर, 2022 को प्राचार्य की अध्यक्षता में विभागीय परिषद का गठन करते हुए प्राध्यापकों का निर्देशन एवं

छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए परिषद के सौजन्य से 'पोस्टर प्रतियोगिता' एवं ऑनलाइन 'प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय 'साइबर क्राइम' एवं क्विज का विषय 'मानव अधिकारों का महत्व एवं स्थिति' था। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी साक्षी सिंह ने प्राप्त किया, जबकि कुमारी पूजा, बी.ए. तृतीय वर्ष एवं कुमारी आकांक्षा, बी.ए. तृतीय वर्ष, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। क्विज प्रतियोगिता में कुमारी तानिया, बी.ए. द्वितीय वर्ष, अंकिता एम.ए. प्रथम वर्ष ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी शैली बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं कुमारी छाया बी.ए. द्वितीय वर्ष क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। क्विज प्रतियोगिता का संचालन डॉक्टर ममता उपाध्याय एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. रंजना उपाध्याय ने किया। प्रतियोगिताओं के संचालन में परिषद की प्रतिनिधि छात्राओं कु. आकांक्षा एवं कुमारी काजल का विशेष सहयोग रहा।

25 नवंबर 2022 को विभाग में सोशल वर्क विषयक कौशल विकास पाठ्यक्रम के आगामी सत्र में संचालन हेतु 'आशा ट्रस्ट' के साथ एम.ओ.यू. का नवीकरण किया गया। यह कार्य विभाग में कौशल विकास पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ. ममता उपाध्याय के सौजन्य से संपन्न हुआ। 26 नवंबर, 2022 को अंबेडकर अध्ययन केंद्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त सौजन्य से संविधान दिवस के अवसर पर संवैधानिक मूल्य विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य व्याख्याता के रूप में प्रोफेसर रोचना मित्तल, एस.डी. कॉलेज, गाजियाबाद ने छात्राओं को संवैधानिक आदर्शों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ ने छात्राओं एवं प्राध्यापकों को संविधान के पालन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. सीमा देवी ने संविधान की प्रस्तावना के महत्व पर प्रकाश डाला।

30 नवंबर, 2022 को ममता उपाध्याय के निर्देशन में छात्राओं का एक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। राष्ट्रपति भवन संग्रहालय एवं इंडिया गेट का भ्रमण करते हुए छात्राएं भारत के राजनीतिक इतिहास से संबंधित तथ्यों से परिचित हुई। भ्रमण के दौरान इतिहास विभाग के प्राध्यापकों डॉ. आशा रानी, डॉ. बसंत कुमार, श्री अरविंद सिंह, डॉ. अनिता सिंह एवं राजनीति विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ. सीमा देवी का सहयोग सराहनीय रहा।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 10 दिसंबर 2022 को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विभाग की प्राध्यापिका डॉ. ममता उपाध्याय के सौजन्य से मानव अधिकारों के महत्व पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया एवं छात्राओं को मानवाधिकारों की रक्षा की शपथ दिलाई गई, व्याख्याता के रूप में डॉक्टर ममता उपाध्याय ने छात्राओं को होलोकॉस्ट की घटना की याद दिलाते हुए संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र में वर्णित मानवाधिकारों के महत्व के विषय में बताया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर दिनेश चंद्र शर्मा ने छात्राओं एवं प्राध्यापकों को मानवाधिकारों की रक्षा की शपथ दिलाई। 'सभी के लिए गरिमा, स्वतंत्रता एवं न्याय' की थीम के साथ कार्यक्रम पूर्ण उल्लास के साथ संपन्न हुआ। छात्राओं के साथ अंतः क्रिया करने में डॉ. सीमा देवी, क्रीड़ा विभाग के प्राध्यापक डॉ. धीरज एवं परिषद प्रतिनिधि कुमारी काजल तथा आकांक्षा का विशेष सहयोग रहा। इसी क्रम में 19 दिसंबर, 2022 को डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से छात्राओं के लिए कैरियर कांउसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रोफेसर सतीश कुमार, इग्नू, नई दिल्ली ने छात्राओं को राजनीति विज्ञान का अध्ययन करने के उपरांत रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराया।

21 दिसंबर, 2022 एवं 31 दिसंबर, 2022 को विभाग के 2 शोधार्थियों श्रीमती ममता गौतम एवं श्री राजेश कुमार का पी.एच.डी. वायवा संपन्न हुआ। दोनों के शोध का विषय क्रमशः 'नेपाल में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी; उत्तर राजशाही काल का एक अध्ययन' एवं 'नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारतीय विदेश नीति; एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' था। 31 दिसंबर को ही प्रोफेसर राजीव कुमार, मोतिहारी विश्वविद्यालय, बिहार ने वर्तमान समय में भारतीय विदेश नीति पर एक प्रसार व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को लाभान्वित किया। उक्त कार्य डॉ. सीमा देवी के निर्देशन में संपन्न हुए।

25 जनवरी, 2023 को मतदाता दिवस के अवसर पर डॉ. सीमा देवी के सौजन्य से एक 'मतदान कार्ड प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'हमारा देश, हमारा मत, हमारा विकास' था। प्रतियोगिता में कुमारी आकांक्षा, बी.ए. द्वितीय वर्ष, लवली शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष एवं कुमारी सोफिया बी.ए. प्रथम वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी दिवस पर स्थानीय बीएलओ के माध्यम से छात्राओं का मतदाता पंजीकरण आवेदन पत्र पूरित कराया गया।

विभाग द्वारा सामाजिक दायित्व की पूर्ति करते हुए इस वर्ष बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं के माध्यम से आसपास के ग्राम वासियों का लगभग 75 की संख्या में मतदाता पंजीकरण हेतु ऑनलाइन फॉर्म नंबर 6 पूरित करवाया गया। इस कार्य का निर्देशन डॉ. ममता उपाध्याय के द्वारा किया गया। ध्यातव्य है कि निर्वाचन आयोग एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकतम मतदाता पंजीकरण हेतु सतत संलग्न है।

प्राध्यापकों एवं छात्राओं की उपलब्धियों की दृष्टि से भी वर्तमान सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। विभाग की एम.ए. द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा कुमारी मनीषा नागर ने प्रथम प्रयास में यूजीसी 'नेट' की परीक्षा उत्तीर्ण कर भावी प्राध्यापक के लिए आवेदन करने हेतु अर्हता प्राप्त की। दो भूतपूर्व छात्राओं कुमारी नेहा एवं कुमारी अनिता ने भी 'नेट' परीक्षा में सफलता प्राप्त की। शोध छात्र कुलदीप ने शोध प्रबंध पूर्ण करने के साथ 'नेट' की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। दो भूतपूर्व छात्राओं ने रोजगार की दिशा में सफलता प्राप्त की। कुमारी अंजली भाटी को 'बाय/जूज' से जॉब ऑफर प्राप्त हुआ एवं कुमारी काजल ने 'प्लान इंडिया' नामक एनजीओ में रोजगार प्राप्त किया। इसी क्रम में शोधार्थी श्री राजेश कुमार का एनसीईआरटी में चयन हुआ। विभाग की प्राध्यापिका प्रोफेसर ममता उपाध्याय की 'प्रमुख राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएं' विषयक पुस्तक का दो भागों में जोरबा पब्लिकेशन, गुड़गांव से प्रकाशन हुआ जिसका प्रदर्शन 'जश्न-ए-रेख्ता' में भी किया गया।

इतिहास परिषद्

श्री अरविन्द सिंह एवं श्री बसंत कुमार, सदस्य

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सत्रपर्यंत विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया जिसका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है।

आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत इतिहास विभाग को प्रदत्त कार्यक्रमों का विभाग द्वारा सफल आयोजन सुनिश्चित किया गया। इसके अंतर्गत दिनांक 13 अप्रैल 2022, 07 मई 2022, 9 अगस्त 2022, 13 सितंबर 2022, 31 अक्टूबर 2022 तथा 15 नवंबर 2022. को क्रमशः **जलियाँवाला बाग शहादत, 1857 क्रांति, काकोरी दिवस, भारत छोड़ो आंदोलन, जतिन दास शहीदी दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस तथा जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में मनाते हुए। विद्यार्थियों हेतु सारगर्भित व्याख्यानों का आयोजन किया गया जिससे छात्रायें, इनके महत्व से भलीभाँति परिचित हो सकें। दिनांक **19 से 25 नवंबर तक विश्व विरासत सप्ताह** के उद्घाटन सत्र में 'Preserving Our Past For Future' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका संचालन विभागीय प्राध्यापक **श्री अरविंद सिंह** द्वारा किया गया। विश्व विरासत सप्ताह के अंतर्गत विभाग द्वारा छात्राओं को **बादलपुर स्थित गौतमबुद्ध पार्क** ले जाया गया, जिससे वे **समृद्ध स्थानीय विरासत** से परिचित हो सकें। वरिष्ठ प्राध्यापक **डॉ. अनीता सिंह** के निर्देशन में धौलावीरा एवं विजयनगर साम्राज्य पर **डॉक्यूमेंट्री** दिखायी गयी।

दिनांक 30 नवंबर 2022 को **इतिहास विभाग** का **शैक्षिक भ्रमण** राष्ट्रपति भवन संग्रहालय ले जाया गया। **डॉ. निधि रायजादा** के नेतृत्व में विभागीय प्राध्यापक एवं छात्राओं ने राष्ट्रपति के पद की गरिमा एवं पूर्व राष्ट्रपतियों से सम्बंधित अमूल्य जानकारी प्राप्त की।

दिनांक 21 सितंबर 2022 को **अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस** के उपलक्ष्य में **एक व्याख्यान** का आयोजन इतिहास विभाग द्वारा किया गया, जिसमें विभागीय प्राध्यापक **श्री अरविन्द सिंह** प्रमुख वक्ता रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

4 फरवरी 2023 को **चौरा चौरी** दिवस तथा 23 मार्च 2023 को **शहीदी दिवस** के अवसर पर सरदार भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव जैसे अमर बलिदानियों की याद में इतिहास विभाग द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

विभागीय प्राध्यापक **श्री बसंत कुमार** की अध्यक्षता में विभागीय परिषद द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 24 जनवरी 2023 को स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु **"गाँधीजी का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन** में योगदान" विषय पर **निबंध प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया इस निबंध प्रतियोगिता में कौशल (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर) प्रथम, आरती एवं कोमल (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर) ने द्वितीय एवं ज्योति चौधरी (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर पर दिनांक 27 जनवरी 2023 को, **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** आयोजित की गयी, जिसमें खुशी (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम, रिंकी नागर एवं शिवानी जायसवाल (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने द्वितीय एवं खुशबू (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन, विभाग प्रभारी **डॉ. आशा रानी** के कुशल निर्देशन में किया गया जिसमें विभाग के सभी प्राध्यापकों का सहयोग रहा।

शिक्षाशास्त्र परिषद्

डॉ. सोनम शर्मा
प्रभारी

शिक्षा सामान्यता से विशिष्टता की ओर अग्रसर करने वाली प्रक्रिया है। शिक्षा के द्वारा ही मानव जीवन में उदारता, उच्चता, उत्कृष्टता और पवित्रता की भावना का उदय होता है। इन सद्गुणों की विकास की प्रक्रिया में पाठ्यक्रम के साथ ही पाठ्य सहगामी क्रियाएँ भी अत्यन्त आवश्यक होती है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षाशास्त्र विभाग के अन्तर्गत महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र परिषद् का गठन निम्नवत् किया गया–

संरक्षक – प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ, प्राचार्या
परिषद् प्रभारी – डॉ. सोनम शर्मा
अध्यक्ष – काजल, बी.ए. तृतीय वर्ष
सचिव – आस्था, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
कोषाध्यक्ष – खुशी शर्मा, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

छात्रा प्रतिनिधिः–

सविता रावल – बी.ए., तृतीय सेमेस्टर
मुस्कान – बी.ए., तृतीय वर्ष
विशु शर्मा – बी.ए., प्रथम सेमेस्टर

परिषद् के तत्वावधान में निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

निबन्ध प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहेः–

प्रथम स्थान : काजल पुत्री श्री जवाहर सिंह बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान : आस्था पुत्री श्री राजेश कुमार बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
तृतीय स्थान : प्रीति पुत्री श्री हरेन्द्र सिंह बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्र विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 23 जनवरी 2023 को "नेताजी और आजाद हिन्द फौज की भूमिका" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विभाग में कैरियर काउंसलिंग एण्ड गाईडेन्स कार्यक्रम के अन्तर्गत डॉ. रतन सिंह, असि. प्रोफेसर बी.एड. विभाग द्वारा छात्राओं के लिए प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग की बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं नें साहित्यिक–सांस्कृतिक सप्ताह के अन्तर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नाटक मंचन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

छात्राओं के लिए शिक्षाशास्त्र विभाग में 8 फरवरी 2023 को डॉ. नीरज, असि. प्रोफेसर, हिन्दी विभाग द्वारा 'भाषा साहित्य एवं शिक्षा' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। 8 फरवरी 2023 को डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार असि. प्रोफेसर, बी.एड. विभाग द्वारा "राइट टू एजुकेशन" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 14 फरवरी 2023 को डॉ. नीरज, असि. प्रोफेसर, हिन्दी विभाग द्वारा 'भाषा, साहित्य एवं शिक्षा का अंतसंबंध' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनांक 27 मार्च 2023 को डॉ. बलराम सिंह, असि. प्रोफेसर, महाराणा प्रताप राजकीय पी.जी. कॉलेज, हरदोई द्वारा शिक्षाशास्त्र विभाग में 'नई शिक्षा नीति 2020' पर अतिथि व्याख्यान दिया गया।

शिक्षाशास्त्र विभाग में 20 फरवरी 2023 को शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में वार्षिक समारोह में उत्साहवर्धन स्वरूप समस्त विजयी छात्राओं को पुरस्कार दिये गये।

समाजशास्त्र परिषद्

डॉ. विनीता सिंह
प्रभारी

समाजशास्त्र समाज का क्रमबद्ध अध्ययन करने वाला विज्ञान है। समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज के विभिन्न स्वरूपों, उसकी विविध संरचनाओं, प्रक्रियाओं इत्यादि का अध्ययन किया जाता है। समाजशास्त्र सामाजिक जीवन में परिवर्तन, सामाजिक कारणों और समाज पर मानव व्यवहार के प्रभावों का वर्णन करता है। समाजशास्त्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर

पाठ्यक्रम में, छात्र सामाजिक मुद्दों का अध्ययन करने, सिद्धांतों का परीक्षण करने, विश्लेषण करने के लिए शोध अनुसंधान का संचालन, समसामायिक विषय का गहन विश्लेषण इत्यादि करते हैं।

महाविद्यालय में समाजशास्त्र विषय की स्थापना 1997 में स्नातक कक्षाओं के साथ हुई। वर्ष 2007 में परास्नातक कक्षाओं में अध्यापन कार्य प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक वर्ष छात्राओं की विभिन्न विभागीय गतिविधियों को संचालित करने के उद्देश्य से विभागीय परिषद का गठन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाजशास्त्र परिषद का गठन 14 नवम्बर 2022 को किया गया। समाजशास्त्र परिषद् के तत्वावधान में वर्ष भर व्याख्यान, कार्यशाला, प्रतियोगिताओं इत्यादि का आयोजन किया जाता है। इन सभी कार्यक्रमों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देने के अतिरिक्त उन्हें मंच प्रदान करना होता है जिससे उनके व्यवहार एवं व्यक्तित्व में सकारात्मक एवं व्यावहारिक परिवर्तन आए।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में बी.ए. प्रथम वर्ष की भांति बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में छात्राओं को प्रवेश दिया गया। वर्ष 2022-23 में परास्नातक छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर "स्वयं सहायता समूह" के बारे में लोगों को विस्तृत जानकारी दी एवं उसकी रिपोर्ट तैयार की। दिनांक 5 मार्च 2023 को डॉ. कमल भारद्वाज (प्रोफेसर समाजशास्त्र) एस.डी. महाविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा 'महिला सशक्तिकरण' पर व्याख्यान दिया गया। इसमें समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं ज्ञान अर्जित किया।

दिनांक को समाजशास्त्र विभाग में शिक्षक-अभिभावक समागम का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों को छात्राओं की प्रगति की जानकारी दी गई एवं उनकी समस्याओं के निवारण की चर्चा की गई।

समाजशास्त्र परिषद् के अन्तर्गत दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका परिणाम निम्नवत है-

पोस्टर प्रतियोगिता- "Say no to Plastic"

प्रथम	-	साक्षी सिंह	पुत्री श्री बिरजू सिंह	M.A. I
द्वितीय	-	सोफिया सैफी	पुत्री श्री अनीस अहमद	M.A. I
तृतीय	-	नीतू सिंह	पुत्री श्री राम भवन सिंह	M.A. I

निबन्ध प्रतियोगिता "वैश्वीकरण का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव"

प्रथम	-	सविता रावल	पुत्री श्री मदन रावल	B.A. II
द्वितीय	-	मनु शर्मा	पुत्री श्री रमेश शर्मा	B.A. III
प्रथम	-	भूमिका	पुत्री श्री महेश कुमार	M.A. I

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में कु. शिल्पा ने समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

गृहविज्ञान-परिषद्

प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा
प्रभारी

परिवार सामाजिक जीवन की मूलभूत इकाई है। परिवार को सुचारू रूप से संचालित करने में गृह विज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। गृह विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र जैसे मानव विकास, गृह व्यवस्था, परिधान व्यवस्था एवं आहार आयोजन छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। छात्राओं को इनके प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से सत्र 2022-23 में गृह विज्ञान परिषद का गठन किया गया जो निम्नवत है:-

संरक्षिका	-	प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ	सचिव	-	दीपाली सिंह (एम.ए. प्रथम वर्ष)
परिषद प्रभारी	-	प्रो. डॉ. शिवानी वर्मा	कोषाध्यक्ष	-	रितिका (एम.ए. प्रथम वर्ष)
सह-प्रभारी	-	श्रीमती शिल्पी (असि. प्रो.)	सदस्य	-	ज्योति कुमारी (बी.ए. तृतीय वर्ष)
	-	श्रीमती नीलम यादव (असि. प्रो.)		-	रितिका (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
	-	श्रीमती माधुरी पाल (असि. प्रो.)		-	साक्षी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
अध्यक्ष	-	शानू (एम.ए. द्वितीय वर्ष)		-	तुबी कुमारी (बी.ए. प्रथम वर्ष)
उपाध्यक्ष	-	सृष्टि पाल (एम.ए. द्वितीय वर्ष)			

सत्र के आरम्भ में नवीन छात्राओं हेतु अभिविन्यास

कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बी.ए. प्रथम वर्ष तथा एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं ने गृह विज्ञान विषय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। छात्राओं को गृह विज्ञान विषयक ज्ञान एवं विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सम्बन्धी जानकारी दी गई। अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त महाविद्यालयों में होने वाली विभिन्न गतिविधियों जैसे–खेल-कूद, साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ, युवा महोत्सव, रोजगार मेला इत्यादि के बारे में छात्राओं को जागरुक किया गया।

01 सितम्बर से 07 सितम्बर तक देश में "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया जाता है। गृह विज्ञान विभाग द्वारा "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2022" का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिदिन छात्राओं को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा जागरुक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के बहुउद्देश्यीय कार्यक्रमों का आयोजन व्यापक स्तर पर किया गया। छात्राओं को 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022' की थीम बताई गई-**"Celebrate a World of Flavours"** थीम के अनुसार छात्राओं द्वारा प्रत्येक दिवस विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं रोचक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्राओं ने "फूड स्टॉल, सलाद सज्जा, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, आन-लाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रैली, प्रसार व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक" इत्यादि कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस आयोजन में समस्त महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों ने परिभ्रमण किया।

गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं हेतु गृह-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सम्बन्धी सम्भावनाओं की व्याख्या हेतु परामर्श व्याख्यान का आयोजन किया गया। गृह-विज्ञान विभाग की अध्यापिकाओं द्वारा अलग-अलग विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस अवसर पर छात्राओं को रोजगार के विभिन्न आयामों को बताते हुए सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों की जानकारी प्रदान की गयी।

गृह-विज्ञान विभाग द्वारा एन.एस.एस. प्रथम एवं द्वितीय इकाई के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान "खाद्य संरक्षण" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं को विभिन्न प्रकार की खाद्य संरक्षण विधिओं के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न प्रकार के जैम, चटनी, मिश्रित सब्जियों का अचार बनाना तथा संग्रहित करने की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

गृह-विज्ञान विभाग द्वारा अभिभावक-शिक्षक समागम का आयोजन दिनांक 20/02/2023 को किया गया। जिसमें शिक्षण सम्बन्धी विभिन्न मुद्दों पर अभिभावकों से चर्चा की गयी।

गृह-विज्ञान विभाग द्वारा "फल संरक्षण" विषय पर कार्यशाला का आयोजन कराया गया। इस कार्यशाला में छात्राओं को उनके कौशल को विकसित करने एवं शिक्षा को रोजगार परक विधि से उपयोग करने की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। 'फल संरक्षण' कौशल विकास कार्यशाला का समय दो सप्ताह रहा, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न फलों से जैम तैयार करना, विभिन्न फलों के मुरब्बे बनाना, सॉस बनाना, चटनी बनाना, शर्बत बनाना, स्क्वैश बनाना, मिर्च का अचार बनाना, मिश्रित सब्जियों का अचार बनाना तथा अन्य विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री को अचार डालकर संग्रहित करने की विधिओं का स्वयं अभ्यास करके प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

गृह विज्ञान विभाग द्वारा प्रोजेक्ट कार्य के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा शोध एवं प्रोजेक्ट कार्य किया गया। जिसका शीर्षक 'महिला उद्यमिता' दिया गया था। इसके अन्तर्गत एम.ए. की छात्राओं ने सर्वेक्षण कर उत्पादों को चुना और हस्तनिर्मित उत्पाद बनाये। सभी उत्पादों की प्रदर्शनी गृह विज्ञान विभाग में दिनांक 20/03/2023 को लगाई गई एवं इनका विक्रय किया गया। इनमें आचार, पापड़, चिप्स, कचरी, नमकीन, चाट-पापड़ी इत्यादि मुख्य उत्पाद थे। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं द्वारा निर्मित उत्पादों को खरीदकर उत्साहवर्धन किया।

गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'विश्व श्रवण दिवस' पर दिनांक 03/03/2023 को विभाग में प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय था–"सभी के लिए कान और श्रवण देखभाल"। छात्राओं को व्याख्यान के द्वारा बहरेपन और श्रवण हानि को रोकने और कान तथा सुनने की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए जागरुक किया गया। अच्छा श्रवण स्वास्थ्य होना छात्राओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह हमें अन्य लोगों से बात करने में और समझने में मदद करता है। इस व्याख्यान में छात्राओं की जिज्ञासाओं का समुचित समाधान भी किया गया।

वर्तमान सत्र में गृह-विज्ञान परिषद के तत्वावधान में दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके परिणाम निम्नवत

है:-

1. पेपर मैशे द्वारा हस्तशिल्प कलाकृति व वस्तु तैयार करना-

प्रथम स्थान:-	अदिति कुमारी	पुत्री श्री ज्ञानेन्द्र कुमार	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
द्वितीय स्थान:-	शैली	पुत्री श्री सतीश	(बी.ए. प्रथम वर्ष)
तृतीय स्थान:-	रचना		(बी.ए. प्रथम वर्ष)

2. आर्टिफिशयल फ्लॉवर बनाना

प्रथम स्थान:-	रितिका नागर	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
द्वितीय स्थान:-	शिवानी सिंह	(बी.ए. प्रथम वर्ष)
तृतीय स्थान:-	मनीषा	(बी.ए. प्रथम वर्ष)

संगीत-परिषद्

डॉ. बबली अरुण
प्रभारी

संगीत ब्रह्मांड में उपस्थित वह दिव्य शक्ति है जिसके अधीन संपूर्ण सृष्टि जगत की संपूर्ण क्रियाएं पल्लवित होती है संगीत न केवल मन को आनंदित करता है वरन् यह भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सुंदर साधन है। वर्तमान समय में युवा वर्ग बड़ी संख्या में संगीत को जीविकोपार्जन के रूप में अपना रहे हैं संगीत साधना है संगीत की सुंदरता की गंभीरता को संगीत प्रेमी ही अनुभव कर सकता है इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में संगीत को विषय के रूप में चुना गया। वर्ष 2014-15 से संगीत विषय के रूप में सम्मिलित हुआ।

सत्र के प्रारंभ में ही संगीत परिषद् के तत्वावधान में एक शास्त्रीय संगीत पर आधारित गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अनेक छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई इस प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत रहे:-

शास्त्रीय संगीत गायन प्रतियोगिता:-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	स्थान
1.	गौरी सिंह	श्री दिनेश सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	प्रथम
2.	विधि	श्री मांगेराम	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3.	सोनम	श्री राजकुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

विजयी छात्राओं को पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार वितरित किए गए।

प्रतियोगिताओं के अलावा संगीत विभाग के सौजन्य से साहित्यिक सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भव्य रूप से किया गया जिसमें विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसी के साथ गत वर्ष की भांति संगीत विभाग में संगीत परिषद् का भी गठन किया गया जिस का विवरण निम्नवत् है।

संरक्षक	डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या)		
परिषद प्रभारी	डॉ. बबली अरुण		
अध्यक्ष	गौरी सिंह	श्री दिनेश सिंह	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सचिव	विधि	श्री मांगेराम	बी.ए. तृतीय वर्ष
कोषाध्यक्ष	प्रियंका प्रजापति	श्री राधेश्याम	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी, 2 अक्टूबर, 15 अगस्त वार्षिक क्रीड़ा समारोह महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा जिसमें अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उत्साहवर्धन हेतु समस्त प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संगीत विभाग के तत्वावधान में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसके साथ ही संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लोक संगीत की वास्तविक स्थिति पर एक सर्वे भी किया गया जिससे जनसामान्य के बीच संगीत की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ाया जा सके।

इसके साथ-साथ छात्राओं ने इस वर्ष अपने आसपास के वातावरण से प्रेरित होकर अपने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए अनेक पौधों को रोपित किया ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनता को जागरुक करने का भी कार्य किया इसके साथ ही सामाजिक तौर पर सामाजिक विभिन्न क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व संगीत विभाग के समकक्ष अनेक तरह के पेड़ पौधों को रोपित करके संगीत का उन पर प्रयोग करके संगीत को पर्यावरण से जोड़ने का प्रयास भी किया गया।

चित्रकला-परिषद्

श्रीमती शालिनी तिवारी
प्रभारी

मनुष्य स्वभाव से ही अनुकरण की प्रवृत्ति रखता है। जैसा देखता है उसी प्रकार अपने को ढालने का प्रयत्न करता है। यही उसकी आत्म अभिव्यंजना है। हमारी भारतीय संस्कृति कला प्रधान है। कला द्वारा जीवन में नए रंग भरे जा सकते हैं। कला द्वारा जीवन के अनेक उद्देश्य प्राप्ति में आने वाली बाधाओं के निराकरण में भी आसानी होती है। इसी हेतु छात्राओं को कला की शिक्षा देना अत्यन्त आवश्यक है। उपरोक्त उद्देश्य प्राप्ति हेतु गतवर्षों की भांति चित्रकला परिषद् का गठन किया गया जिसका विवरण इस प्रकार है-

संरक्षिका	-	प्रो. डॉ. दिव्या नाथ
परिषद् प्रभारी	-	श्रीमती शालिनी तिवारी
अध्यक्ष	-	प्राची बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
उपाध्यक्ष	-	पिंकी बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सचिव	-	मणी बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
कोषाध्यक्ष	-	ममता बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

चित्रकला परिषद् द्वारा दिनांक-21.01.2023 को "भारतीय चित्रकला का इतिहास" विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसके परिणाम निम्नवत् हैं-

प्रथम पुरस्कार	-	तनु	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय पुरस्कार	-	पिंकी	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
तृतीय पुरस्कार	-	ट्विंकल	बी.ए. प्रथम सेसमेस्टर

दिनांक 15.03.2023 को "रामायण कॉनक्लेव 2023" के अन्तर्गत "अल्पना" विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अर्थशास्त्र परिषद्

श्रीमती भावना यादव
प्रभारी

जीवन में सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने संबंधित विषयों के अध्ययन के अलावा सह सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता करना भी आवश्यक है। शिक्षणेत्तर गतिविधियों से उनका रुझान सामाजिक विषयों के प्रति बढ़ता है और उन्हें एक ऐसा मंच उपलब्ध होता है जिसमें वह अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सके। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में प्रत्येक विभाग में विभागीय परिषद का गठन किया जाता है एवं परिषद के तत्वावधान में सत्रोपरांत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

वर्तमान समय में व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास की भूमिका और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है इसी ध्येय की प्राप्ति के लिए अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पठन-पाठन के साथ-साथ विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है एवं इस उद्देश्य को फलीभूत करने के लिए विभागीय परिषद का गठन किया जाता है तथा परिषद के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

सत्र 2022-2023 में भी विभागीय परिषद का गठन किया गया जिसमें एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कुमारी अंजू को अध्यक्ष एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कुमारी शिवानी को उपाध्यक्ष एवं कुमारी शीतल एम.ए. तृतीय सेमेस्टर को सचिव तथा कुमारी शिखा एम.ए. प्रथम सेमेस्टर को कोषाध्यक्ष चुना गया। विभिन्न कक्षाओं की कक्षा प्रतिनिधि रहीं-बी.ए. प्रथम वर्ष की अंजली शर्मा, बी.ए. द्वितीय वर्ष की रचना, बी.ए. तृतीय वर्ष की अंजलि। समस्त पदाधिकारियों द्वारा वर्षोपरांत विभाग में अपना सहयोग दिया गया।

अर्थशास्त्र परिषद के तत्वावधान में सत्र 2022-23 में दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया-निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी शिखा नागर, एम.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान कुमारी चंचल, बी.ए. तृतीय वर्ष एवं तृतीय स्थान कुमारी ब्यूटी राठौड, बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कुमारी शिवानी एम.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय कुमारी प्रियंका बी.ए. तृतीय वर्ष एवं तृतीय कुमारी निधि बी.ए. तृतीय वर्ष रहीं। समस्त छात्राओं को विभागीय परिषद द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत भी किया गया जिससे छात्राओं को प्रोत्साहन मिले एवं उनका मनोबल बढ़े।

शारीरिक शिक्षा परिषद्

श्री धीरज कुमार
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्धनगर के शारीरिक शिक्षा विभाग में शैक्षिक सत्र 2022-23 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। शारीरिक शिक्षा विभाग ने अन्तर विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। महाविद्यालय की टीम ने यूनिर्वसिटी के खेलों में प्रतिभाग किया जिसमें एक छात्रा खिलाड़ी का बास्केट बॉल यूनिर्वसिटी टीम में चयन हुआ। महाविद्यालय की क्रीड़ा परिषद के सौजन्य से दो दिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिता दिनांक 16 व 17 दिसम्बर 2022 को सम्पन्न करायी गयी। इस अवसर पर प्रथम दिन श्री दीपक कुमार शूटर (ओलम्पियन) मुख्य अतिथि के रूप में क्रीड़ा समारोह में उपस्थिति हुए। क्रीड़ा समारोह के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि बबीता नागर (अर्न्तराष्ट्रीय रेसलर) के द्वारा विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गये। दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं सम्पन्न करायी गयी जिनका परिणाम निम्नवत् रहा।

100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	प्राची नागर	बी.कॉम.. द्वितीय वर्ष	प्रथम
2	तनु नागर	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	छाया	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

1. गोला प्रक्षेपण प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	तनु	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
2	प्राची चन्देला	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	पारूल	बी.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय

2. लम्बी कूद-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	कोमल	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	चंचल	एम.ए. प्रथम वर्ष	तृतीय

3. रस्सी कूद-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	नरगिस	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	खुशबू कश्यप	बी.कॉम.. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	ज्योति	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

4. म्यूजिकल चेयर-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	विपासा	बी.वॉक द्वितीय वर्ष	प्रथम
2	पिंकी	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	वर्षा यादव	बी.एड. प्रथम वर्ष	तृतीय

5. भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	तनु	बी.ए. द्वितीय वर्ष	प्रथम
2	प्राची	बी.ए. द्वितीय वर्ष	द्वितीय
3	सलोनी	बी.एड. प्रथम वर्ष	तृतीय

6. चक्का प्रक्षेपण प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	कोमल	एम.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम
2	प्रियन्का	बी.एड. प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	मुस्कान	बी.एड. प्रथम वर्ष	तृतीय

7. ऊँची कूद प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	मुस्कान	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	कोमल	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	श्रुति	बी.ए. तृतीय वर्ष	तृतीय

8. 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	निक्की भाटी	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	कोमल	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	प्राची नागर	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	तृतीय

9. 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	निक्की भाटी	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	करिश्मा शर्मा	बी.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	प्राची चन्देला	बी.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय

10. 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता-

क्र.सं.	छात्रा का नाम	कक्षा	स्थान
1	निक्की भाटी	बी.ए. तृतीय वर्ष	प्रथम
2	कोमल	बी.ए. तृतीय वर्ष	द्वितीय
3	प्राची नागर	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	तृतीय

महाविद्यालय छात्रा चैम्पियन का पुरस्कार निक्की भाटी पुत्री श्री संजय भाटी बी.ए. तृतीय वर्ष को प्रदान किया गया।

अध्यापक - शिक्षा विभागीय परिषद्

डॉ. रतन सिंह
प्रभारी

किसी समाज की दशा एवं दिशा तय करने में शिक्षकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अध्यापक शिक्षा विभाग में भावी शिक्षकों को न केवल शिक्षण में निपुण किया जाता है बल्कि भावी शिक्षकों को शिक्षा प्रक्रिया के विभिन्न विधानों में भी निपुण किया जाता है। छात्राओं की पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सत्र 2022-23 में अध्यापक शिक्षा विभाग में विभागीय परिषद का गठन प्राचार्या महोदया के संरक्षण में किया गया जो निम्नवत है-

संरक्षक	-	प्रो. (डॉ.) दिव्यानाथ		
प्रभारी	-	डॉ. रतन सिंह		
अध्यक्ष	-	नीशु चौधरी	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
उपाध्यक्ष	-	प्रियंका गुप्ता	-	बी.एड. द्वितीय वर्ष
सचिव	-	सलोनी	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
कोषाध्यक्ष	-	नीतू तोमर	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
छात्रा प्रतिनिधि	-	रागिनी यादव व हर्षिता सिंह	-	बी.एड. प्रथम
	-	अंजली यादव व कृतिका पाण्डे	-	बी.एड. द्वितीय

सत्र 2022-23 में अध्यापक शिक्षा विभाग-विभागीय परिषद् द्वारा दिनांक 31 जनवरी 2023 व 01 फरवरी 2023 में तीन प्रतियोगिताएं करायी गयी। प्रतियोगिताओं का परिणाम निम्न प्रकार रहा-

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परिणामः-

प्रथम स्थान	- सुषमा शर्मा	पुत्री श्री सुरेन्द्र पाल शर्मा	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान	- कोमल	पुत्री श्री महेश कुमार	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	- पारुल चौधरी	पुत्री श्री पुष्पेन्द्र सिंह	-	बी.एड. प्रथम वर्ष

ऑनलाइन शिक्षा बनाम भौतिक कक्षा गत शिक्षा विषय पर **वाद-विवाद प्रतियोगिता** का परिणाम निम्न प्रकार रहा-

प्रथम स्थान	- नीतू तोमर	पुत्री श्री नरेश तोमर	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान	- निहारिका सिंह	पुत्री श्री महेन्द्र प्रताप सिंह व		
	- निधि पासवान	पुत्री अजय कुमार पासवान	-	बी.एड. प्रथम वर्ष (संयुक्त रूप से)
तृतीय स्थान	- हर्षिता सिंह	पुत्री श्री राजविन्द सिंह	-	बी.एड. प्रथम वर्ष

तृतीय प्रतियोगिता Jam (Just a Minute) की विजयी छात्राएं-

प्रथम स्थान	- निधि पासवान	पुत्री श्री अजय कुमार	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान	- हर्षिता सिंह	पुत्री श्री राजविन्द सिंह	-	बी.एड. प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	- निहारिका सिंह	पुत्री श्री महेन्द्र प्रताप सिंह	-	बी.एड. प्रथम वर्ष

विभागीय परिषद प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को 'युवा महोत्सव' में आदरणीय प्राचार्या द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरुस्कार देकर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की 'अध्यापक शिक्षा परिषद्' भावी शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के चहुंमुखी विकास हेतु प्रतिबद्ध है। छात्राओं में उत्तम नागरिक गुणों के साथ-साथ, शिक्षण कौशल में निपुण करना अध्यापक शिक्षा परिषद का उद्देश्य है तथा अपने इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अध्यापक शिक्षा परिषद निरन्तर प्रयासरत एवं कटिबद्ध हैं।

वाणिज्य परिषद्

डॉ. अरविन्द कुमार यादव
प्रभारी-वाणिज्य संकाय

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए समय समय पर शिक्षा के साथ अन्य कार्यक्रमों का आयोजन सदैव लाभप्रद रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वाणिज्य परिषद् का गठन किया जाता है। इस वर्ष परिषदीय प्रारूप निम्नवत् है-

संरक्षक	- प्रो. (डॉ.) दिव्यानाथ		
विभाग प्रभारी	- डॉ. अरविन्द कुमार यादव		
परिषद-समन्वयक	- डॉ. मणि अरोड़ा		
उपाध्यक्ष	- काजल वर्मा	-	बी.कॉम. तृतीय वर्ष
सह-उपाध्यक्ष	- चंचल शर्मा	-	बी.कॉम. तृतीय वर्ष
सचिव	- ज़ेबा	-	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
कोषाध्यक्ष	- कनक नागर	-	बी.कॉम. प्रथम वर्ष
प्रचार मंत्री	- अंशु शर्मा	-	बी. कॉम प्रथम वर्ष

दिनांक 09/01/23 को परिषदीय प्रतियोगिता के अन्तर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था "प्रवासी भारतीयों का भारत के विकास में योगदान"। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पक्ष में प्राची त्यागी (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) रही। प्रथम स्थान विपक्ष में रूपाली दीक्षित (बी.कॉम. प्रथम वर्ष) रही और प्रथम स्थान प्रस्तुतीकरण (सर्वोत्तम प्रतिभागी) वन्दना सिंह (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) रहीं।

नवागन्तुक छात्राओं के स्वागत हेतु फ्रेशर्स एवम् फेयरवेल पार्टी का आयोजन दिनांक 10/11/22 को किया गया जिसमें प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत किया गया एवं अन्तिम वर्ष की छात्राओं को विदाई दी गई। फैशर्स पार्टी में मिस फैशर्स दिपांक्षी कटारिया एवं अनुष्का (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) मिस फेयरवेल जूबी सैफी (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) एवं रनर अप पूर्णिमा (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) रहीं। सभी छात्राओं ने आयोजन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

छात्राओं की कैरियर सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण हेतु कैरियर काऊंसलिंग सैशन का आयोजन किया गया। दिनांक 11/03/23 को आयोजित सैशन में सुंदरदीप कॉलेज से डॉ. अमित भारद्वाज ने रोजगार हेतु उपलब्ध विभिन्न आयामों के विषय में छात्राओं को बताया तथा उनकी समस्याओं का निराकरण किया एवं आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित गया।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए डिपार्टमेंटल सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने कौशल की कमियों को दूर करने का प्रयास किया। सभी छात्राओं का अवलोकन संकाय प्रभारी डॉ. अरविन्द कुमार यादव एवं समन्वयक डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा किया गया।

बाजार को सुचारू रूप से समझने एवं शिक्षा जगत में उसके अनुरूप बदलाव लाने के लिए छात्राओं से मार्केट सर्वे कराया गया, जिससे वह नए उद्यमियों के रूप में अपने आपको स्थापित कर सकें।

जंतु विज्ञान परिषद्

प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा
प्रभारी

महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में 2018 से स्नातक के साथ परास्नातक की कक्षायें चल रही हैं। विभाग द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनवरत प्रयास किये जाते हैं। विभाग के प्रवक्ताओं द्वारा एम.एस.सी. की छात्राओं को 20 जुलाई 2022 को आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज गाजियाबाद, शैक्षिक भ्रमण हेतु ले जाया गया। जहाँ छात्राओं ने चिकित्सा के क्षेत्र में नित प्रतिदिन हो रहे तकनीकी प्रयोगों के बारे में जानकारी प्राप्त की। 23 अगस्त 2022 को राजकीय डिग्री कॉलेज गजरौला की प्रवक्ता डॉ. रीना रस्तौगी द्वारा "डिजास्टर मैनेजमेंट" पर ज्ञानवर्धक विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। जिसका बी.एससी. एवं एम.एस.सी. की छात्राओं ने लाभ उठाया। 27 अगस्त 2022 को कुछ छात्राओं के अभिभावकों से विभागीय स्तर पर औपचारिक मीटिंग की गयी। 15 सितम्बर 2022 को छात्राओं को विभाग में निर्माणाधीन सीमेंटेड फिश टैंक का भ्रमण करवाया गया एवं "Preparation and maintennce of fish tank" विषय पर व्याख्यान असिस्टेंट प्रोफेसर नीतू सिंह द्वारा दिया गया। 16 सितम्बर 2022 को "विश्व ओजोन दिवस" का आयोजन विज्ञान संकाय के साथ सम्मिलित रूप से किया गया, जिसमें एम.एस. सी. की प्रगति, सृष्टि, साक्षी आदि ने इसके दुष्प्रभावों के बारे में पॉवर पॉइंट के माध्यम से विस्तारपूर्वक समझाया। 22 सितम्बर 2022 को बी.एससी. की नवागंतुक छात्राओं हेतु ओरिएंटेशन का आयोजन किया गया। 29 सितम्बर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. (डॉ.) यशेश्वर द्वारा बायोकेमिस्ट्री पर आधारित विस्तार व्याख्यान जंतु विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं हेतु आयोजित किया गया। 3 अक्टूबर 2022 को एम.एस.सी. बैच 2020 की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसके दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। कोमल को मिस फेयरवेल चुना गया। साथ ही शिवानी, डॉली, प्रिया, संचिता, ज्योति को भी टाइटल दिए गए। 2 नवंबर, 8 व 20 दिसंबर 2022 को बी.एससी. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने विषय से सम्बंधित विभिन्न शीर्षकों पर अपनी प्रस्तुति दी। एम.एस.सी. की छात्राओं के सेमीनार सत्रोपरांत आयोजित होते हैं। 23 नवंबर 2022 को बी.एससी. एवं एम. एस.सी. की छात्राओं की उपस्थिति में विभागीय परिषद् का गठन किया गया। एम.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा प्रगति को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुना गया, साथ ही अदिति, शैली, अनुष्का, तानिया, रितिका को अन्य पद प्राप्त हुए। विभागीय परिषद् के अंतर्गत बी.एससी. स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं एम.एस.सी. स्तर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उपर्युक्त दोनों प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को युवा महोत्सव के अवसर पर पुरस्कृत किया गया। 6 दिसंबर 2022 को एम.एस.सी. की नवागंतुक छात्राओं हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द शर्मा द्वारा की गयी। 22 दिसंबर 2022 को एम.एस.सी. बैच 2022-23 की नवप्रवेशित छात्राओं के स्वागत स्वरूप फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। समारोह में अक्षिता मलिक को मिस फ्रेशर चुना गया। 22-28 फरवरी 2023 महाविद्यालय में समस्त विज्ञान संकाय द्वारा 'विज्ञान सप्ताह' का आयोजन किया गया। जिसमें एम.एस.सी. जंतु विज्ञान की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व कई पुरस्कार अपने नाम किये। पुरुस्कारों का वितरण प्राचार्या प्रो. (डॉ.)

दिव्या नाथ जी की अध्यक्षता में विज्ञान सप्ताह के अंतिम दिन किया गया। विजयी छात्राओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य मैडल, प्रशस्ति पत्र के साथ दिए गए। 13-15 मार्च 2023 के दौरान एम.एस.सी. की छात्राओं द्वारा श्रमदान स्वरूप विभाग में निर्मित सीमेंटेड फिश टैंक की दीवारों पर विषयानुरूप पेंटिंग का कार्य किया। साक्षी, प्रगति, विनीता, आकांक्षा, अदिति, शैली, अनुष्का, अक्षिता, वैशाली, सलोनी, वैशाली आदि का कार्य सराहनीय रहा। 16 मार्च 2023 को बी.एससी. की छात्राओं हेतु प्रवक्ता श्रीमती नीतू सिंह द्वारा "Learning through online skill courses" विषय पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता की भूमिका जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी प्रो. (डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा जी) द्वारा निभायी गयी एवं छात्राओं को ऑनलाइन स्किल कोर्सेज के बारे में विस्तार से समझाया, साथ ही उनकी जिज्ञासाओं के भी समुचित उत्तर दिए। जंतु विज्ञान विभाग में एक सीमेंटेड फिश टैंक, जिसमें आवश्यकतानुसार उपकरण लगे हुए हैं, का निर्माण किया गया है। जिसका उद्घाटन माननीय प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी द्वारा 24 मार्च 2023 को किया गया। इस शुभावसर पर विशेष अतिथि एम.एम.एच. कॉलेज गाजियाबाद की जंतु विज्ञान प्रभारी प्रो. (डॉ.) बिनेश कुमारी ने उपस्थित छात्राओं के लिए इसे स्वर्णिम अवसर बताया, जिससे वो महा. में रहते हुए ही एक्वाकल्चर की बारीकियों को प्रेक्टिकली सीख सकती हैं। विभाग की पूर्व छात्रा सुम्बुल जेहरा ने इस वर्ष जंतु विज्ञान में न केवल नेट जे.आर. एफ. पास किया बल्कि प्रथम 120 में स्थान लेते हुए SPMF स्कॉलरशिप भी प्राप्त कर विभाग व महा. का नाम रोशन किया। महाविद्यालय का जंतु विज्ञान विभाग छात्राओं के भविष्य के निर्माण में लगातार प्रयासरत है।

रसायन विज्ञान परिषद्

डॉ. नेहा त्रिपाठी
प्रभारी

गत वर्ष की भाँति वर्ष 2022-23 में दिनांक 18-11-2022 को रसायन विज्ञान परिषद् का गठन किया गया। विभिन्न पदों पर चयनित छात्राओं का विवरण निम्नवत् है-

संरक्षिका	-	प्राचार्या		
उपसंरक्षिका	-	श्रीमती नेहा त्रिपाठी		
अध्यक्ष	-	बी.एससी. तृतीय	कुमारी नेहा	सुपुत्री श्री सुनील कुमार
उपाध्यक्ष	-	बी.एससी. द्वितीय	कुमारी गुंजन तोमर	सुपुत्री श्री शिव कुमार
सचिव	-	बी.एससी. प्रथम	कुमारी स्नेहा	सुपुत्री श्री कृष्ण कुमार
सहसचिव	-	बी.एससी. प्रथम	कुमारी दीपांशी	सुपुत्री श्री राम कुमार
कोषाध्यक्ष	-	बी.एससी. प्रथम	कुमारी स्वाती	सुपुत्री श्री सुमित कुमार

कक्षा प्रतिनिधि-

बी.एससी. तृतीय	कुमारी प्रियंका शर्मा	सुपुत्री श्री संजय कुमार शर्मा
बी.एससी. द्वितीय	कुमारी शिवानी	सुपुत्री श्री जगदीश
बी.एससी. प्रथम	कुमारी अनुष्का नागर	सुपुत्री श्री विजय सिंह नागर (बायो.)
	कुमारी नैन्सी चौहान	सुपुत्री श्री राजेश कुमार

रसायन विज्ञान परिषद के अन्तर्गत दिनांक 27-01-2023 को आशु भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका परिणाम निम्न है-

प्रथम	बी.एससी. तृतीय (गणित)	कुमारी दीपांशी शर्मा	सुपुत्री श्री आशीष कुमार
द्वितीय	बी.एससी. तृतीय (गणित)	कुमारी साक्षी	सुपुत्री श्री सतवीर सिंह
तृतीय	बी.एससी. (बायो)	कुमारी साक्षी शर्मा	सुपुत्री श्री अनिल कुमार शर्मा

प्रतियोगिता में उपर्युक्त सभी विजयी छात्राओं को 21/2/2023 को पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार व सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

युवा महोत्सव 'आरोही'

Glimpses of "SILVER JUBILEE" Celel

Km. Mayawati Govt. Girls PG
College Badalpur, GB Nagar
21-February-2023
Extempo
Speec

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर
'आरोही'
युवा महोत्सव

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर
'आरोही'
युवा महोत्सव

महिला प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय पर्व एवं कवि सम्मेलन

विज्ञान उत्सव

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर
विज्ञान दिवस–2023

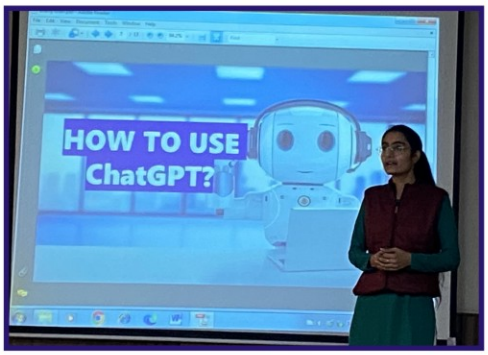
HOW TO USE
ChatGPT?

अभिलेख कक्ष

वार्षिक क्रीड़ा समारोह

राष्ट्रीय सेमीनार

On the Occasion of Silver Jubil
NAAC, Bengalu
Sponsored
National Confer

NAAC, Bengaluru Sponsored
National Conference

Govt. Girls P.G. College

KM. MAYAWATI GOVT. GIRLS P.G.COLLEGE

रजत जयंती समारोह

वार्षिकोत्सव समारोह 'उमंग'

गणित परिषद्

डॉ. अनुपम स्वामी
प्रभारी

गत वर्षों की भाँति वर्ष 2022-23 में दिनांक 18/11/2022 को गणित विभाग की विभागीय परिषद का गठन किया गया। परिषद के विभिन्न पदों पर जिन छात्राओं का चयन किया गया उनका विवरण निम्नवत् है-

संरक्षक	-	प्राचार्या		
उपसंरक्षक	-	डॉ. अनुपम स्वामी		
अध्यक्ष	-	बी.एससी. तृतीय	दीपांशी	सुपुत्री श्री आशीष शर्मा
उपाध्यक्ष	-	बी.एससी. द्वितीय	पायल शर्मा	सुपुत्री श्री ओम प्रकाश शर्मा
सचिव	-	बी.एससी. प्रथम	खुशी शर्मा	सुपुत्री श्री उदयवीर शर्मा
सहसचिव	-	बी.एससी. प्रथम	श्रेया शर्मा	सुपुत्री श्री उमेश चन्द्र
कोषाध्यक्ष	-	बी.एससी. प्रथम	रिया समानिया	सुपुत्री श्री सन्त राज

कक्षा प्रतिनिधि

बी.एससी. तृतीय	आँचल	सुपुत्री श्री विजेन्द्र सिंह
बी.एससी. द्वितीय	अंजली सागर	सागर श्री सोदान सागर
बी.एससी. प्रथम	कनिष्का सिसौदिया	श्री सन्त प्रकाश सिसौदिया

गणित विभाग के अन्तर्गत दिनांक 27-01-23 को "लेख प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। जिसका परिणाम निम्नवत् है।

प्रथम	-	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	प्रिया	सुपुत्री श्री तारा चन्द्र
द्वितीय	-	बी.एससी. तृतीय वर्ष	दीपांशी शर्मा	सपुत्री श्री आशीष शर्मा
तृतीय	-	बी.एससी. तृतीय वर्ष	आँचल	सुपुत्री श्री विजेन्द्र सिंह

उपरोक्त विजेता छात्राओं को दिनांक 21/02/23 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

भौतिक विज्ञान परिषद्

डॉ. ऋचा
प्रभारी

गत वर्षों की भाँति वर्ष 2022-23 में दिनांक 18/11/2022 को भौतिक विज्ञान परिषद् का गठन किया गया। परिषद के विभिन्न पदों पर जिन छात्राओं का चयन किया गया उनका विवरण निम्नवत् है-

संरक्षिका	-	प्राचार्या		
उपसंरक्षक	-	डॉ. ऋचा		
अध्यक्ष	-	बी.एससी. तृतीय	अर्पणा	सुपुत्री श्री शिव बच्चन
उपाध्यक्ष	-	बी.एससी. द्वितीय	प्रियांशी	सुपुत्री श्री भुवनेश्वर कुमार
सचिव	-	बी.एससी. प्रथम	यशिका गोयल	सुपुत्री श्री योगेश कुमार गोयल
सहसचिव	-	बी.एससी. द्वितीय	महिमा	सुपुत्री श्री प्रदीप कुमार
कोषाध्यक्ष	-	बी.एससी. प्रथम	वंशिका	सुपुत्री श्री जितेन्द्र सिंह

कक्षा प्रतिनिधि–

बी.एससी. तृतीय वर्ष	तनु	सुपुत्री श्री राजपाल
बी.एससी. द्वितीय वर्ष	पूजा	सुपुत्री श्री प्रमोद
बी.एससी. प्रथम वर्ष	सिमरन	सुपुत्री श्री हरिओम

भौतिक विज्ञान परिषद के अन्तर्गत एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20/01/2023 को किया गया जिसका परिणाम निम्न रहा–

प्रथम	बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर	(गणित)	तान्या	सुपुत्री श्री विनोद
द्वितीय	बी.एससी. तृतीय वर्ष	(गणित)	नेहा सेनी	सुपुत्री श्री सुनील कुमार
तृतीय	बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर	(बायो.)	आकांक्षा	सुपुत्री श्री राज सिंह

उपरोक्त विजेता छात्राओं को दिनांक 21/2/2023 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

वनस्पति विज्ञान परिषद्

डॉ. प्रतिभा तोमर
प्रभारी

छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्येत्तर गतिविधियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में विभागीय स्तर पर परिषदों को गठित किया जाता है। गत वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी विभागीय परिषद का गठन किया गया। वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद की संरचना निम्न प्रकार है–

संरक्षिका	–	प्राचार्या	
उपसंरक्षिका	–	डॉ. प्रतिभा तोमर	
अध्यक्ष	–	भूमिका मोरल	
उपाध्यक्ष	–	साक्षी शर्मा	पुत्री श्री कृष्ण शर्मा
सचिव	–	पायल	पुत्री श्री राजेन्द्र सिंह
सह–सचिव	–	अंजु कुमारी	पुत्री श्री विनोद कुमार
कोषाध्यक्ष	–	ईशु शर्मा	पुत्री श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा
कक्षा प्रतिनिधि–			
बी.एससी. तृतीय वर्ष	–	साक्षी गोयल	
बी.एससी. द्वितीय वर्ष	–	ज्योति	पुत्री श्री राजकुमार
बी.एससी. प्रथम वर्ष	–	चारू पाल	पुत्री श्री हरीश कुमार

वनस्पति विज्ञान विभागीय परिषद के तत्वावधान में दिनांक 21/01/23 को एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक था "विकास कितना जरूरी, कितना हानिकारक"। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत है–

प्रथम स्थान	–	साक्षी शर्मा	पुत्री श्री अनिल कुमार शर्मा	बी.एससी. तृतीय वर्ष
द्वितीय स्थान	–	दीपांशी	पुत्री श्री आशीष शर्मा	बी.एससी. तृतीय वर्ष
तृतीय स्थान	–	साक्षी गोयल	पुत्री श्री विजेन्द्र कुमार गोयल	बी.एससी. तृतीय वर्ष

बी. वॉक. परिषद्

प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा
नोडल ऑफिसर

डॉ. आजाद आलम सिद्दीकी
प्रभारी

1. फरवरी माह में बी.वॉक. विभाग ने साइंस विभाग के साथ 7 दिवसीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया जिसमें महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

2. व्यावसायिक अध्ययन विभाग, कुमारी मायावती राजकीय महिला पीजी कॉलेज ने 15 मार्च 2023 से 18 मार्च 2023 से 18 मार्च 2023 तक देहरादून मसूरी और ऋषिकेश की शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया और बी.वॉक (MMDT & ATHM) की छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ यात्रा में भाग लिया।
3. बी.वॉक (ATHM) प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं ने 2 अप्रैल 2022 को सूर्या पैलेस वड़ोदरा, गौर सरोवर पोर्टिको होटल गौर सिटी, महागुन सरोवर पोर्टिको वैशाली को 3 महीने की ट्रेनिंग के लिए ज्वाइन किया है जिसमें छात्रओं के प्रति माह 6000/3000 रुपये इंसेंटिव भी होटल द्वारा दी जा रही है।
4. बी.वॉक (MMDT) 6th सेमेस्टर की छात्राएं मेडिकल की ट्रेनिंग के लिए Redcliff lab, Neuberg diagnostic lab, MMG Hospital Ghaziabad और Govt Multispecialty Hospital Sanjay Nagar Ghaziabad को 6 माह के लिए ज्वाइन किया है।
5. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के 34 दीक्षांत समारोह में B.Voc (MMDT) की छात्रा आंचल नागर और B.Voc. (ATHM) की छात्रा शिवानी राघव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)

डॉ. विनीता सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीय योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं में समुदाय एवं समाज के प्रति कर्तव्य एवं सेवा की भावना का विकास करना एवं उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में 24 सितंबर 1969 में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना का मोटो है "Not me, but you" और इसी अर्थ को चरितार्थ करते हुए युवाओं एवं छात्राओं में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों के द्वारा देश एवं समाज के प्रति समर्पण के भाव को जाग्रत करने का प्रयास किया जाता है, जिससे देश एवं समाज कल्याण हो सके। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में दूसरे के हितों को सर्वोपरि रखना एवं सामाजिक चेतना का विकास करना है। वर्ष भर राष्ट्रीय सेवा योजना में नियमित एवं विशेष शिविर की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 2 इकाईयां संचालित हैं। दोनों इकाईयों में स्वयं सेवी छात्राओं को सामुदायिक सेवा के लिए प्रत्येक वर्ष 120 और दो वर्षों में 240 घंटे कार्य करना होता है एवं प्रत्येक वर्ष एक विशेष शिविर में सहभागिता करनी होती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई की स्वयंसेवी छात्राओं ने 120 घंटे के सामुदायिक कार्य के अंतर्गत विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम, गतिविधियां, जनजागरुकता कार्यक्रम इत्यादि में सक्रिय भूमिका निभाई। सभी स्वयंसेवी छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, वृक्षारोपण, स्वच्छता जी-20, टीकाकरण का महत्व, प्रौढ़ शिक्षा, महिला शिक्षा, महिला आत्मनिर्भरता इत्यादि विषयों के द्वारा जागरुकता कार्यक्रम के द्वारा समाज सेवा का प्रयास किया। इन सभी कार्यक्रमों, एक दिवसीय एवं विशेष शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवी छात्राओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता, सेवा एवं समर्पण भाव, कौशल विकास को विकसित करने का प्रयास किया गया जिससे कि वह भविष्य में समाज के प्रति सेवा भाव के साथ कार्य कर सके।

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई द्वारा सत्र 2022-23 में 04 एक दिवसीय शिविर एवं एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त संपूर्ण सत्र में सामाजिक सेवा, जागरुकता से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर विनीता सिंह एवं समिति के सभी सदस्यों के द्वारा समय-समय पर किया गया। इन कार्यक्रमों के द्वारा महाविद्यालय में, आस-पास के क्षेत्र एवं अधिकृत गाँव में विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित करने के साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरुकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को जागरुक किया।

अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग 3 लखनऊ के पत्र संख्या 1550/सत्तरा-3-2020, दिनांक

10 जून 2022 के अनुपालन में 'अमृत योग सप्ताह' 14 जून 2022 से 20 जून 2022 तक अत्यंत उत्साहपूर्वक मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में प्रतिदिन महाविद्यालय में योगा सत्र आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने योगाभ्यास किया, इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने जागरुकता अभियान के अंतर्गत आसपास के समस्त क्षेत्रों में लोगों को योग करने के लिए जागरुक किया और योग का प्रदर्शन करते हुए उन्हें योग के प्रति सजग किया। ऑनलाइन माध्यम से भी योग कराते हुए छात्राओं को स्वस्थ रहने हेतु योग का महत्व समझाया। इसके अतिरिक्त समस्त योग के महत्व को जन-जन में प्रचारित करने के लिए सोशल मीडिया एवं रैली के माध्यम से जागरुक किया। 'अमृत योग सप्ताह' के अंतिम दिवस 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय प्रांगण में योगाभ्यास किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी इकाई 1 डॉक्टर विनीता सिंह, एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य डॉ. विजेता गौतम के अतिरिक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापक एवं कर्मचारी गण, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. जीत सिंह, डॉक्टर हरेंद्र कुमार, डॉ. अरविंद कुमार यादव, शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार एवं डॉक्टर सत्यन्त कुमार, राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी, डॉ. ऋचा, डॉ. माधुरी पाल कार्यालय लिपिक माधव श्याम केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में इकाई की स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण से आरंभ कर ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर में तिरंगा रैली निकाली। तिरंगा रैली का प्रारंभ महाविद्यालय प्रांगण से किया गया जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक, समस्त स्वयंसेवी छात्राएं तथा महाविद्यालय की अन्य छात्राएं सम्मिलित हुईं। स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा से विभूषित स्वयंसेवी छात्राओं ने हाथ में तिरंगा झंडा लेकर समस्त ग्राम वासियों को आजादी के अमृत महोत्सव से अवगत कराया एवं सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रति जागरुक करते हुए सभी को अपने-अपने घरों पर ध्वजारोहण के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने ग्राम में जाकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी सभी ग्राम वासियों को स्वतंत्रता संग्राम आजादी के 75 वर्ष एवं भारत के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देने वाले सेनानियों के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। सभी छात्राओं ने अपने-अपने घरों पर भी तिरंगा झंडा फहराया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण कविताएं गीत आदि की मनोरम प्रस्तुति दी। कतिपय छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण गीतों पर मनमोहक नृत्य करते हुए संपूर्ण वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉक्टर विजेता गौतम, डॉक्टर कनकलता का उल्लेखनीय योगदान रहा।

दिनांक 24 सितंबर 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का धूमधाम से आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर 1969 को की गई थी। इसी क्रम में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस 24 सितंबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी इकाई-1 डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण के प्रति उनके उत्तरदायित्व के प्रति सजग करते हुए महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे। तत्पश्चात् राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, लक्ष्य आदि की जानकारी प्रदान करने के लिए व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा विस्तृत रूप से छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के ध्येय वाक्य, उद्देश्य और लक्ष्यों से सुपरिचित कराया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्येय वाक्य है- Not me, but You अर्थात् मैं नहीं तुम। राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं से पहले दूसरे के कल्याण की भावना सिखाता है। डॉ. विनीता सिंह ने स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात् डॉ.

नीलम शर्मा ने छात्राओं को सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हुए उनके नागरिक एवं सामाजिक कर्तव्यों के विषय में अवगत कराया तथा छात्राओं में होने वाले नेतृत्व गुणों के विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. शिल्पी, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सदस्य डॉ. विजेता गौतम, डॉ. कनकलता एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

28 सितंबर 2022 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के द्वारा ग्राम बादलपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें समिति के सदस्यों, स्वयंसेवी छात्राओं एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा बादलपुर गांव में अलग-अलग जगह पर वृक्षारोपण कार्य किया गया। दिनांक 2 अक्टूबर 2022 को गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत एवं पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को चरितार्थ करने हेतु महाविद्यालय के अंदर पौधारोपण किया गया एवं महाविद्यालय प्रांगण एवं बाहर भी स्वयंसेवी छात्राओं के द्वारा साफ सफाई का कार्य किया गया। साथ ही स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करने का प्रयास किया गया।

दिनांक 1 दिसंबर 2022 को महाविद्यालय में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'नमो गंगे ट्रस्ट' के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी द्वारा की गयी। सर्वप्रथम डॉ. शिवांगी जायसवाल ने एड्स के विषय में जानकारी दी। उन्होंने एड्स से बचने के लिए प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने हेतु आयुर्वेद एवं योगाभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मौसमी फल एवं सब्जियां के सेवन पर विशेष जोर दिया। डॉ. मोहिनी कांडवाल ने नमो गंगे के उद्घोष के साथ छात्राओं में ऊर्जा का संचार कर इस शब्द के दार्शनिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराया। तत्पश्चात् महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने अपना नाड़ी परीक्षण करा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के निदान हेतु परामर्श प्राप्त कर नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाया। डॉ. मोहिनी कांडवाल एवं डॉ. शिवानी जायसवाल ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं का पृथक-पृथक नाड़ी परीक्षण कर उनकी प्रकृति एवं संबंधित रोगों, आयुर्वेदिक उपायों एवं योग के बारे में समझाया। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय प्रांगण से ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर तक एक जागरुकता रैली भी निकाली गई। साथ ही कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में एड्स कारण एवं रोकथाम विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजयी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में पुरस्कृत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, डॉ. सत्यंत कुमार एवं लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. मिंतु का विशेष योगदान रहा। संपूर्ण शिविर का सफल संचालन महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में किया गया। इसमें महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के समस्त सदस्यों डॉ. मिन्तु, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. सीमा देवी, डॉ. नीलम यादव, डॉ. कविता वर्मा, डॉ. मणि अरोड़ा का योगदान रहा एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं की अत्यधिक संख्या में उपस्थिति सराहनीय रही।

दिनांक 21 जनवरी 2023 को 'रन फॉर जी-20' का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों की समस्त स्वयं सेवी छात्राओं ने महाविद्यालय से ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर में जाकर लोगों को जी-20 विषय पर विस्तृत जानकारी दी एवं भारत में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से उन्हें समझाया। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 24 एवं 25 फरवरी 2023 को विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थल, सरकारी योजनाओं, संगीत, चित्रकला इत्यादि विषयों पर छात्र छात्राओं को जानकारी दी गई।

दिनांक 27 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई द्वारा महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत प्रथम सत्र में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मिंतु एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी ने स्वयंसेवी

छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति जागरुक किया। तत्पश्चात् छात्राओं ने डॉ. विनीता सिंह कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस यूनिट 1 के निर्देशन में अधिग्रहित ग्राम सादोंपुर में जाकर स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही वहां से लौटने के पश्चात अल्प समय के लिए उन्होंने महाविद्यालय प्रांगण की साफ सफाई की। इसके पश्चात छात्राओं को सूक्ष्म जलपान कराया गया। द्वितीय सत्र में प्रोफेसर (डॉ.) रश्मि कुमारी, विभाग अध्यक्ष, हिंदी विभाग द्वारा छात्राओं को विद्यार्थी जीवन के महत्व को समझाते हुए उसमें अनुशासन एवं पूर्ण लगन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा छात्राओं को विज्ञान के महत्व को समझाते हुए उनमें जिज्ञासा जागरुकता एवं प्रश्न करने की क्षमता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया। डॉ. प्रतिभा तोमर ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को अपने आसपास साफ सफाई एवं स्वच्छता का ध्यान रखने एवं सभी को स्वच्छता हेतु जागरुक करने के लिए प्रेरित किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस एक दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई के समस्त सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. कनक लता उपस्थित रहे।

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में शासनादेश संख्या 43/सत्तर-3-2020 08-(14)-2018 दिनांक 5 जनवरी 2023 के अनुपालन में 5 जनवरी 2023 से 4 फरवरी 2023 तक मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में डॉ. विनीता सिंह कार्यक्रम अधिकारी इकाई 1 के निर्देशन में सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी एवं जागरुकता हेतु 7 जनवरी 2023 को पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था यातायात नियमों की जानकारी एवं सड़क सुरक्षा। इसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ में प्रतिभाग किया। 10 जनवरी 2023 को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने अत्यंत सुंदर प्रस्तुति देते हुए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के विषय में बताया एवं यातायात के नियम स्वयं की सुरक्षा एवं सरकार के प्रयास आदि से अवगत कराया। 11 जनवरी 2023 सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना समिति प्रथम इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के नेतृत्व में समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने सड़क सुरक्षा रैली निकाली। रैली का प्रारंभ महाविद्यालय प्रांगण से किया गया। छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करते हुए ग्राम बादलपुर से नेशनल हाईवे 91 ग्राम एवं सादोंपुर तक रैली निकाली। छात्राओं ने ग्राम वासियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों के बारे में बताया एवं सड़क पर होने वाली दुर्घटना से सावधान करते हुए लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरुक किया। छात्राओं ने समस्त ग्राम वासियों को परिवहन संबंधी नियमों के बारे में भी पूर्ण जानकारी दी। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी इकाई 1 डॉ. विनीता सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार डॉ. दीप्ति वाजपेयी एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं सदस्य डॉ. मिंतु, डॉक्टर सीमा देवी डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. नीलम यादव, एवं डॉ. कनकलता यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सड़क सुरक्षा रैली में रोड़ सेफ्टी क्लब के समस्त सदस्य के साथ महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

14 जनवरी 2023 को महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने निबंध के माध्यम से सड़क सुरक्षा से संबंधित अपनी जानकारी नियम आदि को लेखनीबद्ध किया एवं उपर्युक्त विषय पर ही छात्राओं ने अपने विचारों को बड़े ही उत्साह पूर्वक ओजपूर्ण वाणी में भाषण के माध्यम से अभिव्यक्ति दी।

30 जनवरी 2023 को पुनः पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने अत्यंत ही सुंदर रंगों एवं भावों के माध्यम से पोस्टर पर सड़क पर यातायात के चिह्नों आदि को उकेरा। निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय की पूर्व में प्रतिभाग कर चुकी छात्राओं के अतिरिक्त अन्य छात्राओं ने प्रतिभाग किया और अपने विचारों और भावों को लेखनीबद्ध किया।

31 जनवरी 2023 को रोड सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।

जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के संरक्षण में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, प्रभारी डॉ. मीनाक्षी लोहनी एवं रोवर रेंजर समिति के समस्त सदस्य तथा स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा जागरुकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने यातायात के नियमों का पालन करने, सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए स्थानीय लोगों को जागरुक किया एवं सड़क पर वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट पहनने के महत्व को बताया। जागरुकता अभियान के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह द्वारा छात्राओं के साथ यातायात से सम्बन्धित नियमों के सम्बंध में जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं रेंजर समिति के सभी सदस्य डॉ. भावना यादव, डॉ ऋचा, राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सदस्य डॉ. मिंतु, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. नीलम यादव, डॉ. कनकलता यादव एवं डॉ. सीमा देवी महाविद्यालय सड़क सुरक्षा समिति समन्वयक डॉ. आशा रानी, डॉ. अपेक्षा तिवारी, डॉ. बबली अरुण डॉ. नीलम यादव, डॉ. अनुपम स्वामी, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. शिखा रानी आदि उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं स्थानीय लोगों को एवं आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों को नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया। छात्राओं ने वचन दिया की इस जानकारी को अपने परिवार को साझा करेंगी। साथ ही रोड सेफ्टी क्लब के समस्त पदाधिकारियों एवं छात्र प्रतिनिधियों सहित समस्त सदस्यों को सड़क सुरक्षा संबंधी शपथ भी दिलाई गई।

दिनांक 4 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। जिसमें प्रथम सत्र में छात्राओं ने महाविद्यालय से जनजागरुकता रैली निकाली। इसके उपरांत डॉक्टर विजेता गौतम डॉक्टर नीलम यादव डॉक्टर कनक लता एवं डॉक्टर मिंतु ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों यातायात के नियमों एवं छात्राओं को सरकार के द्वारा किए जा रहे हैं सड़क सुरक्षा संबंधी प्रयासों से अवगत कराया। तत्पश्चात् छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ही सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के प्रति सभी छात्राओं को जागरुक किया। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। प्राचार्या ने एक दिवसीय शिविर में उपस्थित होकर छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में अनुशासन के साथ सभी गतिविधियों को करने एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों को पालन करने के लिए सचेत किया।

दिनांक 10 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई द्वारा तीसरे एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत प्रथम सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं ने सादोंपुर एवं बादलपुर गांव में जाकर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक किया एवं सामुदायिक केंद्रों पर सफाई का कार्य किया। इसके उपरांत दिनांक 11 जनवरी 2023 से प्रारंभ होने वाले सात दिवसीय विशेष शिविर की तैयारी के विषय में चर्चा की गई। सात दिवसीय शिविर हेतु 100 स्वयंसेवी छात्राओं में से 50 छात्राओं का चयन किया गया एवं उनकी टीम बनाकर कार्यों का विभाजन किया गया। छात्राओं से सात दिवसीय शिविर के महत्व के बारे में एवं होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय इतिहास विभाग की प्रोफेसर (डॉक्टर) आशा रानी एवं डॉक्टर निधि रायजादा द्वारा विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्व एवं समुदाय के प्रति युवाओं के कर्तव्य विषय पर व्याख्यान दिया गया। बादलपुर थाने से उपस्थित पुलिस अधिकारी के द्वारा महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा के बारे में छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के सदस्य डॉक्टर मणि अरोड़ा के द्वारा छात्राओं में आत्मनिर्भर एवं सामाजिक उत्थान में महिलाओं द्वारा आर्थिक सहयोग विषय पर छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया गया।

दिनांक 11 फरवरी 17 फरवरी 2023 तक आयोजित होने वाले सात दिवसीय विशेष शिविर में प्रथम इकाई के द्वारा अधिग्रहित ग्राम सादोंपुर है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान बादलपुर श्रीमती महेशवती जी ने रिबन काटकर एवं महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर दिव्या नाथ के साथ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत कार्यक्रम का संचालन प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ नीलम शर्मा द्वारा किया गया। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने स्वागत उद्बोधन में शिविरार्थियों को समुदाय सेवा एवं राष्ट्रीय सेवा के महत्व को समझाते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े रहने का महत्व भी बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के संकल्प-'मैं नहीं तुम' की भावना के साथ शिविर के सभी दिवसों में कार्य करने के लिए प्रेरित किया एवं स्वयं से ज्यादा समाज कल्याण की भावना से छात्राओं को परिचित कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों इकाईयों के कार्यक्रम

अधिकारी डॉक्टर विनीता सिंह एवं डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राएं शिविर के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगी। उन्होंने शिविर के सफल संचालन हेतु छात्रों को शुभकामनाएं दी। प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनीता सिंह द्वारा शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान बादलपुर श्री महेशवती जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य का विषय है कि छात्राएं इस महाविद्यालय में हैं। आप सभी महिला शक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर आयोजित होने वाले "अस्मिता-स्वावलंबन मेले" के पोस्टर का भी विमोचन मुख्य अतिथि एवं प्राचार्या महोदया के द्वारा किया गया। शिविर के द्वितीय सत्र में डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा दोनों इकाईयों को सामूहिक रूप से स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया गया इसके अतिरिक्त डॉक्टर मीनाक्षी लोहानी एवं डॉक्टर नेहा त्रिपाठी द्वारा समस्त छात्राओं को शिविर के लक्ष्य एवं उद्देश्य से परिचित कराते हुए विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। तृतीय सत्र में दोनों इकाईयों ने अपने-अपने अधिग्रहित ग्रामों का सर्वेक्षण कर गांव की समस्याओं की जानकारी एकत्रित की। संपूर्ण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. कनकलता, एवं महाविद्यालय के अन्य शिक्षक सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर में ग्राम सादोंपुर में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा स्वच्छता साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग रोकने, सड़क सुरक्षा अभियान, मतदाता जागरुकता इत्यादि विषयों पर जागरुकता कार्यक्रम किए गए एवं स्वयं श्रमदान द्वारा दोनों अधिग्रहित ग्रामों को आदर्श बनाने का प्रयास किया गया।

दिनांक 12 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों द्वारा संचालित सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिन प्रथम सत्र में प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के नेतृत्व में ग्राम सादोंपुर में सड़क सुरक्षा रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामवासियों को यातायात के नियम, संकेत एवं हेलमेट, सीट बेल्ट आदि पहनने के प्रति जागरुक किया गया। इकाई की स्वयंसेवी छात्राओं के द्वारा ग्राम स्वच्छ मन स्वच्छ के संकल्प से अपने-अपने अधिग्रहित ग्राम सादोंपुर के सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई का कार्यक्रम किया गया जिसमें ग्रामीण निवासियों को स्वच्छता के लिए जागरुक किया गया एवं घर में सूखा कूड़ा और गीला कूड़ा अलग-अलग रखने के महत्व को बताया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक कार्यक्रम के अंतर्गत महिला उप निरीक्षक शिवानी मिश्रा, थाना बादलपुर ने छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान दिया एवं स्वयंसेवी छात्राओं के साथ उनकी समस्याओं से संबंधित चर्चा की। उनके साथ बादलपुर थाने से कॉन्स्टेबल अर्चना एवं वन्दना ने भी छात्राओं को महिला सहायता एवं सुरक्षा हेतु सरकारी हेल्पलाइन नंबर 1090 एवं 181 के विषय में बताया। उन्होंने छात्राओं की समस्त जिज्ञासाओं का शमन किया और उन्हें निर्भीक होकर रहने के लिए और अन्य लोगों को भी मिशन शक्ति के प्रति जागरुक करने का आह्वान किया। तत्पश्चात् लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी यूपी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने छात्राओं को जलवायु परिवर्तन के कारण आदि से परिचित कराते हुए प्राकृतिक आपदाओं के कारण एवं उनसे बचाव के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं में सर्वांगीण विकास के अंतर्गत प्रथम इकाई में तख्ती एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन दिनांक 13 फरवरी 2023 को प्रथम सत्र में लायंस क्लब के सौजन्य से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं को डॉक्टर के साथ साझा किया एवं सभी छात्राओं की लंबाई एवं वजन का भी परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामवासी भी सम्मिलित हुए। सभी ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित डॉक्टर के साथ साझा किया। इस कैंप में ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, बीपी टेस्ट एवं टानीटा मशीन द्वारा परीक्षण किया गया। इसके साथ ही लायंस क्लब की श्रीमती नर्गिस के द्वारा "नो यूज टू प्लास्टिक" विषय पर व्याख्यान दिया गया जिसमें प्लास्टिक का प्रयोग न करने की सलाह दी गई एवं पर्यावरण के लिए प्लास्टिक से होने वाले संकट के बारे में भी बताया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के पश्चात शिविरार्थी द्वारा ग्राम सादोंपुर के बारे में विस्तार से पोस्टर एवं चर्चा के द्वारा बताया गया एवं भारत में होने वाले इस आयोजन के बारे में जानकारी दी गई। दूसरे सत्र में महाविद्यालय के शिक्षा संकाय के प्राध्यापकों द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन विषय पर सामूहिक चर्चा की गई एवं शिविरार्थियों को भारत

में आयोजित होने वाले जी-20 विषय के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही शिविरार्थियों के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के महत्व पर जागरुकता कार्यक्रम किया गया है जिसमें छात्राओं ने गाँव में जाकर महिलाओं के स्वास्थ्य लाभ से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में उन्हें जानकारी दी। तृतीय सत्र में लोक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 14 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संचालित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन प्रथम सत्र में प्रथम इकाई में श्री धीरज कुमार के द्वारा योग शिविर का अलग अलग आयोजन सादोंपुर में किया गया। इस शिविर में छात्राओं को उनके स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न जानकारियां दी एवं विभिन्न मानसिक विकारों एवं उनको दूर करने के उपायों के बारे में भी चर्चा। इसके पश्चात छात्राओं को विभिन्न आसनों एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में भी विस्तार से समझाया। इसके उपरांत प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह के नेतृत्व में ग्राम सादोंपुर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया जिसमें मंदिर एवं सड़कों पर साफ सफाई का कार्य छात्राओं के द्वारा किया गया तथा ग्राम वासियों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए अपने ग्राम असर विधायक को साफ रखने की अपील की। द्वितीय सत्र में प्रथम इकाई में डॉक्टर रूपेश कुमार संयाजक संकल्प फाउंडेशन, श्री भूपेंद्र उपप्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय सादोंपुर एवं प्रधानाचार्या प्राथमिक विद्यालय सादोंपुर के द्वारा छात्राओं को अनुशासन एवं संविधान में दिए गए कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में और विस्तृत जानकारी एवं चर्चा की। गृह विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयंसेवी छात्राओं के कौशल विकास हेतु खाद्य एवं संरक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न तरह के अचार बनाने के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही स्वयंसेवी छात्राओं ने स्वास्थ्य एवं पोषण के महत्व पर ग्राम बादलपुर एवं ग्राम सादोंपुर में जागरुकता कार्यक्रम चलाया। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं में सर्वांगीण विकास के अंतर्गत प्रथम इकाई में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शेष शिविर के पांचवें दिन दिनांक 15 फरवरी 2023 को शाखा प्रबंधक केनरा बैंक द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयं सेवी छात्राओं के लिए बचत एवं निवेश पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्री नीरज कुमार ने बैंक द्वारा दी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। साथ ही शिक्षा ऋण के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी जिससे छात्राओं को भविष्य में इससे लाभ प्राप्त हो सके। दूसरे सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के द्वारा पौधारोपण किया गया एवं प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं में मास्क वितरित किए गए। अपने उद्बोधन के द्वारा प्राचार्य महोदय ने शिविर में उपस्थित सभी छात्राओं के मनोबल को बढ़ाया एवं उनके द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की प्रशंसा की एवं आगे के कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) दिनेशचंद्र शर्मा एवं प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया एवं उनके द्वारा शिविर में किए गए कार्यों की प्रशंसा की। इसी सत्र में श्रीमती हेमलता वर्मा एयर होस्टेस एयर इंडिया द्वारा एयरलाइंस के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में शिविरार्थियों को अवगत कराया साथ ही इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता के बारे में भी विस्तृत जानकारी शिविरार्थियों को दी। इसके उपरांत छात्राओं की जिज्ञासा एवं प्रश्नों का भी सहजता से उत्तर दिया। तृतीय सत्र में प्रथम इकाई में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. विनीता सिंह के निर्देशन में अनुपयोगी वस्तु से उपयोगी वस्तु बनाना प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सभी कार्यक्रमों में समिति के सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. कनकलता का सराहनीय सहयोग रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन दिनांक 24 फरवरी 2022 को प्रथम सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर विनीता सिंह के नेतृत्व में इकाई की स्वयं सेवी छात्राओं द्वारा प्रौढ़ शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए ग्राम सादोंपुर में प्रौढ़ शिक्षा अभियान का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने घर-घर जाकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरुक किया एवं शिक्षा से होने वाले लाभ के बारे में उन्हें अवगत कराया। साथ ही यह भी बताया कि शिक्षा प्राप्त करने कि कोई आयु नहीं होती। शिक्षा के प्रति व्यक्ति का ही दृढ़संकल्पता एवं जिज्ञासा महत्वपूर्ण होती है इन विषयों के बारे में ग्रामवासियों को जागरुक किया। दूसरे सत्र में महाविद्यालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के द्वारा भरत की सांस्कृतिक विरासत पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक, कलात्मक एवं साहित्यिक विषय पर छात्राओं के साथ समूह चर्चा का आयोजन किया गया। भारत की

सांस्कृतिक विविधता एवं सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह, डॉक्टर संजीव कुमार, श्रीमती जूही बिरला, श्रीमती नीतू सिंह, डॉक्टर अपेक्षा तिवारी एवं श्रीमती नीलम यादव द्वारा शिविर की छात्राओं को विभिन्न सम सामयिक मुद्दों पर ज्ञानवर्धन किया गया एवं समुदाय के प्रति कर्तव्यों के महत्व के बारे में उन्हें समझाया। तृतीय सत्र में सम सामयिक विषय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन अस्मिता स्वावलंबन मेले के साथ अत्यंत धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं एवं ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर की ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं रोजगार के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थ, खेल, हस्तशिल्प आदि के विभिन्न स्टॉल लगाए गए। मेले में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक तथा आसपास के ग्राम वासियों ने भी अपने परिवार जन के साथ मेले का आनंद उठाया। शिविर के समापन पर विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉक्टर मिंतु, ग्राम सादोंपुर के प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं दोनों इकाईयों के समस्त सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. सीमा देवी, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. नीलम यादव, डॉ. कनक लता एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

दिनांक 24 मार्च 2023 को 'विश्व क्षय रोग दिवस' पर ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बादलपुर से क्षय रोगियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर उनसे संपर्क करके इस बीमारी से संबंधित सावधानियां एवं पोषण के बारे में उन्हें जागरुक किया गया। महाविद्यालय स्तर से पोषण पोटली की व्यवस्था कर क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा गाँव में जाकर ग्रामवासियों को क्षय रोग के बारे में एवं उसके उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे अगर उनके घर या गाँव में किसी व्यक्ति को क्षय रोग होता है तो उसके उपचार और सावधानियों के बारे में वह उन्हें बता सके एवं जागरुक कर सके।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय, सात दिवसीय विशेष शिविर एवं अन्य कार्यक्रमों का संचालन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सत्र 2022-23 के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, रैलियों में राष्ट्रीय सेवा योजना के परामर्श समिति पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी, श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं समिति सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. विजेता गौतम, डॉक्टर मणि अरोड़ा एवं डॉक्टर कनकलता का विशेष सहयोग मिला जिससे समस्त कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को पूरा किया जा सका।

राष्ट्रीय सेवा योजना (द्वितीय इकाई)

डॉ. नीलम शर्मा
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय केंद्रीय योजना है। जिसका उद्देश्य देश की युवाशक्ति में समाज सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास एवं समाज के प्रति कर्तव्य एवं सामुदायिक सेवा की भावना का विकास करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य "सेवा के माध्यम से शिक्षा है"। इसका लक्ष्य छात्र-छात्राओं में सामाजिक चेतना जागृत करना है। साथ ही व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा, एकता, अनुशासन, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य बोध की भावना का विकास करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारंभ महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में 24 सितंबर 1969 में देश के 37 विश्वविद्यालयों में 40000 छात्र छात्राओं के माध्यम से किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना देश सेवा एवं समाज सेवा की भावना से ओतप्रोत एक

ऐसा कार्यक्रम है जो स्वयं के हित से पूर्व दूसरों का हित एवं स्वयं के कल्याण से पूर्व दूसरों का कल्याण करना सिखाता है। स्वयं से पहले समुदाय की सेवा बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता करना। यही भावना राष्ट्रीय सेवा योजना में निहित है–"Not me, but you" क्योंकि स्वयं का कल्याण अंतिम रूप से समाज के कल्याण के बिना संभव नहीं है।

इसी निस्वार्थ एवं पवित्र भावना के सम्यक विकास एवं छात्राओं के कौशल विकास हेतु नियमित, एक दिवसीय तथा सात दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं, जिसके अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राएं 2 वर्ष की अवधि में 240 घंटे का सामुदायिक कार्य करना सुनिश्चित करते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई द्वारा सत्र 2022–23 में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा 120 घंटे के सामुदायिक कार्य के अंतर्गत विभिन्न प्रकार से समाज सेवा करने का प्रयास किया गया। यथा– जी–20 जागरुकता तकनीकी एवं कौशल विकास, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता, सड़क सुरक्षा जागरुकता, बूस्टर डोज वैक्सीनेशन सर्वे, स्वास्थ्य, आहार एवं पोषण संबंधी जागरुकता, योगाभ्यास, महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा, परिवार कल्याण, डिजिटल भारत, मतदाता जागरुकता, श्रमदान, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण, महाविद्यालय सौंदर्यीकरण, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण आदि। साथ ही छात्राओं में सृजनात्मक एवं रचनात्मक कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई एवं उनमें आत्मविश्वास, विचार प्रस्तुतीकरण और नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से विभिन्न समसामायिक विषयों पर समूह चर्चा भी आयोजित की गई।

वर्तमान सत्र 2022–23 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई के अंतर्गत 4 एक दिवसीय शिविर एवं एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के मार्गदर्शन में वर्षपर्यंत स्वयंसेवी छात्राओं ने न केवल अपने आसपास के क्षेत्रों में अपितु फेसबुक, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया आदि के माध्यम से समस्त देशवासियों को विभिन्न समसामायिक विषयों एवं समस्याओं के प्रति जागरुक किया तथा विभिन्न सामुदायिक नियमित गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

19 मई 2022 से 31 मई 2022 तक सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा 25 मई 2022 एवं 16 जून 2022 को ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। 29 मई 2022 को जागरुकता रैली, इसके अतिरिक्त शपथ ग्रहण कार्यक्रम एवं रोड सेफ्टी क्लब के माध्यम से विभिन्न व्याख्यान आयोजित किए गए।

14 जून 2022 से 20 जून 2022 तक अमृत योग सप्ताह अत्यंत उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन महाविद्यालय में योगा सत्र आयोजित किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने योगाभ्यास किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने जागरुकता अभियान के अंतर्गत आसपास के समस्त क्षेत्रों में लोगों को योग करने के लिए जागरुक किया और योग का प्रदर्शन करते हुए उन्हें योग के प्रति सजग किया। ऑनलाइन माध्यम से भी योग कराते हुए छात्राओं को स्वस्थ रहने हेतु योग का महत्व समझाया। इसके अतिरिक्त समस्त योग के महत्व को जन जन में प्रचारित करने के लिए सोशल मीडिया एवं रैली के माध्यम से जागरुक किया। अमृत योग सप्ताह के अंतिम दिवस 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय प्रांगण में योगाभ्यास किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अधिक संख्या में प्रतिभाग किया। योगाभ्यास महाविद्यालय के कार्यालय अधीक्षक श्री महेश भाटी जी, शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. धीरज कुमार एवं संस्कृत विभाग से सुश्री शिखा रानी द्वारा कराया गया।

दिनांक 5 जुलाई 2022 को महाविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण जन आंदोलन 2022 के अंतर्गत पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने के उद्देश्य से ग्राम बादलपुर में 500 पौधों का रोपण किया गया। ग्राम पंचायत बादलपुर के गाटा संख्या 70 पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ, ग्राम प्रधान बादलपुर, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा एवं समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जुलाई माह में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीयसेवा योजना की दोनों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी, समस्त सदस्यों एवं स्वयंसेवी छात्राओं ने विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण करके पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए जन जागरुकता फैलाई।

आजादी के अमृत महोत्सव में दिनांक 9 अगस्त 2022 को स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत कार्यक्रम

अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण एवं आसपास के ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर आदि में जाकर साफ सफाई की एवं समस्त कूड़े का निस्तारण किया। ग्राम वासियों को पॉलिथीन का उपयोग ना करने के लिए भी प्रेरित किया। वहां के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया। छात्राओं ने ग्राम वासियों को आजादी के अमृत महोत्सव का तात्पर्य का महत्व समझाया। उन्होंने सभी ग्राम वासियों को अपने आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हुए अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया।

आजादी की अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 तक मनाए गए स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत स्वयंसेवी छात्राओं ने अपने-अपने घरों में एवं घर के आस-पास एवं महाविद्यालय के समीप स्थित गांव बादलपुर एवं सादोंपुर में घर घर जाकर 13 से 15 अगस्त के मध्य सभी को अपने अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने का अनुरोध किया। सभी को सरकार की अधिकारिक साइट https://harghartiranga.com/ पर अपनी सेल्फी अपलोड करने और फ्लैग पिन करने के लिए प्रेरित किया एवं सभी छात्राओं ने अपने अपने घरों पर ध्वजारोहण किया और तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी https://harghartiranga.com/ साइट पर अपलोड करके और पिन फ्लैग करके सर्टिफिकेट डाउनलोड किए। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण से आरंभ कर ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर में तिरंगा रैली निकाली। तिरंगा रैली का प्रारंभ महाविद्यालय प्रांगण से किया गया। स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा से विभूषित स्वयंसेवी छात्राओं ने हाथ में तिरंगा झंडा लेकर समस्त ग्राम वासियों को आजादी के अमृत महोत्सव से अवगत कराया एवं सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रति जागरुक करते हुए सभी को अपने अपने घरों पर ध्वजारोहण के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने ग्राम में जाकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी सभी ग्राम वासियों को स्वतंत्रता संग्राम आजादी के 75 वर्ष एवं भारत के लिए अपने प्राण न्योछावर कर देने वाले सेनानियों के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। सभी छात्राओं ने अपने अपने घरों पर भी तिरंगा झंडा फहराया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण कविताएं गीत आदि की मनोरम प्रस्तुति दी। कतिपय छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण गीतों पर मनमोहक नृत्य करते हुए संपूर्ण वातावरण को देशभक्ति मय बना दिया। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित अत्यंत ही सुंदर पोस्टर बनाए। स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण तिथियों एवं महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म छात्राओं को दिखाई गई।

15 अगस्त 2022 को महाविद्यालय प्रांगण में अत्यंत भव्य रूप में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने राष्ट्रगान गाया। तत्पश्चात् अत्यंत ही मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने देशभक्ति पूर्ण सुंदर प्रस्तुति दी। सभी के द्वारा देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर देने वाले शहीदों को नमन किया गया एवं उनके अमूल्य योगदान को आत्मसात करने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया गया। स्वतंत्रता सप्ताह के अंतिम पड़ाव में राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान पूर्वक अपने अपने घरों से उतार कर भविष्य के लिए सुरक्षित सहेज कर रखा तथा समस्त ग्रामवासियों को भी इस हेतु जागरुक करते हुए प्रेरित किया।

दिनांक 24 सितंबर 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का धूमधाम से आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितंबर 1969 को की गई थी। इसी क्रम में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस 24 सितंबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में महाविद्यालय में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण के प्रति उनके उत्तरदायित्व के प्रति सजग करते हुए महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे। तत्पश्चात् राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य लक्ष्य आदि की जानकारी प्रदान करने के लिए व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा विस्तृत

रूप से छात्राओं को सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हुए उनके नागरिक एवं सामाजिक कर्तव्यों के विषय में अवगत कराया तथा छात्राओं में होने वाले नेतृत्व गुणों के विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

28 सितंबर 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गांव बादलपुर में पौधारोपण किया गया।

2 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए स्वयंसेवी छात्राओं ने श्रमदान किया। तत्पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्या, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा बाह्य परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 1 दिसंबर 2022 को 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नमो गंगे ट्रस्ट के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। तत्पश्चात् नमो गंगे ट्रस्ट से पधारे सभी पदाधिकारियों डॉ. मोहिनी कांडवाल, डॉ. शिवांगी जायसवाल, डॉ. शैली रोज एवं डॉ. कमल शर्मा का स्वागत पादप भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी द्वारा की गयी। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा ने किया। डॉ. शिवांगी जायसवाल ने एड्स के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि एड्स से बचने के लिए प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने हेतु आयुर्वेद एवं योगाभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मौसमी फल एवं सब्जियां के सेवन पर विशेष जोर दिया। डॉ. मोहिनी कांडवाल ने नमोगंगे के उदघोष के साथ छात्राओं में ऊर्जा का संचार कर इस शब्द के दार्शनिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराया।

तत्पश्चात् महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने अपना नाड़ी परीक्षण करा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के निदान हेतु परामर्श प्राप्त कर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाया। डॉ. मोहिनी कांडवाल एवं डॉ. शिवानी जायसवाल ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं का पृथक-पृथक नाड़ी परीक्षण कर उनकी प्रकृति एवं संबंधित रोगों, आयुर्वेदिक उपायों एवं योग के बारे में समझाया। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय प्रांगण से ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर तक एक जागरुकता रैली भी निकाली गई। साथ ही एड्स कारण एवं रोकथाम विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजयी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में पुरस्कृत किया गया।

दिनांक 5 जनवरी 2023 से 4 फरवरी 2023 तक सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी एवं जागरुकता हेतु 7 जनवरी 2023 को पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था यातायात नियमों की जानकारी एवं सड़क सुरक्षा। इसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ में प्रतिभाग किया। 10 जनवरी 2023 को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। 11 जनवरी 2023 सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। समस्त स्वयंसेवी छात्राओं ने सड़क सुरक्षा रैली निकाली। छात्राओं ने ग्राम वासियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों के बारे में बताया एवं सड़क पर होने वाली दुर्घटना से सावधान करते हुए लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरुक किया। 14 जनवरी 2023 को महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा से संबंधित अपनी जानकारी नियम आदि को लेखनीबद्ध किया। एवं उपयुक्त विषय पर ही छात्राओं ने अपने विचारों को बड़े ही उत्साह पूर्वक ओजपूर्ण वाणी में भाषण के माध्यम से अभिव्यक्ति दी। 30 जनवरी 2023 को पुनः पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 31 जनवरी 2023 को रोड़ सेफ्टी क्लब के तत्वावधान में पुनः सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा द्वारा छात्राओं के साथ यातायात से सम्बन्धित नियमों के सम्बंध में जानकारी साझा की गई। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को विशेष शिविर में पुरस्कृत किया गया।

21 जनवरी 2023 को महाविद्यालय प्रांगण से 'रन फॉर जी-20' का आयोजन हुआ। जिसमें समस्त स्वयंसेवी छात्राओं एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। यह दौड़ महाविद्यालय प्रांगण से प्रारंभ होकर बादलपुर एवं सादोंपुर ग्राम तक हुई। इस दौड़ के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं ने न केवल अन्य छात्राओं को अपितु ग्रामवासियों को भी उद्योग एवं निवेश के प्रति ज्ञानवर्धन करते हुए जी-20 के विषय में जागरुक किया।

24 जनवरी एवं 25 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थल, लोकगीत लोकनृत्य आदि पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 27 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत प्रथम सत्र में अभिविन्यास कार्यक्रम का अयोजन किया गया जिसमें पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मिंतु एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी ने स्वयंसेवी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति जागरुक किया। तत्पश्चात् छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन अधिग्रहित ग्राम सादोंपुर एवं बादलपुर गांव में जाकर स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही वहां से लौटने के पश्चात अल्प समय के लिए उन्होंने महाविद्यालय प्रांगण की साफ सफाई की। इसके पश्चात छात्राओं को सूक्ष्म जलपान कराया गया। द्वितीय सत्र में प्रोफेसर (डॉ.) रश्मि कुमारी विभाग अध्यक्ष हिंदी विभाग द्वारा छात्राओं को विद्यार्थी जीवन के महत्व को समझाते हुए उसमें अनुशासन एवं पूर्ण लगन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा छात्राओं को विज्ञान के महत्व को समझाते हुए उनमें जिज्ञासा जागरुकता एवं प्रश्न करने की क्षमता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया। डॉ. प्रतिभा तोमर ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को अपने आसपास साफ सफाई एवं स्वच्छता का ध्यान रखने एवं सभी को स्वच्छता हेतु जागरुक करने के लिए प्रेरित किया।

दिनांक 04 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई का द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत प्रथम सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं ने सुरक्षा माह के समापन के अवसर पर ग्राम बादलपुर में जागरुकता रैली निकाली। रैली का प्रारंभ महाविद्यालय से प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में किया गया। स्वयंसेवी छात्राओं ने बादलपुर में ग्राम वासियों को सड़क सुरक्षा अभियान के प्रति जागरुक करते हुए सड़क पर यातायात के नियमों एवं संकेतों के पालन के लिए प्रेरित किया तत्पश्चात् रैली से लौटने के पश्चात् स्वयंसेवी छात्राओं ने महाविद्यालय प्रांगण एवं महाविद्यालय परिसर के बाहरी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया। बौद्धिक सत्र में डॉ. सीमा देवी, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. नीलम यादव, डॉ. कनकलता एवं डॉ. मणि अरोड़ा ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों यातायात के नियमों को सरकार के द्वारा किए जा रहे सड़क सुरक्षा संबंधी प्रयासों से अवगत कराया। तत्पश्चात् छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ही सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के प्रति सभी छात्राओं को जागरुक किया। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर दिव्या नाथ के अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। प्राचार्य ने एक दिवसीय शिविर में उपस्थित होकर छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में अनुशासन के साथ सभी गतिविधियों को करने एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों को पालन करने के लिए सचेत किया। तृतीय सत्र में छात्राओं के मध्य डस्टबिन निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन स्वच्छता की भावना को प्रायोगिक एवं व्यापक रूप प्रदान करने का प्रयास किया गया।

तृतीय एक दिवसीय शिविर दिनांक 10 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया जिसमें दिनांक 11 फरवरी 2023 से प्रारंभ होने वाले सात दिवसीय विशेष शिविर की तैयारियों के विषय में व्यापक चर्चा की। सात दिवसीय शिविर हेतु 50 छात्राओं का चयन किया गया एवं शिविरार्थियों को 10-10 की टीम बनाकर आपस में कार्य वितरित किए गए एवं विशेष शिविर के दृष्टिगत समस्त कार्यों को छात्राओं ने मनोयोग से पूरा किया। द्वितीय बौद्धिक सत्र में डॉ. निधि रायजादा, प्रोफेसर इतिहास विभाग द्वारा छात्राओं को देश की महिलाओं के गौरवपूर्ण इतिहास पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया और छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के लिए सजग एवं निर्भीकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. आशारानी, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग द्वारा छात्राओं को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने और सतत् रूप से उसके लिए प्रयत्नशील रहने तथा अपने आत्मविश्वास में वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया गया। तृतीय सत्र में डॉ. मिन्तु, डॉ. सीमा देवी एवं डॉ. नीलम यादव के नेतृत्व में "भारतीय ग्रामों की समस्याएँ: कारण और निवारण" विषय पर समूह चर्चा आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन दिनांक 17 मार्च 2023 को किया गया। शिविरार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ सफाई की गई एवं पॉलिथीन और कूड़े का उचित निस्तारण किया गया। तत्पश्चात्

स्वयंसेवी छात्राओं में ग्राम बादलपुर में पहुँचकर वहां सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान किए गए कार्यों का पुनरावलोकन किया। छात्राओं ने ग्राम बादलपुर के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया। तत्पश्चात् बौद्धिक सत्र में डॉ. शिवानी वर्मा गृह विज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरुक किया गया। तत्पश्चात् डॉ. सुरेंद्र कुमार द्वारा भारतीय संस्कृति एवं मानव मूल्य पर व्याख्यान देते हुए छात्राओं को मानवीय मूल्यों एवं अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। तृतीय सत्र में भारतीय प्राच्य ज्ञान परम्परा विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर 11 फरवरी 2023 से 17 फरवरी 2023 तक प्राथमिक विद्यालय बादलपुर में आयोजित किया गया शिविर में समस्त 50 स्वयंसेवी छात्राएँ उपस्थित रहीं। उन्होंने संपूर्ण गतिविधियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्साहपूर्वक पूर्ण किया।

दिनांक 11 फरवरी 2023 को सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया। 11 फरवरी से 17 फरवरी तक आयोजित होने वाले विशेष शिविर में द्वितीय इकाई द्वारा ग्राम बादलपुर अधिग्रहित है। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान बादलपुर श्रीमती महेशवती जी ने रिबन काटकर एवं महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर दिव्या के साथ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के स्वागत के उपरांत कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा द्वारा किया गया। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने स्वागत उद्बोधन में शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष महत्व को समझाते हुए समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना एक पुनीत योजना है इसका नारा मैं नहीं तुम अर्थात् इसमें स्वयं से ज्यादा समाज कल्याण की भावना निहित है। तत्पश्चात् उन्होंने शिविर के सफल संचालन हेतु कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा एवं छात्राओं को शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर में ग्राम सादोंपुर एवं ग्राम बादलपुर में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा स्वच्छता साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग रोकने, सड़क सुरक्षा अभियान, मतदाता जागरुकता, जी-20 जागरुकता इत्यादि विषयों पर जागरुकता कार्यक्रम किए जाएंगे एवं दोनों अधिग्रहित ग्रामों को आदर्श बनाने का प्रयास किया जाएगा एवं स्वयंसेवी छात्राओं के बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास के लिए बौद्धिक सत्र में विभिन्न विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान बादलपुर श्री महेशवती जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह छात्राओं के लिए सौभाग्य का विषय है कि आप इतने उत्तम और सर्वोत्तम महाविद्यालय की छात्राएं हैं। उन्होंने कहा कि छात्राएं खूब पढ़े और आगे बढ़े और आत्मनिर्भर बने ताकि आप स्वयं एवं अपने माता पिता एवं महाविद्यालय का नाम रोशन करें। आप सभी महिला शक्ति की प्रतीक हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए एवं समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। शिविर के द्वितीय सत्र में डॉ. दीप्ति बाजपेयी द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा समस्त छात्राओं को शिविर के लक्ष्य एवं उद्देश्य से परिचित कराते हुए विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं ने अधिग्रहित ग्राम बादलपुर का सर्वेक्षण कर गांव की समस्याओं की जानकारी एकत्रित की। शिविर के उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

दिनांक 12 फरवरी 2023 को सात दिवसीय विशेष शिविर के द्वितीय दिन प्रथम सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के नेतृत्व में स्वयं सेवी छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में जी-20 विषय पर जागरुकता रैली निकाली जिसमें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के विषय में ग्राम वासियों को जागरुक किया और ग्रामवासियों को रोजगार उद्योग एवं निवेश के प्रति प्रेरित किया। तत्पश्चात् स्वयंसेवी छात्राओं के द्वारा ग्राम स्वच्छ मन स्वच्छ के संकल्प से अपने अधिग्रहित ग्राम बादलपुर के सार्वजनिक स्थलों पर साफ सफाई का कार्यक्रम किया गया। जिसमें ग्रामीण निवासियों को स्वच्छता के लिए जागरुक किया गया एवं घर में सूखा कूड़ा और गीला कूड़ा अलग-अलग रखने के महत्व को बताया। द्वितीय सत्र में बौद्धिक सत्र में उप निरीक्षक शिवानी मिश्रा, थाना बादलपुर ने छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान दिया एवं स्वयंसेवी छात्राओं के साथ उनकी समस्याओं से संबंधित चर्चा की। उनके

साथ बादलपुर थाने से कॉन्स्टेबल अर्चना एवं वन्दना ने भी छात्राओं को महिला सहायता एवं सुरक्षा हेतु सरकारी हेल्पलाइन नंबर 1090 एवं 181 के विषय में बताया। उन्होंने छात्राओं की समस्त जिज्ञासाओं का शमन किया और उन्हें निर्भीक होकर रहने के लिए और अन्य लोगों को भी मिशन शक्ति के प्रति जागरुक करने का आह्वान किया। तत्पश्चात् लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी यूपी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद द्वारा जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने छात्राओं को जलवायु परिवर्तन के कारण आदि से परिचित कराते हुए प्राकृतिक आपदाओं के कारण एवं उनसे बचाव के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। तृतीय सत्र में छात्राओं के लिए तख्ती एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने अपने-अपने समूह में भिन्न-भिन्न विषयों पर तख्ती एवं स्लोगन निर्माण किए।

विशेष शिविर के तृतीय दिवस दिनांक 13 फरवरी 2023 को प्रथम सत्र में सर्वप्रथम छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में सड़क सुरक्षा जागरुकता रैली निकाली तथा ग्रामवासियों को सरकार के प्रयासों एवं अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा हेतु यातायात की नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात् लायंस क्लब इंटरनेशनल (अंतरंग) नई दिल्ली, के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ के द्वारा किया गया। लायंस क्लब की ओर से चीफ ऑफ प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी लायन ओंकार सिंह रेनू, डॉ. मधु भल्ला, डॉक्टर नरगिस गुप्ता, नलिनी शर्मा, सुनीति जैन, डॉक्टर पूजा मंगला शिविर में उपस्थित रहे। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ सभी प्राध्यापकों एवं आसपास की ग्रामवासियों ने प्रतिभाग किया। शिविर में ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन लेवल, ब्लड-ग्रुप, शुगर लेवल, बॉडी मास इंडेक्स और ईसीजी परीक्षण किया गया। तत्पश्चात् लायंस क्लब की डॉ. नरगिस गुप्ता द्वारा ई-वेस्ट मैनेजमेंट के विभिन्न तरीकों से परिचित कराया गया। वित्तीय बौद्धिक सत्र में राजीव कुमार अपर जिला जज, जिला विधिक प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर ने छात्राओं को महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्राओं और महिलाओं को अपने विभिन्न संवैधानिक अधिकारों की जानकारी नहीं होती तथा किसी भी परेशानी में उन्हें कहां संपर्क करना चाहिए इसके अभाव में छात्राएं अथवा महिलाएं समस्या का सामना करती रहती हैं और उनकी समस्या का कोई समुचित समाधान नहीं मिल पाता। उन्होंने सरकार के द्वारा किए जा रहे प्रयास एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इसके उपरान्त ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य एवं पोषण के महत्व पर जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग से डॉ. माधुरी पाल एवं डॉ. नीलम यादव के द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं एवं ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर व्याख्यान दिया गया तथा उन्हें संतुलित भोजन एवं पोषक तत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात् महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सीमा देवी एवं समिति की सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉक्टर नीलम यादव, डॉ. रंजना उपाध्याय, डॉ. माधुरी पाल आदि के द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। तृतीय सत्र में छात्राओं के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से लोक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने सुमधुर स्वरों में विभिन्न लोकगीतों को प्रस्तुत किया।

सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिन दिनांक 14 फरवरी 2023 को प्रथम सत्र में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री धीरज कुमार के द्वारा योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को योग व साधना के महत्व बताते हुए विभिन्न आसनों के संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। तत्पश्चात् स्वयंसेवी छात्राओं ने गांव बादलपुर में स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत विषय पर जागरुकता रैली निकाली तथा ग्राम वासियों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति सचेत किया। साथ ही छात्राओं ने सभी को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालय बादलपुर एवं उसके आसपास के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की और वृक्षों के महत्व को समझाते हुए विभिन्न स्थलों पर विभिन्न प्रकार के पौधारोपण किए। डॉ. नीतू सिंह एवं डॉ. जूही बिरला द्वारा छात्राओं को जीवन में पर्यावरण के महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय में जानकारी दी गई। तत्पश्चात् महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग से डॉ. माधुरी पाल एवं डॉक्टर नीलम यादव ने ग्राम बादलपुर की ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयंसेवी छात्राओं के कौशल विकास हेतु खाद्य एवं संरक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उन्होंने विभिनन प्रकार के अचार एवं मुरब्बों आदि के निर्माण एवं दीर्घ काल तक संरक्षण के विषय पर बहु उपयोगी ज्ञानवर्धन किया और उन्हें आत्मनिर्भर होने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात् बौद्धिक सत्र में प्रोफेसर जीत

सिंह एवं डॉ. नीरज कुमार ने छात्राओं को भाषाई कौशल एवं अभिव्यक्ति पर व्याख्यान दिया। डॉ. कनक कुमार एवं डॉ. दीपक शर्मा ने शिविर में उपस्थित हो छात्राओं को आत्मविश्वास एवं मनोबल से परिपूर्ण होने के लिए प्रेरित किया। तृतीय सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उनमें छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने भारतवर्ष के विभिनन लोकगीतों पर अत्यंत आकर्षक एवं भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

विशेष शिविर के पांचवे दिन दिनांक 15 फरवरी 2023 को प्रथम सत्र में श्री नीरज कुमार शाखा प्रबंधक केनरा बैंक द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं स्वयंसेवी छात्राओं के लिए बचत एवं निवेश पर बहु उपयोगी व्याख्यान दिया गया जिसमें छात्राओं को बचत खाता लघु बचत योजनाएं एवं शिक्षाप्रद लोन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा ग्रामीण महिलाओं को भी लघु बचत आदि के लिए तथा अपने द्वारा की गई बचत को बैंक के खाते में जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं की बचत खाता खोलने एवं निवेश के प्रति जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया गया। महाविद्यालय से डॉ. अनीता सिंह एवं डॉ. निधि रायजादा ने स्वयंसेवी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के लाभ और अपने अनुभव साझा करते हुए उसे अत्यंत ही उत्साह और आनंद से पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया और उसके उद्देश्य और लक्ष्य को आत्मसात् करने के लिए प्रेरित किया डॉ. रंजना उपाध्याय, सुश्री दीपांक्षी एवं सुश्री अनीता द्वारा छात्राओं को कैरियर के संबंध में एवं विभिन्न रोजगार के अवसरों के विषय में जागरुक किया गया। द्वितीय बौद्धिक सत्र में श्रीमती हेमलता वर्मा एयर हॉस्टेस एयर इंडिया द्वारा स्वयंसेवी छात्राओं को एयरलाइंस में रोजगार के अवसर, शैक्षिक योग्यता, पात्रता आदि के विषय में विस्तृत रूप से ज्ञान वर्धन किया। डॉ. भावना यादव अर्थशास्त्र विभाग ने छात्राओं और महिलाओं के लिए सरकार के द्वारा चलाई जा रही बचत और निवेश की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. अपेक्षा तिवारी अंग्रेजी विभाग ने भाषायी एवं व्यक्तित्व विकास के महत्व को स्पष्ट करते हुए छात्राओं को अपने व्यक्तित्व विकास हेतु प्रेरित किया। तृतीय सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम शर्मा के निर्देशन में अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तु बनाना प्रतियोगिता आयोजित की गई।

विशेष शिविर के छठे दिन दिनांक 16 फरवरी 2023 को प्रथम सत्र में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा ग्राम बादलपुर में ग्रामवासियों एवं बालकों को सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विषय में जागरुक करने का प्रयास किया गया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए छात्राओं ने सभी को सामाजिक मूल्य और नैतिक मानवता, अहिंसा, न्याय, समानता, स्वतंत्रता, सच्चाई, ईमानदारी, देशभक्ति, प्रेम, आदर, शांति, सदाचरण सहयोग सम्मान परस्पर सेवाभाव परोपकार ईमानदारी दया क्षमा चोरी न करना, सत्य मधुर भाषण आदि के महत्व को समझाते हुए जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। द्वितीय बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय की स्किल कोर्स समिति द्वारा नवाचार एवं कौशल विकास पर व्याख्यान दिया गया जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्राओं के कौशल विकास एवं स्टार्ट अप के प्रति अभिप्रेरणा के दृष्टिगत विभिन्न ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई ताकि छात्राएं भविष्य में आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुखी हो सके। डॉक्टर विजेता गौतम द्वारा बेसिक कम्युनिकेशन स्किल पर छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया। डॉ. निशा यादव ने छात्राओं को ऑर्गेनिक कृषि आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दी एवं डॉक्टर बबली अरुण द्वारा भारतीय लोक कला, संगीत एवं संस्कृति विषय पर ज्ञानवर्धन किया।

तृतीय सत्र में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं में अपने-अपने समूह में विभिन्न समसामायिक विषयों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए।

विशेष शिविर के सप्तम एवं अंतिम दिवस दिनांक 17 फरवरी 2023 को सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन अस्मिता स्वावलंबन मेले के साथ अत्यंत धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें स्वयंसेवी छात्राओं एवं ग्राम बादलपुर एवं सादोंपुर की ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं रोजगार के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थ, खेल, हस्तशिल्प आदि के विभिन्न स्टॉल लगाए गए। मेले में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक तथा आसपास के ग्राम वासियों ने भी अपने परिवार जन के साथ मेले का आनन्द उठाया। प्राचार्या महोदया द्वारा अस्मिता स्वावलंबन मेले में विभिन्न प्रकार की सुनियोजित

एवं व्यवस्थित स्टॉल हेतु छात्राओं के उत्साह, प्रबन्धन और प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सात दिनों में छात्राओं द्वारा किए गए विभिन्न सामुदायिक कार्य की प्रशंसा करते हुए शिविर के सफल संचालन हेतु कार्यक्रम अधिकारी को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। उन्होंने स्वयंसेवी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के वास्तविक अर्थ समझने एवं उसे अपने जीवन में चरितार्थ करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं ने जो कुछ शिविर में सीखा है, उसे सतत् रूप से समाज सेवा में अनुपालित एवं प्रकाशित करना है। एक दिवसीय शिविर, अन्य नियमित कार्यक्रम एवं विगत सात दिनों में छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा के उन्नयन के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। स्वयंसेवी छात्राओं के रचनात्मक कौशल के विकास हेतु सत्र पर्यंत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिविर के समापन पर विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

दिनांक 24 मार्च 2023 को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बादलपुर से क्षय रोगी की जानकारी एकत्र की गई तथा उन्हें सावधानियों और पोषण के बारे में बताते हुए पोषण पोटली जिसमें चना, गुड़, मूंगफली, फल आदि वितरित किए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त कार्यक्रमों का सफल संचालन एवं आयोजन महाविद्यालय परिवार की संरक्षिका प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के संरक्षण, कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन का प्रतिफल है। इनके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की परामर्शदात्री डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. मिन्तु का अमूल्य परामर्श, मार्गदर्शन एवं सहयोग कार्यविधि को अत्यंत सहज बनाते हुए उसमें सतत ऊर्जा एवं उत्साह का संचार करते रहते हैं। सदस्य डॉ. सीमा देवी, डॉ. नीलम यादव के अमूल्य योगदान से संपूर्ण कार्यक्रम अत्यन्त सहज एवं सर्वोत्तम रूप पूर्णता को प्राप्त होता है। सात दिवसीय विशेष शिविर के संचालन में विश्वविद्यालय प्रशासन, ग्राम बादलपुर के प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती लक्ष्मी सिंह एवं समस्त शिक्षक, ग्राम बादलपुर प्रधान श्रीमती महेशवती जी एवं समस्त बादलपुर ग्रामवासी, महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी गण, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, महाविद्यालय प्रेस समिति आदि के अमूल्य सहयोग से संपूर्ण शिविर सुचारू रूप से संपन्न होता हुआ अपने उद्देश्य पूर्ति में सफल रहा।

फर्स्ट ऐड/वीमेन हेल्थ क्लब

श्रीमती नीतू सिंह
प्रभारी

महाविद्यालय की प्राथमिक चिकित्सा/वीमेन हेल्थ समिति के तत्वावधान में माननीय प्राचार्या महोदया के दिशानिर्देशन में सत्रोपरांत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। 14 नवंबर 2022 को विंग्स वीमने हॉस्पिटल IVF & Ortus health, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा सलाह शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर महाविद्यालय के छात्राओं, प्रवक्ताओं एवं महाविद्यालय के बाह्य परिक्षेत्र की महिलाओं के लिए आयोजित किया गया जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रेया ने व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं OPD में महिलाओं को परामर्श भी दिया। 3 दिसंबर 2022 को विश्व विकलांग दिवस कोविड हेल्थ क्लब के साथ संयुक्त रूप से मनाया गया। छात्राओं को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से जागरुक किया गया एवं डॉ. सोनम द्वारा विकलांगता के कारणों व इलाज के बारे में बताया गया। 3 फरवरी 2023 को ICMR-NICPR, Noida के साथ मिलकर "Risk factors & preventions of cancer with special reference to women" विषय पर डॉ. एकता गुप्ता द्वारा व्याख्यान दिया गया। 13 फरवरी 2023 को लायंस क्लब के साथ संयुक्त रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर भी महाविद्यालय के बाहर की महिलाओं के लिए भी ओपन रखा गया। शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर एवं अन्य वाइटल टेस्ट किये गए। उपर्युक्त शिविर में गुड़गांव के क्लिक टू क्लिनिक की मेडिकल टीम ने कार्य किया। 14 मार्च 2023 को समिति द्वारा छात्राओं को निःशुल्क औषधि वितरण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान मल्टीविटामिन तथा कैल्शियम की दवाईयाँ छात्राओं को वितरित की गयी। समिति छात्राओं के हित में अनवरत कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्प है।

इनोवेशन काउंसिल

प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र शर्मा
अध्यक्ष

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में नवाचार समिति के तत्वावधान में बहुआयामी कार्यक्रम, कार्यशाला, विशिष्ट व्याख्यान एवं विभिन्न समागम का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। इनोवेशन काउंसिल की प्रथम बैठक प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित की गई, जिसमें वर्ष भर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

दिनांक 11 जुलाई 2022 को अखिल भारतीय तकनीकी अनुसंधान परिषद (एआईसीटीई) एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन काउंसिल के द्वारा प्रसार व्याख्यानमाला का ऑनलाइन माध्यम से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता श्री आशीष थॉम्बे, अध्यक्ष (एआईआईटी) एवं सौरभ कुमार जनरल मैनेजर तकनीकी (एआईआईटी) रहे।

20 जुलाई 2022 को एकदिवसीय क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) का आयोजन किया गया। यह फील्ड विजिट मुरादनगर गाजियाबाद के इनोवेशन सेंटर TBI KIET में किया गया जिसमें इन्नोवेशन काउंसिल की उपाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अनीता सिंह, समन्वयक प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा, सदस्य नीतू सिंह तथा 15 छात्राओं ने प्रतिभागिता की।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी यूनिवर्सिटी में दिनांक 29 अगस्त 2022 को आयोजित क्षेत्रीय स्तर की इन्नोवेशन काउंसिल मीटिंग में महाविद्यालय से इनोवेशन काउंसिल के उपाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अनीता सिंह ने प्रतिभागिता की।

10 अक्टूबर 2022 को वार्षिक समागम का आयोजन प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में इनोवेशन काउंसिल के सभी सदस्य एवं छात्रा प्रतिनिधि के बीच की गई।

1 नवंबर 2022 को इन्नोवेशन काउंसिल एवं गृहविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें गृह विज्ञान की छात्राओं ने विभिन्न फूड स्टॉल लगाए।

5 नवंबर 2022 को रोजगार एवं नवाचार समस्या समानाधिकरण की दिशा में बादलपुर गांव में इनोवेशन काउंसिल के द्वारा फील्ड विजिट की गई।

8 नवंबर 2022 को इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा 'इंट्रप्रॅनरशिप एंड इनोवेशन एस कैरियर अपॉर्चुनिटी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदिरापुरम, गाजियाबाद से डॉ. राजकुमारी ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

11 नवंबर 2022 को इन्नोवेशन काउंसिल एवं बी.एड. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया।

24 नवंबर 2022 को डॉ. आजाद आलम द्वारा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

14 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन डॉ. नेहा त्रिपाठी एवं डॉ. नीतू सिंह द्वारा किया गया।

20 दिसंबर 2022 को 'इंट्रप्रनरशिप स्किल एटीट्यूड एंड बिहेवियर डेवलपमेंट' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता डॉ. नैना नैनवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉमर्स, बीबीनगर, बुलंदशहर रहीं।

12 जनवरी 2023 को स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र एवं इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। प्रथम सत्र में पोस्टर, निबंध, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ-साथ स्वामी विवेकानन्द की डॉक्यूमेंट्री भी छात्राओं को दिखाई गई। द्वितीय सत्र में ऑनलाइन माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता Justyn Jedraszewski, Jagiellonian यूनिवर्सिटी, पोलैंड एवं कंचन जोगटे, टाइम्स ऑफ इंडिया, पोलैंड रहे।

14 फरवरी 2023 को निपम भारत सरकार के अंतर्गत बौद्धिक संपदा प्रसार समिति एवं इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आईपीएस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छवि गर्ग, गर्ग नीपम ऑफिसर आइपीओ दिल्ली द्वारा क्रिएटिव इंडिया इनोवेटिव इंडिया विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में प्रो. (डॉ.) अनीता सिंह के निर्देशन में आईपीआर समिति की डॉ. सीमा देवी एवं डॉ. कनकलता द्वारा किया गया।

17 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता स्वावलंबन मेला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने अपने रोजगार के विभिन्न अवसर तलाशते हुए कई उपयोगी स्टॉल लगाएं।

23 फरवरी 2023 को 'इंपॉर्टेंट ऑफ इंट्रप्रनरशिप इन साइंस' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 26 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

24 फरवरी 2023 को 'इंट्रप्रनरशिप एंड साइंस डिफरेंट करियर', कॉमन ग्राउंड जैसे उपयोगी विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता डॉ. गरिमा पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान, एसआरएम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर, गाजियाबाद रहीं।

26 फरवरी 2023 को 'साइंस एंड इंट्रप्रनरशिप' पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन डॉक्टर आजाद आलम द्वारा किया गया।

28 फरवरी 2023 को इनोवेशन काउंसिल एवं विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विज्ञान दिवस को मनाने के रूप में किया गया।

इनोवेशन काउंसिल एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था के रूप में महाविद्यालय में कार्यरत है जो सदैव छात्राओं के लिए उपयोगी तथा रोजगार उन्मुखीकरण के हेतु अभिप्रेरित करती है।

संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के अध्यक्षता में इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र, उपाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अनीता सिंह एवं समन्वयक प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा के निर्देशन में समिति के सभी सदस्यों के अमूल्य सराहनीय योगदान द्वारा किया गया। भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किए जाने की प्रतिबद्धता के साथ समिति पूर्ण रूप से समर्पित है।

युवा-महोत्सव "आरोही"

डॉ. जूही बिरला
प्रभारी-विभागीय परिषद्

उमंगों का तरंगों का अलग-अलग रंगों से भरपूर अवसर देने का प्रयास है। युवा-महोत्सव 'आरोही' विभागीय परिषद् के तत्वावधान में शैक्षिक सत्र (2022-2023) में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास एवं उनकी प्रतिभा को निखारने के लिये विभिन्न अन्तर्विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सभी विभागों में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभागीय परिषदों का गठन करते हुए स्नातक स्तर पर एक व स्नातकोत्तर स्तर पर दो-दो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं की प्रतिभा को पल्लवित करने एवं उनके समग्र व्यक्तित्व विकास को दृष्टि में रखते हुए आत्म विश्वास बढ़ाने हेतु युवा-महोत्सव 'आरोही' में पाँच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 70 छात्राओं की प्रतिभागिता रही। युवा-महोत्सव 'आरोही' का शुभारम्भ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती गरिमा खरे, डिप्टी कमिश्नर 'मनरेगा' गौतमबुद्ध नगर एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्यानाथ जी के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय परिसर के विभिन्न आयोजन स्थल पर पाँच प्रतियोगितायें संचालित हुई जिनके परिणाम निम्नवत् रहे-

1. स्टैंड-अप कॉमेटी प्रतियोगिता डॉ. भावना यादव द्वारा सम्पन्न करायी गयी जिसमें निम्न छात्राएँ विजयी रहीं-

1. मानसी सिंह बी.एड.
2. कल्पना कुमारी बी.एड.
3. भूमिका मौर्या बी.एससी.

2. आशु-भाषण प्रतियोगिता डॉ. रतन सिंह द्वारा पूर्ण करायी गयी, जिसमें निम्न छात्राएँ विजयी रहीं-

1. निहारिका सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष
2. हर्षिता सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष
3. नीतू तोमर बी.एड. प्रथम वर्ष

3. थाल सज्जा प्रतियोगिता डॉ. सोनम शर्मा द्वारा सम्पन्न करायी गयी, जिसमें निम्न छात्राएँ विजयी रहीं-

1. काजल नागर
2. नीतू
3. रोशनी

4. हेयर स्टाइल प्रतियोगिता डॉ. ऋचा द्वारा सम्पन्न करायी गयी, इसमें निम्न छात्राएँ विजयी रहीं-

1. रूपल नागर B.Voc. I (ATMH)
2. गुंजन B.Voc. III Sem (MMDT)
3. नेहा गर्ग B.Voc. III Sem (MMDT)

5. मिमिक्री प्रतियोगिता श्रीमती दीपांक्षी द्वारा सम्पन्न करायी गयी, जिसकी विजयी छात्राएँ रहीं-

1. योजना
2. अंशु
3. मोनिका

प्रोग्राम के अन्त में विभागीय परिषद् प्रतियोगिताओं एवं युवा-महोत्सव 'आरोही' की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं तथा मुख्य अतिथि श्रीमती गरिमा खरे का प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्यानाथ के द्वारा स्वागत करते हुए महाविद्यालय में सम्पन्न हुए कार्यक्रमों की संक्षिप्त आख्या दी गई तथा विभागीय परिषद् की महत्ता को बताते हुये छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया।

इसी क्रम में विभिन्न विभागों की विभागीय परिषदों द्वारा सम्पन्न करायी गयी विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण युवा-महोत्सव 'आरोही' के अन्तर्गत किये गये। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को सशक्त बनने तथा उनके अन्दर की प्रतिभा एवं महाविद्यालय की भूरी-भूरी प्रशंसा की। साथ ही कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्या द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

विभागीय परिषद् प्रभारी डॉ. जूही बिरला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। मंच का कुशल संचालन डॉ. कनकलता द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में समिति सदस्यों डॉ. भावना यादव, डॉ. ऋचा, डॉ. रतन सिंह, डॉ. सोनम शर्मा एवं श्रीमती दीपांक्षी के साथ पूरे महाविद्यालय परिवार का अमूल्य योगदान रहा।

रेंजर

श्रीमती भावना यादव
रेंजर-सह प्रभारी

भारत स्काउट एवं गाइड एक ऐसा अभियान है जिसका उद्देश्य नवयुवकों की पूर्ण शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक क्षमताओं का विकास करना है। स्काउटिंग के द्वारा व्यक्ति में छिपे गुणों को उभारा जाता है तथा उन्हें समाज में सेवा के लिए तत्पर किया जाता है महाविद्यालय में वर्ष 2001 से अहिल्याबाई टीम के नाम से रेंजर इकाई मुख्यालय भारत स्काउट गाइड लखनऊ से पंजीकृत है एवं सत्र 2021-22 से गार्गी टीम पंजीकृत है। रेंजर इकाई के माध्यम से प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय की छात्राओं का बहुमुखी विकास हो सके एवं वे समाज में अपना योगदान दे सकें।

रेंजर्स इकाई सत्र 2022-23 में महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें दिनांक 20 दिसंबर 2022 से 22 दिसंबर 2022 तक महाविद्यालय में तीन दिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत रेंजर्स को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, स्काउट गाइड का परिचय, ध्वज शिष्टाचार गाँठबंधन, तंबू निर्माण आदि का प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे

हस्तशिल्प कला- कौशल प्रतियोगिता, इको रेस्टोरेशन, गाँठबंधन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता इत्यादि। प्रशिक्षण के दौरान टोली विधि प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया, जिससे छात्राओं में बंधुत्व एवं सहचर्य की भावना का विकास हो सके। समापन के अवसर पर सभी प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त छात्राओं को पुरस्कृत किया गया एवं सर्वश्रेष्ठ रेंजर का पुरस्कार कुमारी पिंकी को दिया गया। संपूर्ण प्रशिक्षण शिविर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ जी के संरक्षण एवं रेंजर सह प्रभारी श्रीमती भावना यादव के निर्देशन में संचालित हुआ जिसमें समस्त समिति सदस्य डॉ. ऋचा, श्रीमती माधुरी पाल एवं श्री ज्ञानेंद्र सिंह का सहयोग रहा।

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद्

प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
प्रभारी

संस्कृति जीवन की विधि है। व्युत्पत्ति की दृष्टि से संस्कृति शब्द 'परिष्कृत कार्य' अथवा उत्तम स्थिति का बोध कराता है, किन्तु इस शब्द का भावार्थ अत्यन्त व्यापक है। वस्तुतः संस्कृति शब्द मनुष्य की सहज प्रवृत्ति, नैसर्गिक शक्तियों और उनके परिष्कार का द्योतक है। किसी देश की संस्कृति विचार, धर्म, दर्शन, काव्य, संगीत, नृत्य कला आदि के रूप में अपने को अभिव्यक्त करती है। मनुष्य अपनी बुद्धि का प्रयोग करके इन क्षेत्रों में जो सृजन करता है और अपने सामूहिक जीवन को हितकर तथा सुखी बनाने हेतु जिन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक प्रथाओं को विकसित करता है उन सब का समावेश ही हम 'संस्कृति' में पाते हैं। संस्कृति की प्रक्रिया एक साथ ही आदर्श को वास्तविक तथा वास्तविक को आदर्श बनाने की प्रक्रिया है। मनुष्य के जीवन में संस्कृति की अपरिहार्यता और विशिष्ट स्थान को देखते हुए महाविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत के भावी पीढ़ी ने स्थानांतरण हेतु प्रत्येक सत्र में विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित करती रहती हैं।

वर्तमान सत्र में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु दिनांक 02 दिसंबर 2022 से 08 दिसंबर तक साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह 'त्रिवेणी' का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत नृत्य, गायन, मेंहदी, रंगोली, स्वरचित कविता, कहानी, पोस्टर, निबंध, लघु-नाटिका इत्यादि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया प्रतियोगिता के परिणाम निम्नवत् रहे-

रंगोली प्रतियोगिता-

प्रथम-	आरती	श्री राजेंद्र सिंह	बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय-	दीपांशी	श्री आशीष शर्मा	बी.एससी. तृतीय वर्ष
तृतीय-	गुंजन	श्री कालीचरण	बी.वॉक. एम.एम.डी.टी.

मेहंदी प्रतियोगिता-

प्रथम-	फरीन सैफी	छोटे खान	बी.ए. तृतीय वर्ष
द्वितीय-	अंशिका दीक्षित	अजय प्रताप दीक्षित	बी.एससी. प्रथम वर्ष
तृतीय-	कृतिका	चरण सिंह	बी.एससी. प्रथम वर्ष

कहानी लेखन प्रतियोगिता-

प्रथम-	शीतल शर्मा	श्री श्यामवीर	एम.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय-	मोनिका	श्री धर्मपाल	एम.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय-	शालू नागर	श्री जितेंद्र नागर	बी.ए. द्वितीय वर्ष

स्वरचित कविता प्रतियोगिता-

प्रथम-	कंचन रौसा	श्री कैलाश चंद	एम.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय-	कोमल	श्री मदन रावल	एम.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय-	साक्षी शर्मा	श्री अनिल कुमार शर्मा	बी.एससी. तृतीय वर्ष

एकल नृत्य प्रतियोगिता-

प्रथम-	मॉरीश	श्री मुकेश कुमार	बी.एससी. तृतीय वर्ष
द्वितीय-	दीपांशी कटारिया	श्री देवेंद्र कटारिया	बी.कॉम. प्रथम वर्ष
तृतीय-	साक्षी तंवर	श्री सत्यवीर सिंह	बी.एससी. तृतीय वर्ष
तृतीय-	सिमरन	श्री मनोज कुमार	बी.ए. द्वितीय वर्ष

एकल गायन प्रतियोगिता-

प्रथम-	गौरी सिंह	श्री दिनेश	बी.ए. द्वितीय वर्ष
द्वितीय-	हितेश	श्री हरिओम शर्मा	बी.एड. द्वितीय वर्ष
तृतीय-	अंजली तोमर	श्री मनोज कुमार	बी.वॉक. प्रथम वर्ष

निबंध प्रतियोगिता-

प्रथम-	साक्षी शर्मा	श्री अनिल कुमार	बी.एससी. तृतीय वर्ष
द्वितीय-	अंजलि भाटी	श्री प्रमोद भाटी	बी.एससी. तृतीय वर्ष
तृतीय-	गौरी	श्री लोकेश सिंह	बी.ए. प्रथम वर्ष

वाद-विवाद प्रतियोगिता-

पक्ष-

प्रथम	यश्वी शर्मा	श्री गजेन्द्र शर्मा	बी.ए. प्रथम वर्ष
द्वितीय	दीपांशी	श्री देवेन्द्र	बी.कॉम. प्रथम वर्ष

विपक्ष-

प्रथम-	पूर्णिमा	श्री गौरी शंकर	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष
द्वितीय-	अंजलि	श्री जयप्रकाश पांडेय	बी.एससी. द्वितीय वर्ष

पोस्टर प्रतियोगिता-

प्रथम-	अतिदि सिंह	श्री अशोक कुमार	बी.एड. द्वितीय वर्ष
द्वितीय-	माला	श्री हरवंश	बी.ए. द्वितीय वर्ष
तृतीय-	गौरी	श्री लोकेश सिंह	बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय-	ट्विंकल		बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय-	काव्या	श्री राजेश	बी.एड. प्रथम वर्ष

लघु-नाटिका प्रतियोगिता-

प्रथम-	मोबाइल फोन समूह	बी.वॉक.
द्वितीय-	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	बी.ए.
तृतीय-	अनाथ बच्चे समूह	बी.एससी.

साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत करने हेतु महाविद्यालय में दिनांक 13 दिसंबर 2022 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) राजीव पांडे, प्राचार्य राजकीय महिला स्नातक महाविद्यालय खरखौदा, मेरठ ने अपने कर कमलों से छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में महाविद्यालय में दिनांक 2 दिसंबर से 8 दिसंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न की गई। भव्य साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह के आयोजन में साहित्यिक सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी तथा समिति के अन्य सदस्यों डॉ. नेहा त्रिपाठी, डॉ. मिंतु, डॉ. बबली अरुण, डॉ. रमाकांति, डॉ. विनीता, डॉ.

सोनम शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महाविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद छात्राओं में अंतर्निहित विभिन्न प्रतिभाओं एवं सांस्कृतिक विरासत को विकसित एवं परिमार्जित करने का सार्थक मंच प्रदान कर भारतीय सांस्कृतिक प्रवाह को भावी पीढ़ी तक पहुँचाने तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अपना हर संभव योगदान देने हेतु कृत संकल्पित है। आगामी सत्रों में भी परिषद पूर्ण निष्ठा के साथ उक्त कार्य का संपादन पूर्ण मनोयोग से करती रहेगी।

महिला प्रकोष्ठ

डॉ. सीमा देवी
प्रभारी

पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा कही गयी सबसे प्रसिद्ध कहावत है- "लोगों को जगाने के लिए, महिलाओं को जागृत करना चाहिए। एक बार जब वह आगे बढ़ती है तो, परिवार चलता है, गांव चलता है, राष्ट्र चलता है"।

महिला आयोग वर्ष 1990 में पारित अधिनियम के तहत 31 जनवरी 1992 में गठित एक सांविधिक निकाय है। यह एक ऐसी इकाई है जो शिकायत या स्वत: संज्ञान के आधार पर महिलाओं के संवैधानिक हितों और उनके लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को लागू कराती है। आयोग की पहली प्रमुख सुश्री जयंती पटनायक थीं। 17 सितंबर 2014 को ममता शर्मा का कार्यकाल पूरा होने के पश्चात् ललिता कुमार मंगलम को आयोग का प्रमुख बनाया गया था, मगर गत वर्ष सितंबर में पद छोड़ने के बाद रेखा शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर यह संभाल रही थी, और अब रेखा शर्मा को राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम की धारा 7 के तहत आयोग का गठन किया जाता है।

राष्ट्रीय महिला आयोग का उद्देश्य भारत में महिलाओं के अधिकारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए तथा उनके मुद्दों और चिंताओं के लिए एक आवाज प्रदान करना है। आयोग ने अपने अभियान में प्रमुखता के साथ दहेज, राजनीति, धर्म और नौकरियों में महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व तथा श्रम के लिए महिलाओं के शोषण को शामिल किया है, साथ ही महिलाओं के खिलाफ पुलिस दमन और गाली-गलौज को भी गंभीरता से लिया है।

उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा महिलाओं एवं शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राओं को शोषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए समस्त सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में महिला प्रकोष्ट के गठन के नियम को अनिवार्य किया गया है। इस महाविद्यालय में वर्ष 2007 से महिला प्रकोष्ट कार्यरत हैं।

इस वर्ष के शैक्षणिक सत्र में 2022-23 में महिला प्रकोष्ठ का पुन: गठन किया गया जिसका उद्देश्य महाविद्यालय परिसर में लैंगिक भेदभाव एवं महिलाओं व छात्राओं की हर प्रकार की समस्या का समाधान करना है। इस सत्र महिला प्रकोष्ठ के सदस्य निम्न प्रकार हैं-

प्रभारी- डॉ. सीमा देवी
सदस्य- डॉ. प्रतिभा तोमर
सदस्य- डॉ. बबली अरुण
सदस्य- डॉ. नीलम यादव
सदस्य- डॉ. अनुपम स्वामी
सदस्य- डॉ. रमाकान्ति
सदस्य- डॉ. सोनम शर्मा
सदस्य- डॉ. रंजना उपाध्याय

महिला प्रकोष्ठ की गतिविधियों का आरंभ अभिविन्यास कार्यक्रम दिनांक 5/09/22 से हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या महोदय द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सीमा द्वारा

छात्राओं को प्रकोष्ठ के सदस्यों से परिचय कराते हुए महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत वर्ष भर संचालित होने वाले कार्यक्रमों व प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। छात्राओं को महिला सुरक्षा, महिला उत्पीड़न एवं निवारण, महिला हेल्पलाइन नंबर '1090', 112, 100, 180, महिला आयोग इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ कमेटी के सभी सदस्य डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. अनुपम स्वामी, डॉ. बबली अरुण, श्रीमती नीलम यादव, माधुरी पाल, डॉ. सोनम शर्मा, डॉ. रंजना उपाध्याय उपस्थित रहे। अभिविन्यास कार्यक्रम में छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।

तत्पश्चात् महिला प्रकोष्ठ की छात्रा प्रतिनिधियों का चयन किया गया जो कि निम्नवत् है-

शिक्षा संकाय-	कल्पना यादव
कला संकाय-	अंकिता मिश्रा, हर्षिता, काजल
वाणिज्य संकाय-	रूपाली दीक्षित
विज्ञान संकाय-	काजल
बी.वॉक. एम.एम.डी.टी.	काजल देवी

दिनांक 25 नवम्बर 2022 को "महिला हिंसा उन्मूलन दिवस" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता डॉ. लता शर्मा, प्राचार्या, आर.बी. डी. महाविद्यालय मथुरा रही। छात्राओं को महिला हिंसा उन्मूलन हेतु मुख्य वक्ता द्वारा छात्राओं को स्वयं को मजबूत बनाने की, किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने को प्रेरित किया। डॉ. लता द्वारा बताया गया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे बड़े हथियार है। समाज में आज लड़कियों को चुप्पी तोड़कर अपने लिए खड़े होने और आगे बढ़कर अपने अस्तित्व का अहसास करना पड़ेगा। अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और समाज में हर संघर्ष के लिए तैयार होने को कहा। छात्राओं को गरिमामय जीवन जीने, सचेत होने और निडरता के साथ जीने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता द्वारा छात्राओं की जिज्ञासाओं का भी समुचित समाधान किया गया।

दिनांक 11/01/23 को प्रकोष्ठ द्वारा "भारत में भूली-बिसरी स्वतंत्रता सेनानी" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त छात्राओं का विवरण निम्नवत है-

प्रथम स्थान	काजल	श्री ओमबीर	बी.ए. तृतीय सत्र
द्वितीय स्थान	आकांक्षा	श्री जितेंद्र	बी.ए. तृतीय सत्र
तृतीय स्थान	शिखा शिसौदिया	श्री विजय	बी.वॉक. (ए.टी.एच.एम) प्रथम सत्र

दिनांक 02/02/23 को शासन के पत्र सं. 3709/सत्तर-3-2022/03(01)/2022 के अनुसार महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न विषयों पर शॉर्ट मूवीज दिखाई गई, जिसका उद्देश्य छात्राओं को जागरुक करना है। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। समिति के समस्त सदस्यों के साथ प्राचार्या महोदया की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दिनांक 13/02/23 राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में "महिला सशक्तिकरण सम्मान एवं स्वावलंबन" विषय पर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सीमा देवी द्वारा व्याख्यान दिया गया। समिति के सदस्यों ने भी छात्राओं से संवाद किया।

दिनांक 08/03/23 "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के उपलक्ष्य में महिला प्रकोष्ठ द्वारा "लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। गेस्ट स्पीकर डॉ. पूनम, सहायक आचार्य (इतिहास) आरजी डिग्री कॉलेज मेरठ ने उक्त विषय पर अपने सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने आगरा में कार्यरत एक महिला उद्यमी का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार ग्रामीण स्तर की महिला ने डिजिटलीकरण के माध्यम से अपने कारोबार में नई ऊंचाईयां प्राप्त की हैं। साथ ही आंकड़े देते हुए समझाया कि कैसे 15 से 24 वर्ष तक की आयु के युवा वर्ग डिजिटलीकरण में जेंडर इक्वलिटी रखते हैं और महिलाएं डिजिटलीकरण युग में समानता के साथ आगे बढ़ रही हैं। डिजिटलीकरण एक ऐसा मंच है जो बिना किसी भेदभाव के महिला पुरुष को समान अवसर प्रदान करता है और आज की महिलाएं डिजिटलीकरण के माध्यम से सफलता की नई ऊंचाईयों को प्राप्त कर सकती हैं, सशक्त

बन सकती हैं, आर्थिक क्षेत्र में अपना एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर सकती हैं। अंत में वक्ता ने छात्राओं के साथ हुई चर्चा-परिचर्चा में उनकी जिज्ञासाओं को अत्यंत ही सरल ढंग से समझाया।

अप्रैल माह की दिनांक 08/04/2022 को प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न कौशलों की जानकारी प्रदान करने हेतु आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन 'नॉक आउट फाइट क्लब' नोएडा द्वारा किया गया।

क्लब के सदस्य श्री मनन दत्ता, श्री कौशल, श्री मागेन्द्र द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। भारत के शीर्ष मार्शल आर्ट चैन में एक फाइट क्लब ने छात्राओं को आत्म विश्वास से परिपूर्ण व आत्मरक्षा से जागरुक रहने का पूर्ण कार्य किया। नॉक आउट फाइट क्लब को भारत सरकार व उ.प्र. सरकार द्वारा उनके कुशल कार्य हेतु पुरस्कृत भी किया जा चुका है। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सीमा देवी ने छात्राओं को फाइट क्लब के सदस्यों से परिचित कराया व आत्म रक्षा कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में अटैक के चार स्तरों से परिचय करवाया गया तत्पश्चात् रक्षा रणनीति का अभ्यास करवाया गया। पाँच स्तरीय गेम प्लान तथा रक्षा नीति का अभ्यास करवाया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय की लगभग 150 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। साथ ही आत्मरक्षा क्रियाओं का अभ्यास किया। डॉ. सोनम शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ महिला प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. रमाकान्ति, डॉ. नीलम यादव, डॉ. रंजना उपाध्याय ने छात्राओं को रक्षा गुर सीखने में सक्रिय रूप से सहयोग किया।

इसके अतिरिक्त प्रभारी एवं समिति के सदस्यों द्वारा छात्राओं की विभिन्न समस्याओं को सुनकर उसका निवारण किया गया। आवश्यकतानुसार बैठक आयोजित की गई जिसका उद्देश्य छात्राओं को जागरुक कर आत्मविश्वासी बनाना है।

प्रसार व्याख्यान

डॉ. अनीता सिंह
प्रभारी

महाविद्यालय के प्रसार व्याख्यान समिति के तत्वावधान में दिनांक 10 नवंबर 2022 को प्राचार्या प्रो. दिव्यानाथ की अध्यक्षता में प्रसार व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया जिसका प्रारंभ प्रो. अनीता सिंह ने विशिष्ट वक्ता श्री विनायक पुलाह प्रसिद्ध ज्योतिषविद् के अभिनंदन से किया।

डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा पुष्प गुच्छ द्वारा विशिष्ट वक्ता का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता श्री पुलाह द्वारा ज्योतिष की सार्थकता विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। ज्योतिष शास्त्र के इतिहास के बारे में बताते हुए वक्ता श्री पुलाह जी ने वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपयोगिता बताई। प्राचीन वैदिक काल से भारत में ज्योतिष को पढ़ाया जाता रहा है, जीवन की दशा एवं दिशा पर ग्रहों का प्रभाव पड़ता है। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी एवं अन्य कई विश्वविद्यालयों में ज्योतिष शास्त्र को पढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनम शर्मा द्वारा किया गया। व्याख्यान के अंत में कु. अनीता द्वारा महत्वपूर्ण एवं बहुआयामी व्याख्यान प्रस्तुत करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। प्रसार व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रसार व्याख्यान श्रृंखला में दिनांक 20 दिसंबर 2022 को "जीवन बीमा के संदर्भ में वित्तीय प्रबंधन का जीवन चक्र" विषय पर द्वितीय व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता श्री रामपाल सिंह पुंडीर, रिटायर्ड सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिस (यूपी) का स्वागत डॉक्टर सत्यंत कुमार द्वारा किया गया। विशिष्ट वक्ता द्वारा बताया गया कि जीवन बीमा अत्यंत ही आवश्यक है। जीवन के दौरान और जीवन के बाद भी यह आपके और आपके परिवार की सहायता करता है। कोई भी व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जरूरतों के मुताबिक मनी बैंक पॉलिसी या टर्म इंश्योरेंस योजनाएं ले सकता है। कार्यक्रम के अंत में बहुआयामी सारगर्भित व्याख्यान के लिए डॉक्टर सत्यंत कुमार द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्रसार व्याख्यान समिति के समस्त सदस्य एवं महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र

प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
निदेशक

स्वामी विवेकानंद भारत के ऐसे ज्योति पुंज हैं, जो भारत की आधी शताब्दी को प्रकाशित कर युगपुरुष के रूप में आजीवन संतप्त मानवता के कल्याण में रत रहे। स्वयं उनके गुरु रामकृष्ण के अनुसार–"विवेकानंद ताल नहीं, एक जलाशय है। वह कोई घड़ा या सुराही नहीं, पक्का पीपा है। वह साधारण सोलह पंखुड़ियों वाला कमल नहीं, वह तो शानदार सहस्त्रदल कमल है।" स्वामी जी का युवा आह्वान तत्कालीन युवाओं के लिए ही नहीं, वरन वर्तमान काल के युवाओं के लिए भी उतने ही प्रासंगिक है। वह ऐसे महापुरुष है, जिनकी ओजस्वी वाणी और मूल मंत्र आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं को कायरता का नहीं, वरन संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनके अनुसार "आपका संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।" उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो जाती, उपनिषद के इस मंत्र को विवेकानंद के उत्प्रेरक के रूप में युवा जागरण का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाविद्यालय का स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र अपनी स्थापना वर्ष से ही स्वामी जी के आदर्शों को छात्र छात्राओं में प्रसारित करने एवं उनके व्यक्तित्व को दिशा निर्देश देने हेतु कृतसंकल्प है।

इस क्रम में दिनांक 12 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में छात्राओं को स्वामी विवेकानंद के विषय में अधिक ज्ञान प्रदान कराने के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था "स्वामी विवेकानन्द के युवा आह्वान की वर्तमान प्रासंगिकता।"

द्वितीय प्रतियोगिता के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं द्वारा विवेकानंद जी के प्रेरक विचारों पर आकर्षक पोस्टर विनिर्मित किए गए।

अन्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ छात्राओं को ज्ञानदायी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 12 जनवरी 2023 को स्वामी जी की 160वीं जयंती है। इस सुअवसर पर महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए "स्वामी विवेकानंद एवं शिक्षा" विषयक वेल्यू एडेड कोर्स विनिर्मित किया है, जो की इसी सत्र में संचालित किया जायेगा। दो क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम छात्राओं को स्वामी जी के आदर्शों से लाभान्वित करने के साथ साथ उनकी अकादमिक उन्नति हेतु भी लाभप्रद होगा और इसके लिए समिति बधाई की पात्र है। वेबिनार के मुख्य वक्ता येगोलोनियन विश्वविद्यालय से संबंधित मिस्टर यूस्टिन येंडद्राशेवेस्की ने कहा कि स्वामी जी के महानतम विचार भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के लिए पथप्रदर्शक है। यूरोप के विभिन्न शिक्षा केन्द्रों में विवेकानंद के दर्शन को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। विवेकानंद वैश्विक चेतना के व्यक्तित्व हैं। विदेशी छात्रों में स्वामी जी को लेकर एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। इसी क्रम में टाइम्स ऑफ इंडिया की सीनियर प्रिंसिपल कॉरेस्पोंडट मिस कंचन गोगटे ने विवेकानंद से संबंधित प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उनके अनुसार स्वामी जी कालजयी व्यक्तित्व के धारक हैं। अध्यात्म, दर्शन, समाज, शिक्षा आदि प्रत्येक क्षेत्र में उनके आदर्श हमारे लिए अनुकरणीय है। स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र की निदेशक एवं वेबिनार संयोजिका प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी ने संचालन करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र की स्थापना स्वामी जी के आदर्शों एवं विचारों के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से की गई थी, जिससे कि वर्तमान युवा पीढ़ी स्वामी जी के प्रेरक विचारों से लाभान्वित होकर अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य से अवगत हो सकें और इस उद्देश्य की पूर्ति

हेतु केंद्र अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास कर रहा है। वेबिनार के अंत में स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र के पूर्व निदेशक एवं वेबिनार संयोजक प्रो. किशोर कुमार, जो कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से वर्तमान में येगोलोनियन विश्वविद्यालय पौलेण्ड में प्रोफेसर चेयर के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वे स्वयं स्वामी जी के आदर्शों से अत्यधिक प्रभावित है और भारत के साथ-साथ यहां भी स्वामी जी की शिक्षा और विचारों का प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य का विषय है कि मैं निरंतर स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र की गतिविधियों में सम्मिलित होकर अपना योगदान दे पा रहा हूं, और आगे भी स्वामी जी के आदर्शों को समाज तक पहुँचाने का यथासंभव प्रयास करूंगा।

प्राचार्या प्रो. दिव्या नाथ के निर्देशन में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समस्त कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के आयोजन में केन्द्र सलाहकार प्रो. अनीता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र की इस सत्र की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि स्वामी जी की शिक्षा पर मूल्य परक सर्टिफिकेट कोर्स का संचालित होना है।

इसके अतिरिक्त प्रोफेसर किशोर कुमार के निर्देशन में श्रीमती रश्मि द्वारा "धर्म अध्यात्म एवं मानवतावाद के परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद के कार्यों का मूल्यांकन" तथा श्रीमती पारुल कौशिक के द्वारा "स्वामी विवेकानंद का राजस्थान प्रवास एवं उसका सामाजिक प्रभाव: एक ऐतिहासिक अध्ययन" विषयों पर शोध कार्य भी संपन्न किया जा रहा है।

आगामी सत्रों में यह अध्ययन केंद्र और महत्वपूर्ण गतिविधियों के साथ स्वामी जी के आदर्शों के प्रचार प्रसार के माध्यम से युवाओं को दिशा निर्देशित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय सेमिनार

प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा
प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
सेमिनार संयोजक

कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के उपलक्ष्य में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी की अध्यक्षता में नैक, बैंगलुरु द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का दिनांक 06 अगस्त 2022 को आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था-"भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता संवर्धन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भूमिका"।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एच.एस.सिंह, वाइस चांसलर, मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय, बुलंदशहर के द्वारा मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की पुनीत शुरुआत हुई। महाविद्यालय की ओजस्वी प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ जी के द्वारा कार्यक्रम के गणमान्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ताओं के हेतु स्वागत भाषण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस सेमिनार के मुख्य अतिथि के रूप में सुशोभित प्रोफेसर एस.एस. सिंह एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर हरे कृष्ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से विभिन्न रूपों में जुड़े हुए हैं। चूंकि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न स्तरों पर आपने अपना विशिष्ट योगदान दिया है, अत: महाविद्यालय के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि आप लोगों के द्वारा आज इस सेमिनार के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न व्यवहारिक पक्षों पर प्रकाश डालकर प्रतिभागियों को इस विषय में विशेष रूप से लाभान्वित किया जायेगा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद शर्मा ने सेमिनार के विषय पर सूक्ष्म प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा को साझा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च आदर्शों की बात की गई है और संपूर्ण नीति विद्यार्थियों के हित में व्यापक संरचना लेकर आई है। विशेषकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह नीति क्रांतिकारी सिद्ध होगी। अभी इस नीति को लेकर शिक्षक वर्ग में बहुत सारी जिज्ञासा और प्रश्न हैं। उन्हीं सबके शमन हेतु इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आशा है कि इस सेमिनार के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के वृहद आदर्शों

और व्यापक संरचना को शिक्षा जगत सम्यक रूप से समझ पाने में समर्थ होगा।

सेमिनार के मुख्य वक्ता प्रो. हरे कृष्णा, सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति ने भारतीय शिक्षा नीति 2020 के मूल सिद्धांत एवं उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर लागू हुई इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका को व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दूरगामी परिणाम अत्यधिक सकारात्मक एवं उत्साहवर्धक होंगे। यह नीति भारतीय संरचना के साथ गठित की गई है, अतः इसमें भारतीयता के बोध के साथ-साथ वैश्विक आवश्यकताओं को पूर्णरूपेण ध्यान में रखा गया है। अतः भविष्य में इसके सुखद परिणाम हम सभी के सम्मुख आएंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. भारत भूषण, डायरेक्टर स्टूडेंट अफेयर्स इग्नू, दिल्ली ने राष्ट्रीय सेमिनार के उक्त विषय पर महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह शिक्षा नीति तत्कालीन समाज में प्रासंगिक है तथा भविष्य में अधिकाधिक विद्यार्थी रोजगार उन्मुख होकर देश की तरक्की में मील के पत्थर साबित होंगे। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के कई दोषों को यह शिक्षा नीति दूर करने में सक्षम होगी। उक्त सत्र के आखिरी चरण में मुख्य अतिथि प्रो. एच.एस. सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्रीय सेमिनार के गुणवत्तापूर्ण आयोजन की अनुशंसा करते हुए महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने की शुभकामना दी। इसी क्रम में नई शिक्षा नीति 2020 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन होने से शिक्षा में त्वरित विकास व सुधार की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। विषय विशेषज्ञ सत्र के समापन के क्रम में राष्ट्रीय सेमिनार की संयोजिका प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन से पूर्व उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में अपने विचार रखते हुए कहा कि निसंदेह राष्ट्रीय शिक्षा नीति सिद्धांत रूप से उच्च आदर्शों से युक्त है किंतु संकल्प से सिद्धि तक का मार्ग अभी दूर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्ण योजना के साथ क्रियान्वित किए जाने की आवश्यकता है। अभी इसके क्रियान्वयन के संबंध में बहुत सारी चुनौतियां शिक्षा जगत में सम्मुख है। हमें शिक्षक के रूप में अपने दायित्वों का सम्यक प्रकार से बोध करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किए जाने हेतु अपना योगदान प्रत्येक चरण पर अवश्य देना चाहिए। शिक्षकों के दृढ़ संकल्प से ही यह नीति सकारात्मक परिणाम ला सकती है। हमारा देश आचार्य चाणक्य का देश है। जहां चाणक्य जैसे गुरु असंभव से असंभव कार्य को भी संभव बना देने की क्षमता रखते हैं। उसी प्रकार वर्तमान समय में शिक्षकों को असंभव दिखने वाले इसके सफल क्रियान्वयन को संभव बना देने का संकल्प दृढ़ता के साथ लेना चाहिए। इस हेतु सभी स्तरों पर अपना सार्थक प्रयास विद्यार्थी हित में किए जाने की नितांत आवश्यकता है। इसके पश्चात् उन्होंने सेमिनार में उपस्थित मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, विशिष्ट अतिथि, तकनीकी सत्र के विशिष्ट वक्ताओं, प्रतिभागियों और महाविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

तकनीकी सत्र के द्वितीय चरण में डॉ. बनवारी, डॉ. हृदयेश आर्य, डॉ. दीपक कुमार शर्मा एवं डॉ. लाल सिंह इत्यादि ने विषयानुकूल व सारगर्भित शोध पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का संचालन डॉ. श्वेता सिंह एवं रिपोर्ट लेखन आयोजन सचिव डॉ. शिल्पी द्वारा किया गया।

द्वितीय सत्र के प्रथम चरण में ऑनलाइन माध्यम से 50 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा सुव्यवस्थित एवं उत्तम शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तकनीकी सत्र के आखिरी चरण में सेमिनार के समापन सत्र की मुख्य अतिथि डॉ. रुचि त्रिपाठी, असिस्टेंट एडवाइजर नैक, बंगलुरु ने राष्ट्रीय सेमिनार के विषय विमर्श की प्रासंगिकता एवं भविष्य में भी इसी प्रकार के सेमिनार के औचित्य को महत्व देते हुए भारतीय शिक्षा पद्धति में नई शिक्षा नीति की भूमिका की विस्तृत व्याख्या की।

ऑनलाइन तकनीकी सत्र का सफल संचालन, सेमिनार आयोजन सचिव प्रो. (डॉ.) किशोर कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने संचालन करते हुए राष्ट्रीय सेमिनार के विषय पर कहा कि यह हमारे लिए अत्यधिक सौभाग्य का विषय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन से हमारे महाविद्यालय के बहुत सारे प्राध्यापकों को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है और इस नीति के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण में हम सबने अपना यथासंभव योगदान दिया है। आगे भी इस पाठ्यक्रम को लागू किए जाने और उसके उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु जिस भी स्तर पर हमारा सहयोग वांछित होगा, हम पूर्ण मनोयोग के साथ अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्राप्ति भले ही अभी दूर हो, लेकिन एक न एक दिन इसके परिणाम हम सभी को आह्लादित करेंगे और साथ ही राष्ट्र निर्माण में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सत्र के द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेमिनार की सह संयोजिका डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम की विशद आख्या प्रस्तुत की गई। सत्र को समापन की ओर ले जाते हुए आयोजन सचिव डॉ. अरविंद यादव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। समापन सत्र के रिपोर्ट लेखन का कार्य डॉ. विनीता सिंह द्वारा किया गया।

सेमिनार के आयोजन में सेमिनार संयोजक प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र शर्मा एवं प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, आयोजन सचिव प्रो. (डॉ.) किशोर कुमार, श्रीमती शिल्पी, डॉ. अरविन्द कुमार यादव, सह संयोजक श्रीमती नेहा त्रिपाठी, डॉ. मीनाक्षी लोहानी, डॉ सत्यन्त कुमार, सह आयोजन सचिव डॉ. विनीता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सेमिनार की संपूर्ण संरचना प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में परिकल्पित की गई थी। उनके कुशल मार्गदर्शन के कारण सेमिनार ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

साथ ही यह राष्ट्रीय सेमिनार महाविद्यालय के सभी सदस्यों के अथक एवं अनवरत् प्रयासों से अपने उद्देश्यों को पूर्ण करता हुआ फलीभूत हुआ। भविष्य में भी छात्राओं के हित में इस प्रकार के औचित्यपूर्ण तथा प्रासंगिक कार्यक्रम पुनः कराने में कृत संकल्प महाविद्यालय नवीन आयामों के पथ पर अग्रसरित रहेगा।

भारतीय भाषा विकास प्रकोष्ठ

प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में भाषा विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता में छात्राओं में भाषा सम्बन्धी ज्ञान के विकास एवं संवर्धन के क्रम में विभिन्न प्रकार के व्याख्यान, कार्यशाला, प्रतियोगिता तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी के निर्देशन में किया गया।

04/10/22 को प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी द्वारा "हिन्दी भाषा के संवर्धन में छात्राओं की भूमिका" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया।

21/11/22 को चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) विकास शर्मा (कवि एवं उपन्यासकार) द्वारा 'हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का समाज में योगदान' विषय पर व्यवहारिक एवं उपयोगी व्याख्यान दिया गया।

11/12/22 को उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार भारतीय भाषा दिवस उत्सव के रूप में मनाये जाने के क्रम में ऑनलाइन माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव समिति एवं भारतीय भाषा विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा-शिक्षक विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार के द्वारा 'सुब्रमण्यम भारती का साहित्य में योगदान' पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।

16/01/2023 को बहुभाषीय शब्द प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संकाय के अलग-अलग छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विजयी छात्राएं निम्नवत् रहीं-

1.	प्रिया ओझा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	प्रथम पुरस्कार
2.	शिक्षा नागर	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	द्वितीय पुरस्कार
3.	कु. खुशी	बी.कॉम.. प्रथम सेमेस्टर	तृतीय पुरस्कार

30/01/2023 को महात्मा गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर भाषा विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में डॉ. अपेक्षा तिवारी द्वारा "अंग्रेजी साहित्य में महात्मा गाँधी।" विषय पर साहित्यिक व्याख्यान दिया गया।

08/02/2023 को हिन्दी विभाग एवं भाषा विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त सौजन्य से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. ब्रजपाल सिंह, भूतपूर्व प्राचार्य, मुरादाबाद ने "हिन्दी की बढ़ती लोकप्रियता" विषय पर व्याख्यान दिया।

20/02/2023 को महाविद्यालय प्रांगण में भव्य स्तर पर पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री रितेश श्रीवास्तव, अरिहन्त प्रकाशन मेरठ एवं विशिष्ट अतिथि श्री दिनेश, किताब घर प्रकाशन कार्यक्रम में

सम्मिलित हुए जहाँ उनकी सहयोगी टीम ने विभिन्न पुस्तकों के स्टॉल लगवाये, जिससे छात्राएं अत्यधिक लाभान्वित हुईं। पुस्तक मेले का औपचारिक उद्घाटन प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा किया गया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग, संस्कृत, अंग्रेजी इतिहास एवं कॉमर्स विभाग ने भी पुस्तकों के स्टॉल लगवाये। प्रो. (डॉ.) जीत सिंह एवं प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी ने अपने व्यक्तिगत पुस्तकों की भी प्रदर्शनी की जिसे छात्राओं ने निःशुल्क प्राप्त किया।

04/03/23 को भाषा विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में होली मिलन समारोह के रूप में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के कई प्राध्यापकों ने काव्य पाठ कर होली के रंग में चौगुना वृद्धि किया। फूलों से होली खेल कर सभी ने होली की शुभकामना व्यक्त की।

11/03/23 को भाषा विकास प्रकोष्ठ के द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। भाषा विकास प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. कनक लता के द्वारा "संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता एवं प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान दिया गया।

भाषा विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में छात्राओं की प्रतिभागिता अति उत्साहपूर्ण रही। सम्पूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन भाषा विकास प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. (डॉ.) रश्मि कुमारी के निर्देशन में सह प्रभारी डॉ. अपेक्षा तिवारी एवं सदस्य डॉ. कनक लता द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

LANGUAGE LAB COMMITTEE

Dr. Vijeta Gautam
In-Charge

With the primary purpose to facilitate the students in providing a platform to enhance and practice language and communication skills, the Language Lab Steering Committee has been constituted in Km. Mayawati Govt. Girls P.G. College, Badalpur, Gautam Buddha Nagar. It organizes various workshops, seminars and activities throughout the session to improve their proficiency in English, Hindi, and Sanskrit languages.

On 24th September 2022, *Spell Bee Competition* was organized by Dr. Vijeta Gautam to improve the vocabulary of the English language and develop linguistic skills such as listening, reading ans writing of the students, This competition helps develop all four language skills in an integrated manner. Many students showed their linguistic skills by participating in the competition with great enthusiasm. In this competition, the first position was secured by Ms. Shalu Nagar (B.A. III Sem). Ms. Kajal (B.A. III Sem) secured the second position and the third position was bagged by Ms. Shalu Chaddha (B.A. III Year).

On 21st October 2022, a lecture on *Bhasha Kaushal Vikas* was organized by Dr. Neelam Sharma to stress the need for the development of expression skills of students to make them more capable and comprehensible. Language skills include listening, reading, and writing through which ideas are exchanged. The measure of the effectiveness of a language is comprehensibility. She further discussed in detail the meaning, different types, importance, and various obstacles in the development of language skills and their solutions. She also pacified various curiosities of the students.

Phonetics is an integral part of the English language; it not only gives knowledge of the correct pronunciation of words, but in turn also helps in making our communication effective. Phonetic symbols are used in phonetic transcription to represent the pronunciation of words in written form. *Phonetic Transcription Competition* was organized by Dr.Vijeta Gautam on 10th November, 2022 for students to test their knowledge of phonetic transcription in the English language. A total of 37 students participated in this competition enthusiastically, out of which Ms. Kajal (B.A.III

Sem) got the first position. The second place was jointly held by Ms. Khushi Saifi (B.A.III Sem) and Ms. Lakshmi Kumari (B.A.III Sem). Ms. Komal Nagar (B.A.III Sem) and Mrs. Saloni Kumari (B.A. III Sem) Jointly Secured the third place.

On 14th December 2022, a lecture on *Bhasha Ki Utpatti Evam Vikas* was organized by Dr. Mintu to aware students about the evolution of language. She explained in detail the origin of sound, nature of words, and place of pronunciation. She not only explained the principles of Hindi language but also clarified the nuances of the pronunciation of characters and the difference in prouunciation by using them. This lecture organized by the committee in the interest of the students was ultimately successful in its objective.

An Essay Competition on Importance of Language Skills was conducted by Language Lab Steering Committee on 16th January 2023. This competition invited students to write an essay in 800-1000 words on key areas of language skills. A total of 23 students participated in this competition. All essays were judged on their content, organization, relevance to the theme, and novelty of ideas. After a thorough assessment- Mr. Ritika Rawat (M.A.II Sem) got the first place, Ms. Radhika (M.A.II Sem) secured the second place and, the third place held by Ms. Rabiya (M.A.II Sem).

On 20th February 2023, an online *Quiz Competition* was organized by Dr. Vijeta Gautam, in which a total of 104 students participated. The link of this quiz was circulated in the class groups and mentor groups of the students through WhatsApp at 10 am, and the deadline was at 5 pm. Through this quiz competition, the students were made aware of language skills. Ms. Kajal (B.A. III Sem) got first place in the competition. Ms. Khushboo (B.A. III Sem) stood second. Ms. Rabiya (M.A. II Sem) secured the third position.

Hindi is our mother tongue. More and more emphasis should be given on speaking, learning and understanding it. Talking about the present time, when students apply for jobs after completing their studies, they need to be proficient both in English and Hindi. To test the language proficiency among the students, *Vaartini Shuddhikaran Pratiyogita* was organized by Dr. Mintu on 18th March 2023, short sentences were given to the students to translate from Hindi to English and from English to Hindi. The main objective of this competition was to improve the language comprehension of the students. Along with this, the students were given information about the profession of the translator as a career option.

डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र

डॉ. सीमा देवी
समन्वयक

भारत के संविधान निर्माता, दार्शनिक, अर्थशास्त्री, कानूनविद्, समाजशास्त्री डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व, उनके कार्यों व विचारों को छात्र-छात्राओं व जनसाधारण के मध्य प्रचार-प्रसार करने हेतु प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के मार्गदर्शन में डॉ. सीमा देवी, समन्वयक, राजनीति विज्ञान द्वारा केन्द्र में विभिन्न गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं इसी क्रम में संविधान दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान दिनांक 26/11/22 को प्राचार्या के मार्गदर्शन में सम्पन्न कराया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रोचना मित्तल, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, एस.डी. कॉलेज गाजियाबाद रहीं, जिन्होंने 'संविधान के संवैधानिक मूल्य एवं मूलभूत सिद्धान्त' विषय पर चर्चा की। डॉ. रोचना मित्तल ने छात्राओं को बताया कि किस प्रकार भारतीय संविधान

की प्रस्तावना सम्पूर्ण संविधान को अपने में समाहित किये हुए है। व्याख्यान के पश्चात सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा संविधान की शपथ ली गई कि हम अधिकारों के साथ-साथ संवैधानिक कर्त्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करेंगे।

तत्पश्चात् छात्राओं हेतु निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था-'संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य' जिसमें निम्न छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया-

प्रथम- मीनाक्षी, बी.ए. तृतीय सत्र

द्वितीय- रचना, बी.ए. प्रथम सत्र

तृतीय- कविता, बी.ए. तृतीय सत्र

14 अप्रैल 2023 को डॉ. अम्बेडकर के 132वें जन्म दिवस के अवसर पर डॉ. सीमा देवी द्वारा प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्यानाथ के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्या एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये गये। तत्पश्चात् डॉ. सीमा देवी ने 'भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। उक्त दिवस को छात्राओं एवं उपस्थित प्राध्यापकों द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

मतदान जागरुकता (स्वीप)

डॉ. सीमा देवी
नोडल अधिकारी

विश्व के सबसे बड़े लोकतान्त्रिक देश भारत में निष्पक्ष चुनाव, चुनाव आयोग का प्रमुख ध्येय रहा है। लोकतन्त्र की परिपक्वता व आधार शिला उस देश के जागरुक व सतर्क मतदाताओं पर निर्भर है। एक जागरुकता मतदाता देश का भविष्य निर्धारित करता है। चुनाव आयोग ने इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर देश भर में स्वीप योजना के अन्तर्गत मतदान जागरुकता हेतु गठित Voter Awareness Forum (VAFS) को सक्रिय करने के निर्देश दिये। विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए देश में मतदान प्रतिशत बढ़ाना चुनाव आयोग के लिए हमेशा चुनौती भरा रहा है।

अत: प्रत्येक राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप (Sweep) योजना के अन्तर्गत मतदान जागरुकता कार्यक्रम सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में चलाया जाता है। महाविद्यालय भी उक्त कार्यक्रम में पूर्ण सहभागी रहा है। राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. सीमा देवी, नोडल अधिकारी ने महाविद्यालय की छात्राओं में मतदान जागरुकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। सर्वप्रथम दिनांक 25/12/23 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 'मतदान कार्ड प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय-'हमारा देश, हमारा मत, हमारा विकास' रखा गया जिसमें निम्नलिखित छात्राओं ने स्थान प्राप्त किये-

प्रथम स्थान	आकांक्षा	श्री जितेन्द्र	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय स्थान	लवली शर्मा	श्री महेश शर्मा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
तृतीय स्थान	साफिया	शेरु सलमानी	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

मतदाता दिवस के अवसर पर ही प्राचार्या महोदया के मार्गदर्शन में बादलपुर ग्राम की बी.एल.ओ. श्रीमती पूनम ने अपने सहायकों के साथ महाविद्यालय की छात्राओं को मतदाता पहचान पत्र हेतु पंजीकृत किया। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही। तत्पश्चात् महाविद्यालय प्रांगण में उपस्थित छात्राओं एवं प्राध्यापकों को डॉ. सीमा देवी द्वारा 'मतदान देश विकास में आवश्यक' की शपथ दिलाई गई।

दिनांक 4/2/23 को मतदान जागरुकता विषय पर पोस्टर बनाए गए, जिनको छात्राओं द्वारा एक समूह बनाकर प्रदर्शित किया गया एवं छात्राओं ने विभिन्न उक्तियों व नारों के माध्यम से मतदान व मतदाता के महत्व पर प्रकाश डाला।

EDUCATIONAL TRIP REPORT
DEPARTMENT OF VOCATIONAL STUDIES

Prof. (Dr.) Dinesh Chand Sharma
Nodal Officer
B.Voc. Course

Dr. Azad Alam Siddiqui
Asst. Professor
B.Voc.

The Department of Vocational studies, Km. Mayawati Govt. PG College, Badalpur, GB Nagar organized an educational trip to Dehradun, Mussoorie and Rishikesh, for B.Voc. (ATHM and MMDT) students from 15th March to 18th March 2023, under the supervision of Prof. Surendra kumar, Dr. Azad Alam Siddiqui, Mrs Hemlata and other staff members. A total of 30 students participated in the tour which was organized to fulfill academic requirements of Practical/training syllabus.

We started our journey at 10 PM from the college with Bus and reached 6 AM at Hotel the Onix Dehradun. The visit started with the students attending prayer at Buddha temple, and visited the beautiful monastery. Our next visit place was FRI (Forest research Institute) one of the oldest research institute in India where students were very excited to see the research work going on and different departments in the building.

Our next destination was Robbers cave and Shahastradhara, where students were mesmerized to see the beauty of nature. Next day on 17th march we started our journey for Mussoorie (Queen of the Hills) students then took a round on the mall road and feel the freshness in air. On both the sides of the road the scenery and the views of hill were very pleasant. There were green trees and deep valleys We went higher and higher. Our last destination of the day was Kempty fall.

In the last day of our journey we visited Rishikesh (city known as a center for studying yoga and meditation). Students visited many temples and performed prayer. This visit was of outmost academic importance to the ATHM students as it covered beautiful tourist places of Uttarakhand and for MMDT students they got to know that fresh air, fresh water and beautiful nature is itself a doctor and they got to know why doctors recommend people to visit these hilly places to improve their health.

The visit ended with an informal discussion among the students and teachers about the places they visited, followed by clicking a group photograph, The visit thus turned out to be successful by fulfilling its aim of imparting knowledge in an interesting way to the students which will remain fresh in their memories for long. All students had registered their feedback on a google form and detailed report along with pictures of this visit.

एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति

लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति द्वारा शैक्षणिक सत्र में आजादी के अमृत महोत्सव आयोजन के क्रम में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सत्र के प्रारम्भ में सर्वप्रथम 05 अगस्त 2022 को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत महाविद्यालय में जागरुकता संवाद आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने कहा कि भारत सरकार द्वारा यह

अभियान आजादी के 75 वें साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आरंभ किया जा रहा है। इस अभियान में राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से देश के नागरिकों में राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम की भावना को जागृत करना है। इसी क्रम में दिनांक 08 अगस्त 2022 को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति द्वारा ग्राम पंचायत सादोंपुर में "भारत की आजादी में 1857 के क्रांतिकारियों की भूमिका" विषय पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। जिसमें एन.सी.सी. के कैंडेट्स ने ग्रामीणों के बीच ब्रिटिश सरकार के शोषण के विरुद्ध भारतीयों के प्रेरणादायक संघर्ष-कथा को प्रस्तुत किया गया। दिनांक 11 अगस्त 2022 को समिति द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास के विभिन्न संदर्भों पर डॉक्टयूमेंट्री दिखाई गई। जिसके माध्यम से छात्राएँ यह जान पायीं कि राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास भी स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से कम गौरवशाली नहीं रहा है। दिनांक 13 अगस्त 2022 को एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सौजन्य से 'मेरा तिरंगा मेरा अभिमान' सूत्र वाक्य के साथ साइकिल रैली निकाली गई। साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने छात्राओं को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि भारत का राष्ट्रध्वज देश की शान, गौरव तथा अभिमान होता है। इसकी अभिकल्पना महान पुरुषों द्वारा बहुत सोच समझ कर की गई है। जिसमें प्रत्येक रंग तथा चक्र देश की एकता, अखण्डता, विकास तथा खुशहाली को दर्शाता है। इसी क्रम में 14 अगस्त 2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने कहा कि नफरत और हिंसा की वजह से हमारी लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन सामाजिक विभाजन, वैमनस्यता के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव तथा मानव सशक्तिकरण की भावना को और मजबूत करने की जरूरत की याद दिलाता है। यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए प्रेरित करता है। भारत की स्वतंत्रता के राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त 2022 को भी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति द्वारा विभिन्न आयोजन किये गए। इस अवसर पर ध्वजारोहण के उपरान्त वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और जागरुकता अभियान चलाए गए। उक्त श्रृंखला में समिति द्वारा 31 अक्टूबर 2022 को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। सर्वप्रथम रन फॉर यूनिटी आयोजित किया गया। जिसको संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तत्पश्चात् राष्ट्रीय एकता की शपथ कार्यक्रम के साथ छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा देशभक्ति के गीत, कविता, स्लोगन लेखन के साथ अपने विचार भी प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय नायक ही नहीं राष्ट्रीय आदर्श हैं। उनके जीवन की एक-एक घटना इस राष्ट्र को नित नई प्रेरणा दे रही है। उनकी प्रशासनिक क्षमता तथा नेतृत्व कौशल आज भी राष्ट्रीय नेतृत्व को राह दिखा रहा है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वह सरदार पटेल के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें तभी उन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अंत में उपस्थित छात्राओं को सरदार पटेल पर डेढ़ घंटे की पिक्चर भी दिखाई गई जिसने छात्राओं को इस बात का एहसास कराया कि आजादी के आंदोलन में देश के शहीदों का योगदान भुलाया जाना सम्भव ही नहीं है। दिनांक 17 नवम्बर 2022 को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति द्वारा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में वाराणसी में आयोजित काशी तमिल समागम का सजीव प्रसारण किया गया। शिक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'काशी तमिल समागम' का आयोजन 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक वाराणसी (काशी) में किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश वाराणसी और तमिलनाडू के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक संबंधों को पुनर्जीवित करना भी है। इस समारोह में तमिलनाडू के 12 प्रमुख मठ मंदिर के आदि नमो (महंतो) को काशी की धरा पर पहली बार सम्मानित किया गया। महामना की बगिया में हुए इस भव्य समारोह के बाद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान शिव के ज्योर्तिलिंग काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम के एकाकार पर आधिनमों से संवाद किया। यहाँ उन्होंने काशी और तमिलनाडू के बीच आध्यात्मिक संबंधों पर संवाद के साथ ही काशी व काशी विश्वनाथ से वहां के जुड़ाव पर अपने विचार साझा किये। भगवान राम के हाथों स्थापित रामेश्वरम ज्योर्तिलिंग के साथ ही स्वयंभू काशी विश्वनाथ की महिमा पर मोदी जी को सुनना श्रोताओं के लिए सुखद रहा।

19 दिसम्बर 2022 को एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा गोवा मुक्ति दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षक-शिक्षा विभाग में आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग की छात्राओं तथा लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी के नेतृत्व में महाविद्यालय की एन.सी.सी. इकाई की समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एन.सी.सी. प्रशिक्षक श्री रंजीत कुमार जी भी उपस्थित रहे। आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए शिक्षक-शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने गोवा मुक्ति संघर्ष के स्वर्णिम इतिहास से श्रोताओं को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैसे और क्यों करीब साढ़े चार सौ साल तक गोवा पुर्तगाली तथा अंग्रेजी शासन के अधीन रहा। उन्होंने कहा कि गोवा मुक्ति आंदोलन सिर्फ पराधीनता से मुक्ति का आंदोलन नहीं है, बल्कि आजादी के लिए अनवरत संघर्ष का भी इतिहास है। हर वर्ष दिनांक 19 दिसम्बर को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय स्वाभिमान एवं भारतीय सेना के अदम्य पराक्रम का प्रतीक है क्योंकि मात्र 36 घण्टे के युद्ध में ऑपरेशन विजय का सफल होना कोई सामान्य घटना नहीं थी।

लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी ने गोवा मुक्ति संग्राम में राममनोहर लोहिया जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि वर्ष 1946 में समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया जी ने गोवा के मडगांव में एक ऐतिहासिक रैली का नेतृत्व किया जिसमें नागरिक स्वतंत्रता और भारत के साथ अंतिम एकीकरण का आह्वान किया गया, यह गोवा के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बबली अरूण द्वारा किया गया।

दिनांक 24 जनवरी 2023 को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' समिति एवं शिक्षक-शिक्षा विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के प्रथम दिवस भव्य आयोजन किये गए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उक्त क्रम में बी.एड. छात्रा कु. काव्या, मानसी सिंह तथा सरिता द्वारा क्रमशः बृजक्षेत्र, अवधक्षेत्र तथा पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत के साथ साथ इन क्षेत्रों में निवेश व रोजगार के अवसरों के बारे में तथ्य आधारित प्रस्तुति दी गयी। कु. मानसी सिंह एवं अन्य छात्राओं द्वारा 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' शीर्षक पर आधारित लघु नाटिका ने सभी को इस गम्भीर विषय से पुनः अवगत कराया। इसी क्रम में कु. रागिनी द्वारा भोजपुरी संस्कृति की झलक दिखाता चौकिया माता का गीत प्रस्तुत किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2018 में प्रथम बार प्रदेश के स्थापना दिवस को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के रूप में मनाया। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को प्रदेश के स्थापना दिवस को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिल्प कौशल तथा प्रदेश की अन्य विविधताओं का प्रदर्शन किया जाता है। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व परियोजनाओं को जन-मानस के सूचनार्थ विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा बहुत से स्टॉल तथा प्रदर्शनियों के माध्यम से भी दर्शाया जाता है। उत्तर प्रदेश दिवस का लक्ष्य है कि प्रदेश तथा देश के अन्य भागों में रह रहे लोगों को यहां के इतिहास, संस्कृति तथा विकास की जानकारी प्रदान की जाए तथा उन्हें प्रदेश के वृहद संभाव्य क्षेत्रों में निवेश हेतु आमंत्रित किया जाए। आयोजन के अंतिम पड़ाव में एन.सी.सी. कैडेट कु. अंकिता और कैडेट कु. सेजल द्वारा राधा-कृष्ण की होली को दर्शाता मनोरम नृत्य प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया तथा शिक्षक-शिक्षा विभाग के प्रवक्ता डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। 24 जनवरी, 2023 को ही एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' भी मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. विनीता सिंह ने कहा कि इस दिन को मनाने का खास मकसद यह होता है कि लड़का और लड़की के भेद को खत्म किया जा सके। बेटियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया जा सके। इस दिन यह अवेयरनेस केवल लड़कियों के लिए ही नहीं होती है, बल्कि पूरे समाज को भी यह मैसेज दिया जाता है कि लड़के और लड़की में कोई अंतर नहीं है। इसी क्रम में अपने विचार रखते हुए डॉ. नीलम शर्मा ने कहा कि आज देश की बेटियाँ हर फील्ड में अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीय समाज में आज ही नहीं बल्कि काफी पहले से लैंगिक असमानता एक बड़ी चुनौती रही है। भारत सरकार ने महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव की इस स्थिति को बदलने और सामाजिक स्तर पर लड़कियों की हालत में सुधार

करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान, 'सुकन्या समृद्धि योजना', बालिकाओं के लिए मुफ्त या अनुदानित शिक्षा और कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में सीटों का आरक्षण शामिल हैं। भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी और 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। शिक्षक-शिक्षा विभाग में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में विभाग प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत साल 2008 में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा की गई थी। इस दिन का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के साथ होने वाले अन्याय के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। इसके अलावा, इस दिन के पीछे एक और खास वजह जुड़ी हुई है। दरअसल, साल 1966 में इंदिरा गांधी ने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। इस लिहाज से यह दिन देश के इतिहास में महिलाओं के लिए और भी खास हो गया, क्योंकि आजादी के बाद पहली बार किसी महिला के हाथ में देश की कमान थी।

उपरोक्त आख्या में वर्णित गतिविधियों के अतिरिक्त एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति आगामी सत्र में भी शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने को कटिबद्ध रहेगी।

NATIONAL CADET CORPS (NCC)

Lt. (Dr.) Meenakshi Lohani
Associate NCC Officer

NCC provides an environment conducive to motivating young Indians to join the armed forces. To Create a Human Resource of Organized, Trained and Motivated Youth, To Provide Leadership in all Walks of life and be Always Available for the Service of the Nation. For the same NCC unit of the college conducted various activities throughout the year like Rallies, awareness workshops, Plantation Drives, Poster Competitions, Fit India Programme, Jal Shakti Abhiyaan, Independence Day, Republic Day, National Unity Day, NCC Day, Gandhi Jayanti etc, some of them are mentioned here:

- 14th January 2022 "Suryanamaskaar: Jeevan Shakti ka Aadhar" was celebrated.
- WEBINAR ON AWARENESS DRIVE SSCD Activity on "Awareness Drive for Vaccination of Children" (From 15 to 18 years) Date: 19th & 20th January, 2022.
- UP Day was celebrated on 24 January 2022.
- Azadi ka Amrit Mahotsav: Flag Hoisting & Republic Day Celebration was done on 26th January 2022.
- Cadets and ANO Attended CATC 136: 29th Jan to 4th February 2022 @ DPS Ghaziabad.
- On 27th February 2022, 12 Cadets appeared in "B" Certificate Examination.
- On 06th March 2022, 20 Cadets appeared in "C" Certificate Examination.
- 02 Cadets got CM & CWS Scholarship.
- Road Safety Rally was organized on 21 May 2022.
- A Poster Competition Was organised on World No Tobacco Day, 31st May 2022.
- Planted 1050 trees in July & Aug 2022 in and around Badalpur Village.
- Road Safety Programme was conducted from 19 May 2022 to 16 June 2022.
- International Yoga Day was celebrated on 21 June 2022.
- Cadets were encouraged to take the Pledge for fighting against Drug Abuse on 26th June

2022.

- 2 Cadets explored the Himalayas during All India Girls Trekking Expedition (HIMTREK) 2022 in June @ Baijnath, Himachal Pradesh.
- 02 Cadets were selected for Air Force attachment Camp @ air Force Station Hindon Ghaziabad from 11th July 2022 to 16th July 2022.
- Successfully completed Refresher Course SW61-from 5th July to 24th July 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: "Har Ghar Tiranga" Registration on 5th August 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: Nukkad Natak on 08th August 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: Telecasting Making of National Flag through Online and Offline mode on 11th August 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: Rally on 13th August 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: Telecast of Documentary on "Vibhanjan Vibhishika Diwas" on 14th August 2022.
- Azadi Ka Amrit Mahotsav: Flag Hoisting & Independence Day Celebration on 15th August 2022.
- Two Cadets were selected for IBC On 13th September 2022.
- Attended online Super 30 SSB Coaching from 17th to 26th September 2022.
- NCC New Enrollment was done on 28th September 2022 & 23 new Cadets were enrolled.
- On 2nd October 2022 Swatchta Abhiyaan & Plantation was done in and around College Campus.
- National Unity Day was celebrated on 31st August 2022.
- An awareness Campaign was run in the college for 3 Rs (Reuse, Reduce & Recycle) from 11th to 14th November 2022.
- Cadets were encouraged to take the Pledge" Puneet Sankalp" to prevent the spread of plastic pollution and support Puneet Sagar Abhiyaan on 16th November 2022.
- "Kashi Tamil Sangmam" was live-streamed in the college on 19th November 2022.
- A poster Competition was organised on NCC Day i.e. 27th November 2022.
- Attended CATC 137:28th November to 5th December 2022 @ Panchsheel Balak Inter College, G Noida.
- Attended CATC 138: 6th December 2022 to 13th December 2022 @ Panchsheel Balak Inter College, G Noida.
- Cadets registered on mygov.in and spread awareness amongst the masses by selling Armed Forces Flags and raising Funds for Armed Forces Flag Day on 7th December 2022.
- Cadets Participated in Annual Sports Day on 16th on 17th December 2022 and NCC Cadet Nikky Bhati Got the trophy for "Sports Champion of the College".
- Goa Liberation Day was celebrated on 19th December 2022.
- One Cadet Komal Mavi is Selected for Republic Day Parade 2023 for "Guard of Honour".
- One Cadet Taruna Tonger got Selected for Delhi Police.
- Cadet Jyoti Selected for CMP.

जल शक्ति समिति

लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहनी
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की जल शक्ति समिति द्वारा वर्तमान शैक्षणिक सत्र में विभिन्न जागरुकता एवं शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। हम सभी अवगत हैं कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की समृद्ध और विशाल विविधता से संपन्न राष्ट्र है, पानी उनमें से एक है। इसका विकास और प्रबंधन कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एकीकृत जल प्रबंधन गरीबी में कमी, पर्यावरण संरक्षण और सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय जल नीति की परिकल्पना है कि देश के जल संसाधनों को एकीकृत तरीके से विकसित और प्रबंधित किया जाना चाहिए। इसी परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए शासन के प्रयासों को महाविद्यालय की जल शक्ति समिति डॉ. मीनाक्षी लोहानी के नेतृत्व और प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ के निर्देशन में मूर्तस्वरूप देने का सार्थक प्रयास कर रही है।

जल शक्ति समिति द्वारा सर्वप्रथम दिनांक 05 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस पर महाविद्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने कहा कि आज का विमर्श इस वर्ष के थीम "ओनली वन अर्थ (Only One Earth)" पर केंद्रित है, जिसमें "लिविंगस स्टेनेबल इन हार्मनी विद नेचर" पर चर्चा केन्द्रित रहेगी। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 2022 का विषय पृथ्वी ग्रह की संवेदनशीलता पर प्रकाश डालता है और इस बात पर जोर देता है कि आज पृथ्वी ही एकमात्र निवास है जो मानवता के पास है। इस अवसर पर वनों की कटाई पर बोलते हुए जलशक्ति समिति प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी ने कहा कि बड़े पैमाने पर पेड़ों का कटना हमारे पर्यावरण के लिए घातक बन गया है। वन कार्बनडाइ ऑक्साइड के प्राकृतिक सिंक हैं; वे तापमान और वर्षा आदि को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यदि इसे रोका नहीं गया, तो मिट्टी का कटाव, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि, अनियमित बारिश और बाढ़ पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालेंगे। सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बोलते हुए डॉ. निशा यादव ने कहा कि गंदा पानी स्वास्थ्य की सबसे बड़ी समस्या है। यह जीवन की गुणवत्ता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। अधिकांश लोगों के पास अभी भी स्वच्छ पानी और शौचालय तक पहुँच नहीं है। दुनियाभर में प्रति वर्ष दस लाख से अधिक लोग पानी, स्वच्छता और स्वच्छता संबंधी बीमारियों से मरते हैं, जिन्हें सुरक्षित पानी और स्वच्छता की पहुँच से कम किया जा सकता है।

जल शक्ति समिति द्वारा भूगोल विभाग में दिनांक 16 जुलाई 2022 से 22 जुलाई 2022 तक जल संरक्षण सप्ताह आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत विभाग में निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी एवं नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। साप्ताहिक कार्यक्रम के समापन सत्र में बोलते हुए भूगोल विभाग के डॉ. कनक कुमार ने कहा कि जल संरक्षण का अर्थ पानी बर्बादी तथा प्रदूषण को रोकने से है। जल संरक्षण एक अनिवार्य आवश्यकता है क्योंकि वर्षा जल हर समय उपलब्ध नहीं रहता अतः पानी की कमी को पूरा करने के लिये पानी का संरक्षण आवश्यक है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्यानाथ ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि नीति आयोग के जल प्रबंधन सूचकांक के अनुसार वर्तमान में भारत अपने इतिहास के सबसे खराब जल संकट से जूझ रहा है, क्योंकि जल की गुणवत्ता में देश का स्थान 122 देशों में से 120वां है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय का गठन जल प्रबंधन के विषय में भारत सरकार की गंभीरता और सक्रियता को दर्शाता है। जल शक्ति मंत्रालय ने जल शक्ति अभियान शुरु करके पानी की चुनौती को खत्म करने का प्रयास किया है।

जल शक्ति समिति द्वारा दिनांक 22 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मिहिर भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादरी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर (डॉ.) भीकम सिंह ने विश्व जल दिवस के आयोजन के इतिहास और उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि विश्व जल दिवस

(World Water Day) प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य पानी के खड़े हो रहे संकट और लोगों में पानी की कमी से होने वाले प्रभाव के बारे में जागरुकता पैदा करना है। यह दिन मानव जीवन में जल के महत्व को पहचानने के लिए संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर के देशों की एक पहल के रूप में मनाया जाता है। जल, सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. निशा यादव ने कहा कि इस वर्ष 2023 का विश्व जल दिवस, इसके 50 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। यह दिन 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद पहली बार 1993 में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य जल संरक्षण हेतु जागरुकता फैलाना और चले आ रहे जल संकट को कम करने और रोकने के लिए कार्रवाई करना है। विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालना भी है। विश्व स्तर पर स्वच्छता की समस्या भी जल के मुद्दों से जटिल रूप से जुड़ी हुई है। जल और स्वच्छता की प्रकृति ऐसी है कि स्वच्छता के लिए स्वच्छ जल आवश्यक है और स्वच्छता, स्वच्छ जल निकायों और अदूषित जल को भी सुनिश्चित करती है। डॉ. कनक कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विश्व जल दिवस (World Water Day) की थीम संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी की गई है। सभी भाग लेने वाले देशों और अन्य निकायों से कार्यक्रम आयोजित करने और घटना को सभी कोनों में फैलाने की उम्मीद की जाती है। विश्व जल दिवस 2023 की थीम "जल और स्वच्छता संकट को हल करने के लिए परिवर्तन में तेजी लाना" है। यह थीम न केवल वैश्विक नेताओं और व्यापारियों को परिवर्तन में तेजी लाने के लिए आमंत्रित करती है बल्कि हम आम नागरिकों को परिवर्तन ला सकने वाले के रूप में भी मान्यता देती है। यह माना जाता है कि यदि हम सभी जल का उपभोग करने के तरीके को बदल दें तथा स्थिरता और न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करें तो जल संकट को काफी हद तक टाला जा सकता है। विश्व जल दिवस (World Water Day) की थीम समुदाय, समाज और राष्ट्रीय स्तर पर लोगों से सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करती है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपांक्षी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जल शक्ति समिति के सौजन्य से महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा दिनांक 25 मार्च 2023 को अर्थ ऑवर पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए एम.एम.एच. कॉलेज, गाजियाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर (डॉ.) उत्तम कुमार सिंह ने कहा कि अर्थ ऑवर दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए अर्थ ऑवर में भाग लेने और जलवायु परिवर्तन के लिए अपना समर्थन दिखाने का एक अवसर है। एक घंटे के लिए अपनी लाइट बंद करके, आप ऊर्जा की खपत में काफी अंतर ला सकते हैं और इस ग्रह पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अर्थ ऑवर विश्व वन्य जीव कोष (डब्ल्यू डब्ल्यू एफ) द्वारा आयोजित एक विश्वव्यापी आंदोलन है। यह आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, व्यक्तियों, समुदायों और व्यवसायों को गैर-जरूरी बिजली की बत्तियाँ एक घण्टे रात 08:30 से 09:30 तक बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

WWF के अनुसार, लाइट बंद करना जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरुकता बढ़ाने का एक "प्रतीकात्मक" तरीका है। संगठन ने अपनी समाचार विज्ञप्ति में कहा, "अंधेरे का समय हमें अपनी दैनिक दिनचर्या की व्यस्तता से बाहर निकालता है और हमें उस एक घर को प्रतिबिंबित करने की अनुमति देता है जिसे हम सभी साझा करते हैं।" डॉ. निशा यादव ने कहा कि अर्थ ऑवर की शुरुआत वर्ष 2007 में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर से हुई थी और धीरे-धीरे यह दुनियाभर में पॉपुलर हो गया। 2008 में 35 देशों ने अर्थ ऑवर डे में हिस्सा लिया। अब अर्थ ऑवर डे में 178 देश शामिल हो गए हैं। यह पर्यावरणीय पहल डब्ल्यूडब्ल्यूएफ द्वारा ऊर्जा दक्षता और कम कार्बन फुटप्रिंट को बढ़ावा देने के लिए शुरु की गई थी।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. कनक कुमार द्वारा सभी छात्राओं को शपथ दिलाई गई कि वे सभी स्वयं एवं अपने पड़ोस को रात एक घण्टे के लिए सभी लाइट्स बंद करने को प्रोत्साहित करेंगी।

जल शक्ति समिति और भूगोल विभाग के संयुक्त सौजन्य से दिनांक 22 अप्रैल 2023 को पृथ्वी दिवस पर व्याख्यान एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। व्याख्यान सत्र के अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि पृथ्वी दिवस एक वार्षिक उत्सव है जो पर्यावरण आंदोलन की उपलब्धियों का

सम्मान करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता के बारे में जागरुकता बढ़ाता है। इसी क्रम में अपने विचार रखते हुए भूगोल विभाग प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी ने कहा कि 22 अप्रैल को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस (World Water Day 2023) का मुख्य उद्देश्य लोगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट कर पर्यावरण संरक्षण हेतु अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित करना है, ताकि इस ग्रह को नुकसान पहुँचाने वाली मानव गतिविधियों को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस 2023 का विषय "हमारे ग्रह में निवेश करें" है, जो व्यवसायों को स्थायी प्रथाओं की ओर स्थनांतरित करने का आह्वान करता है। भूगोल विभाग की शिक्षिका डॉ. निशा यादव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पहला पृथ्वी दिवस 1970 में मनाया गया था जबकि भारतीय दर्शन में हम सनातन काल से पृथ्वी का वर्णन करने के लिए 'धरती माँ' के रूपक का उपयोग करते रहे हैं क्योंकि पृथ्वी वह स्थान है जहाँ हम रहते हैं, जीवित रहते हैं। पृथ्वी जीवन की आवश्यकताओं जैसे हवा, भोजन, पानी, सामग्री आदि प्रदान करती है जैसे एक मां अपने बच्चों की जरूरतों का ख्याल रखती है। पृथ्वी के बिना जीवों का जीवित रहना असंभव होगा। इस अवसर पर डॉ. कनक कुमार ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की शुरुआत सबसे पहले 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने की थी। इसके ठीक एक साल पहले यानी 1969 में कैलिफोर्निया के सांताबारबरा में तेल रिसाव के कारण बड़ी त्रासदी हो गई थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपांक्षी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में छात्राओं द्वारा पृथ्वी की वेदना प्रदर्शित करते पोस्टर तैयार किये गए। समापन सत्र में विभाग प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी लोहानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त भी जल शक्ति समिति द्वारा महाविद्यालय के विभिन्न आयोजनों में अपनी सहभागिता की है।

शैक्षणिक सत्र के अंत में गत सत्र की समस्त गतिविधियों और आयोजनों की सूक्ष्म आख्या प्रस्तुत करते हुए जल शक्ति समिति आगामी सत्र में होने वाले समस्त निर्देशित आयोजनों के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है।

कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ

श्रीमती शिल्पी-(प्रभारी)

डॉ. विनीता सिंह-(सहप्रभारी)

महाविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ छात्राओं को करियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रेरित करने हेतु कार्यरत है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य छात्राओं में सकारात्मक ऊर्जा, समय प्रबंधन, निर्देशन एवं परामर्श, गलत करियर ना चुनना, कौशल संबंधित करियर चुनाव में सहायता एवं लक्ष्य निर्धारण, रोजगार संबंधित जानकारी, साक्षात्कार की तैयारी हेतु प्रशिक्षण, रिक्त पदों की जानकारी, समस्या समाधान कौशल, सॉफ्ट स्किल्स इत्यादि विकसित करना है।

इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु महाविद्यालय की प्राचार्य ने कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ गठित किया, जिनके सदस्य निम्नलिखित हैं;

श्रीमती शिल्पी	-	प्रभारी
डॉ विनीता सिंह	-	सह प्रभारी
डॉ. मणि अरोड़ा	-	सदस्य
डॉ ऋचा	-	सदस्य
डॉ. नितिन त्यागी	-	सदस्य

यह प्रकोष्ठ छात्राओं के उज्जवल भविष्य हेतु निरंतर कार्यरत है तथा छात्राओं की करियर संबंधित समस्याओं के निवारण एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु परामर्श करने में अपनी भूमिका का निर्वाह करता है। छात्राओं को रोजगार संबंधित जानकारी प्रदान करने के अतिरिक्त परामर्श देने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं विभिन्न प्लेटफार्म पर रिज्यूम अपलोड इत्यादि की जानकारी भी प्रदान करने में सहायक है। कुमारी मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यरत

कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विभिन्न प्रकार की रोजगार संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सत्र 2022-23 में मेधा संस्थान द्वारा संचालित CAB (Career Advancement Bootcamp) प्रशिक्षण में 24 छात्राओं एवं LAB कक्षाओं को 23 छात्राओं ने सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस प्रकोष्ठ में स्वयंसेवी संस्था मेधा के सौजन्य से व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण विषय पर नियमित रूप से CAB एवं LAB की दो बैच की कक्षाएं महाविद्यालय में संचालित की गई। लगभग 60 छात्राओं को नियमित प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के विभिन्न अवसर प्रदान किए तथा 35 छात्राओं ने सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण की। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ के निर्देशन में मुंबई आधारित स्वयंसेवी संगठन टेक्नोसर्वइंडिया फाउंडेशन के सौजन्य से 40 छात्राओं ने "कैंपस टू कॉरपोरेट" शॉर्ट टर्म कोर्स को पूरा किया। Technoserve Youth Employability Program के अंतर्गत छात्राओं के लिए 60 घंटे की कक्षाएं आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार क्षमताओं के विकास हेतु निर्देश एवं परामर्श प्रदान किया गया। टेक्नोसर्व कैंपस टू कॉपोरेट कैरियर कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को रोजगार कौशल संबंधित जानकारी चार महत्वपूर्ण चरणों में दी गई-Career Readiness, Career Counselling, Career Access एवं Career Success. फाउण्डेशन ने छात्राओं को विभिन्न रोजगार परक प्रशिक्षण प्रदान किए। छात्राओं की रूचि के अनुसार जनवरी से जून के बीच में विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान किए गए। महाविद्यालय की कुमारी काजोल गर्ग एवं नेहा का प्लेसमेंट हुआ।

महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में, मेधा के सौजन्य से छात्राओं ने विभिन्न संस्थाओं एवं उद्योगों जैसे Infovirtech, Tech Curator, Rajeshwari Infotech Pvt Ltd, Leprosy Mission Trust India, Skill Arena Educational Technologies, Bhavisya Global School, Arya Deep Public School, ICICI Bank, HDRC Bank, Ad School Master, Vodafone, Suvidha Foundation, Apprentice Project, Silverlabs India Pvt Ltd, Indrashala, Bucket list इत्यादि में सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण की। महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं को विभिन्न संस्थाओं एवं उद्योगों जैसे टेक महिंद्रा, रियल टाइम, डाटा सर्विसेज एक्सचेंजर, एयरटेल पेमेंट बैंक, Teach Mint, SBI, Kotak Bank, Flipkart, Indusind Bank, Zomato, Pratham Institute, ONGC Foundation, ICICI, Health Care, Brightchamps Academy, Arya Deep Public School etc. में रोजगार हेतु साक्षात्कार करने का अवसर एवं प्रोत्साहन दिया गया। महाविद्यालय की छात्राओं को बैंक, स्कूल एवं उद्योगों में रोजगार का अवसर प्रदान किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं को उनकी पारिवारिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए work-from-home की अपॉर्चुनिटी के बारे में निर्देशित एवं परामर्श दिया गया तथा WFH के विभिन्न अवसर प्रदान किए गए। कुमारी साक्षी ने इनोक्रेज कंपनी, Noida में सेल्स एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। चार छात्राएं Leprosy Mission Trust इंडिया के साक्षात्कार में उत्तीर्ण हुई। कुमारी तनु शर्मा ने टेली कॉलिंग एग्जीक्यूटिव के रूप में जीनियस कंसल्टेंट्स लिमिटेड नोएडा में कार्यभार ग्रहण किया। काजल वर्मा, पायल पायला ने बिजनेस डेवलपमेंट इंटर्न के रूप में स्टील एरिना एजुकेशन टेक्नोलॉजी में कार्यभार ग्रहण किया। कुमारी संगीता ने भविष्य ग्लोबल स्कूल, श्वेता आर्य ने दीप पब्लिक स्कूल, नेहा नागर आईसीआईसीआई बैंक, निशू धालिया एडीएफएस में कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 15 जुलाई 2022 को छात्राओं को Mr. Sanjul A, Bhakri, VP Programme Implementation, Medha द्वारा मोटिवेशन लेक्चर का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने छात्राओं को अधिगम के नवाचार तरीके, रोजगार संबंधित कौशल प्रबंधन इत्यादि विषयों के बारे में बताया।

दिनांक 30 सितंबर 2022 को महाविद्यालय के Multipurpose Hall में "Weekends with Walter Show" का आयोजन Yash Walter द्वारा किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य वैकल्पिक कैरियर पदों के बारे में जानकारी प्रदान कर युवाओं के बीच में जागरुकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ का

संक्षिप्त प्रेरणादायक साक्षात्कार Mr. Yash Walter द्वारा किया गया, जिसमें उनकी शिक्षा, लक्ष्य निर्धारण, लक्ष्य प्राप्ति प्रतिबद्धता एवं चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई। छात्राओं के लिए यह अद्वितीय कार्यक्रम था जिसमें उन्होंने अपने प्राचार्य के उद्‌बोधन एवं साक्षात्कार से जीवन में लक्ष्य का निर्धारण, प्रतिबद्धता एवं प्रबंधन का मूल मंत्र प्राप्त किया। एनसीसी की प्रभारी लेफ्टिनेट डॉ. मीनाक्षी लोहानी एवं एनएसएस की प्रभारी डॉ. विनीता सिंह ने जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति, सकारात्मक सोच, कड़ी मेहनत, अनुशासित जीवन शैली एवं चुनौतियों से लड़ने की क्षमता का मूल मंत्र छात्राओं को दिया। इस कार्यक्रम में मेधा की पूर्व छात्राओं ने मेधा से होने वाली सकारात्मक जीवन शैली एवं संस्थान द्वारा आयोजित शॉर्ट टर्म कोर्स के लाभ एवं उपयोगिता के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में श्रीमती शिल्पी, प्रभारी कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ, ने छात्राओं को कैरियर संबंधित जानकारी प्रदान की, साथ ही छात्राओं को प्रेरित किया कि वह अपने जीवन में कैरियर से संबंधित निर्णय लेने में सक्षम हो।

मेधा द्वारा आयोजित, एलुमनाई मीट का आयोजन भूतपूर्व छात्राओं के लिए किया गया, जिसमें भूतपूर्व छात्राओं ने समारोह के विभिन्न कार्यकलापों में सहभागिता की। खेल के द्वारा छात्राओं को टीम स्पिरिट, टीम वर्क एवं समय प्रबंधन की जानकारी प्रदान की गई।

दिनांक 6 फरवरी 2023 को महाविद्यालय परिसर में कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में मैजिक बस के सौजन्य से पूर्व छात्राओं एवं अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए रोजगारपरक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं को "Employment Linked Skilling Programme" की जानकारी दी गई। कोर्स की अवधि 7 से 10 दिन तक निर्धारित की गई है तथा कोर्स महाविद्यालय प्रांगण में संचालित किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को इंटरव्यू की तैयारी, संप्रेषण कौशल, लक्ष्य का निर्धारण, समय प्रबंधन, डिजिटल एवं फाइनेंशियल लिटरेसी की तकनीकों का ज्ञान दिया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत छात्राओं को जॉब प्लेसमेंट एवं पोस्ट प्लेसमेंट सपोर्ट भी प्रदान किया जाएगा।

दिनांक 7 मार्च 2023 को कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा Faculty Orientation Programme, Wadhwani Foundation पूर्ण किया गया।

रोजगार जिला कार्यालय, गौतम बुद्ध नगर के द्वारा आयोजित विभिन्न रोजगार मेला, पंजीकरण एवं अन्य कार्यक्रमों में महाविद्यालय की छात्राओं को प्रतिभाग हेतु प्रेरित किया गया।

करियर काउंसलिंग टीम के सभी सदस्य श्रीमती शिल्पी, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. रिचा, डॉ. मणि अरोड़ा एवं डॉ. नितिन त्यागी द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में भी छात्राओं को ऐसे अवसर उपलब्ध कराए जा सके कि वह रोजगार प्राप्त कर सकें और अपने जीवन को भविष्य में एक नई ऊंचाई प्रदान कर सकें।

आजादी का अमृत महोत्सव समिति

डॉ. संजीव कुमार
प्रभारी

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर में भारत की स्वतंत्रता के 75 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर भारत सरकार द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव शासन द्वारा निर्धारित निर्देशों एवं मानकों के अनुरूप मनाया जा रहा है। यह महोत्सव पिछले 75 वर्षों में भारत द्वारा की गई तीव्र प्रगति का पर्व है। यह उत्सव हमें अपनी वास्तविक शक्ति, सामर्थ्य, संसाधनों एवं परंपराओं को पुनः खोजने एवं उन पर गौरान्वित होने के लिए प्रेरित करता है। आजादी के अमृत महोत्सव की परिकल्पना को राष्ट्र के समक्ष रखते हुए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि "आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत; स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं की प्रेरणाओं का

अमृत; नए विचारों और प्रतिज्ञाओं का अमृत; और आत्मनिर्भरता का अमृत। इसलिए यह महोत्सव राष्ट्र जागरण का पर्व है; सुशासन का सपना पूरा करने का पर्व और वैश्विक शांति और विकास का त्योहार है।" आजादी का अमृत महोत्सव भारत की सामाजिक- सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान को प्रगति की ओर ले जाने वाले सभी निर्धारकों का मूर्त स्वरूप है।

महाविद्यालय का मानना है कि आजादी का अमृत महोत्सव एक वृहद संस्कार महोत्सव है जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं का भावनात्मक जुड़ाव इस अभियान की सफलता का मूलमन्त्र है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जो देशभक्ति का जुनून देखा गया, वह अभूतपूर्व था। उसी जोश को हमें अपनी आज की पीढ़ी में आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण के लिए आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आजादी का अमृत महोत्सव समिति महाविद्यालय में देशभक्ति की सकारात्मक ऊर्जा को मंच प्रदान कर रही है ताकि राष्ट्र निर्माण के इस महान जन भागीदारी यज्ञ में हमारी संस्था का गिलहरी प्रयास भी भविष्य में समाज के लिए प्रेरणा बन सके।

महाविद्यालय की अमृत महोत्सव आयोजन समिति शासन द्वारा निर्गत कार्य योजना के अनुसार दिनांक 05 अप्रैल 2022 से 29 अगस्त 2023 तक के प्रस्तावित समस्त आयोजन महाविद्यालय के सभी संबंधित विभागों में विभक्त कर यथासमय आयोजित किये जा रहे हैं तथा प्रत्येक माह के अंत में आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्ट (प्रकाशित समाचार, उपस्थिति तथा छायाचित्र) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मेरठ तथा निदेशक, उच्च शिक्षा, प्रयागराज को प्रेषित भी की जाती है। कार्य योजना की उल्लखित तिथियों में निर्धारित थीम के अनुरूप चर्चा-परिचर्चा, विचार गोष्ठी, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, फोटा गैलरी, नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक, चलचित्र, जागरुकता अभियान, योग शिविर, प्रभात फेरी, रैली, सद्भावना दौड़ तथा खेलकूद प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

जुलाई माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

11 जुलाई 2022 विश्व जनसंख्या दिवस

26 जुलाई 2022 कारगिल विजय दिवस

29 जुलाई 2022 अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

अगस्त माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

08 अगस्त 2022 भारत छोड़ो आंदोलन

09 अगस्त 2022 काकोरी दिवस

15 अगस्त 2022 स्वतंत्रता दिवस

29 अगस्त 2022 राष्ट्रीय खेल दिवस

सितम्बर माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

05 सितम्बर 2022 शिक्षक दिवस

08 सितम्बर 2022 अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

13 सितम्बर 2022 जतिन दास शहीद दिवस

14 सितम्बर 2022 हिन्दी दिवस

17 सितम्बर 2022 विश्वकर्मा जयंती

25 सितम्बर 2022 पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मदिवस

अक्टूबर माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

02 अक्टूबर 2022 गांधी जयंती

07 अक्टूबर 2022 दुर्गा भाभी जन्मदिवस

09 अक्टूबर 2022 महर्षि वाल्मीकि जयंती

15 अक्टूबर 2022 विश्व हाथ धुलाई दिवस

16 अक्टूबर 2022 विश्व खाद्य दिवस

24 अक्टूबर 2022 संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस

31 अक्टूबर 2022 राष्ट्रीय एकता दिवस

नवम्बर माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

11/11/2022 - राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

15/11/2022 - जनजातीय गौरव दिवस

16/11/2022 - वीरांगना ऊदा देवी शहीदी दिवस

19-25 नवम्बर 2022 - विश्व विरासत सप्ताह

24/11/2022 - गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

25/11/2022 - अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस

26/11/2022 - संविधान दिवस

दिसम्बर माह 2022 में आयोजित कार्यक्रम

01/12/2022 – विश्व एड्स दिवस

07/12/2022 – जतिन नाथ मुखर्जी/बाघा जतिन जन्म दिवस

10/12/2022 – अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस

19/12/2022 – गोवा मुक्ति दिवस

23/12/2022 – चौधरी चरण सिंह जयंती/किसान दिवस

25/12/2022 – भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्मदिवस/सुशासन दिवस

जनवरी माह 2023 में आयोजित कार्यक्रम

09/01/2023 – प्रवासी भारतीय दिवस

11 से 17 जनवरी 2023 – सड़क सुरक्षा सप्ताह

12/01/2023 – राष्ट्रीय युवा दिवस/स्वामी विवेकानंद जयन्ती

23/01/2023 – नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

24/01/2023 – राष्ट्रीय बालिका दिवस

24-26 जनवरी 2023 – उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम

26/01/2023 – गणतंत्र दिवस

30/01/2023 – शहीद दिवस

फरवरी माह 2023 में आयोजित कार्यक्रम

02/02/2023 – वेटलैंड दिवस

04/02/2023 – चौरी चौरा दिवस

13/02/2023 – राष्ट्रीय महिला दिवस

25/02/2023 – अंतर्राष्ट्रीय कोक्लीयर जागरुकता दिवस

28/02/2023 – राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

मार्च माह 2023 में आयोजित कार्यक्रम

03/03/2023 – विश्व श्रवण दिवस

08/03/2023 – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

22/03/2023 – अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस

23/03/2023 – शहीदी दिवस

25/03/2023 – अर्थ ऑवर (मार्च माह का अंतिम शनिवार)

अप्रैल माह 2023 में आयोजित कार्यक्रम

05 अप्रैल 2023 – महर्षि कश्यप एवं निषादराज गुहा जयंती

07 अप्रैल 2023 – विश्व स्वास्थ्य संगठन स्थापना दिवस

08 अप्रैल 2023 – मंगल पांडेय शहीदी दिवस

10 अप्रैल 2023 – आर्य समाज स्थापना दिवस

11 अप्रैल 2023 – महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

13 अप्रैल 2023 – सत्याग्रह दिवस

14 अप्रैल 2023 – डॉ. भीमराव अंबेडकर जयन्ती/महावीर जयंती

16 अप्रैल 2023 – विश्व आवाज दिवस

17 अप्रैल 2023 – चंद्रशेखर आजाद जयंती

18 अप्रैल 2023 – विश्व विरासत दिवस

21 अप्रैल 2023 – राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस

22 अप्रैल 2023 – पृथ्वी दिवस

24 अप्रैल 2023 – राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

आजादी का अमृत महोत्सव समिति आगामी माह में भी शासन द्वारा निर्गत कार्ययोजना के अनुपालन में कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

प्रोफेसर (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी
प्रभारी

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' का उद्देश्य महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाते हुए शिक्षण-अधिगम उद्देश्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ शिक्षकों-कर्मचारियों की क्षमताओं, कौशल तथा प्रदर्शन स्तर में गुणात्मक उन्नयन करना है। इस उद्देश्य के दृष्टिगत आई. क्यू.ए.सी सत्रारंभ से ही सम्यक कार्य योजना विनिर्मित कर ससमय महाविद्यालय उन्नयन के कार्यों की पूर्णता को

सुनिश्चित करती है, जिसके अंतर्गत शैक्षिक एवं अनुसंधान गतिविधियां, नवोन्मेष एवं नवाचार, Global to Rural की सिद्धि हेतु ICT का प्रसार, पारदर्शी एवं सतत मूल्यांकन प्रारूप, आधारभूत संरचना का उच्चीकरण इत्यादि सम्मिलित है।

इस प्रकार आई.क्यू.ए.सी. उन समस्त संभावित पहलुओं जो छात्र-छात्राओं के साथ-साथ महाविद्यालय में शिक्षण-अधिगम का स्तर उन्नत कर सकारात्मक प्रभाव लाने की क्षमता रखते हैं, पर विचार कर उसके सापेक्ष हर संभव छोटे-बड़े कदम उठा कर गुणात्मक उन्नयन की दशा में सतत प्रयास सुनिश्चित करती है, जिसके तात्कालिक एवं दूरगामी परिणाम महाविद्यालय उत्कृष्टता की दिशा में मील का पत्थर साबित होते हैं।

वर्तमान सत्र में भी महाविद्यालय 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के द्वारा महाविद्यालय की गुणवत्ता संवर्धन हेतु अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक, सुव्यवस्थित एवं सुदृढ़ योजना बनाने एवं उसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का सफल प्रयास किया गया। इस क्रम में महाविद्यालय की एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ ने संस्था के प्रत्येक पक्ष की सीमाओं एवं संभावनाओं का विश्लेषण तथा मूल्यांकन कर दूरदर्शी रणनीति के साथ संस्थान के उच्चीकरण की प्रत्येक संभावनाओं को साकार रूप देने हेतु अपना सर्वोत्तम योगदान देना सुनिश्चित किया।

महाविद्यालय उत्कृष्टता के संकल्प को सिद्धि तक पहुँचने के मार्ग पर सशक्त कदम उठाने हेतु आई.क्यू.ए.सी. अध्यक्ष प्राचार्य, प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारियों-अकादमिक प्रतिनिधि, शासन प्रतिनिधि, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, उद्योग प्रतिनिधि, एन.जी.ओ. प्रतिनिधि, अभिभावक प्रतिनिधि एवं पुरातन-वर्तमान छात्र प्रतिनिधियों की सत्र पर्यंत तीन बार बैठक आयोजित कर महाविद्यालय गुणवत्ता के प्रत्येक पक्ष पर संवाद स्थापित किया गया तथा सदन में सभी हितधारकों के सुझावों, अभिप्रेरणा एवं सहयोग ने महाविद्यालय कार्य संस्कृति के उन्नयन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' द्वारा किए गए कार्यों एवं गतिविधियों का विवरण निम्नवत है-

1. Academic & Research Identity in the Digital Era विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' (IQAC) द्वारा अध्यापक पुनः कौशल प्रकोष्ठ (Teacher Re-Skilling Cell) के तत्वावधान में महाविद्यालय में दिनांक 20 सितंबर 2022 को "डिजिटल युग में अकादमिक एवं शोध पहचान" (Academic & Research Identity in the Digital Era) विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ कार्यशाला संयोजिका एवं 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा प्राचार्या, प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ और मुख्य-वक्ता प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा जी के स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यशाला के विषयगत महत्त्व के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रकार की अकादमिक पहचान आज शैक्षिक जगत की आवश्यकता बनती जा रही है और प्रत्येक प्राध्यापक को अपनी डिजिटल आईडेंटिटी के विषय में जागरुकता रखनी चाहिए, इस उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता ने वर्तमान युग में अध्यापकों की अकादमिक एवं शोध पहचान बनाने के लिए उपलब्ध विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ORCID, Google Scholar, Scopus, SSRN, Research Gate, VIDWAN, SLIDE SHARE, U.P. Higher Education Digital Library आदि डिजिटल मंचों के उपयोग पर प्रकाश डाला एवं अपने अनुभव साझा किए। तत्पश्चात् प्राचार्या प्रोफेसर दिव्या नाथ ने परम्परागत और आधुनिक, महत्त्व अकादमिक एवं शोध माध्यमों से सम्बंधित अपने उद्बोधन में वर्तमान युग में डिजिटल आईडेंटिटी के महत्व एवं आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. अरविंद कुमार यादव द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कार्यशाला का सजीव प्रसारण महाविद्यालय के You Tube चैनल के माध्यम से किया गया।

2. संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' एवं वी.वॉक के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2022 तक one Week FDP का आयोजन किया गया। जिसका विषय था "Professional development and motivation of young staff" जिसके प्रथम दिन डॉ. अरविन्द कुमार यादव द्वारा विभिन्न शासनादेशों, अकादमिक, प्रोन्नति, सेवा एवं अवकाश संबंधी नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस पर डॉ. राजीव नयन, प्रो. रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने विभिन्न शोध परियोजनाओं, उनके वित्त पोषण, अनुदान देने वाली विभिन्न संस्थाओं आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की। एफ.डी.पी. के तीसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय के संबद्ध आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. यशेश्वर ने शिक्षा में सूचना व संप्रेषण तकनीकी के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि पर प्रकाश डाला और विभिन्न शैक्षणिक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से सभी को अवगत कराया। संकाय संवर्धन कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर प्रो. डॉ. प्रीति बजाज, कुलपति गलगोटिया यूनिवर्सिटी के द्वारा प्रतिभागियों को Naac मूल्यांकन की प्रक्रिया, विभिन्न पहलुओं तथा Naac मूल्यांकन में उत्तम प्रदर्शन करने के विभिन्न उपायों और तकनीकियों से प्रतिभागी प्राध्यापकों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के पाँचवे दिन प्रो. प्रभात मित्तल, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता रहे। प्रो. प्रभात ने रिसर्च गाइडलाइन और प्लेग्रिज्म पॉलिसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की किसी हस्तलिपि को अच्छे जनरल में कैसे प्रकाशित कराये, संदर्भ सूची के लिए कौन से रिसर्च टूल प्रयोग करे।

संवर्धन कार्यक्रम के अंतिम दिन व्याख्यान के बाद सभी प्रतिभागियों के लिए एक बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों के बनाये गए चार ग्रुप में से एक सदस्य द्वारा दिये गए टॉपिक्स पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। ग्रुप A से डॉ. अनुपम स्वामी, ग्रुप B से डॉ. ममता उपाध्याय, ग्रुप C से डॉ. संजीव कुमार व ग्रुप D से श्रीमती नीतू सिंह द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया।

द्वितीय सत्र में वेलेडिक्टरी सत्र का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ के द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किये गये तथा अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम के अंत में संपूर्ण F.D.P की आख्या प्रोग्राम डायरेक्टर प्रो. दिनेश चंद शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई। विभिन्न दिवसों में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान का सार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने FDP के लक्ष्यों और परिणामों पर भी प्रकाश डाला। तत्पश्चात् प्राचार्य महोदया द्वारा संवर्धन कार्यक्रम की संपूर्ण आयोजन समिति को इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए प्रशंसा की गई तथा प्रतिभागियों से FDP में प्राप्त विभिन्न विषयों के ज्ञान को अपनी अकादमिक उन्नति हेतु प्रयुक्त करने का आह्वान किया गया और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई। अंत में कार्यक्रम संयोजिका एवं आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा कार्यक्रम की सफलता का श्रेय प्राचार्य प्रो. डॉ. दिव्या नाथ को देते हुए सभी का आभार ज्ञापन किया गया।

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में आयोजित यह संकाय संवर्धन कार्यक्रम अपने उद्देश्यों में पूर्ण रूप से सफल रहा।

3. आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की सत्र की प्रथम बैठक

महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की सत्र 2022-23 की प्रथम बैठक दिनांक 18 अक्टूबर 2022 को महाविद्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम में संपन्न हुई।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के सभी पदाधिकारियों ने सहभाग किया। सर्वप्रथम 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की अध्यक्ष प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ द्वारा सभी सदस्यों का औपचारिक स्वागत उद्बोधन किया गया एवं बैठक में प्रतिभाग करने हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। तत्पश्चात् प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी, प्रभारी IQAC ने सदन को 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के उद्देश्य से अवगत कराया तथा डॉ. दिनेश चंद शर्मा जी के सौजन्य से विनिर्मित IQAC के logo का प्राचार्या महोदया द्वारा औपचारिक विमोचन किया गया। इसके उपरांत प्रो. दीप्ति वाजपेयी ने IQAC के उद्देश्यों के अनुरूप सदन को विगत माह में प्रस्तावित कार्यों की पूर्णता से अवगत कराया तथा प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण के माध्यम से माह जुलाई से अद्यतन महाविद्यालय द्वारा किए गए विभिन्न छात्र हित के कार्य और उपलब्धियों से सभी को सुपरिचित कराया, जिसमें 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के प्रतीक चिन्ह निर्धारण, समिति का पुनर्गठन, अबेकस यूपी में 90% कार्य पूर्ण, आयुर्वेद कौशल पाठ्यक्रम हेतु एमओयू हस्ताक्षर, महाविद्यालय के 11 एसोसिएट प्रोफेसर का प्रोफेसर पदनाम हेतु चयन, सत्र 2021-22 का एकेडमिक ऑडिट कार्य पूर्ण, NAAC द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन, महाविद्यालय की IQAC समिति द्वारा कार्यशाला एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन इत्यादि प्रमुख थे। इसके पश्चात उन्होंने आगामी 3 माह में किए जाने वाले कार्यों, यथा- प्राचार्य एवं छात्राओं में संवाद, विभिन्न कार्यशाला का आयोजन, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, विभिन्न विभागों द्वारा एमओयू हस्ताक्षर, रोजगार मेला, कैरियर चौपाल का आयोजन, स्वावलंबन मेले का आयोजन इत्यादि कार्य योजना पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात सदन के प्रत्येक सदस्य ने महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए महाविद्यालय हित में विभिन्न सुझाव दिए, जिसमें ब्लॉक प्रमुख बिसरख प्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधान ने महाविद्यालय को हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस क्रम में उन्होंने सोलर पैनल, परिसर सौंदर्यीकरण, बेंच, बाउंड्री की मरम्मत, लाइट्स आदि प्रदान करने की घोषणा की। डॉ. एम.एम. शैरी, डॉ. मृदुल धारवाड़ डॉ. प्रभात मित्तल, डॉ. राजीव नयन, श्रीमती नरगिस गुप्ता लायंस क्लब, श्रीमती नैना स्पंदन एनजीओ, श्री विजय कुमार शर्मा नमो गंगे ने महाविद्यालय हित में अपने विचार रखे तथा सहयोग का आश्वासन दिया। अभिभावकगण तथा छात्राओं कु. काजोल, कु. आकांक्षा, कुमारी शिवानी राघव, कुमारी ज्योति कुमारी, शिवानी यादव, कुमारी साक्षी, कुमारी पिंकी, कुमारी जूली, कुमारी शालू शर्मा आदि ने भी अपने बहुमूल्य सुझावों से सदन को समृद्ध किया। डॉ. दिनेश चंद शर्मा द्वारा सदन की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन IQAC सदस्य डॉ. अरविंद कुमार यादव द्वारा किया गया।

4. शिक्षण में गुणात्मक वृद्धि हेतु कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 12 नवंबर 2022 को 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था "एप्लिकेशन ऑफ आईसीटी इन टीचिंग एंड लर्निंग"। प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में सर्वप्रथम 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ प्रभारी' प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने स्वागत उद्बोधन करते हुए प्राचार्य महोदया एवं कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ. निखिल कुमार राजपूत, असि. प्रो. , रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत कार्यशाला संयोजक डॉ. मीनाक्षी लोहनी ने अतिथि वक्ता का परिचय कराते हुए उनकी उपलब्धियों से सभी का अवगत कराया।

डॉ. राजपूत ने अपने उद्बोधन में सरल और प्रभावशाली तरीके से 'शिक्षक-अधिगम प्रक्रिया में आई.सी.टी. का प्रयोग' विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला, साथ ही उन्होंने मूक, स्वयं आदि पर किस प्रकार मॉड्यूल्स बना कर अपने ई कंटेंट विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध करा सकते हैं, क्लास रूम टीचिंग में वर्चुअल लैब के माध्यम से किस प्रकार विषय की

रोचकता और ग्राह्यता को बढ़ा सकते हैं, इत्यादि विषयवस्तु का व्यवहारिक ज्ञान प्रतिभागियों को कराया।

व्याख्यान के अंत में प्राध्यापकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समुचित समाधान भी डॉ. निखिल राजपूत द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के अंत में डॉ. सत्यंत कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

5. "हर घर ध्यान" कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 27 फरवरी 2023 को महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'हर घर ध्यान' अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 'आर्ट ऑफ लिविंग' से संबंधित श्री नीलेश कुमार जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यशाला को सफल एवं व्यवहारिक स्वरूप प्रदान किया।

कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात् प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा मुख्य वक्ता श्री नीलेश कुमार को पादप भेंट कर उनका स्वागत किया गया। 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' प्रभारी प्रो. दीप्ति वाजपेयी ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि श्री नीलेश कुमार जी आई.आई.टी दिल्ली के छात्र रहे हैं, तथा 29 वर्षों तक उन्होंने कारपोरेट जगत में अपना परचम लहराया किन्तु वर्तमान में श्री श्री रविशंकर जी से प्रभावित होकर वे 'आर्ट ऑफ लिविंग' में एक फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं।

कार्यशाला प्रारंभ करते हुए श्री नीलेश कुमार ने कहा कि "हमारे जीवन में से मुस्कुराहट कम होती जा रही है। बचपन में हम लोग जितना मुस्कुराते थे, आज की तारीख में हम उसका एक चौथाई भी नहीं मुस्कुरा पाते हैं और इसका मुख्य कारण स्ट्रेस है।" उन्होंने सभागार को अवगत कराया कि "हमारे स्ट्रेस अर्थात तनाव का कारण वर्तमान की जगह भूतकाल और भविष्य में जीना है। यदि व्यक्ति वर्तमान काल में जीने लग जाए तो उसके जीवन में अपने आप ही मुस्कुराहट वापस आ जाएगी।" इसके पश्चात उन्होंने बताया कि "वर्तमान में जीने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज हमारी सांसें हैं, अगर हम अपनी सांसों पर नियंत्रण कर लेते हैं तो हम लोग स्ट्रेस से मुक्त हो सकते हैं।"

कार्यशाला के द्वितीय चरण में नीलेश जी ने वर्तमान में जीने के लिए सभी को भ्रस्तिका प्राणायाम तथा 20 मिनट का मेडिटेशन कराया। सांसों पर केंद्रित इस ध्यान योग में सभी ने अनुभव किया की वास्तव में ध्यान तनाव को कम करने का कारगर माध्यम है। अंत में प्राध्यापकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का भी श्री नीलेश जी द्वारा समाधान प्रस्तुत किया गया। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डॉ. दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग हमारे जीवन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बहुत सारी मल्टीनेशनल कंपनीज भी अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित 15-20 मिनट का मेडिटेशन कराते हैं, जिससे वे सभी लाभान्वित हो रहे हैं और उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम लोग भी एक समय बनाकर नियमित मेडिटेशन करेंगे तो निश्चित तौर पर हमारा स्ट्रेस भी बहुत कम हो सकता है और हम द्विगुणित ऊर्जा से कार्य कर सकते हैं।

कार्यशाला का संचालन करते हुए 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' प्रभारी प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने कहा कि योग-ध्यान हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और 'पातञ्जल योग सूत्र' में इसकी परिभाषा "योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:" के रूप दी गई है। यह शारीरिक, मानसिक व आत्मिक प्रसन्नता का आधार है। कार्यशाला के अंत में आई.क्यू.ए.सी. सदस्य डॉ. सत्यन्त कुमार ने सभी का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

6. 'New Methodology of NAAC 2023' विषय पर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 4 मार्च 2023 को 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में नैक से संबंधित एक जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था-'New Methodology of NAAC 2023'।

कार्यशाला के प्रारंभ में 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों से समस्त प्राध्यापक प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि NAAC मूल्यांकन कराया जाना आज समस्त उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। अत: नैक के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं माँगों को जानने- समझने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य प्राफेसर डॉ. दिव्या नाथ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय गुणवत्ता संवर्धन एवं नैक में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु इस प्रकार की कार्यशाला को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि "हमारा महाविद्यालय उत्तर प्रदेश के समस्त राजकीय महाविद्यालयों में नैक ग्रेड की दृष्टि से प्रथम स्थान पर है। 2.91CGPA के साथ B++ ग्रेड हमने द्वितीय चरण के नैक मूल्यांकन में अर्जित कर लिया है, यह हर्ष का विषय है किंतु अभी भी हम और अधिक अच्छा प्रदर्शन कर पाने में समर्थ हो सकते हैं तथा ए ग्रेड प्राप्त कर सकते हैं आवश्यकता सिर्फ नैक की कार्यप्रणाली और मानकों को समय से समझे जाने की है। महाविद्यालय में छात्राओं के हित के एवं प्रशासन स्तर पर सभी आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। प्राचार्य, प्राध्यापक एवं कर्मचारी वर्ग अपना कार्य पूरी निष्ठा एवं दूरदर्शिता से कर रहे हैं। अत: महाविद्यालय के लिए ए ग्रेड प्राप्त कर पाना कोई दुरुह कार्य नहीं है, हमें सिर्फ समस्त कार्यों का लेखा-जोखा व्यवस्थित रूप से संकलन करना है और स्वयं का निरंतर आकलन करते रहना है इस प्रकार लक्ष्य अधिक दूर नहीं है।"

कार्यशाला के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि "नैक की ओर से नई मेथेडोलॉजी लागू कर दी गई है। पूर्व की मेथेडोलॉजी और नवीन मेथेडोलॉजी में कुछ बिंदुओं पर भिन्नता है एवं इसमें मूल्यांकन का आधार भी स्पष्ट कर दिया गया है। अत: हम उन बिंदुओं के आधार पर स्वयं अपना मूल्यांकन कर सकते हैं कि हमें किन बिंदुओं पर अभी और काम किए जाने की आवश्यकता है। नैक की नई व्यवस्थानुसार महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। निसंदेह समस्त कार्य हमारे महाविद्यालय में किए जा रहे हैं, किंतु उनका रिकॉर्ड कैसे मेंटेन करना है, इस पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। नैक के सातों क्राइटेरिया में उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता का सम्यक रूप से आकलन हो जाता है। हमें इन क्राइटेरिया के समस्त बिंदुओं का आधार लेकर अपने कार्यों में आवश्यक परिमार्जन करना है। अगर हम इन बिंदुओं को ठीक प्रकार से समझ कर इनके अनुसार काम करते हैं तो निसंदेह हम नैक में उत्तम प्रदर्शन कर सकते हैं।"

कार्यशाला के अंत में उन्होंने समस्त क्राइटेरिया प्रभारी और सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं समस्त जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया।

7. आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की द्वितीय बैठक

दिनांक 15 मार्च 2023 को प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की सत्र की दूसरी बैठक संपन्न हुई। बैठक में 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के सभी आंतरिक एवं बाह्य पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ ने सभी उपस्थित आई.क्यू.ए.सी पदाधिकारियों के प्रति स्वागत उद्बोधन दिया। तत्पश्चात् 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने सदन के सम्मुख महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विगत बैठक में बताए गए Agenda की Action Taken रिपोर्ट रखी, जिसमें से सभी लक्षित कार्यों को पूर्णरूपेण संपन्न हुआ जानकर सदन ने करतल ध्वनि से प्रसन्नता जाहिर की। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर वाजपेयी द्वारा महाविद्यालय की विगत 3 माह की उपलब्धियों के विषय में सदन को अवगत कराया गया। इसके पश्चात वर्तमान मीटिंग के एजेंडा को समस्त पदाधिकारियों से साझा किया, जिसमें वैल्यू ऐडेड कोर्स का निर्माण, "उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2000 की भूमिका" विषयक पुस्तक का प्रकाशन, पुरातन छात्र संघ को पंजीकृत किया जाना, जंतु विज्ञान प्रयोगशाला का डी.एस.टी. प्रोजेक्ट

के माध्यम से उच्चीकरण किया जाना, विज्ञान प्रयोगशालाओं को उत्तर प्रदेश सरकार STEM प्रोजेक्ट के अंतर्गत उच्चीकृत किया जाना, महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्ञानांजलि तथा न्यूजलेटर प्रतिबिंब के आगामी अंक का प्रकाशन, वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत महाविद्यालय सौंदर्यीकरण, न्यूज चैनल प्रारंभ किया जाना, स्किल कोर्स के लिए और अधिक एम. ओ.यू. संपन्न होना, शारदा यूनिवर्सिटी के साथ समन्वित रूप में IQAC Workshop का आयोजन, शैक्षिक भ्रमण, द्वितीय कंपोस्ट पिट का निर्माण, महाविद्यालय की क्षत चारदीवारी का पुनिर्निर्माण और महाविद्यालय द्वारा दो आंगनबाड़ी को गोद लेकर उनके संवर्धन हेतु प्रयास करना इत्यादि थे। जिन्हें आगामी 3 माह में संपन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर प्रभात मित्तल, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने महाविद्यालय प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सुझाव दिया कि महाविद्यालय छात्रा हित में विविध कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, यह अत्यधिक हर्ष का विषय है। इन सभी कार्यक्रमों का रिकॉर्ड रखा जाना नैक की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है। अतः इनकी फीडबैक एनालिसिस रिपोर्ट भी विनिर्मित की जानी चाहिए। इसी क्रम में प्रोफेसर राजीव नयन ने संकाय तथा विभाग वार गतिविधियों के रिकॉर्ड मेंटेन करने पर जोर देते हुए महाविद्यालय के गुणवत्ता संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. अरुण मोहन शैरी, ट्रिपल आई टी, लखनऊ ने कॉलेज Outreach programs को Students Community Engagement program के बैनर से जोड़ने का सुझाव दिया। लायंस क्लब से उपस्थित NGO प्रतिनिधि श्रीमती नरगिस गुप्ता ने कहा कि विगत माह उनके द्वारा जो Health Camp महाविद्यालय में लगवाया गया था, उसका अनुभव उनके लिए स्मरणीय है और वह आगे भी छात्रा हित में अपना सहयोग विभिन्न रूपों में देती रहेंगी। इसी क्रम में 'नमो गंगे' संस्था से उपस्थित प्रतिनिधि ने महाविद्यालय में चिकित्सा एवं रोजगार शिविर लगाने का प्रस्ताव दिया। 'स्पंदन' संस्था प्रतिनिधि ने महाविद्यालय ई-वेस्ट मैनेजमेंट में सहयोग का आश्वासन दिया। अभिभावक प्रतिनिधि ने महाविद्यालय द्वारा किए जा रहे छात्रा हित के समस्त प्रयासों के प्रति पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की। पुरातन एवं वर्तमान छात्रा प्रतिनिधियों ने भी महाविद्यालय की अनवरत प्रगति और गुणवत्ता संवर्धन के लिए प्राचार्या के प्रति धन्यवाद का भाव व्यक्त किया। सदन की संपूर्ण कार्यवाही को प्रो. दिनेश चंद शर्मा द्वारा यूट्यूब पर लाइव प्रसारित किया गया।

8. "Optimising Library Resources: DELNET and N-list" विषयक कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 8 अप्रैल 2023 को प्राचार्य महोदया प्रोफेसर दिव्या नाथ जी के कुशल निर्देशन में "ऑप्टिमाइजिंग लाइब्रेरी रिसोर्सः डेलनेट एंड एन-लिस्ट" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आई.क्यू.ए.सी. तथा पुस्तकालय समिति के संयुक्त प्रयासों द्वारा आयोजित की गई। लाइब्रेरी समिति की समन्वयक प्रोफेसर ममता उपाध्याय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन के माध्यम से कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का ज्ञानार्जन हेतु उत्साहवर्धन किया तथा ज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा के समाधान के लिए ई-लाइब्रेरी की वर्तमान में प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डी.सी. शर्मा इसके मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने E-Library, DELNET तथा N-LIST जैसे विषयों पर अपना बहुमूल्य व्याख्यान देकर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों को लाभान्वित किया तथा वर्तमान में ऑनलाइन शिक्षा में लाइब्रेरी के बढ़ते हुए महत्त्व से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि "ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से प्राध्यापक तथा विद्यार्थी विभिन्न बहुमूल्य पुस्तकों, जर्नल्स तथा रिपोर्ट इत्यादि तक किस तरह पहुँचकर अपना ज्ञान वर्धन कर सकते हैं तथा एक ही क्लिक पर ज्ञान का अथाह भंडार उनके सामने उपस्थित हो सकता है।" कार्यशाला की संयोजक लाइब्रेरी समिति प्रभारी प्रो. डॉ. ममता उपाध्याय तथा 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' प्रभारी प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी थी। लाइब्रेरी समिति तथा IQAC समिति के समस्त सदस्यों ने इस कार्यशाला को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

9. "Achieving Success at work through stress management and team building" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' एवं शारदा यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 अप्रैल 2023 को "Achieving success at work through stress management and team building" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की Resource Person डॉ. आरती शर्मा, Head, Skill Development Centre, Sharda University थी। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय IQAC प्रभारी प्रो. डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूप रेखा प्रस्तुत की। तत्पश्चात् अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ ने कहा कि "वर्तमान समय में तनाव जीवन का सामान्य अंग बन गया है। परिवार और कार्यस्थल पर सामंजस्य बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है और इसी वजह से तनाव उत्पन्न होता है। किंतु यह तनाव तब समस्या का रूप ले लेता है जब यह हमारी कार्यक्षमता और हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने लगता है। अतः तनाव प्रबंधन आवश्यक है।"

डॉ. आरती शर्मा ने कार्यशाला में तनाव के कारण, प्रभाव और प्रबंधन पर विस्तार में प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने तनाव कम करने की प्रैक्टिकल एक्सरसाइज भी कराई। भ्रामरी प्राणायाम और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से तनाव प्रबंधन किया जा सकता है, इस तथ्य की अनुभूति कार्यशाला के प्रयोगात्मक सत्र में प्रतिभागियों द्वारा साक्षात अनुभव की गई। संवाद सत्र में प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समाधान भी डॉ. आरती शर्मा ने समुचित रूप से उपलब्ध कराए गए।

अंत में IQAC सदस्य डॉ. अरविन्द कुमार यादव द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला में देश के 10 राज्यों से जुड़े 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यशाला का यू ट्यूब द्वारा लाइव प्रसारण भी किया गया।

10. Awareness program on "Mission Life & E-Waste Management"

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' और H.M.E Waste Management के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 1 मई 2023 को "Mission Life & E-Waste Management" विषयक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए IQAC coordinator डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने इस Awareness Session के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "समाज में प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों के उचित निस्तारण हेतु थोड़ी बहुत जागरुकता का प्रसार हो रहा है किंतु ई-अपशिष्ट पदार्थों के उचित प्रबंधन हेतु बुद्धिजीवी वर्ग में भी जागरुकता का अभाव है। सामान्य जन समुदाय तो इससे पूर्ण रूप से अनभिज्ञ है। ई-वेस्ट मैनेजमेंट के प्रति लोगों में जागरुकता उत्पन्न करने की अत्यधिक आवश्यकता है वरना इसके दूरगामी परिणाम अत्यधिक हानिकारक सिद्ध होंगे। इसीलिए इस जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।"

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने कहा कि "ई-वेस्ट मैनेजमेंट के मुद्दे को देश के माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी मन की बात कार्यक्रम में शामिल किया था, इससे भी इस विषय की प्रासंगिकता और महत्त्व को समझा जा सकता है। आज हम सबको इस पर विचार कर क्रियान्वित किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है।"

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एच.एम.ई. वेस्ट मैनेजमेंट से संबंधित श्री सुदेश कुमार ने बताया कि "जागरुकता के अभाव

में हम अपने घरों में ई-वेस्ट जैसे पुराने मोबाइल, चार्जर, सेल, कंप्यूटर, प्लक इत्यादि सुरक्षित रखे रहते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण की दृष्टि से अत्यधिक हानिकारक है। इसके साथ ही जब हम कबाड़ी वाले को अपना ई-वेस्ट बेच देते हैं तो यह भी उचित नहीं है, क्योंकि कबाड़ी वाला उसका सम्यक प्रकार से प्रबंधन नहीं करता और यह पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचाता है।" उन्होंने बताया कि ऐसे अपशिष्ट पदार्थों को सदैव अधिकृत संस्थाओं को ही दिया जाना चाहिए। उनके पास उसके उचित निस्तारण के संसाधन और तरीके होते हैं जिससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को हानि नहीं पहुँचती। इस क्रम में उन्होंने अधिकृत संस्थाओं की जानकारी साझा की तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

अंत में IQAC सदस्य प्रो. सुरेंद्र कुमार ने सभी का आभार ज्ञापन किया। डॉ. मीनाक्षी लोहानी द्वारा कार्यक्रम का तकनीकी संचालन संपन्न किया गया।

11. सात वैल्यू ऐडेड कोर्स का निर्माण एवं संचालन

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के नवाचार एवं प्रयासों के क्रम में वर्तमान सत्र में समस्त संकायों की छात्राओं के लिए विभिन्न विभागों द्वारा सात 'वैल्यू ऐडेड कोर्स' का निर्माण एवं संचालन किया गया। यह सातों पाठ्यक्रम दो क्रेडिट के कोर्स है तथा पूर्णतः निःशुल्क है। कोर्स पूर्ण कर लेने के पश्चात परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने वाली छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया जो कि भविष्य में उनके अकादमिक और व्यवसायिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। 'वैल्यू ऐडेड कोर्स' निम्नवत विभागों द्वारा निर्मित एवं संचालित किए जा रहे हैं-

1. स्वामी विवेकानन्द और शिक्षा-स्वामी विवेकानन्द अध्ययन केंद्र 2. Understanding Chemicals around you-रसायन विज्ञान 3. Everyday Physics-भौतिक विज्ञान 4. Mathematical and logical thinking skill-गणित विभाग 5. Basics of teaching and learning-शिक्षक शिक्षा संकाय 6. Women Empowerment-महिला प्रकोष्ठ 7. Sociology of India-समाजशास्त्र विभाग 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में महाविद्यालय की इस नई पहल पर छात्राओं ने हर्ष व्यक्त किया और उपरोक्त पाठ्यक्रम में भारी संख्या में पंजीकरण कराया।

12. महाविद्यालय यूट्यूब चैनल "प्रवाह" का शुभारंभ

'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के नवोन्मेष के रूप में महत्त्वाकांक्षी परियोजना महाविद्यालय यूट्यूब चैनल का दिनांक 5 मई 2023 को बुद्ध पूर्णिमा के दिन प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कर कमलों से शुभारंभ किया गया। यूट्यूब चैनल को लॉन्च करते हुए प्राचार्य महोदया ने कहा कि "इस यूट्यूब चैनल का नाम प्रवाह रखा गया है क्योंकि यह महाविद्यालय की गुणवत्ता को नित नए आयाम पर ले जाने के दृढ़ संकल्प के साथ महाविद्यालय की विभिन्न अकादमिक, प्रशासनिक एवं पाठ्य सहगामी क्रियाओं की इंद्रधनुषी आभा को निरंतर प्रवाहित करने वाला है।" यूट्यूब चैनल के शुभारंभ पर उन्होंने महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के तत्वावधान में इस नवोन्मेष का प्रारंभ हुआ है, इसके लिए समिति बधाई की पात्र है, विशेष रूप से प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के निर्देशन एवं तकनीकी संयोजन में इस कार्य को मूर्त रूप मिला है अतः इसका श्रेय विशेष रूप से इन्हें जाता है।"

'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने कहा कि प्राचार्य महोदया के निर्देशन में प्रारंभ हुए इस मासिक न्यूज चैनल में प्रतिमाह की विभिन्न गतिविधियों को छात्राओं के नेतृत्व में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे उनके आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी एवं पत्रकारिता के प्रति उनका रुझान बढ़ेगा। महाविद्यालय के इस नवोन्मेष की अन्य राजकीय महाविद्यालयों द्वारा भी अत्यधिक प्रशंसा की गई तथा इसे अन्य महाविद्यालयों के लिए प्रेरणा स्वरूप एवं राजकीय महाविद्यालयों के लिए गर्व का विषय बताया गया।

13. आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की तृतीय बैठक संपन्न

'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के समस्त आंतरिक एवं बाह्य पदाधिकारियों की तृतीय बैठक 30 जून 2023 को संपन्न हुई। बैठक का आयोजन ब्लेंडेड मोड में किया गया, जिसमें अधिकतर पदाधिकारियों ने महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूर्ण करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त जो सदस्य किसी कारणवश महाविद्यालय में उपस्थित नहीं हो पाए, उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपने बहुमूल्य सुझाव महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता संवर्धन हेतु प्रदान किए।

प्राचार्य एवं 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की अध्यक्षा प्रोफेसर डॉ. दिव्या नाथ ने समस्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए आई.क्यू.ए.सी. के उद्देश्य एवं स्टेकहोल्डर की महाविद्यालय में भूमिका से सदन को परिचित कराया। तत्पश्चात् 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' की प्रभारी प्रोफेसर डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने सर्वप्रथम द्वितीय बैठक में सुनिश्चित किए गए एजेंडा की Action Taken Report अर्थात विगत बैठक के एजेंडा को महाविद्यालय कितने प्रतिशत तक पूर्ण कर पाया है, इस विषय की जानकारी समस्त पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई। सदन में उपस्थित सभी ने यह जानकर कि एजेंडा को 99% पूर्ण कर लिया गया है, करतल ध्वनि से प्रशंसा व्यक्त की। इसके पश्चात विगत 3 माह में महाविद्यालय में हुए अतिरिक्त कार्यों का लेखा-जोखा भी प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सदन के सम्मुख लाया गया। जिसमें महाविद्यालय का नवोन्मेष यूट्यूब चैनल "प्रवाह" का शुभारंभ होना विशेष उपलब्धि थी, जिस का लाइव प्रसारण देख कर समस्त पदाधिकारियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। इसके पश्चात वर्तमान बैठक का एजेंडा सबके समक्ष रखा गया एवं सदन से सुझावों का अनुरोध किया गया।

संवाद सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय से उपस्थित अकादमिक प्रतिनिधि प्रोफेसर राजीव नयन ने महाविद्यालय द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। जिसमें उन्होंने NAAC की दृष्टि से महाविद्यालय की गतिविधियों के समस्त लेखा-जोखा विभागवार संरक्षित रखने पर बल दिया गया। प्रो. अरुण मोहन शैरी, ट्रिपल आई टी, लखनऊ ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़ कर महाविद्यालय की प्रगति एवं उपलब्धियों को जानने का प्रयास किया एवं समिति के सम्मानित सदस्य के रूप में उन्होंने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि महाविद्यालय नित नवोन्मेष कर रहा है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब के पदाधिकारी सामुदायिक सेवा जैसे कार्यों को प्राथमिकता देते हैं। अतः उन्हें साथ जोड़कर महाविद्यालय छात्राओं के हित में विभिन्न प्रकार के कार्यों को संपन्न करा सकता है, साथ ही उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर विदेश गए प्राध्यापकों के माध्यम से विदेशी विश्वविद्यालयों के कॉलेबोरेशन से अकादमिक कार्यक्रमों के संचालन का सुझाव दिया। होलेंड ट्रैक्टर प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित श्री आदित्य जी ने कहा कि उन्हें यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय महाविद्यालय के रूप में महाविद्यालय इतने सारे नवीन कार्यों को सीमित संसाधन में भी पूर्ण कर रहा है। उन्होंने छात्राओं को कौशल विकास पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपनी विभिन्न संस्थाओं से सहयोग दिलवाने का आश्वासन दिया। एन.जी.ओ. प्रतिनिधि के रूप में 'स्पंदन' संस्था से आए श्री सुदेश कुमार ने वेस्ट मैनेजमेंट पर शिक्षणेत्तर कर्मचारियों हेतु त्रिदिवसीय कार्यशाला कराने का प्रस्ताव दिया, जिसे 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' ने सहर्ष स्वीकार करते हुए शीघ्र ही आयोजन हेतु सहमति व्यक्त की।

श्रीमती नरगिस गुप्ता, लायंस क्लब ने पूर्व में लगाए चिकित्सा शिविर के फॉलोअप के रूप में चिन्हित छात्राओं को चिकित्सीय सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराने हेतु इच्छा जाहिर की तथा सभी ने तालियों के साथ उनके प्रस्ताव का स्वागत किया।

इसके उपरांत नमो गंगे प्रतिनिधि ने महाविद्यालय में अपनी संस्था की ओर से हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। जन प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित श्री शामेंद्र, प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख बिसरख ने महाविद्यालय को छात्रा हित के कार्यों की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय बताया तथा महाविद्यालय सौंदर्यीकरण कराने हेतु अपने सहयोग का आश्वासन दिया।

अभिभावक प्रतिनिधियों ने महाविद्यालय कार्यों के प्रति अपनी पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की तथा पुरातन एवं वर्तमान छात्राओं द्वारा भी महाविद्यालय के समस्त प्रशासनिक एवं अकादमिक परिवेश के प्रति संतुष्टि का भाव व्यक्त किया गया।

महाविद्यालय के 'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' के पदाधिकारी प्रोफेसर डॉ. किशोर कुमार जो पोलैण्ड में प्रोफेसर चेयर पद पर प्रतिनियुक्ति पर है, तथा श्रीमती शिल्पी जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में है, ने बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित होकर महाविद्यालय के प्रति अपने दायित्व को पूर्ण करने का प्रयास किया।

तत्पश्चात् IQAC सदस्य डॉ. सत्यंत कुमार द्वारा सभी उपस्थित Stakeholders का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उन्होंने कहा कि प्राचार्य महोदया के निर्देशन में IQAC अपने उद्देश्यों व लक्ष्यों के प्रति कर्मठता से कार्य करते हुए निरंतर महाविद्यालय गुणवत्ता उन्नयन में संलग्न है। अंत में आगामी सत्र में नवीन ऊर्जा के साथ महाविद्यालय गुणवत्ता को नवीन स्तर तक ले जाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।

'आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ' नियमित रूप से लक्ष्यों के निर्धारण एवं उनकी पूर्णता के सहसंबंध पर आत्म विश्लेषण द्वारा प्रस्तावित लक्ष्य और उनके परिणाम के बीच के अंतराल पर सेतु के समान कार्य कर लक्ष्य प्राप्ति हेतु कर्मठता के साथ प्रयासरत है तथा आगामी सत्र में भी आई.क्यू.ए.सी. यथासंभव महाविद्यालय की गुणवत्ता को नूतन आयाम पर ले जाने हेतु कटिबद्ध है।

MOU Collaboration Committe

प्रो. (डॉ.) शिवानी वर्मा

प्रभारी

महाविद्यालय की छात्राओं के बहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास की दृष्टि से महाविद्यालय विभिन्न संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, इंडस्ट्रीज, NGO एवं स्किल पार्टनर से जुड़ा हुआ है। जिसके लिए बहुत से MOU (Memorandum of Understanding) भी Sign किये गए हैं। ये MoU महाविद्यालय स्तर, विभाग स्तर एवं अन्य कोर्स संबंधी केटेगरी में निम्नलिखित प्रकार से प्रस्तुत हैं:-

महाविद्यालय स्तर

1. गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
2. गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
3. TNS India Foundation
4. नमो गंगे ट्रस्ट
5. Jagruti Waste Paper recycling services
6. Clear Medi Health Care
7. Adon System
8. ITS, The Education Group
9. National Medicinal Plant board, department of Ayush (for herbal garden)
10. Medha group
11. Magic bus Foundation India

महाविद्यालय के विभागों के स्तर पर

1. शिक्षा संकाय-2
2. वाणिज्य संकाय
3. शारीरिक शिक्षा विभाग
4. हिंदी विभाग
5. संस्कृत विभाग-2
6. भूगोल विभाग-2

Skill Partner

1. राजकीय फल संरक्षण केंद्र, नोएडा
2. अम्बुजा फाउंडेशन, दादरी, गौतमबुद्ध नगर
3. Aero Aviation Academy
4. Tourism and Hospitality Skill council (THSC)
5. दिव्य योगमय इंस्टीट्यूट, गाजियाबाद
6. योग संस्कृति उत्थान पीठ, दिल्ली
7. ईशान मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर, ग्रेटर नोएडा
8. नालंदा प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आशा ट्रस्ट, लखनऊ

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ

कला संकाय

हिन्दी विभाग

1. डॉ. रश्मि कुमारी, प्रोफेसर
2. डॉ. नीरज कुमार, असि. प्रो.
3. डॉ. जीत सिंह, प्रोफेसर
4. डॉ. मिन्तू, असि. प्रो.

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ. जूही बिरला, असि. प्रो.
2. डॉ. विजेता गौतम, असि. प्रो.
3. डॉ. श्वेता सिंह, असि. प्रो.
4. डॉ. अपेक्षा तिवारी, असि. प्रो.

संस्कृत विभाग

1. डॉ. दीप्ति वाजपेयी, प्रोफेसर
2. डॉ. नीलम शर्मा, असि. प्रो.
3. डॉ. कनकलता यादव, असि. प्रो.
4. डॉ. शिखा रानी, असि. प्रो.

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ. सुशीला, असि. प्रो.
2. डॉ. विनीता सिंह, असि. प्रो.
3. डॉ. कविता वर्मा, असि. प्रो.
4. डॉ. अनीता, असि. प्रो.

इतिहास विभाग

1. डॉ. आशा रानी, प्रोफेसर
2. डॉ. किशोर कुमार, प्रोफेसर
3. डॉ. निधि रायज़ादा, प्रोफेसर
4. डॉ. अनीता सिंह, प्रोफेसर
5. श्री अरविन्द सिंह, असि. प्रो.
6. श्री बसंत कुमार, असि. प्रो.

गृह विज्ञान विभाग

1. डॉ. शिवानी वर्मा, प्रोफेसर
2. श्रीमती शिल्पी, असि. प्रो.
3. श्रीमती माधुरी पाल, असि. प्रो.
4. श्रीमती नीलम यादव, असि. प्रो.

राजनीतिशास्त्र विभाग

1. डॉ. ममता उपाध्याय, प्रोफेसर
2. डॉ. सीमा देवी, असि. प्रो.
3. डॉ. रंजना उपाध्याय, असि. प्रो.

भूगोल विभाग

1. डॉ. मीनाक्षी लोहनी, असि. प्रो.
2. डॉ. कनक कुमार, असि. प्रो.
3. डॉ. निशा यादव, असि. प्रो.
4. श्रीमती दीपांक्षी सिंह, असि. प्रो.

अर्थशास्त्र विभाग

1. श्रीमती भावना यादव, असि. प्रो.
2. श्रीमती पवन कुमारी, असि. प्रो.
3. श्री गजेन्द्र सिंह, असि. प्रो.
4. डॉ. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, असि. प्रो.

संगीत विभाग

1. डॉ. बबली अरूण, असि. प्रो.

चित्रकला विभाग

1. डॉ. शालिनी तिवारी, असि. प्रो.

शारीरिक शिक्षा विभाग

1. डॉ. सत्यन्त कुमार, असि. प्रो.
2. श्री धीरज कुमार, असि. प्रो.

शिक्षा विभाग

1. डॉ. सोनम शर्मा, असि. प्रो.

विज्ञान संकाय

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ. दिनेश चन्द शर्मा, प्रोफेसर
2. डॉ. सुरेन्द्र कुमार, प्रोफेसर
3. डॉ. नीतू सिंह, असि. प्रो.

रसायन विज्ञान विभाग

1. श्रीमती नेहा त्रिपाठी, असि. प्रो.

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ. प्रतिभा तोमर, असि. प्रो.

भौतिक विज्ञान विभाग

1. डॉ. ऋचा, असि. प्रो.

गणित विभाग

1. डॉ. अनुपम स्वामी, असि. प्रो.

वाणिज्य संकाय

1. डॉ अरविन्द कुमार यादव, असि. प्रो.
2. डॉ. मणि अरोड़ा, असि. प्रो.

शिक्षा संकाय

1. डॉ. संजीव कुमार, असि. प्रो.
2. श्री दीपक कुमार शर्मा, असि. प्रो.
3. डॉ. रतन सिंह, असि. प्रो.
4. डॉ. रमाकान्ति, असि. प्रो.
5. डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार, असि. प्रो.
6. डॉ. सतीश चन्द्र, असि. प्रो.
7. डॉ. नितिन त्यागी, असि. प्रो.

बी. वॉक. संकाय (यू.जी.सी. अनुदानित)

1. डॉ. आजाद आलम सिद्दकी, अस्थायी प्रवक्ता

शिक्षणेत्तर कर्मचारी

1.	पुस्तकालयाध्यक्ष	पदरिक्त
2.	कार्यालयाध्यक्ष	श्री महेश भाटी
3.	वरिष्ठ लिपिक	दो पद रिक्त
4.	कनिष्ठ लिपिक	श्री माधव श्याम केसरवानी श्री गौतम कुमार
5.	अर्दली	एक पद रिक्त
6.	स्वीपर	एक पद रिक्त
7.	कार्यालय परिचर	श्री चन्द प्रकाश दो पद रिक्त
8.	प्रयोगशाला सहायक	चार पद रिक्त
9.	प्रयोगशाला परिचर	श्री मुकेश शर्मा (भू. विभाग) 6 पद रिक्त

शास्ता मण्डल

बाएं से दाएं : डॉ. अरविन्द कुमार यादव, डॉ. संजीव कुमार, श्री धीरज कुमार, डॉ. आशा रानी, डॉ. रश्मि कुमारी (मुख्य शास्ता), डॉ. दिव्या नाथ (प्राचार्या), डॉ. दिनेश चन्द शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मीनाक्षी लोहनी, डॉ. शिवानी वर्मा

सम्पादक मण्डल

दांये से बांये : डॉ. कनकलता, डॉ. मिन्तु, प्रो. (डॉ.) निधि रायज़ादा, प्रो. (डॉ.) दिव्या नाथ (प्राचार्य), प्रो. (डॉ.) दीप्ति वाजपेयी, डॉ. नीरज कुमार (प्रधान सम्पादक), डॉ. नीतू सिंह, डॉ. जूही बिरला

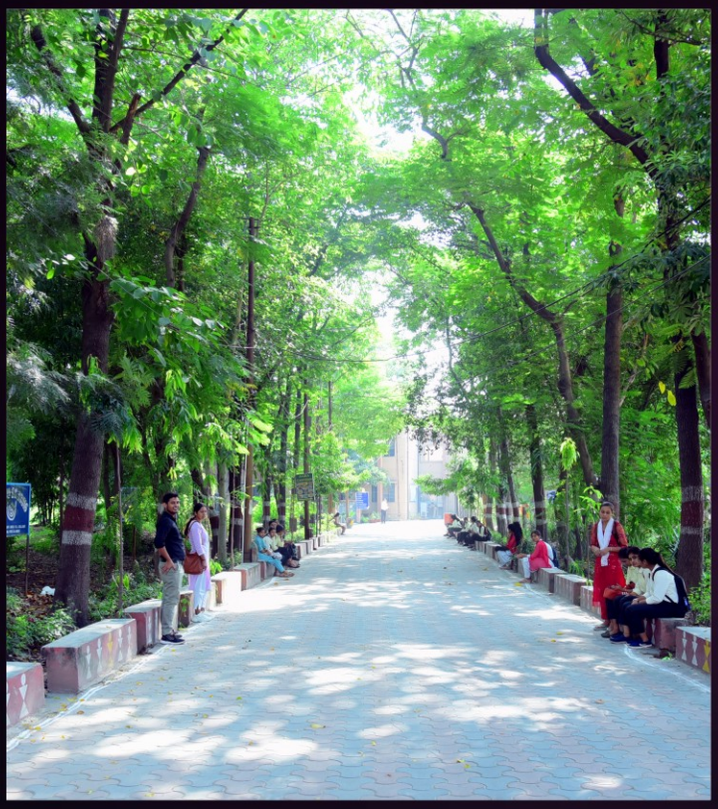

ISBN No. 978-81-958883-6-8